प्रार्थनाओं की पुस्तक

वषिय-सूची

परचिय..... 2
प्रारंभकि प्रार्थनाएँ 10
सुबह की प्रार्थनाएँ 13
स्मृति सेवा 25
समापन प्रार्थनाएँ 29
सोने से पहले प्रार्थनाएँ 31
पवत्रि सहभाग का अनुष्ठान 47
पवत्रि भोज के बाद कृतज्ञता की प्रार्थनाएँ 71
ईस्टर घंटे 78
हमारे प्रभु यीशु मसीह को अकथस्ति के साथ कैनन 81
हमारे प्रभु यीशु मसीह के लिए प्रायश्चति का कैनन .101
परमेश्वर की अतपिवत्रि माता को अकथस्ति सहति कैनन 110
परमेश्वर की अतपिवत्रि माता के प्रति वनिती का कैनन 132
पवत्रि और जीवन-प्रदायक क्रूस के लिए कैनन 143
पालक देवदूत के लिए कैनन 154
चमत्कार करने वाले संत नकिोलस को अकथस्ति सहति कैनन 163
बीमारों के लिए कैनन 187
लाइटनी का अनुष्ठान , एक सामान्य व्यक्ति द्वारा कयिा गया 197
एक सामान्य व्यक्ति द्वारा संपन्न की जाने वाली लतिानी की व्यवस्था
पास्का के मौसम के दौरान..... 201
बारह भजन-संग्रह की सेवा 204
अशुद्धि के वरिुद्ध नयिम.....222

परिचय

प्रार्थना , मॉस्को के संत फिलारेत द्वारा दी गई परिभाषा (ऑर्थोडॉक्स कैटेकिज़्म , भाग II, 2) के अनुसार , 'ईश्वर की ओर मन और हृदय का उत्थान है , जो व्यक्ति के ईश्वर के प्रति श्रद्धापूर्ण शब्दों के माध्यम से व्यक्त होता है '। यही प्रार्थना है जिसमें हमारी आत्मा अपने सृष्टिकर्ता के साथ एकता में प्रवेश करके स्वर्ग के राज्य के नियमों के अनुसार जीने लगती है , उस अनंत जीवन में सहभागी होकर जिसका सार ईश्वर के साथ एकता और ईश्वर के ज्ञान में निहित है (यूहन्ना 17:3)। यह स्पष्ट है कि एक ईसाई के लिए प्रार्थना का एक सच्चा अनुभव प्राप्त करना कितना महत्वपूर्ण है , जिसका अंतिम लक्ष्य प्रेरितिक आज्ञा की पूर्ति है : 'बिना रुके प्रार्थना करो' (1 थिस्स . 5:17)।

प्रभु यीशु मसीह ने स्वयं अपने शिष्यों को न केवल प्रार्थना के निर्देश दिए, बल्कि प्रार्थना का एक नमूना भी दिया—जिसे कलीसिया 'प्रार्थनाओं की प्रार्थना ' कहती है —जो उन सभी बातों को समाहित करता है जिनके लिए हम प्रार्थना कर सकते हैं और करना चाहिए। (मत्ती 6:9–13, लूका 11:2–4)। प्रभु की प्रार्थना हमारे लिए ज्ञात प्रार्थना का पहला नियम भी बन गई: ईस्वी पहली और दूसरी शताब्दी के मोड़ के एक पाठ, *द् टीचिंग ऑफ द ट्वेल्व अपॉस्टल्स * (*डिडाके *, अध्याय VIII) में , यह अनुशंसा की गई है कि इस प्रार्थना का दिन में तीन बार जाप किया जाए। समय के साथ, कलीसिया ने संतों के प्रार्थनात्मक अनुभवों को दर्ज करना शुरू कर दिया, ताकि प्रार्थना के अभ्यास में कम उन्नत लोगों के सामने पूर्ण प्रार्थना के उदाहरण आ सकें। विशेष रूप से मठवासी जीवन (4ठी सदी) के उदय के साथ, न केवल प्रार्थना के कई अनुकरणीय मॉडल संकलित किए गए, बल्कि धार्मिक अनुष्ठान और निजी (यानी घरेलू) प्रार्थना दोनों के क्रम को नियंत्रित करने वाले नियम

भी बनाए गए। कई शताब्दियों के दौरान और आज तक, इस तरह के अनगिनत नियम और प्रार्थना दिशानिर्देश सामने आए हैं। उनमें से कुछ केवल लिखित स्रोतों से ही ज्ञात हैं , जबकि अन्य आज भी सामान्य चर्च संबंधी उपयोग में हैं। बस हमें संस्कारिक भजन-संग्रह के अंत में मुद्रित नियम को याद करना है , जो लगभग 348 ईस्वी में परम पूज्य पाकोमियस महान को एक देवदूत द्वारा दिया गया था, या फिर सारोव के परम पूज्य सेराफिम (+1833) का नियम, जो उन्होंने दिव्येवो मठ की बहनों के लिए निर्धारित किया था।

आज के समय में , जब चर्च के केवल कुछ ही सदस्यों को दैनिक चर्च सेवाओं में नियमित रूप से भाग लेने का अवसर मिलता है , तब घर पर प्रार्थना का महत्व विशेष रूप से बढ़ जाता है। यहाँ , ऑर्थोडॉक्स चर्च , इस बात से इनकार किए बिना कि हर कोई दिल से निकली अपनी भाषा में प्रार्थना कर सकता है , फिर भी अपने सदस्यों को, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से , एक विशिष्ट प्रार्थना नियम का पालन करने की सलाह देता है - यानी, प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्थापित प्रार्थनाओं की एक निश्चित संख्या और क्रम।

प्रार्थना नियम की विशिष्ट सामग्री और दायरा व्यक्तिगत आधार पर निर्धारित किया जाता है , आमतौर पर एक आध्यात्मिक पिता की सलाह पर, ईसाई की आध्यात्मिक 'परिपक्वता ' और जीवन की परिस्थितियों के अनुसार।

वर्तमान में , सामान्यतः धर्मनिष्ठ लोग हर दिन सुबह की प्रार्थनाएँ और सोने से पहले की प्रार्थनाएँ करते हैं – या तो पूरी तरह से या संक्षिप्त रूप में। पवित्र सहभागिता के लिए प्रार्थनापूर्ण तैयारी के हिस्से के रूप में , आमतौर पर सहभागिता से एक दिन पहले तीन कैनन का पाठ करने की सलाह दी जाती है : हमारे प्रभु यीशु मसीह के लिए प्रायश्चित कैनन , परमेश्वर की अति पवित्र माता के लिए निवेदन कैनन , और संरक्षक स्वर्गदूत के लिए कैनन। इसके अलावा, शाम की प्रार्थना सभा के बाद, सामान्य शाम की प्रार्थना के साथ-साथ,

पवित्र सहभाग के नियम (प्रार्थनाओं को छोड़कर) का पाठ किया जाता है। सुबह , दैवीय धर्मविधि से पहले , सुबह की प्रार्थनाएँ और पवित्र सहभाग से पहले की प्रार्थनाओं का पाठ किया जाता है। धर्मविधि के बाद, चाहे चर्च में हो या घर पर, पवित्र सहभाग के बाद की धन्यवाद की प्रार्थनाओं का पाठ किया जाता है।

ऑर्थोडॉक्स चर्च , 'नियम' का पालन करने और इस प्रकार संतों के प्रार्थना के अनुभव से सीखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए , यह मानती है कि प्रार्थनाओं का अर्थ प्रार्थना करने वाले व्यक्ति द्वारा समझा जाता है। ठीक इसी कारण से पवित्र शास्त्रों और पूजा -संबंधी ग्रंथों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करने की संभावना —और कभी-कभी आवश्यकता —को हमेशा स्वीकार किया गया है। और रूसी भाषा भी इसका अपवाद नहीं हो सकती।

बेशक , प्रार्थनाओं के अर्थ को समझने में कठिनाइयाँ मुख्य रूप से उन लोगों के बीच उत्पन्न होती हैं जो हाल ही में चर्च में शामिल हुए हैं और जिनके पास भाषाई प्रशिक्षण नहीं है। उनके लिए, रूसी में प्रार्थनाएँ पढ़ना आधुनिक धर्मनिरपेक्ष संस्कृति और पादरिक प्रार्थना अभ्यास तथा चर्च की अनुष्ठानिक परंपरा के बीच 'सेतु बनाने ' को काफी आसान बनाता है। हालांकि , यह कोई रहस्य नहीं है कि चर्च जीवन से अच्छी तरह परिचित लोगों के लिए भी, प्रार्थनाओं में कई अंश और वाक्यांश अविश्वसनीय या, इससे भी बदतर, गलत समझ लिए जाते हैं।

हमें उम्मीद है कि यह संस्करण ऐसे लोगों को न केवल प्रार्थनाओं का अर्थ समझने में मदद करेगा , बल्कि ऑर्थोडॉक्स प्रार्थना के खजाने के प्रति और अधिक गहराई से संवेदनशील बनाने में भी मदद करेगा। इसमें एक संक्षिप्त प्रार्थना पुस्तक शामिल है जिसमें उपरोक्त सूचीबद्ध सभी प्रार्थनाएँ शामिल हैं , जो हर ऑर्थोडॉक्स ईसाई के लिए आवश्यक हैं। प्रार्थनाओं का अनुवाद आंशिक रूप से मूल ग्रीक (जहाँ यह हमें उपलब्ध था) से और आंशिक

रूप से स्लावोनिक से किया गया है, जहाँ संबंधित ग्रंथ विशेष रूप से स्लावोनिक पूजा-संस्कार की परंपरा के भीतर उपयोग किए जाते हैं। इस प्रकार, प्रातःकालीन प्रार्थनाओं की शुरुआत, क्रीड तक और उसमें शामिल, और 7वीं और 8वीं प्रातःकालीन प्रार्थनाओं का अनुवाद ग्रीक से किया गया है; संध्या सेवा से – प्रायश्चित्त ट्रोपारिया, परमेश्वर की माता को कोंडाक और उसके बाद की चार छोटी प्रार्थनाएँ; सर्वाधिक पवित्र परमेश्वर की माता के प्रति निवेदन-भरा कैनन, पवित्र सहभाग के लिए सेवा (सातवीं प्रार्थना को छोड़कर) और कृतज्ञता की प्रार्थनाएँ। हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि हमारी अनुवाद-शैली, शब्दावली और वाक्य-रचना के मामले में, परिचित चर्च स्लावोनिक पाठ से बहुत दूर न जाए और उसकी लय के समान हो। अर्थ की स्पष्टता के लिए अनुवादक द्वारा जोड़े गए शब्द इटैलिक में दिए गए हैं। ग्रीक पाठ में मौजूद लेकिन स्लावोनिक में अनुपस्थित शब्द कोष्ठक में दिए गए हैं, जबकि केवल स्लावोनिक पाठ में पाए जाने वाले शब्द गोल कोष्ठक में दिए गए हैं।

इस संस्करण का दूसरा भाग भजन संहिता (Psalter) से मिलकर बना है – यह पवित्र धर्मग्रंथ की एक पुस्तक है जो कलीसिया के उपासना-सम्बन्धी जीवन में एक सर्वथा विशिष्ट स्थान रखती है और वास्तव में 'प्रार्थना का विद्यालय' है।

भजन संहिता (ग्रीक शब्द यल्टारियन – एक तार वाला वाद्य यंत्र जो लीर या हार्प जैसा दिखता है) पुराने नियम की पुस्तकों में से एक है। हिब्रू में इसे स्तुति की पुस्तक कहा जाता है और यह 150 भजनों के संग्रह से मिलकर बनी है (भजन 151 केवल ग्रीक में ज्ञात है) – ये काव्यात्मक रचनाएँ हैं जो संगीत के साथ गायन ( ) के लिए बनाई गई थीं – इसका संदर्भ भजनों के शीर्षकों में संरक्षित है।

परंपरा के अनुसार अधिकांश भजन राजा दाऊद, भजनकार (लगभग ईसा पूर्व 1000) को सौंपे गए हैं। हिब्रू पाठ में 73 भजनों में उनका नाम अंकित है, जबकि यूनानी पाठ में 84 भजनों

में। हालाँकि, कुछ भजन कोराह के बेटों – मंदिर के गायकों के एक वंश (10 भजन) – के साथ-साथ दाऊद के समकालीन, लेवियों असaf (12 भजन), उसके भाई हेमान (भजन 87) और एक अन्य गायक, एफान (भजन 88) को भी श्रेय दिए जाते हैं। भजन संहिता 89 का श्रेय मूसा को दिया जाता है, जबकि भजन संहिता 71 और 126 का श्रेय सुलैमान को दिया जाता है। शेष भजनों के लेखक अज्ञात हैं।

भजन संहिता की सामग्री बहुत विविध है। भजन रचयिता ऐतिहासिक घटनाओं और व्यक्तिगत जीवन के उतार-चढ़ाव, जो एक व्यक्ति को आशा के एकमात्र स्रोत की ओर निर्देशित करते हैं; परमेश्वर के लिए आत्मा की पश्चाताप से परिपूर्ण लालसा; परमेश्वर की अक्षय भलाई के लिए उसकी कृतज्ञता; और सृष्टिकर्ता की महिमा, उनकी सर्वशक्तिमत्ता और बुद्धि, और उनकी सृष्टि की पूर्णता पर उसकी आनंद-उल्लास से प्रेरित थे। और ये शांत आहें और विजय-भरे स्तुति-गीत, मानो एकांत में सुने जाते हैं, जिन्हें प्रार्थना करने वाले लोगों का समूह अपना लेता है। और ईश्वर के लिए इस तड़प से ऊपर, सभी व्यक्तिगत और सांसारिक दुख और आध्यात्मिक आनंद से ऊपर, एक प्रिय विचार सर्वोच्च है, एक उत्सुक अपेक्षा - आने वाले मसीहा की, जिसके विचार मात्र से भजनकार की आत्मा भविष्यसूचक शक्ति से भर जाती है।

ईसाइयों के लिए, मसीहा के आगमन की आशा यीशु मसीह के आगमन से पूरी हुई। नए नियम में भजन संहिता के ग्रंथों का लगातार हवाला दिया गया है, जिसमें सबसे अधिक भजन संहिता 109 का उल्लेख है। नया नियम और ईसाई परंपरा भजन संहिता 2, 8, 15, 21, 39, 40, 44, 67, 68, 97 और कई अन्य भजनों की व्यक्तिगत छंदों को मसीह से जोड़ते हैं। ईसाई चर्च ने भजनों को बिना किसी परिवर्तन के अपनी उपासना में शामिल किया है - शब्दों को बदले बिना, लेकिन उनके अर्थ को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध करके: मसीह की शिक्षाएं, अंतिम भोज, पीड़ा और पुनरुत्थान ने भजनों की समझ को गहरा किया, उनकी भविष्यसूचक अंतर्दृष्टि

की पुष्टि की, और पुराने नियम की मानवता की सभी आशाओं को पूर्ण रूप से पूरा किया।

प्रारंभिक ईसाई और पैट्रिस्टिक दोनों युगों में, भजन संहिता प्रार्थना और ईश्वर की महिमा के लिए एक उत्कृष्ट मार्गदर्शक के रूप में काम करती थी। प्रारंभिक शताब्दियों में, ईसाइयों ने भजन गाकर धर्मपरायणता के कार्यों के लिए स्वयं को प्रेरित किया; भजनों ने उन्हें उत्पीड़न के दौरान सहारा दिया और उन्हें अपने दुखों को साहस के साथ सहने की शक्ति प्रदान की; भजनों ने उनके आराम के समय और उनके विभिन्न श्रम और व्यवसायों के बीच उनके निर्माण के लिए भी काम किया।

परंपरा के अनुसार, भजन संहिता की पुस्तक का अनुवाद, पवित्र धर्मग्रंथ की अन्य पुस्तकों के साथ, लगभग 285–246 ईसा पूर्व या उससे कुछ बाद अलेक्जेंड्रिया में 72 विद्वान लेखकों द्वारा ग्रीक में किया गया था। इस अनुवाद को सेप्टुआजिंट (लैटिन शब्द सेप्टुआजिंटा - 70, जिसे संक्षेप में LXX कहा जाता है) के नाम से जाना जाता है। यह ग्रीक बोलने वाले यहूदियों के बीच बहुत अधिक मान्य था और बाद में ईसाई चर्च के भीतर पुराने नियम का आधिकारिक रूप से स्वीकृत संस्करण बन गया। नए नियम में पुराने नियम का हवाला LXX के अनुसार दिया गया है; शुरुआती शताब्दियों में चर्च फादर्स ने इस अनुवाद का उपयोग किया था।

स्लाविक प्रेरित कॉन्स्टेंटिन (सिरील) और मेथोडियस पसाल्टर का अनुवाद करने वालों में सबसे पहले थे, जिन्होंने LXX के ग्रीक अनुवाद का शाब्दिक रूप से स्लावोनिक में अनुवाद किया। जैसे-जैसे रस में ईसाई धर्म ने जड़ें जमाईं, भजन संहिता लोगों की पसंदीदा किताब बन गई। भजन संहिता को साक्षरता सिखाने के लिए उपयोग किया जाता है; कोई भी धर्मपरायण पुस्तक-प्रेमी भजन संहिता के बिना नहीं रह सकता; मृतकों के लिए भी भजन संहिता पढ़ी जाती है। सभी पुराने रूसी साहित्य में भजन संहिता के संदर्भों से भरपूर है।

परिचय

चर्च में , हर सुबह और शाम की प्रार्थना सभा में भजन संहिता पढ़ी जाती है और एक सप्ताह के दौरान इसे पूरा पढ़ा जाता है , और महा-तपस्या (Great Lent) के दौरान सप्ताह में दो बार पढ़ी जाती है। ऑर्थोडॉक्स चर्च के पूजा -पाठ के ग्रंथों में भजनों से कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण शामिल हैं।

दुर्भाग्य से , वर्तमान में , ज़बूर का चर्च स्लावोनिक पाठ अधिकांश ईसाइयों के लिए काफी हद तक समझ से परे है। इस अंतर को बाइबिल के मौजूदा रूसी सिनोडल अनुवाद से नहीं भरा जा सकता, क्योंकि यह प्राचीन हिब्रू मसोरेटिक पाठ पर आधारित है और इसलिए यह कई जगहों पर चर्च स्लावोनिक पाठ से भिन्न है , जो LXX (सेप्टुआजिंट) तक जाता है। इसके अलावा, चूँकि यह घर पर पढ़ने के लिए है , यह मूल रूप से भजनों के काव्यात्मक पाठ की एक गद्यमय , पंक्ति -दर-पंक्ति व्याख्या है। यही बात पी. ए. युंगरोव (1915) द्वारा हाल ही में पुनः प्रकाशित अनुवाद पर भी लागू होती है , जो एल.एक्स .एक्स . पाठ पर ही आधारित था।

वर्तमान अनुवाद कुछ हद तक इन कमियों को दूर करने का प्रयास करता है। LXX के ग्रीक पाठ का शाब्दिक अनुवाद किया गया है , जहाँ इससे अर्थ की स्पष्टता पर कोई आँच नहीं आती। जिन अंशों में शाब्दिक अनुवाद संतोषजनक अर्थ नहीं देता , उन्हें चर्च फादर्स की समझ के अनुसार और मूल के प्रति यथासंभव निष्ठा के साथ paraphrase किया गया है।

जहाँ ग्रीक पाठ में विसंगतियाँ हैं , वहाँ चर्च स्लावोनिक स्तोत्रसंग्रह के अनुरूप संस्करणों को अपनाया गया है। छंदों की संख्या भी कई स्थानों पर बाइबिल के सिनोडल अनुवाद से भिन्न है। प्रार्थना पुस्तक की तरह, अर्थ की सुसंगति और स्पष्टता के लिए डाले गए शब्द इटैलिक में रखे गए हैं।

अनुवाद का प्राथमिक उद्देश्य अर्थ को संप्रेषित करना था, न कि मूल की शैलीगत विशेषताओं को प्रतिबिंबित करने वाला एक कलात्मक , काव्यात्मक रूपांतरण तैयार करना। हालाँकि , पाठ

की लय को चर्च स्लावोनकि संस्करण की लय के जतिना संभव हो सके उतना करीब लाया गया है।

ऑर्थोडॉक्स चर्च के पूजा संबंधी नयिमों के अनुसार , इस संस्करण में भजन संहति के पाठ को 'कैथस्मि ' और 'ग्लोरीज़ ' में वभिाजति कयि गया है।

भजनों के साथ ट्रॉपारयि और प्रार्थनाएँ भी दी गई हैं , जो चर्च स्लावोनकि भजन-संग्रह में पाए जाने वाले भजनों के घरेलू पाठ के लिए हैं। इन ग्रंथों का अनुवाद चर्च स्लावोनकि से कयि गया है।

अंत में , दविंगतों के लिए और जीवतिों की स्वास्थ्य के लिए भजन-संग्रह पढ़ने हेतु एक पूजा -वधि है , जसिमें संबंधति प्रार्थनाएँ शामलि हैं।

हाइरोमोंक एम्ब्रोज़ (टमिरोट)।

वषिय-सूची की ओर।

प्रारंभकि प्रार्थनाएँ

ये प्रार्थनाएँ दैनकि प्रार्थना नयिम और अधकिांश चर्च सेवाओं की शुरुआत में पढ़ी जाती हैं। प्रत्येक ऑर्थोडॉक्स ईसाई को इन्हें कंठस्थ जानना चाहिए।

नर्धिारति प्रणाम करने के बाद, पुरोहति उद्घोषणा करता है [1]: हमारे ईश्वर का सदा, अब और सदा के लिए, युगानुयुग तक धन्य हो।

हम उत्तर देते हैं [2]: आमेन।

पाठक: महमिा तेरी , हमारे परमेश्वर , महमिा तेरी।

पवत्रि आत्मा की प्रार्थना [3]

हे स्वर्गीय राजा, हे सांत्वनादाता , हे सत्य के आत्मा , जो सर्वत्र उपस्थति हैं और सर्व वस्तुओं को भरते हैं , हे समस्त शुभताओं के भण्डार और हे जीवन-प्रदातार , आओ और हम में नविास करो, और हमें हर अशुद्धि से शुद्ध करो, और हे दयालु , हमारी आत्माओं को बचाओ।

पवत्रि त्रमिूर्ति [4]

हे पवत्रि ईश्वर , हे पवत्रि सर्वशक्तमिान , हे पवत्रि अमर, हम पर दया करो [5]।

हे पवत्रि परमेश्वर , हे पवत्रि सर्वशक्तमिान , हे पवत्रि अमर, हम पर दया करें।

हे पवत्रि ईश्वर , हे पवत्रि सर्वशक्तमिान , हे पवत्रि अमर, हम पर दया करो।

पति को महमिा हो, और पुत्र को, और पवत्रि आत्मा को, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

आरंभकि प्रार्थनाएँ

पवत्रि त्रमिूर्तकि की प्रार्थना

हे परम पवत्रि त्रमिूर्तकि , हम पर दया करो; हे प्रभु , हमें हमारे पापों से शुद्ध करो; हे स्वामी , हमारे अपराधों को क्षमा करो; हे पवत्रि एक, अपने नाम की खातरि हमारी दुर्बलताओं का उपचार करो।

हे प्रभु , दया करें। (३)

पिता की महमिा हो, पुत्र की महमिा हो, पवत्रि आत्मा की महमिा हो, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

प्रभु की प्रार्थना

हे हमारे पिता, जो स्वर्ग में हैं ! तेरा नाम पवत्रि माना जाए; तेरा राज्य आए; तेरी इच्छा पृथ्वी पर भी वैसे ही हो जैसे स्वर्ग में होती है ; हमें आज हमारा प्रतदिनि का भोजन दे ; और हमारे ऋण क्षमा कर, जैसे हम भी अपने ऋणीयों के क्षमा करते हैं ; और हमें परीक्षा में न ले , परन्तु हमें बुराई से बचा।

पुरोहति : क्योंकि राज्य , और शक्ति, और महमिा, पिता की, और पुत्र की, और पवत्रि आत्मा की, अब और सदा और युगानुयुगों तक, तेरी ही है।

हम: आमेन।

पाठक: हे प्रभु , दया करें। (12)

पिता की महमिा हो, पुत्र की महमिा हो, पवत्रि आत्मा की महमिा हो, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।[6]

आओ, हम अपने राजा, अपने ईश्वर की आराधना करें।

आओ, हम अपने राजा और ईश्वर मसीह के सामने पूजा करें और प्रणाम करें।

आओ, हम अपने राजा और ईश्वर , मसीह स्वयं के सामने आराधना करें और प्रणाम करें।

प्रारंभकि प्रार्थनाओं के बाद, वशिष्टि सेवा का क्रम पढ़ा जाता है।

आरंभकि प्रार्थनाएँ

टप्पिणयाँ

1 जब कोई सामान्य व्यक्ति प्रार्थना आरंभ करता है , तो वह क्रॉस का चह्न बनाते हुए कहता है :

पिता के नाम पर, और पुत्र के नाम पर, और पवित्र आत्मा के नाम पर। आमीन।

पुजारी की उद्घाटन उद्घोषणा के बजाय, वे कहते हैं :

हमारे पवित्र पिताओं की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , हम पर दया करें।

यह समान आह्वान पुरोहित के सभी आह्वानों की जगह लेता है। सेवा के दौरान पुरोहित और डकिन द्वारा बोली जाने वाली हर चीज़ को छोड़ दिया जाता है।

2 प्रार्थनाओं के शीर्षक और व्याख्याएं (एक अलग फॉन्ट में) ज़ोर से नहीं पढ़ी जाती हैं।

3 इस प्रार्थना के बजाय, ईस्टर से लेकर स्वर्गारोहण तक, ईस्टर का ट्रॉपारियन 'मसीह जी उठे ' तीन बार पढ़ा जाता है ; स्वर्गारोहण से लेकर पेंटेकोस्ट के दिन तक, उद्घाटन आह्वान के ठीक बाद ट्रिसागियन पढ़ा जाता है।

4 'हमारा पिता' तक और उसमें शामिल बाद की प्रार्थनाएँ पूरी तरह से पढ़ी जाती हैं , जहाँ धार्मिक अनुष्ठान की पुस्तकें 'इसके बाद त्रिसिगियन ' या '"हमारा पिता" के बाद, त्रिसिगियन ' बताती हैं।

5 यह प्रार्थना , नियम के अनुसार , क्रॉस का चह्न बनाते हुए और कमर से झुककर की जाती है।

6 जहाँ धार्मिक ग्रंथों में लिखा है : **'महिमा':** पूरा पाठ इस प्रकार पढ़ा जाना चाहिए: 'पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की महिमा हो'। जहाँ लिखा है : **'और अब':** पढ़ें : 'और अब, और सदा, और युगानुयुगों तक। आमेन '। जहाँ यह मुद्रित है : **'महिमा, और अब'**: संपूर्ण स्तुति -श्लोक पूरा पढ़ा जाना चाहिए। द्विबिंदु ':' यह इंगित करता है कि पाठ के केवल पहले शब्द (आमतौर पर अच्छी तरह से जाने जाने वाले और बार-बार दोहराए जाने वाले) ही दिए गए हैं।

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

सुबह की प्रार्थनाएँ

जागने पर, किसी भी अन्य कार्य से पहले, श्रद्धापूर्वक खड़े हो जाएँ, स्वयं को सर्व-दृष्टा ईश्वर के सामने प्रस्तुत करें, और, क्रॉस का चिह्न बनाकर, कहें : पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर। आमीन।

फिर थोड़ी देर प्रतीक्षा करें जब तक कि आपके सभी इंद्रियाँ शांत न हो जाएँ और आपके विचार सभी सांसारिक मामलों से हट न जाएँ; फिर बिना जल्दबाजी और हार्दिक ध्यान के साथ, झुककर निर्धारित संक्षिप्त प्रार्थनाएँ कहें।

इसके बाद, प्रारंभिक प्रार्थनाएँ पढ़ें और प्रभु की प्रार्थना **के बाद**:

परम पवित्र त्रिमूर्ति के लिए ट्रॉपारियन

हे दयालु, निद्रा से उठकर हम तेरे समक्ष नतमस्तक होते हैं, / और हे सर्वशक्तिमान, तेरा दिव्य स्तुतिगान गाते हैं: / 'हे ईश्वर, पवित्र, पवित्र, पवित्र हैं, / हे परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं द्वारा, हम पर दया कर!'

महिमा: हे प्रभु, आपने मुझे मेरे बिस्तर और नींद से जगाया है! / मेरे मन और मेरे हृदय को प्रबुद्ध करें, / और मेरे होठों को खोलें, / ताकि मैं आपकी महिमा करूँ, हे पवित्र त्रिमूर्ति: / 'पवित्र, पवित्र, पवित्र हैं आप, हे ईश्वर, / परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा, हम पर दया करें!'

और अब: न्यायाधीश अचानक आएँगे, / और प्रत्येक व्यक्ति के कर्म प्रकट हो जाएँगे। / परन्तु भय में हम आधी रात को पुकारेंगे: / 'पवित्र, पवित्र, पवित्र हैं आप, हे परमेश्वर, / परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा, हम पर दया करें!'

हे प्रभु, दया करें। **(12)**

सुबह की प्रार्थनाएँ

परम पवित्र त्रिमूर्ति की प्रार्थना

नींद से जागने पर, मैं आप पवित्र त्रिमूर्ति का धन्यवाद करता हूँ , कि आपकी महान दया और दीर्घ सहनशीलता के द्वारा , हे ईश्वर , आपने मुझ पर, जो आलसी और पापी हूँ , क्रोध नहीं किया, और न ही आपने मुझे मेरे अपराधों के लिए नष्ट किया, बल्कि आपने मानवजाति के प्रति अपना प्रचलित प्रेम दिखाया है , और मुझे मेरी नींद से जगाया है , ताकि मैं भोर में ही आपकी ओर मुड़ सकूँ और आपकी शक्ति की महिमा कर सकूँ। और हे पवित्र त्रिमूर्ति , अब मेरे मन की आँखें खोलें , मेरे होठों को खोलें , कि मैं तेरा वचन सीखूँ , और तेरी आज्ञाओं को समझूँ , और तेरी इच्छा पूरी करूँ , और हृदय से तेरा महिमा-गीत गाऊँ , और तेरे अति-पवित्र नाम की स्तुति करूँ , पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।[1]

आओ, हम अपने राजा, अपने ईश्वर की आराधना करें।

आओ, हम अपने राजा और ईश्वर मसीह के सामने आराधना करें और प्रणाम करें।

आओ, हम हमारे राजा और ईश्वर , मसीह स्वयं के सामने पूजा करें और साष्टांग दण्डवत करें।

भजन संहिता 50

हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें ; अपनी अनगिनत करूणा के अनुसार मेरे अपराधों को मिटा दें ; मुझे मेरे अधर्म से पूरी तरह धोकर शुद्ध कर दें , और मेरे पाप से मुझे पवित्र कर दें। क्योंकि मैं अपने अपराधों को जानता हूँ , और मेरा पाप सदा मेरे सामने रहता है। मैंने केवल आप ही के विरुद्ध पाप किया है और आपके दृष्टि में बुरा किया है ; ताकि आप अपने वचन में धर्मी ठहरें और जब आप न्याय में उपस्थित हों तो विजयी रहें। क्योंकि देखिए , मैं अधर्म में गर्भ में लिया गया, और पाप में मेरी माता ने मुझे जन्म दिया। क्योंकि देखो , तू सत्य से प्रेम करता है ; तू ने मुझे अपनी बुद्धि की गूढ़ और गुप्त बातें प्रगट की हैं। तू मुझे सोठ

से छड़िकना , और मैं शुद्ध हो जाऊँगा ; तू मुझे धोना, और मैं हमि से भी अधकि श्वेत हो जाऊँगा। तू मुझे आनन्द और प्रसन्नता सुनने देगा —और मेरी नम्र हड्डयिाँ आनंदति होंगी। अपने मुख को मेरे पापों से फेर लीजए और मेरी सारी अधर्म को मटिा दीजए। हे परमेश्वर , मुझ में एक नष्किलंक हृदय रचए, और मुझ में एक नया और सही आत्मा नया कीजए। मुझे अपनी उपस्थति से दूर न कीजए, और अपनी पवत्रि आत्मा मुझ में से न लीजए। मुझे अपने उद्धार का आनंद फरि से दे , और मुझे अपनी सामर्थी आत्मा से स्थरि कर। मैं दुष्टों को तेरे मार्ग सखिाऊँगा , और अधर्मी तेरी ओर फरिेंगे। हे परमेश्वर , हे मेरे उद्धार के परमेश्वर , मुझे रक्तपात के दोष से छुड़ा ; तब मेरी जीभ तेरी धार्मकिता में आनंद मनाएगी। हे प्रभु , तू मेरे होठ खोल देगा , और मेरे होठ तेरी स्तुति करेंगे। क्योंकि यदि तू बलदिान चाहता, तो मैं उन्हें चढ़ाता — परन्तु तू होमबलि में कोई आनंद नहीं लेता। परमेश्वर के लए बलदिान एक टूटी हुई आत्मा है ; हे परमेश्वर , एक टूटा और कुचला हुआ हृदय , तू तुच्छ नहीं जानेगा। हे प्रभु , अपनी अनुकूलता में , सयिोन पर अपनी कृपा प्रदान करें , और यरूशलेम की दीवारें फरि से बनाई जाएँ ; तब आप अनुग्रहपूर्वक धार्मकिता का बलदिान, भेंट और होमबलि स्वीकार करेंगे ; तब वे आपके वेदी पर जवान सांडों को चढ़ाएंगे।

धर्म -वश्विास

1. मैं एक परमेश्वर , पति, सर्वशक्तमिान , स्वर्ग और पृथ्वी , सभी दृश्य और अदृश्य वस्तुओं के सृष्टकिर्ता में वश्विास करता हूँ।

2. और एक प्रभु यीशु मसीह में , जो परमेश्वर का पुत्र है , एकमात्र जनमा हुआ , जो युगों से पहले पति से उत्पन्न हुआ , ज्योति से ज्योति , सच्चा परमेश्वर से सच्चा परमेश्वर , जनमा

हुआ , न कि बनाया हुआ , जो पिता के समान तत्व का है , और जिसके द्वारा सभी वस्तुएँ बनीं।

3. जो हमारे लिए, मानवजाति के लिए और हमारे उद्धार के लिए स्वर्ग से अवतरित हुए , और पवित्र आत्मा से कुँवारी मरियम के गर्भ में देहधारी हुए , और मनुष्य बने।

४. जो हमारे लिए पोंतियस पिलातुस के अधीन सलीब पर चढ़ाया गया, और पीड़ित हुआ , और दफनाया गया।

5. और जो पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठे।

6. और स्वर्ग पर आरोहण किया, और पिता के दक्षिण उपविष्ट है।

7. और जो महिमा में जीवितों और मरे हुओं का न्याय करने फिर आएंगे , और उनका राज्य अनंतकाल तक रहेगा।

8. और पवित्र आत्मा में , जो प्रभु और जीवन दाता है , जो पिता से निकलता है , जिसे पिता और पुत्र के साथ आराधना और महिमा दी जाती है , और जो भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बोला गया।

9. एक, पवित्र , कैथोलिक और प्रेरितिक कलीसिया में।

10. मैं पापों की क्षमा के लिए एक ही बपतिस्मा को मानता हूँ।

11. मैं मृतकों के पुनरुत्थान की प्रतीक्षा करता हूँ

12. और आने वाले संसार में जीवन। आमीन।

प्रार्थना 1, संत मकारियस महान*

हे ईश्वर , मुझे पापी को शुद्ध कर, क्योंकि मैंने तेरे सामने कभी कोई भलाई नहीं की; परन्तु मुझे बुराई से बचा, और तेरी इच्छा मुझ में पूरी हो, ताकि मैं अपने अयोग्य होठों से अपनी ही निन्दा न करूँ , बल्कि तेरे पवित्र नाम, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की स्तुति करूँ , अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

प्रार्थना 2, उसी लेखक द्वारा *

जागते ही, मैं तुझे मध्यरात्रि का भजन अर्पित करता हूँ , हे उद्धारकर्ता , और तेरे चरणों में गिरकर, मैं तुझ से पुकारता हूँ : मुझे पापपूर्ण मृत्यु में सोने न दे , पर मुझ पर दया कर, तू जिसने स्वेच्छा से क्रूस को सहा, और मुझे शीघ्र उठा ले , जब मैं लापरवाही से पड़ा हूँ , और मेरी प्रार्थना सुनकर मुझे बचा ले। और रात की नींद के बाद, हे मसीह हमारे परमेश्वर , मुझे एक निर्मल और पापरहित दिन प्रदान करें , और मेरा उद्धार करें।

प्रार्थना 3, उसी लेखक द्वारा *

हे प्रभु , मानवजाति के प्रेमी , मैं निद्रा से उठते ही तेरी ओर दौड़ता हूँ , और तेरी दया से तेरे प्रसन्न करने वाले कार्यों में लग जाता हूँ , और मैं तुझ से प्रार्थना करता हूँ : हर समय, हर कर्म में मेरी सहायता कर, और मुझे इस संसार की हर बुरी परिस्थिति से और शैतान के हस्तक्षेप से बचा, और मेरा उद्धार कर, और मुझे अपने अनंत राज्य में प्रवेश करा। क्योंकि आप मेरे सृष्टिकर्ता और सभी अच्छी चीजों के प्रदाता हैं। आप में ही मेरी सारी आशा है , और मैं आपको महिमा अर्पित करता हूँ , अब और हमेशा और युगों -युगों तक। आमीन।

प्रार्थना 4, उसी लेखक द्वारा *

हे प्रभु , अपनी महान दया और अपनी महान दयालुता के द्वारा , आपने मुझे , अपने सेवक को, अभी-अभी बीती रात को शत्रु की किसी भी बुराई से बिना हानि के पार करने का वरदान दिया है। हे प्रभु , हे सर्वसृष्टि के स्रष्टा , आप स्वयं यह अनुग्रह करें कि मैं आपकी सच्ची ज्योति और एक प्रबुद्ध हृदय द्वारा आपकी इच्छा पूरी करूँ , अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

सुबह की प्रार्थनाएँ

प्रार्थना 5, संत बेसलि द ग्रेट

हे सर्वशक्तमिान प्रभु , अदेह शक्तयिों और सभी प्राणयिों के ईश्वर , जो स्वर्ग की ऊँचाइयों में वास करते हो और पृथ्वी की घाटयिों पर दृष्टि डालते हो, जो हृदयों और अंतरंग भावनाओं की परीक्षा करते हो और मनुष्यों के रहस्यों को स्पष्ट रूप से जानते हो, अनादि और शाश्वत प्रकाश , जसिमें न तो परविर्तन है और न ही पलटने का कोई साया! हे अमर राजा, स्वयं हमारी प्रार्थनाओं को स्वीकार कर, जन्हिें हम, तेरी अनेक दयाओं पर नडिर वश्विास करते हुए , अब [इस रात्रि के समय] अपने अशुद्ध होठों से तुझ पर अर्पति करते हैं , और हमारे कर्मों और वचनों द्वारा कएि गए पापों को क्षमा कर, और वचिारों में , चाहे जानबूझकर कयिा गया हो या अज्ञानता में , और हमें देह और आत्मा की हर अशुद्धि से शुद्ध कर, [हमें अपने पवत्रि आत्मा का मंदरि बना]। और यह अनुग्रह करें कि, चौकस हृदयों और संयमति मन के साथ, हम अपने वर्तमान जीवन की पूरी रात से होकर गुज़रें , हमारे प्रभु और परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह, आपके एकलौते पुत्र के प्रकट होने के उज्ज्वल दनि की प्रतीक्षा में , जब वे , सभी के न्यायी , महमिा में पृथ्वी पर आएँगे , प्रत्येक को उनके कर्मों के अनुसार प्रतफिल देने के लिए; ताकि वह हमें पतति या सुस्त न पाए, बल्कि चौकस और ऊँचा उठा हुआ पाए, जब हम उसकी आज्ञाओं को पूरा करते हुए , उसके साथ उसकी महमिा के आनंद और दव्यि महल में प्रवेश करने के लिए तैयार हों , जहाँ उन लोगों के लिए अनवरत आनंद और अनुपम हर्ष है जो आपके मुखमंडल की अकथनीय सुंदरता को नहिारते हैं। क्योंकि आप सच्चा प्रकाश हैं , जो सभी चीज़ों को प्रकाशति और पवत्रि करते हैं , और सारी सृष्टि युगों -युगों तक आपकी स्तुति करती है। आमीन।

प्रार्थना 6, उसी लेखक द्वारा

हम तुझे धन्य कहते हैं , हे सर्वोच्च परमेश्वर और दया के स्वामी , जो हमारे बीच सदैव महान और अगम्य कार्य करते हो—महिमामय और भयानक, जो अनगिनत हैं —जिसने हमें हमारी दुर्बलता के विश्राम के लिए और हमारे कष्टदायक शरीर के श्रम से विश्राम के लिए निद्रा प्रदान की है। हम आपको धन्यवाद देते हैं , क्योंकि आपने हमें हमारे पापों के कारण नष्ट नहीं किया है , बल्कि हमेशा की तरह मानवता के लिए अपना प्रेम दिखाया है , और हमें , जो नींद की बेसुध अवस्था में पड़े थे , आपकी महिमा का गुणगान करने के लिए जगाया है। इसलिए हम आपकी असीम दया से प्रार्थना करते हैं : हमारे मन की आँखें खोलें और हमारे मन को लापरवाही की गहरी नींद से जगाएँ। हमारे होठ खोलें और उन्हें आपकी स्तुति से भर दें , ताकि हम अडिग होकर गा सकें , [स्तुति] और महिमा हम तुझे अर्पित करते हैं , हे परमेश्वर , जो सर्वत्र और सर्व द्वारा महिमामय हैं , हे आदि-विहीन पिता, तेरे एकमात्र पुत्र और तेरे सर्व -पवित्र , शुभ और जीवन-प्रदायक आत्मा के साथ, अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

प्रार्थना 7. मध्यरात्रि का भजन परमेश्वर की परम पवित्र माता*

हे माता, मैं तेरी कृपा का गायन करता हूँ ; मैं तुझसे विनती करता हूँ , मेरे मन को अनुग्रह से भर दे। मुझे मसीह की आज्ञाओं के सीधे मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन कर। मुझे बल दे , ताकि मैं अपने गायन में सतर्क रहूँ और निराशा की नींद को दूर भगा सकूँ। हे परमेश्वर की वधू , अपनी प्रार्थनाओं द्वारा मुझे पाप के बंधनों से मुक्ति दे। दिन में और रात में मेरी रक्षा करो, मुझे मेरे शत्रुओं के आक्रमणों से बचाओ। हे जीवन-दाता के जन्मदाता , मुझे जीवित कर दो, जो वासनाओं से मृत हो गया हूँ। हे अक्षय प्रकाश की जननी, मेरे अंधा आत्मा को प्रकाशित करो। हे प्रभु के अद्भुत महल,

मुझे दविय आत्मा का नविास स्थान बना दो। हे चंगा करने वाले की माता, मेरी आत्मा के पुराने वकिारों को चंगा करें। जब मैं जीवन के तूफान की लहरों से उछाला जा रहा हूँ , तो मुझे पश्चाताप के मार्ग पर ले चलें। मुझे अनंतकाल की आग, दुष्ट कीड़ा और पाताल लोक से बचाएँ। हे माता, मैं अनेक पापों का दोषी होकर राक्षसों के लिए आनंद का स्रोत न बनूँ। हे नरि्मल एक, मेरा नवीनीकरण करो, जो अज्ञात अपराधों से दुर्बल हो गया हूँ। मुझे सभी पीड़ा से मुक्त रखो और प्रभु के समक्ष मेरे लिए मध्यस्थता करो। कृपा करो कि मैं सभी संतों के साथ स्वर्गीय आनंद में सहभागी हो सकूँ। हे परम पवत्रि कुँवारी , अपने अयोग्य सेवक की पुकार सुनो ! हे परम पवत्रि एक, मुझे आँसुओं की धाराएँ प्रदान करें , जिससे मेरी आत्मा की मलनिता धुल जाए। मैं अपने हृदय से अखंड कराहें अर्पति करती हूँ —हे माता! उत्साही बनें ! मेरी प्रार्थनापूर्ण सेवा को स्वीकार करें और उसे दयालु ईश्वर के समक्ष प्रस्तुत करें। आप जो स्वर्गदूतों से भी ऊपर हैं , मुझे सांसारिक कलह से ऊपर उठाएँ। हे प्रकाश -धारण करने वाली स्वर्गीय मंडप , मेरे भीतर आध्यात्मिक अनुग्रह का मार्गदर्शन करें। मैं अपने हाथ और होंठ प्रशंसा में उठाता हूँ , यद्यपि वे अशुद्धि से कलंकित हैं , हे सर्व -पवत्रि। मुझे आत्मा -विनाशकारी घृणाओं से बचाओ, मसीह के पास विनिम्रतापूर्वक मध्यस्थता करते हुए —उन्हें सम्मान और आराधना मिले , अब और हमेशा और युगों -युगों तक। आमेन।

प्रार्थना 8,
हमारे प्रभु यीशु मसीह*

मेरे परम दयालु और सर्व -दयालु ईश्वर , प्रभु यीशु मसीह, महान प्रेम के कारण आप सबको बचाने के लिए अवतरित हुए और देहधारी बने। और एक बार फिर, हे उद्धारकर्ता , मैं आपसे विनती करता हूँ : अपनी कृपा से मेरा उद्धार करें ! क्योंकि यदि आप मेरा उद्धार मेरे कर्मों के कारण कर सकते , तो यह कृपा और उपहार नहीं , बल्कि एक कर्तव्य होगा। इसलिए, हे दया के धनी और

अकथनीय दयालु हे प्रभु – क्योंकि आपने कहा है , हे मेरे मसीह: 'जो कोई मुझ पर विश्वास करता है , वह जीवित रहेगा और मृत्यु को कभी नहीं देखेगा। ' और यदि आप में विश्वास उन लोगों को बचाता है जिन्होंने सारी आशा खो दी है – तो देखिए , मैं विश्वास करता हूँ ; मुझे बचाइए, क्योंकि आप मेरे ईश्वर और मेरे सृष्टिकर्ता हैं। हे मेरे परमेश्वर , मेरे कर्मों के स्थान पर मेरा विश्वास मेरे पक्ष में गिन लिया जाए, क्योंकि आपको मुझे न्यायसंगत ठहराने के लिए मेरे कोई कर्म नहीं मिलेंगे। परन्तु मेरे इस विश्वास को उन सभी के स्थान पर पर्याप्त होने दें —यह मेरी ओर से उत्तर दे , मुझे न्यायसंगत ठहराए, और मुझे आपकी अनंत महिमा में सहभागी दिखाए। हे परमेश्वर के वचन, शैतान मुझे छीन न ले , और न ही यह घमंड करे कि उसने मुझे आपके हाथ और सुरक्षा से छीन लिया है। पर चाहे मैं चाहूँ या न चाहूँ , हे मसीह, मेरे उद्धारकर्ता , मुझे बचा लीजिए; शीघ्र मेरी सहायता के लिए आइए, जल्दी कीजिए, क्योंकि मैं नाश हो रहा हूँ – क्योंकि आप मेरी माँ के गर्भ से ही मेरे परमेश्वर हैं ! हे प्रभु , मुझे यह अनुग्रह दें , कि मैं अब आपसे वैसा प्रेम करूँ , जैसे कभी मैं उसी पाप से करता था, और आलस्य के बिना, उत्साह के साथ आपकी नई रीति से सेवा करूँ , जैसे कभी मैंने धोखेबाज़ शैतान की सेवा की थी। इसलिए मैं आपकी, हे प्रभु और मेरे परमेश्वर , यीशु मसीह की, अपने जीवन के सभी दिनों , अब और हमेशा , और युगानुयुग तक सेवा करूँगा। आमीन।

प्रार्थना 9, स्वर्गदूत को, मानव जीवन के संरक्षक *

हे पवित्र स्वर्गदूत , जो मेरी दीन आत्मा और दुर्भाग्यपूर्ण जीवन की रक्षा के लिए नियुक्त हैं , मुझे , एक पापी को, न छोड़ें , और मेरी अनियंत्रित प्रवृत्तियों के कारण मुझसे मुख न मोड़ें। इस नश्वर शरीर के माध्यम से दुष्ट दानव को मुझ पर शासन करने न दें। मेरे दीन और पतित हाथ को दृढ़ता से थाम लो और मुझे मोक्ष के मार्ग पर ले चलो। हे

परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरी दीन आत्मा और शरीर के रक्षक और संरक्षक ! मेरे जीवन भर के उन सभी तरीकों के लिए मुझे क्षमा करें जिनसे मैंने आपको दुख पहुँचाया है , और यदि मैंने इस बीती रात में पाप किया है , तो आज मेरी रक्षा करें और मुझे शत्रु के हर प्रलोभन से बचाएँ , ताकि मैं किसी भी पाप से परमेश्वर को क्रोधित न करूँ , और प्रभु से मेरी प्रार्थना करें , ताकि वह मुझे अपने भय में दृढ़ बनाए और मुझे अपनी भलाई का योग्य दास प्रदर्शित करे। आमीन।

प्रार्थना 10.
समापन प्रातः प्रार्थना
ईश्वर की परम पवित्र माता*

हे परम पवित्र माता, ईश्वर की माता, अपनी पवित्र और सर्वशक्तिमान मध्यस्थता से , मुझसे , अपनी इस दीन और दुखी दासी से , निराशा को दूर भगाइए, भूल , मूर्खता , आलस्य , और मेरे दीन हृदय तथा मेरे म्लान मन से सभी दुष्ट , कपटी और ईश्वर - निन्दा करने वाले विचारों को दूर कर दें , और मेरे वासनाओं की ज्वाला को बुझा दें , क्योंकि मैं दीन और दुखी हूँ। और मुझे अनेक और हानिकारक यादों और इरादों से बचाइए, और मुझे सभी दुष्ट कर्मों से मुक्त कीजिए, क्योंकि सभी पीढ़ियाँ आपको धन्य कहती हैं , और आपका अति सम्मानित नाम युगों -युगों तक महिमामय हो। आमीन।

संत के प्रति एक प्रार्थनापूर्ण आह्वान , जिसका नाम आप धारण करती हैं

ईश्वर से मेरी खातिर प्रार्थना करें , हे ईश्वर की पवित्र सेविका (**या:** पवित्र दासी) (**नाम**)*, क्योंकि मैं अपनी आत्मा के लिए आपसे , हे शीघ्र सहायिका और मध्यस्थ (**या:** शीघ्र सहायिका और मध्यस्थ), विनम्रतापूर्वक सहायता मांगता हूँ।

***या:** पवित्र प्रेरित (शहीद, संत , आदि) **(नाम)**

सुबह की प्रार्थनाएँ

ईश्वर की परम पवित्र माता के लिए भजन

हे परमेश्वर की कुँवारी माता, आनन्दित हो; / हे अनुग्रह - पूर्ण मरियम, प्रभु तेरे साथ है ! / स्त्रियों में धन्य तू है / और तेरे गर्भ का फल धन्य है , / क्योंकि तूने हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता को जन्म दिया है।

क्रूस के लिए ट्रॉपारियन और मातृभूमि के लिए एक प्रार्थना

हे प्रभु , अपने लोगों को बचाओ / और अपनी विरासत को आशीर्वाद दो, / विदेशी राष्ट्रों पर ऑर्थोडॉक्स **ईसाइयों * को** विजय प्रदान करते हुए / और अपने लोगों को अपने क्रूस द्वारा संरक्षित करो।

***ग्रीक :** राजाओं को

जीवित लोगों के लिए प्रार्थना

हे प्रभु , बचाओ और दया करो मेरे आध्यात्मिक पिता **(नाम)**, मेरे माता-पिता **(नाम)**, मेरे रिश्तेदारों **(नाम)**, मेरे वरिष्ठों , मार्गदर्शकों , कल्याणकारियों **(उनके नाम)** और सभी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों पर।

स्वर्गवासियों के लिए

हे प्रभु , अपने स्वर्गीय सेवकों की आत्माओं को विश्राम प्रदान कर: मेरे माता-पिता **(नाम)**, रिश्तेदार , कल्याणकर्त्ता **(उनके नाम)**, और सभी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को; और उनके सभी पापों को क्षमा कर, चाहे वे जानबूझकर किए गए हों या अनजाने में , और उन्हें स्वर्ग का राज्य प्रदान कर।

यदि संभव हो, तो जीवितों और दिवंगतों के लिए संक्षिप्त प्रार्थनाओं के बजाय स्मरणोत्सव सेवा पढ़ें।

इसके बाद समापन प्रार्थनाएँ पढ़ी जाती हैं।

सुबह की प्रार्थनाएँ

नोट

1 यदि आप मध्यरात्रि कार्यालय के साथ प्रातकालीन प्रार्थनाएँ जप रहे हैं , तो परम पवित्र त्रिमूर्ति की प्रार्थना के बाद, प्रार्थनाएँ 1 से 4 जपें , जिसके बाद मध्यरात्रि कार्यालय का पूरा क्रम , जिसमें प्रार्थनाएँ 5 और 6 शामिल हैं , जपें ; मैटिन्स के दूसरे भाग की समापन प्रार्थना , 'हे प्रभु , स्मरण करो:' के बाद, प्रार्थना 7 से 10 तक का पाठ करें और फिर: 'हे अति महिमामय सदा कुंवारी :' और मैटिन्स का समापन।

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

जीवति लोगों के लिए

हे प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , उस दया और उदारता को याद करो जो सनातन काल से आपकी रही है , जसिके लिए आपने देहधारण कयिा, और स्वेच्छा से उन लोगों के उद्धार के लिए क्रूस पर चढ़ाए जाने और मृत्यु को सहन कयिा जो आप में सच्चे मन से वशि्वास करते हैं ; और मरे हुओं में से जी उठे , स्वर्ग पर आरोहण कयिा, और परमेश्वर पति के दाहनि हाथ बैठते हैं , और उन लोगों की वनिम्र प्रार्थनाओं को देखें जो पूरे हृदय से आपको पुकारते हैं ; अपना कान झुकाएँ और आपके इस अयोग्य सेवक की वनिम्र प्रार्थना सुनें , एक सुगंधति आध्यात्मकि भेंट के रूप में जसिे मैं आपके सभी लोगों की ओर से आपके समक्ष प्रस्तुत करता हूँ। और सबसे पहले , अपनी पवत्रि , कैथोलकि और प्रेरति कलीसयिा को याद करो, जसिे तुमने अपने बहुमूल्य लहू से मोल लयिा है , और उसे स्थापति करो, मजबूत करो, वस्तिार करो, बढ़ाओ , शांतिप्रदान करो, और हमेशा के लिए संरक्षति रखो, नरक के द्वारों के वरिुद्ध अजेय ; चर्चों के बीच के मतभेदों को समाप्त कर, मूर्तविादयिों के अत्याचार को रोक, और वधिर्मों के वद्रिोह को शीघ्रता से नष्ट कर और जड़ से उखाड़ फेंक , उन्हें अपने पवत्रि आत्मा की शक्तिसे शून्य में बदल दे। **(झुकें)**

हे प्रभु , रक्षा करो और दया करो हमारे ईश्वर -रक्षति देश , इसके अधकिारयिों और इसके सशस्त्र बलों पर, ताकिहम सभी धर्मपरायणता और पवत्रिता में एक शांतपिूर्ण और शांत जीवन जी सकें। **(झुको)**

हे प्रभु , बचाओ, और हमारे महान प्रभु और पिता, परम पावन पैट्रिआर्क (नाम), अति सम्माननीय मेट्रोपॉलिटिन्स , आर्चबिशिप्स और ऑर्थोडॉक्स बिशिप्स , साथ ही पुरोहितों और डिकिन्स , और चर्च के सभी सेवकों पर दया करें , जिन्हें आपने अपनी आध्यात्मिक भेड़ -बकरियों का चरवाहा नियुक्त किया है ; और उनकी प्रार्थनाओं के द्वारा , मुझ पापी पर दया करें और मुझे बचाएँ। (झुकें)

हे प्रभु , मेरे आध्यात्मिक पिता (उनका नाम) को बचाएँ और उन पर दया करें , और उनकी पवित्र प्रार्थनाओं के द्वारा , मेरे पापों को क्षमा करें। (झुकें)

हे प्रभु , मेरे माता-पिता (उनके नाम), मेरे भाइयों और बहनों , मेरे रक्त संबंधियों , मेरे परिवार से संबंधित सभी लोगों , और मेरे दोस्तों को बचाओ और उन पर दया करो, और उन्हें अपनी सांसारिक और स्वर्गीय आशीर्वाद प्रदान करो। (झुकें)

हे प्रभु , अपने अपार अनुग्रह के द्वारा , पवित्र भिक्षुओं , भिक्षुणियों , और उन सभी पर, जो मठों में , निर्जन स्थानों में , गुफाओं में , पहाड़ों पर, स्तंभों में , एकांत स्थानों में , चट्टानों की दरारों में , समुद्री द्वीपों पर, और आपके अधिकार क्षेत्र के भीतर हर जगह पर ब्रह्मचर्य , धार्मिकता और उपवास में रहते हैं , जो सच्चे विश्वास में जीते हैं , आपकी भक्तिपूर्वक सेवा करते हैं , और आपसे प्रार्थना करते हैं। उनके बोझ को हल्का कर दो, उनके दुख में उन्हें सांत्वना दे दो, उनके श्रम के लिए उन्हें अपनी ओर से शक्ति और धैर्य प्रदान कर दो, और उनकी प्रार्थनाओं के माध्यम से मुझे मेरे पापों की क्षमा प्रदान कर दो। (झुकें)

हे प्रभु , वृद्धों और युवाओं , गरीबों और अनाथों , विधवाओं , और जो बीमारी और दुख , दुर्भाग्य और शोक से पीड़ित हैं , उनकी रक्षा करो और उन पर दया करो, संकट और कैद में , कालकोठरियों और कारावास में ; विशेष रूप से आपके उन सेवकों को जो आपके लिए और ऑर्थोडॉक्स धर्म के लिए मूर्तिपूजकों , नास्तिकों , धर्मत्यागियों और विधर्मियों

द्वारा सताए जाते हैं ; और उन्हें याद करें , उनकी देखभाल करें , उन्हें मजबूत करें , उन्हें सांत्वना दें , और शीघ्र ही, अपनी शक्ति से , उन्हें राहत, स्वतंत्रता और मुक्ति प्रदान करें। **(झुकें)**

हे प्रभु , हमारी ड्यूटी पर तैनात और यात्रा कर रहे पति और भाइयों , तथा सभी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को बचाओ और उन पर दया करो। **(झुकें)**

हे प्रभु , उन लोगों को बचाओ और उन पर दया करो जिन्हें मैंने अपनी ही मूर्खता के कारण भटका दिया है , उद्धार के मार्ग से हटा दिया है , और बुराई तथा अनुचित कर्मों में खींच लिया है ; अपनी दिव्य व्यवस्था द्वारा , उन्हें एक बार फिर उद्धार के मार्ग पर लौटा दो। **(झुकें)**

हे प्रभु , उद्धार कर और उन पर दया कर जो मुझसे द्वेष रखते और मुझे अन्याय करते हैं , और मुझे कष्ट देते हैं , और उन्हें मेरे , एक पापी के कारण, नष्ट न होने दे। **(झुकें)**

जो लोग ऑर्थोडॉक्स धर्म से भटक गए हैं और हानिकारक विधर्मों से अंधा हो गए हैं , उन्हें अपने ज्ञान के प्रकाश से प्रबुद्ध करें , और उन्हें अपनी पवित्र प्रेरितिक और कैथोलिक चर्च में लाएँ। **(झुकें)**

स्वर्गवासी के लिए

हे प्रभु , ऑर्थोडॉक्स चर्च के परम पवित्र पैट्रिआर्क , परम आदरणीय मेट्रोपॉलिटिन , आर्चबिशप और बिशप, जो इस जीवन से चल बसे हैं , उन सभी को याद करें जिन्होंने पुरोहित वर्ग , चर्च के पादरी और मठवासी जीवन में आपकी सेवा की है , और उन्हें अपने शाश्वत निवासों में संतों के साथ विश्राम प्रदान करें। **(झुकें)**

हे प्रभु , अपने स्वर्गीय सेवकों , मेरे माता-पिता **(उनके नाम)**, और मेरे सभी रक्त -संबंधियों की आत्माओं को याद करो; और उनके सभी पापों को क्षमा करो, चाहे वे जानबूझकर किए गए हों या अनजाने में , उन्हें स्वर्ग का राज्य , आपकी शाश्वत

आशीर्वादों में एक हिस्सा , और आपके अनंत और धन्य जीवन की आनंद प्रदान करो। **(झुकें)**

हे प्रभु , उन सभी का स्मरण करो जो पुनरुत्थान और अनंत जीवन की आशा में सो गए हैं : हमारे पिता, भाई और बहनें , और यहाँ तथा सर्वत्र शयन किए हुए सभी ऑर्थोडॉक्स ईसाई; और यह अनुग्रह करो कि वे तेरे संतों के साथ वास करें , जहाँ तेरे मुख का प्रकाश चमकता है , और हम पर दया कर, हे दयालु और मानवजाति के प्रेमी। आमेन। **(झुकें)**

हे प्रभु , उन सभी को पापों की क्षमा प्रदान कर जो पुनरुत्थान के विश्वास और आशा में हमसे पहले सो गए हैं : हमारे पिता, भाइयों और बहनों को; और उन्हें अनंत स्मृति प्रदान कर। **(तीन बार)**

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

समापन प्रार्थनाएँ

दैनिक प्रार्थना नियम में शामिल प्रार्थनाओं के अंत में , हम पढ़ते हैं :

परमेश्वर की अति पवित्र माता के लिए भजन

यह वास्तव में उचित है / कि हम आपकी महिमा करें , हे परमेश्वर की माता, / सदा धन्य और निर्मल , / और हमारे परमेश्वर की माता। / खरूबीम के सर्वोच्च सम्मान के साथ / और सेराफिम की अतुलनीय महिमा के साथ, / आप जिन्होंने कुँवारी होकर परमेश्वर के वचन को जन्म दिया, / परमेश्वर की सच्ची माता – हम आपकी महिमा करते हैं।

फिर पुरोहित : महिमा तेरी , हे मसीह हमारे परमेश्वर , हमारी आशा, महिमा तेरी।

पाठक: महिमा हो, और अब: हे प्रभु , दया करो। (3) हमें आशीर्वाद दो।

पुरोहित लघु समापन का पाठ करता है : मसीह, हमारे सच्चे ईश्वर , अपनी अति पवित्र माता की प्रार्थनाओं द्वारा , हमारे पूजनीय और ईश्वर -वाहक पितरों तथा सभी संतों के माध्यम से , हम पर दया करेंगे और हमें उद्धार देंगे , क्योंकि वे मानवजाति के शुभचिंतक और प्रेमी हैं।

साधारण व्यक्ति , 'यह वास्तव **में** उचित है ' **के बाद पढ़ता है : पिता को महिमा हो, और अब:** हे प्रभु , दया करें। (3) हे प्रभु , आशीर्वाद दें।

हे प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र , अपनी अति पवित्र माता, हमारे पूजनीय और ईश्वर -वाहक पितरों , और सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , मुझ पापी पर दया करें और मुझे बचाएँ।

सोने से पहले की प्रार्थनाएँ

समापन के बाद, सेवा की शुरुआत से पहले की तरह ही झुककर वही संक्षिप्त प्रार्थनाएँ पढ़ी जाती हैं।

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

सोने से पहले की प्रार्थनाएँ

पुरोहित : हमारे ईश्वर का अनुग्रह सदा हो, अब और सदा, और युगानुयुग।

पाठक: आमेन। महिमा तुझे , हमारे ईश्वर , महिमा तुझे।

स्वर्गीय राजा: पवित्र त्रिमूर्ति। महिमा, और अब: परम पवित्र त्रिमूर्ति : हे प्रभु , दया करें। (3) महिमा, और अब: हमारे पिता:

पुजारी : क्योंकि राज्य तेरा है : **पाठक:** आमीन।

पश्चातापी ट्रोपारिया , स्वर 6

हम पर दया करो, हे प्रभु , हम पर दया करो, / क्योंकि अपने लिए कोई बहाना न पाकर, / हम पापी यह प्रार्थना तुझसे करते हैं , हे हमारे प्रभु : / 'हम पर दया करो!'

महिमा: हे प्रभु , हम पर दया करें , क्योंकि हमने आप पर अपना भरोसा किया है , / हम पर बहुत क्रोध न करें / और हमारे पापों को न याद करें , / परन्तु हे दयालु , अब हम पर दृष्टि करें , / और हमें हमारे शत्रुओं से छुड़ाएं। / क्योंकि तू हमारा परमेश्वर है , और हम तेरी प्रजा हैं ; / हम सब तेरे हाथों का काम हैं / और हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं।

और अब: हे धन्य ईश्वर माता, हमारे लिए दया के द्वार खोलिए, ताकि हम, आप में अपनी आशा रखकर, लज्जित न हों , बल्कि आपकी प्रार्थनाओं से अपने कष्टों से मुक्त हों , क्योंकि आप ही ईसाई जाति का उद्धार हैं।

हे प्रभु , दया करें। (12)

सोने से पहले की प्रार्थनाएँ

प्रार्थना 1, संत मकारियस महान
पिता परमेश्वर को*

सर्व सृष्टि के शाश्वत ईश्वर और राजा, जिन्होंने मुझे इस घड़ी तक जीवित रहने का वरदान दिया है ! आज मैंने कर्म , वचन और विचार से जो पाप किए हैं , उन्हें क्षमा करें , और हे प्रभु , मेरी दीन आत्मा को शरीर और आत्मा की हर अशुद्धि से शुद्ध करें। और हे प्रभु , कृपा कme कि मैं यह रात शांतिपूर्ण नींद में बिताऊँ , ताकि, अपने साधारण बिस्तर से उठकर, मैं अपने जीवन के सभी दिनों में तेरे परम पवित्र नाम को प्रसन्न करूँ और उन शत्रुओं पर विजय प्राप्त करूँ जो मुझ पर आक्रमण करते हैं – चाहे वे देहधारी हों या अदेह। और हे प्रभु , मुझे व्यर्थ के विचारों से , जो मुझे अपवित्र करते हैं , और दुष्ट इच्छाओं से बचाओ। क्योंकि राज्य , और सामर्थ्य , और महिमा पिता की, और पुत्र की, और पवित्र आत्मा की है , अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

प्रार्थना 2, संत एंटओकस
प्रभु यीशु मसीह*

सर्वशक्तिमान , पिता के वचन, यीशु मसीह! स्वयं सिद्ध प्रभु , अपनी महान दया से मुझे , अपने दास को, कभी न छोड़ें , बल्कि सदा मुझ में वास करें। हे यीशु , अपनी भेड़ -बकरियों के भले चरवाहे , मुझे सर्प के फंदे में न सौंपें , और न मुझे शैतान की दया पर छोड़ें , क्योंकि विनाश का बीज मुझ में है। किन्तु हे प्रभु परमेश्वर , हे पवित्र राजा यीशु मसीह, जो सर्व से आराधना ग्रहण करते हैं , मुझे सोते समय अपनी पवित्र आत्मा के द्वारा अक्षय ज्योति से संरक्षित करें , जिनके द्वारा आपने अपने शिष्यों को पवित्र किया। हे प्रभु , मुझे भी, अपने अयोग्य सेवक को, मेरे बिछौने पर अपना उद्धार प्रदान करें : मेरे मन को अपने पवित्र सुसमाचार की समझ के प्रकाश से , मेरी आत्मा को आपके क्रूस के प्रेम से , मेरे हृदय को आपके वचन की पवित्रता से , मेरे शरीर को आपके दुःखों से , जो

वासना से रहति हैं , प्रबुद्ध करें , और मेरे वचिारों को अपनी नम्रता से सुरक्षति रखें। और मुझे उचति समय पर उठाएँ ताकि मैं आपको महमिामय कर सकूँ। क्योंकि आप अपने अनन्त पति और परम पवत्रि आत्मा के साथ युगानुयुग महमिामय हैं। आमीन।

प्रार्थना 3, [परमपूज्य एफ्रेम सीरयिाई द्वारा] पवत्रि आत्मा को*

हे स्वर्ग के राजा, सांत्वनादाता , हे सत्य के आत्मा , दया करें और मुझे , अपने पापी दास को, क्षमा करें , और मुझे , जो इसके लायक नहीं हूँ , क्षमा करें , और उन सभी बातों को क्षमा करें जनिमें मैंने आज एक मनुष्य के रूप में आपके सामने पाप कयिा है —और वास्तव में , केवल एक मनुष्य के रूप में ही नहीं , बल्कि पशुओं से भी बदतर: मेरे स्वेच्छा से और अनजाने में कएि गए पाप, जाने हुए और अज्ञात ; जो मेरे बचपन और बुराई की आदत से उत्पन्न हुए हैं , और जो क्रोध और लापरवाही से उत्पन्न हुए हैं। यदि मैंने आपके नाम की कसम खाई या अपने वचिारों में उसकी नंदिा की हो; या क्रोध में कसिी को डांटा हो, या कसिी की बदनामी की हो, या दुख पहुँचाया हो, या कसिी बात से चढ़िा हो; या झूठ बोला हो, या अनुचति समय पर सोया हो, या जब कोई भखिारी मेरे पास आया और मैंने उसे ठुकरा दयिा हो; या अपने भाई को दुख पहुँचाया हो, या झगड़े में पड़ा हो; या कसिी की नंदिा की हो, या घमंड कयिा हो, या अहंकारी हुआ हो, या क्रोधति हुआ हो; या, जब मैं प्रार्थना में खड़ा था, तो मेरा मन इस संसार के मोह-जाल में खो गया; या मैंने अशुद्ध वचिारों को पनपाया; या अधकि भोजन कयिा, या नशे में धुत हो गया, या मूर्खतापूर्ण ढंग से हँसा ; या मैंने बुरे वचिारों को पनपाया, या, कसिी और की सुंदरता देखकर , मेरा हृदय उससे आहत हो गया; या अश्लील बातें कही; या अपने भाई के पाप का मज़ाक उड़ाया , जबकि मेरे अपने पाप अनगनित हैं ; या प्रार्थना में लापरवाही बरती; या, कोई और बुरा काम करके भूल गया हूँ - क्योंकि यह सब और इससे भी अधकि मैंने कयिा है ! मेरे सृष्टकिर्ता , मेरे प्रभु , मुझ पर दया करें , जो आपका नरिाश और अयोग्य सेवक है , और मुझ पर

कृपा दृष्टि रखें , मुझे क्षमा करें और मुझें माफ करें , क्योंकि आप दयालु हैं और मानवता से प्रेम करते हैं , ताकि मैं , एक भटका, पापी और दीन आत्मा , शान्ति से लेट सकूँ , निद्रित होकर विश्राम पा सकूँ ; और मैं पिता और उनके एकलौते पुत्र के साथ, तेरे अति-सम्मानित नाम की आराधना, गायन और महिमा कर सकूँ , अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

प्रार्थना 4,
संत मकरियुस महान*

हे अमर राजा, उपहारों से समृद्ध , हे उदार और दयालु प्रभु , मैं आपके लिए क्या लाऊँ या क्या अर्पण करूँ , क्योंकि आपने मुझे —जो आपकी सेवा में सुस्त रहा और कोई भलाई नहीं की—इस बीते दिन के अंत तक पहुँचाया , मेरी आत्मा को परिवर्तन और मोक्ष की ओर मार्गदर्शन करते हुए ? हर पुण्य से वंचित पापी मुझ पर दया करें ; अनगिनत पापों से कलंकित मेरी पतित आत्मा को उठाएँ , और इस सांसारिक जीवन के सभी दुष्ट विचार मुझसे दूर करें। हे एकमात्र निर्दोष , मुझे क्षमा करें , जो मैंने आज आपके सामने जानबूझकर और अज्ञानतावश , वचन, कर्म , विचार और अपनी सभी इंद्रियों से किए हैं। स्वयं मुझे हर शत्रु के आक्रमण से बचाएँ , मुझे अपनी दिव्य शक्ति , मानवता के प्रति अपने अनुपम प्रेम और अपनी शक्ति से आच्छादित करें। हे ईश्वर , मेरे अनगिनत पापों को शुद्ध कर। हे प्रभु , कृपा कर मुझे दुष्ट के फंदे से बचा, और मेरी कामवासना से भरी आत्मा को बचा, और जब तू महिमा में आएगा तब मुझे अपने मुख के प्रकाश से प्रबुद्ध कर; और अब यह अनुग्रह कर कि मैं बिना दण्ड के सो सकूँ , और अपने सेवक के विचारों को स्वप्नों और विक्षोभों से मुक्त रख। और मुझसे शैतान के सभी कामों को दूर भगा दे , और मेरे हृदय में समझ की आँखें खोल दे , ताकि मैं मृत्यु की नींद में न पड़ जाऊँ। और मुझे शांति का स्वर्गदूत भेजो , जो मेरी आत्मा और शरीर का रक्षक और मार्गदर्शक हो, ताकि वह मुझे मेरे शत्रुओं से छुड़ाए ; जिससे मैं अपने बिस्तर से उठकर, तेरा

धन्यवाद करते हुए प्रार्थना करूँ। हे प्रभु , मेरी , अपनी पापी और दीन दासी की, मेरी इच्छा और अंतरात्मा में सुन ! यह अनुग्रह कर कि नींद से जागने पर, मैं तेरे वचन से सीखूँ , और तेरे स्वर्गदूतों के द्वारा शैतान की निराशा को मुझसे दूर भगा दूँ ! मैं आपके पवित्र नाम का आशीर्वाद और महिमा करूँ , और परमेश्वर की अति पवित्र माता मरियम की स्तुति करूँ , जिन्हें आपने हम पापियों के लिए हमारी रक्षा के रूप में दिया है ; और जब वह हमारे लिए प्रार्थना करें तो उनकी सुनिए ; क्योंकि मैं जानता हूँ कि वह मानव जाति के प्रति आपके प्रेम का अनुकरण करती हैं और प्रार्थना करना कभी बंद नहीं करतीं। उनकी मध्यस्थता से , और पवित्र क्रूस के चिह्न द्वारा , और आपके सभी संतों के लिए, हे ईसा मसीह, हमारे परमेश्वर , मेरी दीन आत्मा की रक्षा करें , क्योंकि आप पवित्र हैं और युगानुयुग महिमा प्राप्त करते हैं। आमीन।

प्रार्थना 5*

हे प्रभु , हमारे परमेश्वर , एक अच्छे और प्रेममय परमेश्वर के रूप में , मुझे आज वचन, कर्म और विचार में की गई सभी पापों के लिए क्षमा करें। मुझे एक शांतिपूर्ण और सुकून भरी नींद प्रदान करें। अपने रक्षक स्वर्गदूत को भेजें जो मुझे हर बुराई से बचाए और मेरी रक्षा करे। क्योंकि आप हमारी आत्माओं और शरीरों के रक्षक हैं , और हम आपको महिमा अर्पित करते हैं , पिता को, और पुत्र को, और पवित्र आत्मा को, अब और हमेशा और युगों -युगों तक। आमीन।

प्रार्थना 6*

हे प्रभु , हमारे परमेश्वर , जिन पर हम विश्वास करते हैं और जिनके नाम का हम सभी नामों से ऊपर स्मरण करते हैं ! जब हम सोने जाते हैं , तो हमें आत्मा और शरीर के लिए विश्राम प्रदान करें , और हमें सभी दुस्वप्नों और अंधकारमय वासनाओं से बचाएं। कामवासना की लहरों को रोकें ; शारीरिक इच्छाओं की आग को बुझा दें। यह अनुग्रह करें कि हम अपने

कर्मों में पवित्रता से और अपने शब्दों में सच्चाई से जिएँ, ताकि एक सदाचारी जीवन जीकर हम उन आशीर्वादों से वंचित न रहें जिनका आपने वादा किया है, क्योंकि आप सदा के लिए धन्य हैं। आमीन।

प्रार्थना 7, संत जॉन क्रिसोस्टोम द्वारा : दिन और रात के घंटों के अनुरूप 24 प्रार्थनाएँ [1]

[1. हे प्रभु, मुझे अपनी स्वर्गीय आशीर्वादों से वंचित न करें।

2. हे प्रभु, मुझे अनंत यातना से बचाओ।

3. हे प्रभु, चाहे वचन में, कर्म में, या मेरे मन और विचारों में, मैंने पाप किया है – मुझे क्षमा करें।

4. हे प्रभु, मुझे सभी बंधन, अज्ञानता, विस्मृति, लापरवाही और कठोर उदासीनता से मुक्ति प्रदान करें।

5. हे प्रभु, मुझे हर परीक्षा और बंधन से मुक्ति दें।

6. हे प्रभु, मेरे हृदय को प्रबुद्ध कर, जो दुष्ट इच्छाओं से ढका हुआ है।

7. प्रभु, मैंने एक मनुष्य के रूप में पाप किया है, लेकिन आप, एक ईश्वर के रूप में, मेरी आत्मा की कमजोरी को देखकर मुझ पर दया करें।

८. हे प्रभु, मेरी आत्मा की दुर्बलता पर दृष्टि डालो और मेरी सहायता के लिए अपनी कृपा भेज दो, ताकि मुझ में आपका पवित्र नाम महिमामय हो।

९. हे प्रभु यीशु मसीह, अपने दास का नाम जीवन की पुस्तक में अंकित करें, और मुझे एक धन्य अंत प्रदान करें।

10. हे प्रभु, मेरे परमेश्वर, मैंने कोई भलाई नहीं की है, परन्तु आपकी दया से कम से कम मुझे ऐसा करना आरम्भ करने दीजिए!

11. प्रभु, मेरे हृदय पर अपनी कृपा का ओस छिड़कें।

12. हे स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु , जब आप अपने राज्य में प्रवेश करें , तो मुझ पापी, नीच, दुष्ट और अशुद्ध को याद करें। आमीन।

1. प्रभु , मुझे पश्चाताप में स्वीकार करें और मुझे न छोड़ें।

2. प्रभु , मुझे परीक्षा में न डालिए।

3. हे प्रभु , मुझे अच्छे विचार प्रदान करें।

4. हे प्रभु , मुझे आँसू , मृत्यु का स्मरण और पश्चाताप प्रदान करें।

5. हे प्रभु , मुझे अपने विचारों का इक़रार करने का विचार प्रदान करें।

6. हे प्रभु , मुझे नम्रता , अपनी इच्छा को वश में रखने और आज्ञाकारिता प्रदान करें। 7.

7. हे प्रभु , मुझे दृढ़ता , दीर्घ सहनशीलता और नम्रता प्रदान करें।

8. हे प्रभु , मुझमें भलाई की जड़ – आपका भय – स्थापित करें।

9. हे प्रभु , यह अनुग्रह कर कि मैं तुझसे अपनी सम्पूर्ण आत्मा , मन और हृदय से प्रेम करूँ , और हर बात में तेरी इच्छा का पालन करूँ।

10. हे प्रभु , मुझे दुष्ट लोगों , राक्षसों , वासनाओं , और हर अनुचित कर्म से बचाओ।

11. हे प्रभु , जैसा आप आज्ञा देते हैं , हे प्रभु , जैसा आप जानते हैं , हे प्रभु , जैसा आप चाहते हैं – आपकी इच्छा मुझ में पूरी हो।

12. हे प्रभु , सर्वपवित्र परमेश्वर की माता और आपके सभी संतों के मध्यस्थता और विनती द्वारा , आपकी इच्छा पूरी हो, न कि मेरी , क्योंकि आप सदा के लिए धन्य हैं। आमीन।]

सोने से पहले की प्रार्थनाएँ

(स्लावोनिक संस्करण में वही प्रार्थनाएँ

1. हे प्रभु , मुझे अपने स्वर्गीय आशीर्वादों से वंचित न करें।

2. हे प्रभु , मुझे अनंत यातना से बचाओ।

3. हे प्रभु , चाहे मैंने विचार या मन में , वचन या कर्म में पाप किया हो – मुझे क्षमा करें।

4. हे प्रभु , मुझे सभी अज्ञानता , भूल , लापरवाही और कठोर उदासीनता से मुक्ति दें।

5. हे प्रभु , मुझे हर प्रलोभन से बचाओ।

६. हे प्रभु , मेरी बुद्धि को प्रबुद्ध करो, जो दुष्ट इच्छाओं से ढकी हुई है।

7. हे प्रभु , मैंने एक मनुष्य के रूप में पाप किया है , परन्तु आप, एक दयालु ईश्वर के रूप में , मेरी आत्मा की कमजोरी को देखकर मुझ पर दया करें।

8. हे प्रभु , मेरी सहायता के लिए अपनी कृपा भेजो , ताकि मैं आपके पवित्र नाम का महिमा कर सकूँ।

९. हे प्रभु यीशु मसीह, मुझे , अपने दास को, जीवन की पुस्तक में अंकित करें और मुझे एक धन्य अंत प्रदान करें।

10. हे प्रभु , मेरे परमेश्वर , यद्यपि मैंने तेरे सामने कोई भलाई नहीं की है , परन्तु अपनी कृपा से मुझे एक अच्छी शुरुआत करने का अवसर प्रदान कर।

11. हे प्रभु , अपने अनुग्रह की ओस मेरे हृदय पर छिड़कें।

12. हे स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु , मुझे , अपने पापी, दीन और अशुद्ध दास को, अपने राज्य में याद करें। आमीन।

1. हे प्रभु , मुझे पश्चाताप में स्वीकार करें।

2. प्रभु , मुझे न छोड़िए।

3. प्रभु , मुझे परीक्षा में न डालिए।

4. प्रभु , मुझे अच्छे विचार प्रदान करें।

5. हे प्रभु , मुझे आँसू , मृत्यु का स्मरण और पश्चाताप प्रदान करें।

6. हे प्रभु , मुझे अपने पापों का स्वीकार करने का विचार प्रदान करें।

7. हे प्रभु , मुझे नम्रता , पवित्रता और आज्ञाकारिता प्रदान करें।

8. हे प्रभु , मुझे धैर्य , उदारता और नम्रता प्रदान करें।

9. हे प्रभु , मुझमें अच्छाई की जड़ – मेरे हृदय में आपका भय – स्थापित करें।

10. हे प्रभु , कृपा करें कि मैं आपसे अपने पूरे हृदय और मन से प्रेम करूँ , और सभी बातों में आपकी इच्छा पूरी करूँ।

11. हे प्रभु , मुझे कुछ लोगों से , राक्षसों से , मेरी वासनाओं से , और हर अन्य अनुचित कर्म से बचाइए।

12. हे प्रभु , मैं जानता हूँ * कि आप सब कुछ अपनी इच्छा के अनुसार करते हैं – आपकी इच्छा मुझ पापी में भी पूरी हो, क्योंकि आप सदा के लिए धन्य हैं। आमीन।)

***अर्थ के लिए हमने स्लावोनिक पाठ के शब्दशः अनुवाद से हटकर, एक संक्षिप्त अनुवाद किया है। शब्दशः अनुवाद : 'आप जानते हैं कि...' एक बहुत ही अजीब और पूरी तरह से धर्मपरायण नहीं अर्थ देता है। जाहिर है , यहाँ स्लावोनिक पाठ भ्रष्ट है।**

प्रार्थना 8,
हमारे प्रभु यीशु मसीह*

हे प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र , अपनी अति सम्मानित माता और अपने निराकार स्वर्गदूतों , तथा अपने भविष्यवक्ता , अग्रदूत और बपतिस्मा देने वाले , और धर्मनिष्ठ प्रेरितों , तेजस्वी और विजयी शहीदों , की प्रार्थनाओं द्वारा , सम्माननीय और ईश्वर -वाहक पितरों और सभी संतों – मुझे इस वर्तमान कष्ट से बचाओ जो शैतान के

कारण उत्पन्न हुआ है। अतः हे मेरे प्रभु और सृष्टकिर्ता , जो पापी की मृत्यु नहीं चाहता, बल्कि यह चाहता है कि वह लौट आए और जीवति रहे , मुझे भी, यद्यपि मैं दीन और अयोग्य हूँ , पश्चाताप की कृपा प्रदान करें। मुझे वनिाशकारी सर्प के जबड़ों से बचाओ, जो मुझे नगिलने और जीवति ही नरक में खींच ले जाने के लिए प्यासा है। हाँ , हे मेरे प्रभु , मेरी सांत्वना , जन्हिोंने मेरे जैसे दीन प्राणी के लिए, नश्वर देह धारण कयिा, मुझे मेरी दीनता से बचाओ और मेरी दीन आत्मा को सांत्वना दो। मेरे हृदय को अपने आज्ञाओं का पालन करने , दुष्ट कर्मों को त्यागने , और अपनी आशीषें ग्रहण करने के लिए प्रेरति करें। क्योंकि हे प्रभु , मैं आप पर भरोसा करता हूँ ; मुझे बचाएँ।

प्रार्थना 9, परमेश्वर की अतपिवत्रि माता को पीटर द्वारा , स्टुडयिन * का एक भक्षिु

हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, मैं , एक दीन प्राणी , अपने आपको आपके चरणों में डालता हूँ और प्रार्थना करता हूँ : हे रानी, आप जानती हैं कि मैं नरिंतर पाप करता हूँ और आपके पुत्र तथा मेरे ईश्वर के क्रोध को भड़काता हूँ ; और यद्यपि मैं कई बार पश्चाताप करता हूँ , मैं ईश्वर के सामने स्वयं को एक झूठा साबति करता हूँ। मैं पश्चाताप तो करता हूँ , पर इस भय से काँपता हूँ कि कहीं प्रभु मुझे नष्ट न कर दें , फरि भी जल्द ही मैं वही दुहरा देता हूँ ! मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप, हे मेरी स्वामनिी , परमेश्वर की माता, यह जानकर मुझ पर दया करें , मुझे बल दें और मुझे भलाई करना सखिाएँ। क्योंकि आप जानती हैं , हे मेरी माता, ईश्वर की माता, कि मैं अपने बुरे कर्मों से गहराई से घृणा करता हूँ और अपने ईश्वर के वधिान से पूरे हृदय से प्रेम करता हूँ ; फरि भी, हे अतपिवत्रि माता, मुझे यह नहीं पता कि मैं उस चीज़ से प्रेम क्यों करता हूँ जसिसे मैं घृणा करता हूँ , जबकि मैं अच्छा करने में असफल रहता हूँ। अनुमति न दें , हे परम पवत्रि , मेरी इच्छा पूरी हो, क्योंकि यह दुष्ट है ; परन्तु तेरे पुत्र और मेरे परमेश्वर

की इच्छा पूरी हो, कि वह मुझे बचाए, मुझे ज्ञान दे , और मुझे पवित्र आत्मा का अनुग्रह प्रदान करे , ताकि अब से मैं बुराई करना बंद कर दूँ , और अपने जीवन के शेष दिनों में तेरे पुत्र की आज्ञाओं के अनुसार जियूँ , जिसे सारी महिमा, सम्मान और शक्ति , उनके पिता जो अनारंभ हैं , और उनके परम पवित्र , भले और जीवन-प्रदायक आत्मा के साथ, अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

प्रार्थना 10,
परमेश्वर की परम पवित्र माता*

हे सदाचारी राजा की पुण्यमयी माता, हे परमेश्वर की अति पवित्र और धन्य माता, मरियम! अपने पुत्र और हमारे ईश्वर की दया को मेरी पीड़ित आत्मा पर बरसाएँ , और अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा मुझे अच्छे कर्मों की ओर मार्गदर्शन करें , ताकि मैं अपने शेष जीवन को पाप रहित जियूँ और, आपके द्वारा , स्वर्ग प्राप्त करूँ , हे ईश्वर की कुँवारी माता, एकमात्र शुद्ध और धन्य।

प्रार्थना 11,
पवित्र रक्षक स्वर्गदूत *

मसीह के स्वर्गदूत , मेरी आत्मा और देह के पवित्र रक्षक और संरक्षक ! आज मैंने जो भी पाप किए हैं , उन्हें क्षमा कर, और मुझे शत्रु की हर युक्ति से बचा, जो मुझे नुकसान पहुँचाना चाहता है , ताकि मैं किसी भी पाप से अपने ईश्वर को क्रोधित न करूँ। परन्तु मेरे लिए, एक पापी और अयोग्य सेवक के लिए प्रार्थना करें , कि मैं परम पवित्र त्रिमूर्ति और मेरे प्रभु यीशु मसीह की माता, तथा सभी संतों की भलाई और दया के योग्य पाया जाऊँ। आमीन।

ईश्वर की माता को कोंटाकियन

हे सर्वोच्च सेनापति जो मेरी रक्षा करती हैं / भयानक विपत्तियों से मुक्ति के लिए/मैं , आपकी प्रजा , हे परमेश्वर

की माता, / आपके लिए विजय के धन्यवाद के पर्व स्थापित करती हूँ ! / परन्तु आप, अजेय शक्ति की स्वामिनी , / मुझे सभी खतरों से बचाइए, ताकि मैं आपको पुकार सकूँ : / 'हे कन्या , आनंदित हो, जिसने विवाह नहीं किया!'*

*महिमा: हे हमारी रक्षा करने वाली सर्वोच्च सेनापति / भयानक विपत्तियों से मुक्ति के लिए / हम, तेरे सेवक , तेरे लिए कृतज्ञता में ये विजय उत्सव स्थापित करते हैं / हे ईश्वर की माता! / परन्तु आप, अजेय शक्ति की स्वामिनी , / हमें सभी खतरों से बचाइए, ताकि हम आपको पुकार सकें : / 'हे कन्या वधू , आनन्दित हो, जिसने कभी विवाह नहीं किया!'

हे महिमामयी सदा कुंवारी , हमारे ईश्वर मसीह की माता, हमारी प्रार्थना को अपने पुत्र और हमारे ईश्वर के समक्ष प्रस्तुत करो, ताकि आपकी मध्यस्थता से वह हमारी आत्माओं को बचाए।

मैं अपनी सारी आशा / आप पर रखता हूँ , हे परमेश्वर की माता, / मुझे अपनी संरक्षा में रखें।

हे परमेश्वर की कुंवारी माता, मुझे , एक पापी, जो आपकी सहायता और मध्यस्थता का आकांक्षी है , तुच्छ न समझिए, क्योंकि मेरी आत्मा आप पर भरोसा करती है ; मुझ पर दया करें।

संत जॉन की प्रार्थना

मेरी आशा पिता में है , मेरा शरणस्थल पुत्र में है , मेरी रक्षा पवित्र आत्मा में है ; हे पवित्र त्रिमूर्ति , तुझे महिमा हो!

इसके बाद, 'यह उचित और न्यायसंगत है ' पढ़ा जाता है , जिसके बाद समापन प्रार्थनाएँ होती हैं ; या, यदि वेस्पर्स को स्मॉल कॉम्प्लाइन के साथ जोड़ा जाता है , तो बाद वाले का समापन।

घर पर वेस्पर्स का पाठ करते समय, समापन के बाद, क्षमादान और समापन लिटनी के बजाय, निम्नलिखित प्रार्थनाओं का पाठ करें :

हे ईश्वर , हमारे जानबूझकर और अनजाने में , कर्म और वचन से , जानबूझकर और अज्ञानता से , दिन-रात, मन और विचार में किए गए पापों को क्षमा करें , मिटा दें और माफ करें – हमें सबको क्षमा करें , क्योंकि आप दयालु और मानवता के प्रेमी हैं।

हे मानवता के प्रेमी प्रभु , जो हमसे घृणा करते हैं और हमें अन्याय करते हैं , उन्हें क्षमा करें। जो भलाई करते हैं , उन्हें भलाई से प्रतफिल दें। हमारे भाइयों और रश्तिेदारों को उस चीज़ के लिए उनकी प्रार्थनाएँ प्रदान करें जो मोक्ष की ओर ले जाती है , और उन्हें अनंत जीवन प्रदान करें। बीमारों से मलिें और उन्हें स्वास्थ्य प्रदान करें। समुद्र में यात्रा कर रहे लोगों का मार्गदर्शन करें। यात्रा कर रहे लोगों का साथ दें। जो हमारी सेवा करते हैं और हम पर दया दखिाते हैं , उन्हें पापों की क्षमा प्रदान करें। हे प्रभु , अपनी महान दया के द्वारा , उन लोगों पर दया करें जन्हिोंने हम अयोग्यों को उनके लिए प्रार्थना करने का कार्य सौंपा है। हे प्रभु , हमारे उन पूर्वजों और भाइयों को याद करें जो हमसे पहले सो गए हैं , और उन्हें उस स्थान पर वश्राम प्रदान करें जहाँ आपके मुख की ज्योति चमकती है। हे प्रभु , हमारे उन भाइयों को याद करें जो कैद में हैं , और उन्हें हर वपित्ति से मुक्ति दें। हे प्रभु , उन लोगों को याद करें जो आपके पवत्रि गरिजाघरों में बलदिान चढ़ाते हैं और अच्छे काम करते हैं , और मोक्ष की ओर ले जाने वाली उनकी प्रार्थनाओं को स्वीकार करें , और उन पर अनंत जीवन की कृपा करें। हे प्रभु , हम अपने वनिम्र , पापी और अयोग्य सेवकों को भी याद करो, और हमें अपने ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशति करो, तथा हमें अपने आज्ञाओं के मार्ग पर चलाओ, हमारी सर्व -पवत्रि माता, परमेश्वर की माता और सदा-कन्या मरयिम, और आपके सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा ; क्योंकि आप सदा के लिए धन्य हैं। आमेन। *

दैनकि पापों का स्वीकार *

हे प्रभु , मेरे परमेश्वर और सृष्टकिर्ता , हे पवत्रि त्रमिूर्ति में एक, जो महमिामय और पूजति हैं —पति, पुत्र और पवत्रि आत्मा —मैं अपने उन सभी पापों का आपसे स्वीकार करता हूँ , जो मैंने अपने पूरे जीवन में , हर घड़ी , इसी क्षण , और बीते हुए दनिों और रातों में , अपने कर्मों द्वारा कए हैं ,

सोने से पहले की प्रार्थनाएँ

शब्द , वचिार, लालच, मद्यपान , चोरी-छपि खाना, व्यर्थ की बातें , नरिाशा, आलस्य , झगड़ालूपन , अवज्ञा , बदनामी, नदिा , लापरवाही, आत्म -प्रेम , लोभ, चोरी, झूठ , लालच, ईर्ष्या , जलन, क्रोध , प्रतशिोध की भावना, घृणा , धन के प्रतिप्रेम , और मेरी सभी इंद्रयिों : दृष्टि , श्रवण , गंध , स्वाद , स्पर्श और मेरे अन्य पापों , जो आध्यात्मकि और शारीरकि दोनों हैं , जनिसे मैंने हे मेरे ईश्वर , आपका क्रोध भड़काया है , और अपने पड़ोसी के प्रतिअन्याय कयिा है। इन पापों से पश्चाताप करते हुए , मैं तेरे , हे मेरे परमेश्वर , सामने दोषी हूँ , और मैं पश्चाताप करना चाहता हूँ। लेकनि हे प्रभु मेरे परमेश्वर , मेरी सहायता करो; मैं आँसुओं के साथ वनिम्रतापूर्वक आपसे प्रार्थना करता हूँ : अपनी दया से मेरे पछिले पापों को क्षमा करें , और, चूँकि आप दयालु हैं और मानवता से प्रेम करते हैं , मुझे उन सभी पापों से मुक्ति दें जन्हिें मैंने आपके सामने गनिाया है।

सोने से ठीक पहले , अपने बस्तिर की ओर इशारा करते हुए कहें :

संत जॉन ऑफ डेमास्कस की प्रार्थना *

हे प्रभु , मानव जातिके प्रेमी , क्या यह बस्तिर सचमुच मेरी कफ़न होगी, या क्या आप फरि भी मेरी दीन आत्मा को दनि के प्रकाश से प्रबुद्ध करेंगे ? देखो , कफ़न मेरे सामने पड़ी है ; देखो , मृत्यु मेरा इंतज़ार कर रही है। हे प्रभु , मुझे आपके न्याय और अनंत यातनाओं से डर लगता है , फरि भी मैं बुराई करना बंद नहीं करता। हे प्रभु और मेरे परमेश्वर , मैं नरिंतर आपके क्रोध को भड़काता हूँ , और आपकी परम पवत्रि माता का, और सभी स्वर्गीय शक्तयिों का, और अपने संरक्षक स्वर्गदूत का भी। हे प्रभु , मैं जानता हूँ कमिैं मानवजातिके लएि आपके प्रेम का अयोग्य हूँ , परन्तु हर प्रकार की नन्दिा और यातना का योग्य हूँ। फरि भी, हे प्रभु , चाहे मैं चाहूँ या न चाहूँ , मुझे बचा लीजएि। क्योंकि यदिआप धर्मी को बचाते हैं , तो उसमें कोई महानता नहीं है , और यदिआप शुद्ध लोगों पर दया दखिाते हैं , तो उसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है - क्योंकि

वे आपकी दया के योग्य हैं। परन्तु मुझ पापी पर अपनी अद्भुत दया दिखाइए; इसी में मानवजाति के प्रति अपना प्रेम प्रकट करें , ताकि मेरी दुष्टता आपकी अकथनीय भलाई और दया पर विजय न प्राप्त कर सके , और मेरे साथ अपनी इच्छा के अनुसार करें।

ट्रोपारिया , स्वर 2

हे मसीह परमेश्वर , मेरी आँखें प्रबुद्ध कीजिए, / ताकि मैं मृत्यु की नींद में न सो जाऊँ , / ताकि मेरा शत्रु यह न कहे : / 'मैं उस पर हावी हो गया हूँ। '

महिमा: हे ईश्वर , मेरी आत्मा का रक्षक बनो, / क्योंकि मैं अनेक फंदों के बीच चलता हूँ ; / मुझे उनसे बचाओ, हे शुभंकर , / और मुझे बचाओ, हे मानव-प्रेमी।

और अब: आओ हम परमेश्वर की अति महिमामय माता और पवित्र स्वर्गदूतों में परम पवित्र की अखंड स्तुति करें , / उन्हें हृदय और होठों से परमेश्वर की माता स्वीकार करते हुए , / क्योंकि सचमुच उन्होंने देहधारी परमेश्वर को जन्म दिया / और हमारी आत्माओं के लिए अखंड प्रार्थना करती हैं।

अपना क्रूस भी चूमो , और उससे अपने बिस्तर और पृथ्वी के चारों कोनों को आशीष दो, यह कहते हुए :

पवित्र क्रूस की प्रार्थना *

ईश्वर उठे और उसके शत्रु बिखर जाएँ ; जो उससे द्वेष करते हैं वे उसकी उपस्थिति से भाग जाएँ। जैसे धुआँ गायब हो जाता है , वैसे ही वे गायब हो जाएँ ; जैसे आग के सामने मोम पिघलता है , वैसे ही दुष्टात्माएँ उन लोगों के सामने नष्ट हो जाएँ जो ईश्वर से प्रेम करते हैं , जो क्रूस का चिह्न बनाते हैं और आनंदपूर्वक घोषणा करते हैं : हे प्रभु के अति सम्मानित और जीवन-दायक क्रूस , आनन्दित हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह की शक्ति से दुष्टात्माओं को भगाता है , जो तुझ पर क्रूस पर चढ़ाए गए, जो नरक में उतरे और शैतान की शक्ति को

कुचल डाला, और जिन्होंने हमें अपना पवित्र क्रूस , हर शत्रु को भगाने के लिए प्रदान किया है ! हे प्रभु के अति सम्मानित और जीवन-प्रदायक क्रूस , हे पवित्र माता मरियम और सभी संतों के साथ, सदा-सदा मेरी सहायता करो। आमीन।

या, संक्षेप में : हे प्रभु , पवित्र और जीवन-दायक क्रूस की शक्ति से मेरी रक्षा करो, और मुझे हर बुराई से बचाओ।

जब आप सोने जाएँ , तो कहें : 'हे प्रभु यीशु मसीह, मेरे परमेश्वर , मैं अपनी आत्मा को आपके हाथों में सौंपता हूँ। मुझे आशीर्वाद दें , मुझ पर दया करें , और मुझे अनंत जीवन प्रदान करें। आमीन।'

टिप्पणियाँ

[1]इन प्रार्थनाओं का ग्रीक पाठ कई जगहों पर स्लावोनिक पाठ से भिन्न है ; इसलिए हम दोनों संस्करण प्रदान करते हैं।

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

क्रम
पवित्र सहभागिता के लिए
ईश्वर और जीवन-प्रदायक परम-शुद्ध देह और रक्त के ओ

पुरोहित : हमारे ईश्वर का सदा, अब और सदा के लिए, युगानुयुग धन्य हो।

पाठक: आमेन। महिमा तुझे , हमारे ईश्वर , महिमा तुझे।

स्वर्गीय राजा: **पवित्र त्रिमूर्ति** महिमा, और अब: परम पवित्र त्रिमूर्ति : हे प्रभु , दया करें। **(3)** महिमा, और अब: हमारे पिता:

पुरोहित : क्योंकि राज्य तेरा है : **पाठक:** आमीन। हे प्रभु , दया कर। **(12)** महिमा, और अब: आओ, हम प्रणाम करें : **(3)**

भजन संहिता 22

यहोवा मेरा रखवाला है ; मुझे कुछ भी कमी न होगी। वह मुझे हरे चरागाहों में लिटाता है ; वह मुझे शांत जल के पास ले जाता है ; वह मेरी आत्मा को ताज़ा करता है ; वह अपने नाम के लिए मुझे धर्म के मार्गों में चलाता है। क्योंकि चाहे मैं मृत्यु की छाया की घाटी से गुज़रूँ , मैं किसी बुराई से नहीं डरूँगा , क्योंकि आप मेरे साथ हैं : आपकी लाठी और आपका डंडा , वे मुझे सांत्वना देते हैं। तू मेरे शत्रुओं के सामने मेरे लिए भोजन का मेज़ लगाता है ; तू मेरे सिर पर तेल लगाता है ; मेरा प्याला भर-भर जाता है। निश्चय ही भलाई और अनुग्रह मेरे जीवन के सभी दिनों में मेरा अनुसरण करेंगे , और मैं सदा के लिए यहोवा के भवन में वास करूँगा !

भजन संहिता 23

पृथ्वी यहोवा की है , और जो कुछ उस में है वह सब उसी का है ; जगत और जो उसमें वास करते हैं वे सब उसी के हैं। उसने इसे

समुद्रों पर और नदयिों पर स्थापति कयिा है। प्रभु के पर्वत पर कौन चढ़ सकेगा , या उसकी पवत्रि जगह पर कौन खड़ा हो सकेगा ? वह जसिके हाथ नर्दिोष हैं और जसिका हृदय शुद्ध है , जसिने अपनी आत्मा को व्यर्थता में नहीं लगाया, और न ही अपने पड़ोसी के वरिुद्ध छल से शपथ ली है। उस व्यक्ति को प्रभु से आशीष और उनके उद्धारकर्ता परमेश्वर से अनुग्रह प्राप्त होगा। ऐसे हैं वे लोग जो प्रभु की खोज में हैं , जो याकूब के परमेश्वर का मुख खोजते हैं। हे राजकुमारों , अपने फाटकों को ऊँचा करो, और हे अनन्त द्वारों , उन्हें ऊँचा करो, कि महमिा का राजा प्रवेश करे। यह महमिा का राजा कौन है ? यहोवा, जो बलवान और पराक्रमी है , यहोवा, जो युद्ध में पराक्रमी है। हे फाटको, अपने सरि उठाओ; हे प्राचीन द्वारो , अपने सरि उठाओ, कि महमिा का राजा प्रवेश करे। यह महमिा का राजा कौन है ? सेनाओं का यहोवा—वह महमिा का राजा है !

भजन संहति 115

मैंने वश्विास कयिा, और इसलिए मैंने कहा; परन्तु मैं बहुत नम्र हुआ। और मैंने अपनी क्लेश में कहा: 'हर मनुष्य झूठा है। ' मैं प्रभु का उन सब उपकारों के लिए कैसे प्रतफिल दूँगा जो उन्होंने मुझ पर कए हैं ? मैं उद्धार का प्याला उठाऊँगा और प्रभु के नाम का आह्वान करूँगा ; मैं प्रभु के प्रति अपनी प्रतज्ञिाएँ उनके सब लोगों के सामने पूरी करूँगा। प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु बहुमूल्य है। हे प्रभु , मैं तेरा दास हूँ ; मैं तेरा दास और तेरी दासी का पुत्र हूँ। तूने मेरे बन्धन खोल दिए हैं ; मैं तुझको धन्यवाद का बलदिान चढ़ाऊँगा और प्रभु के नाम का आह्वान करूँगा ; मैं प्रभु के सब लोगों के साम्हने , हे यरूशलेम , प्रभु के भवन के आँगनों में , तेरे बीच में , अपने व्रत पूरे करूँगा।

महमिा, और अब: अल्ल eluia, अल्ल eluia, अल्ल eluia, महमिा तुझको , हे परमेश्वर। **(3) और तीन प्रणाम।**

ट्रोपारयिा , स्वर 8

हे कुँवारी से जन्मे प्रभु , अनुग्रहपूर्वक मेरे पापों को देखो , / और मेरे हृदय को शुद्ध करो, / इसे अपने परम पवत्रि शरीर और रक्त का मंदरि बनाओ; / मुझे अपनी उपस्थतिि से वंचति न करो, / हे असीम दया के स्वामी।

महमिा: मैं , जो अयोग्य हूँ , आपकी पवत्रि दातों में भाग लेने की हम्मित कैसे करूँ ? / क्योंकि यदि मैं योग्य लोगों के साथ आपके पास आने की हम्मित करूँ , / तो मेरे वस्त्र मुझे बेनकाब कर देंगे – क्योंकि ऐसा परधिान पहनकर कोई भोज में नहीं जाता, / और मैं अपने पाप-ग्रस्त आत्मा पर स्वयं ही दोष लगा लूँगा। / हे प्रभु , मेरी आत्मा की अशुद्धि को शुद्ध करें / और हे मानव-प्रेमी , मुझे बचाएँ।

और अब: हे परमेश्वर की माता, मेरे पाप अनगनित हैं – / हे पवत्रि एक, मैं मोक्ष की आवश्यकता में तेरे पास शरण लेता हूँ। / मेरी दुर्बल आत्मा पर कृपा दृष्टि डालो / और अपने पुत्र और हमारे ईश्वर के समक्ष मेरी सफिारशि करो, / ताकि मुझे क्षमा मलि सके / मैंने जो गंभीर पाप कयि हैं , / हे धन्य।

मौंडी गुरुवार * पर

जब महमिामय शष्यिों को / अंतमि भोज में उपदेश दयिा जा रहा था, / तब दुष्ट यहूदा , लालच से ग्रस्त , अँधकार में डूब गया / और उसने तुझे , धर्मी न्यायी को, अधर्मी न्यायाधीशों के हवाले कर दयिा। / देखो , धन के प्रेमी , / उस व्यक्ति की कठोर पकड़ को जसिने अपने लिए संचति कयिा! / उस अतृप्त आत्मा से दूर भागो, / जसिने शक्षिक के वरिुद्ध ऐसा करने की हम्मित की! / हे प्रभु , सभी के लिए भला, तुझे महमिा!

*उत्सव : महा-वनियिोग के दौरान

भजन संहति 50

हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें ; अपनी अनगनित करूणा के अनुसार मेरी अधर्म को मटि दें ; मुझे

मेरे अधर्म से पूरी तरह धो डालें , और मुझे मेरे पाप से शुद्ध कर दें। क्योंकि मैं अपने अधर्म को जानता हूँ , और मेरा पाप सदा मेरे सामने रहता है। मैंने केवल आपसे ही पाप कयिा है और आपके सामने बुराई की है ; ताकि आप अपने वचनों में धर्मी ठहरें और जब आप न्याय में उपस्थति हों तो वजियी रहें। क्योंकि देखिए , मैं अधर्म में गर्भ में लयिा गया था, और पाप में मेरी माता ने मुझे जन्म दयिा। क्योंकि देखो , तू सत्य से प्रेम करता है ; तूने मुझे अपनी बुद्धि की गहरी और गुप्त बातें बताई हैं। तू मुझे सोठ से छड़िक देगा , और मैं शुद्ध हो जाऊँगा ; तू मुझे धोएगा, और मैं हमि से भी अधकि श्वेत हो जाऊँगा ; तू मुझे आनन्द और प्रसन्नता का अनुभव कराएगा—मेरी नम्र हड्डयिाँ आनंदति होंगी। अपने मुख को मेरे पापों से फेर लीजिए और मेरी सारी अधर्म को मटिा दीजिए। हे परमेश्वर , मुझ में एक नया और शुद्ध हृदय रचिए, और मेरे भीतर एक नया और सही आत्मा नया कीजिए। मुझे अपनी उपस्थति से दूर न कीजिए, और अपनी पवत्रि आत्मा मुझ में से न लीजिए। मुझे अपने उद्धार का आनंद फरि से दे , और मुझे अपनी सामर्थी आत्मा से स्थरि कर। मैं दुष्टों को तेरे मार्ग सखिाऊँगा , और अधर्मी तेरी ओर फरिेंगे। हे परमेश्वर , हे मेरे उद्धार के परमेश्वर , मुझे रक्तपात से बचा; तब मेरी जीभ तेरी धार्मकिता में आनंदति होगी। हे प्रभु , तू मेरे होठ खोल देगा , और मेरे होठ तेरी स्तुति करेंगे। क्योंकि यदि तू बलदिान चाहता, तो मैं उन्हें चढ़ा देता —परन्तु तू होमबलि में कोई आनंद नहीं लेता। परमेश्वर के लिए बलदिान एक टूटी हुई आत्मा है ; हे परमेश्वर , एक टूटा और कुचला हुआ हृदय , तू तुच्छ नहीं जानेगा। हे प्रभु , अपनी प्रसन्नता में सयिोन पर अपना अनुग्रह करें , और यरूशलेम की दीवारें फरि से बनाई जाएँ ; तब आप अनुग्रहपूर्वक धार्मकिता की बलि, भेंट और होमबलि ग्रहण करेंगे ; तब वे आपके वेदी पर जवान सांड चढ़ाएंगे।

पवित्र सहभाग का अनुष्ठान

कैनन , स्वर 2

भजन 1

इरमोस: आओ, हे लोगों , / हम अपने ईश्वर मसीह के लिए एक गीत गाएँ , / जिन्होंने समुद्र को फाँस दिया और लोगों को पार ले गए, / जिन्हें उन्होंने मिस्र के बंधन से बाहर निकाला, / क्योंकि उन्हें महिमा मिली है।

पुनरावर्तन 1: हे परमेश्वर , मुझ में एक निष्कलंक हृदय सृजित कर, और मुझ में एक नया और सही आत्मा नया कर।

हे दयालु प्रभु , आपका पवित्र शरीर और आपका बहुमूल्य रक्त मेरे लिए अनंत जीवन का भोजन और सभी प्रकार की बीमारियों से रक्षा का साधन बने।

पुनरावृत्ति 2: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और मुझसे अपना पवित्र आत्मा न ले।

अनुचित कर्मों से कलंकित , मैं जो दीन हूँ , / हे मसीह, मैं अयोग्य हूँ , तेरा परम पवित्र शरीर और दिव्य रक्त ग्रहण करने के लिए, / जो तूने मुझे प्रदान करने की कृपा की है।

पुनरावर्तन 3: हे परमेश्वर की परम पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हे पुण्य धरती, हे परमेश्वर की धन्य वधू , / जिन्होंने संसार के लिए अनाज की अछूती और उद्धारक बाली को जन्म दिया, / कृपा करें कि, उसे ग्रहण करके , मैं उद्धार पा सकूँ।

भजन 3

इरमोस: विश्वास की चट्टान पर मुझे स्थापित करके , / आपने मेरे शत्रुओं के विरुद्ध मेरा मुँह खोल दिया है , / क्योंकि मेरी आत्मा आनंदित होकर गाती है : / 'हमारे परमेश्वर के समान कोई पवित्र नहीं , / और हे प्रभु , तेरे सिवाय कोई धर्मी नहीं !'

पुनरावर्तन 1: हे परमेश्वर , मुझ में एक निष्कलंक हृदय सृजित कर, और मुझ में एक नया और सही आत्मा का नवीनीकरण कर।

हे मसीह, मुझे अश्रु की बूँदें प्रदान कर, / जो मेरे हृदय की मलिनता को शुद्ध करें , / ताकि, शुद्ध अंतरात्मा से पवित्र

होकर, / मैं विश्वास और श्रद्धा के साथ आ सकूँ , हे प्रभु , / तेरे दैवीय उपहारों में भाग लेने के लिए।

पुनरुक्ति 2: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और मुझसे अपना पवित्र आत्मा न ले।

हे मानवता के प्रेमी , आपका परम पवित्र शरीर और दिव्य रक्त मेरे पापों की क्षमा बने ; / वे मुझे पवित्र आत्मा के साथ सहभागिता और अनंत जीवन प्रदान करें , / और वासनाओं तथा दुखों से मुक्ति दें।

पुनरावर्तन 3: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाइए।

हे परम पवित्र , जीवन की रोटी का भोज, / जो अपनी दया से स्वर्गलोक से अवतरित हुए / और संसार को नया जीवन प्रदान करते हैं , / कृपा करें कि मैं भी, अयोग्य होते हुए भी, / अब, श्रद्धापूर्वक , इसका सेवन कर जीवित रहूँ।

भजन 4

इरमोस: हे प्रभु , तू कुँवारी से आया, न दूत के रूप में , न स्वर्गदूत के रूप में , बल्कि स्वयं देहधारी प्रभु के रूप में , और तूने मुझे , एक मनुष्य को, मेरे सम्पूर्ण अस्तित्व में बचाया। इसलिए मैं तुझसे पुकारता हूँ : 'हे प्रभु , तेरी शक्ति की महिमा हो!'

पुनरावर्तन 1: हे परमेश्वर , मुझ में एक निष्कलंक हृदय सृजित कर, और मुझ में एक नया और सही आत्मा का नवीनीकरण कर।

हे परम दयालु , हमारे लिए अवतार लेकर , तूने मानव जाति के पापों के लिए एक मेमने की तरह वध होने की इच्छा की। इसलिए मैं तुझसे विनती करता हूँ कि मेरे पापों को भी मिटा दे।

पुनरुक्ति 2: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और मुझसे अपना पवित्र आत्मा न हटा।

हे प्रभु , मेरी आत्मा के घावों को चंगा कर, / और मुझे पूर्णतः पवित्र कर, / और हे प्रभु , यह अनुग्रह कर, कि मैं , एक दीन आत्मा , / तेरे दिव्य और रहस्यमय भोज में भाग ले सकूँ।

पुनरावृत्ति 3: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे माता, मुझ पर भी दया करो / उस परमेश्वर से जो तुमसे उत्पन्न हुए , / और मुझे , अपने दास को, पवित्र और निर्दोष रखो, / ताकि आध्यात्मिक मोती प्राप्त कर, मैं पवित्र हो जाऊँ।

ओद 5

इरमोस: हे प्रभु , प्रकाश के दाता और युगों के सृष्टिकर्ता , / हमें अपने आज्ञाओं के प्रकाश में मार्गदर्शन करें , / क्योंकि हम तुझसे सिवा किसी अन्य ईश्वर को नहीं जानते।

पुनरावृत्ति 1: हे परमेश्वर , मुझमें एक निष्कलंक हृदय सृजित करें , और मुझमें एक नया और सही आत्मा नया करें।

हे ख्रीस्त , जैसा तूने पूर्वकथन किया, / वैसा ही मेरे लिए हो, तेरे नम्र सेवक के लिए, / और मुझ में वास कर, जैसा तूने वादा किया, / क्योंकि देख , मैं तेरा दिव्य शरीर खाता हूँ और तेरा रक्त पीता हूँ।

पुनरावर्तन 2: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और मुझसे अपना पवित्र आत्मा न ले।

हे परमेश्वर के वचन और हे परमेश्वर ! / हे प्रभु , तेरा शरीर का जलता हुआ कोयला / मुझ पर प्रकाश बन जाए, जो अंधकार में हूँ , / और तेरा रक्त मेरे कलंकित प्राण की शुद्धि हो।

पुनरुक्ति 3: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

मरियम, ईश्वर की माता, / मधुर सुगंध की पवित्र कुटिया , / अपनी प्रार्थनाओं से मुझे एक चुना हुआ पात्र बना दो, / ताकि मैं उस परमेश्वर के पवित्र उपहारों में भाग ले सकूँ , जिसे तुमने जन्म दिया।

स्तोत्र 6

इरमोस: पाप के गर्त में डूबा , / मैं तेरी अपार दया की गहराइयों को पुकारता हूँ : / हे ईश्वर , मुझे विनाश से बचा!

पुनरावर्तन 1: हे परमेश्वर , मुझमें एक निष्कलंक हृदय सृजित करें , और मुझमें एक नया और सही आत्मा नया करें।

हे उद्धारकर्ता , मेरे मन, आत्मा और हृदय को पवित्र कीजिए, / और मेरे शरीर को भी, / और यह अनुग्रह कीजिए कि मैं निन्दा के बिना पवित्र रहस्यों के समीप जा सकूँ , हे प्रभु।

पुनरावृत्ति 2: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और मुझसे अपना पवित्र आत्मा न ले।

हे मसीह, तेरे पवित्र रहस्यों के सहभाग से मैं अपने वासनाओं से मुँह फेरूँ / और अनुग्रह में वृद्धि तथा जीवन की दृढ़ता प्राप्त करूँ।

पुनरावर्तन 3: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाइए।

हे ईश्वर , हे पवित्र वचन, / मुझे संपूर्ण रूप से पवित्र कर, / क्योंकि मैं अब तेरे दिव्य रहस्यों के समीप आ रहा हूँ , / तेरी पवित्र माता की मध्यस्थता से।

कॉन्टाकियन , स्वर 2

हे मसीह, मुझे वंचित न करो, / अब रोटी—तव देह / और तव दिव्य रक्त ग्रहण करने से ; / हे प्रभु , तव अति पवित्र और भयानक रहस्यों का संगम , / हम दीन आत्मा पर न्याय न बने , / बल्कि यह मेरे लिए अनंत और अमर जीवन हो।

भजन 7

इरमोस: बुद्धिमान युवकों ने सुनहरे बछड़े को प्रणाम नहीं किया, / बल्कि स्वयं आग में कूद पड़े और अपनी मूर्तियों का मज़ाक उड़ाया ; / आग के बीच उन्होंने पुकारा – और एक स्वर्गदूत ने उन पर पानी छिड़का , यह घोषणा करते हुए : / 'तुम्हारे होठों की प्रार्थना पहले ही सुनी जा चुकी है !'

पुनरावृत्ति 1: हे परमेश्वर , मुझ में एक निष्कलंक हृदय सृजित करें , और मुझ में एक नया और सही आत्मा पुनर्स्थापित करें।

हे ख्रीस्त , आज मेरा / तेरे अमर रहस्यों में भाग लेना , / आशीष, प्रकाश , जीवन और नरि्लप्तिता का स्रोत बने , / और दविय सद्गुणों के वकिास और वृद्धि का साधन बने , / ताकि मैं तुझे महमिामय करूँ , एकमात्र सच्चे भले।

पुनरुक्ति 2: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और मुझसे अपना पवित्र आत्मा न ले।

मैं वासनाओं , / और शत्रुओं , और वपित्तयिों , और हर दुख से मुक्त हो जाऊँ , / मैं जो अब, काँपते हुए और प्रेम से , और श्रद्धा के साथ, आता हूँ / हे मानवता के प्रेमी , तेरे अमर और दविय रहस्यों तक, / और तुझसे गाऊँ : / 'धन्य है तू , हे हमारे पतिरों के परमेश्वर !'

पुनरुक्ति 3: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाइए।

हे धन्य माता, जन्हिोंने मन की समझ से परे मसीह उद्धारकर्ता को जन्म दयिा, / ईश्वर की कृपा प्राप्त , मैं , आपका दास, अब आपसे वनिती करता हूँ , / हे पवित्र —मैं , अशुद्ध : / अब जब मैं परम पवित्र रहस्यों में भाग लेने की तैयारी कर रहा हूँ , / मुझे देह और आत्मा की अशुद्धि से पूरी तरह शुद्ध कर दें।

ओड 8

इरमोस: हे सारी सृष्टि , परमेश्वर का भजन करो, प्रभु के रूप में , / जो यहूदी युवकों के साथ / अग्नि भट्टी में उतरा / और ज्वालाओं को ओस में बदल दयिा, / और उसे युगानुयुग तक महमिा दो।

पुनरुक्ति 1: हे परमेश्वर , मुझमें एक नरि्मल हृदय सृजित कर, और मुझमें एक नया और सही आत्मा पुनर्स्थापित कर।

हे मसीह, तेरे स्वर्गीय , भयानक, और पवित्र रहस्यों तथा तेरे दविय और रहस्यमय भोज से मुझे भाग लेने की अनुमति दे ,

ताकि मैं , जो निराश हूँ , अब भाग ले सकूँ , हे ईश्वर , मेरे उद्धारकर्ता !

पुनरावृत्ति 2: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और मुझसे अपना पवित्र आत्मा न छीन।

हे दयालु , तेरी दया की शरण लेकर , मैं भय से तुझसे पुकारता हूँ : 'हे उद्धारकर्ता , मुझमें वास कर, और मैं , जैसा तूने कहा, तुझमें ; क्योंकि देख , तेरी दया पर भरोसा करने की हिम्मत करके , मैं तेरा शरीर खाता हूँ और तेरा रक्त पीता हूँ !'

पुनरावर्तन : परम पवित्र त्रिमूर्ति , हमारे ईश्वर , महिमा आपको हो।

मैं आग ग्रहण करते समय कांपता हूँ , कि कहीं मैं भस्म न हो जाऊँ , जैसे मोम और जैसे घास। हे अद्भुत रहस्य ! हे ईश्वर की दया! यह कैसे संभव है कि मैं , एक साधारण मिट्टी का ढेला , दिव्य देह और रक्त का भोग ग्रहण करूँ और अमर हो जाऊँ ?

भजन 9

इरमोस: आरंभहीन पिता के पुत्र , ईश्वर और प्रभु , / कुँवारी से देहधारी होकर, हम लोगों के पास प्रकट हुए / अंधकार में रहने वालों को प्रकाश देने और बिखरे हुए लोगों को एकत्रित करने के लिए। / अतः हम ईश्वर की माता की महिमा करते हैं , जिनकी सभी स्तुति करते हैं।

पुनरावृत्ति 1: हे परमेश्वर , मुझ में एक निष्कलंक हृदय सृजित करें , और मुझ में एक नया और सही आत्मा नया करें।

प्रभु भला है : चखो और देखो ! / क्योंकि हमारे लिए एक बार हमारे समान बनकर, / और एक बार स्वयं को अपने पिता को उपहार स्वरूप अर्पित करके , / वह सदा बलिदान होते रहते हैं , और जो उन्हें ग्रहण करते हैं उन्हें पवित्र करते हैं।

पुनरुक्ति 2: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर, और मुझसे अपना पवित्र आत्मा न ले।

पवित्र सहभाग का अनुष्ठान

हे प्रभु , मैं आत्मा और शरीर से पवित्र हो जाऊँ , / मैं प्रबुद्ध हो जाऊँ , मैं उद्धार पाएँ , / मैं पवित्र रहस्यों में भाग लेकर , / तेरा वासस्थान बन जाऊँ , / जब तू पिता और आत्मा के साथ मुझ में वास करे , / हे परम दयालु कल्याणकर्ता।

पुनरुक्ति : मुझे अपने उद्धार का आनंद फिर से प्रदान करें और मुझे अपने सर्वशक्तिमान आत्मा से बलवान करें।

हे मेरे उद्धारकर्ता , आपका शरीर, / और आपका अति-मूल्यवान रक्त / मेरे लिए एक ऐसी अग्नि हो जो पाप के सार को भस्म कर दे / और वासनाओं की काँटों को जलाकर नष्ट कर दे , / और एक ऐसी ज्योति हो जो मेरे सम्पूर्ण अस्तित्व को प्रकाशित करे / ताकि मैं आपकी दिव्यता की आराधना कर सकूँ।

पुनरावृत्ति 3: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

ईश्वर तेरे पवित्र रक्त से अवतार धारण हुए। / अतः हे सर्वशक्तिमान देवी , प्रत्येक पीढ़ी तेरा गुणगान करती है , / और असीम संख्या में निराकार प्राणी तुझे महिमामय कहते हैं , / क्योंकि तेरे द्वारा उन्होंने स्पष्ट रूप से उसको देखा है जो सर्वत्र शासन करता है , / जिसने स्वयं पर मानवीय स्वभाव धारण किया।

यह वास्तव में उचित है / कि हम आपकी महिमा करें , हे परमेश्वर की माता, / शाश्वत रूप से धन्य और निर्दोष , / और हमारे परमेश्वर की माता। / करूबों के सर्वोच्च सम्मान के साथ / और सेराफिम की अतुलनीय महिमा के साथ, / आप जिन्होंने कुँवारी होकर वचन-परमेश्वर को जन्म दिया, / परमेश्वर की सच्ची माता – हम आपकी महिमा करते हैं।

ट्रिसैगियन। महिमा, और अब: परम पवित्र त्रिमूर्ति : हे प्रभु , दया करें। (3) महिमा, और अब: हमारा पिता:

पुरोहित : क्योंकि राज्य तेरा है। **पाठक:** आमेन।

उत्सव का ट्रॉपारियन। यदि कोई उत्सव न हो:

पश्चातापी ट्रोपारयिा , स्वर 6

हे प्रभु , हम पर दया करो, हम पर दया करो, / क्योंकि अपने लिए कोई बहाना न पाकर, / हम पापी यह प्रार्थना तुझसे , हमारे स्वामी , करते हैं : / 'हम पर दया करो!'

महमिा: हे प्रभु , हम पर दया करें , क्योंकि हमने आप पर अपना भरोसा कयिा है , / हम पर बहुत क्रोध न करें / और हमारे पापों को न याद करें ; / परन्तु हे दयालु , अब हम पर दृष्टि करें , / और हमें हमारे शत्रुओं से छुड़ाइए। / क्योंकि तू हमारा परमेश्वर है , और हम तेरी प्रजा हैं ; / हम सब तेरे हाथों का काम हैं / और हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं।

और अब: हे धन्य ईश्वर माता, हमारे लिए दया के द्वार खोलिए, ताकि हम, आप पर भरोसा करके , लज्जति न हों , बल्कि आपकी प्रार्थनाओं के द्वारा अपने कष्टों से मुक्त हों , क्योंकि आप ही ईसाई जाति का उद्धार हैं।

हे प्रभु , दया करें। **(40) और जतिनी बार आप झुकना चाहें।**

फरि नम्निलखिति छंद : हे मनुष्य , प्रभु के शरीर में भाग लेने की इच्छा रखते हुए , / भय के साथ नकिट आओ, कहीं तुम झुलस न जाओ, क्योंकि यह आग है। / जब तुम संचार के लिए दविय रक्त पीते हो, / तो पहले उनसे मेल मलिाप करो जन्हिोंने तुम्हें दुख पहुँचाया है। / फरि नश्निंकोच रहस्यमय भोजन ग्रहण करो।

और अन्य छंद : इस भयानक बलदिान में भाग लेने से पहले , / प्रभु का जीवन-दायक शरीर, / इस प्रकार काँपते हुए प्रार्थना करो।

और अन्य प्रार्थनाएँ :

प्रार्थना 1,
संत बेसलि द ग्रेट की

हे प्रभु , यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , जीवन और अमरत्व के स्रोत , सभी सृष्टि के स्रष्टा , दृश्य और अदृश्य दोनों , हे शाश्वत पति के पुत्र , जो स्वयं शाश्वत और अनंत हैं ,

जन्हिोंने अपनी कृपा की प्रचुरता से इन अंतमि दनिों में देह धारण कयिा, और हमारे लिए, जो कृतघ्न और मूर्ख हैं , क्रूस पर चढ़ाए गए और दफनाए गए, और अपने ही रक्त से हमारे स्वभाव को, जो पाप से भ्रष्ट हो गया था, पुनर्स्थापति कयिा! हे अमर राजा, आप स्वयं मेरे पापों का पश्चाताप स्वीकार करें , और मेरी ओर अपना कान लगाकर मेरे वचन सुनें। क्योंकि हे प्रभु , मैंने पाप कयिा है , मैंने स्वर्ग के वरिुद्ध और तेरे सामने पाप कयिा है , और मैं तेरे महमिा की ऊँचाइयों को नहिारने के योग्य नहीं हूँ : क्योंकि मैंने तेरी आज्ञाओं का उल्लंघन करके और तेरे हुक्मों की अवज्ञा करके तेरी भलाई को क्रोधति कयिा है। परन्तु हे प्रभु , जो प्रतशिोधी नहीं , बल्कि धीरजवान और अनुग्रह से भरपूर हैं , ने मुझे मेरे अधर्म के बीच नाश होने नहीं दयिा, बल्कि मेरे पश्चाताप की धीरज से प्रतीक्षा की है। क्योंकि हे मानव-प्रेमी , ने अपने भवष्यिवक्ता के द्वारा कहा है : 'मुझे पापी की मृत्यु में कोई आनंद नहीं , परन्तु यह कि वह अपने मार्ग से फरिकर जीवति रहे। ' क्योंकि हे प्रभु , आप अपने हाथों की रचना के नाश की कामना नहीं करते , और न ही आप मानव जाति के वनिाश में आनंदति होते हैं , बल्कि आप चाहते हैं कि सभी का उद्धार हो और वे सत्य के ज्ञान तक पहुँचें। अतः मैं भी, यद्यपि स्वर्ग और पृथ्वी के योग्य नहीं हूँ , और इस क्षणकि जीवन में मैंने स्वयं को पूरी तरह से पाप के हवाले कर दयिा है , स्वयं को सुखों का दास बना लयिा है , और मुझमें आपकी प्रतमिा को धुंधला दयिा है , फरि भी, आपकी रचना और कृति होने के नाते , मैं अपनी मुक्ति से नरिाश नहीं हूँ , यद्यपि मैं दयनीय हूँ , और नडिर होकर आपकी असीम दया की ओर मुड़ता हूँ। हे प्रभु , मानवता के प्रेमी , मुझे भी वेश्या , चोर, महसूल लेने वाले और व्यर्थ उड़ाई करने वाले पुत्र के समान स्वीकार करें , और मुझसे पापों का यह भारी बोझ उठा लें , हे प्रभु , जो संसार का पाप उठा लेते हो और मानव दुर्बलता को चंगा करते हो, जो परशि्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों को अपनी ओर बुलाते हो और

उन्हें विश्राम देते हो, जो धर्मी को नहीं बल्कि पापियों को पश्चाताप के लिए बुलाने आए थे – मुझे भी देह और आत्मा की हर अशुद्धि से शुद्ध कर दो (और) मुझे तेरे भय में पवित्र जीवन जीना सिखा, ताकि निर्मल अंतरात्मा के साथ तेरे पवित्र उपहारों में भाग लेकर , मैं तेरे पवित्र शरीर और लहू के साथ एक हो जाऊँ और तू पिता और पवित्र आत्मा के साथ मुझ में वास करे और स्थिर रहे। इसलिए, हे प्रभु यीशु मसीह, मेरे परमेश्वर , यह प्रार्थना है कि आपके परम पवित्र और जीवन-दायक रहस्यों में भाग लेना मेरे लिए न्याय का कारण न बने , और अयोग्य रूप से उनका सेवन करने के कारण मैं आत्मा और शरीर से दुर्बल न हो जाऊँ ; परन्तु यह अनुग्रह करें कि, अपनी अंतिम साँस तक, मैं आपके पवित्र उपहारों का सेवन बिना किसी निन्दा के कर सकूँ – पवित्र आत्मा की संगति में , शाश्वत जीवन के मार्गदर्शक और तेरे भयानक न्याय में अनुकूल उत्तर के लिए, ताकि मैं भी, तेरे सभी चुने हुओं के साथ, तेरी अक्षय आशीषों में सहभागी हो सकूँ , जिन्हें तूने हे प्रभु , उनसे प्रेम करने वालों के लिए तैयार किया है – उनमें तू सदा के लिए महिमामय हो। आमीन।

प्रार्थना 2,
संत जॉन क्राइसोस्टोम

हे प्रभु मेरे परमेश्वर , मैं जानता हूँ कि मैं आपके मेरे छज्जे के नीचे , मेरी आत्मा के घर में प्रवेश करने के लिए अयोग्य और अनुपयुक्त हूँ , क्योंकि वह पूरी तरह से खाली और खंडहर है , और मेरे भीतर कोई उपयुक्त स्थान नहीं है जहाँ आप अपना सिर रख सकें। किन्तु जैसे आपने हमारे लिए स्वयं को नम्र किया, उच्च से उतरकर, वैसे ही अब मेरी नीचता में उतर आइए। और जैसे आपने मौन पशुओं के तबेले में एक गुफा में लेटना स्वीकार किया, वैसे ही कृपा करके मेरे मूर्ख आत्मा और मेरे कलंकित शरीर के तबेले में प्रवेश करें। और जैसे आप कुष्ठरोगी शिमोन के घर में पापियों के साथ भोजन करने और उनके संग रहने से इनकार नहीं किए, वैसे ही कृपा

करके मेरे वनिम्र , कुष्ठग्रस्त और पापी आत्मा के घर में प्रवेश करें। और जैसे आपने मुझ जैसे वेश्या और पापी को, जो आकर आपको छू गई थी, अस्वीकार नहीं कयिा, वैसे ही मुझ पर, एक पापी पर, दया करें , जो आकर आपको छूता है। और जैसे आपने उन अशुद्ध और पापी होंठों से घृणा नहीं की जन्हिोंने आपको चूमा , वैसे ही मेरे होंठों से घृणा न करें , जो उसके होंठों से भी अधकि अशुद्ध और पापी हैं , न ही मेरे घृणति और अशुद्ध होंठों से , न ही मेरी घृणति और अत्यंत घृणति जीभ से। परन्तु हे प्रभु , तेरे परम पवत्रि शरीर और तेरे बहुमूल्य रक्त का जलता हुआ कोयला मेरे दीन आत्मा और शरीर के पवत्रिकिरण , ज्ञानवर्धन और बलवर्धन के लिए हो, मेरे अनेक पापों के बोझ को हल्का करने , मुझे हर शैतानी प्रभाव से बचाने , मेरी बुरी और दुष्ट आदतों को दूर करने और नयिंत्रति करने , मेरी वासनाओं को दमन करने , आपके आज्ञाओं का पालन करने , आपकी दैवीय कृपा को बढ़ाने , और आपके राज्य को प्राप्त करने के लिए। क्योंकि मैं मसीह परमेश्वर , आपके पास लापरवाही से नहीं , बल्कि आपकी अनुपम भलाई में दृढ़ आशा के साथ आता हूँ , और इस लिए कि यदि मैं आपसे दूर भटक जाऊँ तो आध्यात्मकि भेड़िया मुझे न उठा ले जाए। इसलिए मैं आपसे वनिती करता हूँ : हे एक पवत्रि प्रभु , मेरी आत्मा और शरीर, मेरे मन और हृदय , और मेरी गहरी भावनाओं को पवत्रि कीजिए; मुझे पूरी तरह से नया कीजिए; मेरे सभी अंगों में अपने भय की जड़ें जमा दीजिए; और मेरे भीतर अपनी पवत्रिता को अटूट बना दीजिए। और मेरी सहायक और रक्षक बनो, एक नावकि की तरह मेरे जीवन का शांतपिूर्वक मार्गदर्शन करो, ताकि मैं तेरी सर्व - पवत्रि माता, तेरे अदेह सेवकों और परम पवत्रि शक्तियों , और उन सभी संतों की प्रार्थनाओं और मध्यस्थताओं के द्वारा , जो प्राचीन काल से तुझसे प्रसन्न हुए हैं , तेरे संतजनों के साथ तेरे दाहनि हाथ पर खड़े होने के योग्य समझा जाऊँ। आमेन।

पवत्रि सहभाग का अनुष्ठान

प्रार्थना 3,
संत समियिन मेटाफ्रास्टेस

हे एक, शुद्ध और अवनिाशी प्रभु , जनि्होंने मानवजाति के प्रति अकथनीय करुणा और प्रेम से , कुँवारी के शुद्ध और नरि्दोष रक्त से हमारे संपूर्ण जटलि स्वभाव को स्वयं पर ग्रहण कयिा, जनि्हें दविय आत्मा की प्रेरणा और शाश्वत पतिा की प्रसन्न इच्छा से अलौककि रूप से जन्म दयिा गया, हे मसीह यीशु , परमेश्वर की बुद्धि , और शांति , और शक्ति ! आप, जनि्होंने देह में जीवन-दायक और उद्धारकारी दुख —क्रूस , कीलें , भाला, और मृत्यु —सहे , मेरे सांसारकि वासनाओं को, जो मेरी आत्मा के वनिाशकारी हैं , मृत्यु -शय्या पर शयन कराइए। आप, जनि्होंने अपने दफ़न से नरक के राज्य को उजाड़ दयिा, मेरे बुरे इरादों को दफ़न करिए और बुरे आत्माओं को शुभ वचिारों से दूर भगाइए। हे प्रभु , जसिने तीसरे दनि अपने जीवन-दायक पुनरुत्थान से हमारे पतति पूर्वज को उठाया, मुझे भी उठा, जो पाप में फसिल गया हूँ , और मुझे पश्चाताप का मार्ग दखिा। आपने , अपने महमिामय स्वर्गारोहण द्वारा , उस शरीर को दविय कयिा जसिे आपने स्वयं धारण कयिा था और उसे परमपतिा के दाहनिे हाथ पर बैठने का सम्मान प्रदान कयिा, कृपा करें कि आपके पवत्रि रहस्यों में भाग लेकर , मैं भी उद्धार पाने वालों के दाहनिे हाथ को प्राप्त करूँ। जसिने अपने पवत्रि शष्यिों को सांत्वनादाता , पवत्रि आत्मा के अवतरण द्वारा कीमती पात्र बनाया, कृपया मुझे भी उनके आगमन का पात्र बनाएं। हे आप, जो फरि से न्यायपूर्वक ब्रह्मांड का न्याय करने आ रहे हैं ! यह अनुग्रह करें कि मैं भी आपसे , मेरे सृष्टकिर्ता और रचयति, सभी संतों के साथ मेघों पर मलिूँ , ताकि मैं आपके पति, जो आदि-विहीन हैं , और आपके सर्व -पवत्रि , भले और जीवन-प्रदायक आत्मा के साथ, अब और सदा और युगानुयुग आपकी महमिा और स्तुति करूँ। आमीन।

पवत्रि सहभाग का अनुष्ठान

प्रार्थना 4,
संत जॉन ऑफ डेमास्कस के

प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , एकमात्र जनिके पास लोगों के पापों को क्षमा करने की शक्ति है ! सज्जन और मानवता के प्रेमी के रूप में , मेरे सभी पापों को, जो जानबूझकर और अज्ञानता से कएि गए हैं , अनदेखा करें , और मुझे , नदिा के अधीन हुए बनिा, आपके दैवीय , गौरवशाली, सबसे शुद्ध और जीवन-दायक रहस्यों में भाग लेने का वरदान दें , (न कि एक बोझ के रूप में), न तो क्लेश के रूप में , न पापों में वृद्धि के रूप में , बल्कि शुद्धकिरण और पवत्रिता के लएि, और आने वाले जीवन और राज्य की प्रतज्ञि ा के रूप में , सुरक्षा , और सहायता, और मेरे शत्रुओं की पराजय के लएि, और मेरे अनेक पापों के उन्मूलन के लएि। क्योंकि हे प्रभु , तू दया, करुणा और मानवजाति के प्रति प्रेम का ईश्वर है , और तुझे हम महमिा अर्पति करते हैं , पता और पवत्रि आत्मा के साथ, अब और सदा के लएि और युगों -युगों तक। आमीन।

प्रार्थना 5,
संत बेसलि द ग्रेट

हे प्रभु , मैं जानता हूँ कि मैं तेरे परम पवत्रि शरीर और तेरे बहुमूल्य लहू को अयोग्य रूप से ग्रहण करता हूँ , और मैं दोषी हूँ , और मैं तेरे शरीर और तेरे लहू , मसीह और मेरे परमेश्वर के बीच अंतर न करके , अपने ऊपर न्याय खाता और पीता हूँ। तथापि, नश्चिंकोच होकर आपकी करुणा पर भरोसा करते हुए , मैं आपके पास आता हूँ , जन्हिोंने कहा है : 'जो कोई मेरा मांस खाता है और मेरा रक्त पीता है , वह मुझ में वास करता है , और मैं उसमें। ' अतः , हे प्रभु , दया करें , और मुझे , एक पापी को, दोषी न ठहराएँ , बल्कि मुझ पर अपनी दया के अनुसार व्यवहार करें। और ये पवत्रि उपहार मेरे लएि आत्मा और शरीर के उपचार, शुद्धकिरण , प्रबोधन , संरक्षण , उद्धार और पवत्रिता का स्रोत बनें ; मेरे अंगों में वचिारों के माध्यम से प्रकट

होने वाले हर व्यर्थ वचिार, हर दुष्ट कर्म और हर शैतानी प्रभाव को दूर करने के लिए; आपके प्रतिधैर्य और प्रेम के लिए, मेरे जीवन के सुधार और सुरक्षा के लिए, सद्गुण और पूर्णता की वृद्धि के लिए, आज्ञाओं की पूर्ति के लिए, पवत्रि आत्मा के साथ सहभागिता के लिए, शाश्वत जीवन में मार्गदर्शन के लिए, और आपके भयानक न्याय में अनुकूल प्रतक्रियिा के लिए – न्याय या नंदिा के लिए नहीं।

प्रार्थना 6,
संत समियिन द न्यू थयिोलॉजसि्ट

हे मेरे मसीह, दुष्ट होठों से , नीच हृदय से , अशुद्ध जीभ से , कलंकति आत्मा से , मेरी प्रार्थना स्वीकार करो, और मेरे शब्दों , मेरे चरत्रि , या मेरी नर्लिज्जता को अस्वीकार कएि बनिा, मुझे अपनी इच्छानुसार बोलने की स्वतंत्रता प्रदान करो, हे मेरे मसीह; परन्तु इससे भी बेहतर , मुझे सखिाओ कि मुझे क्या करना और क्या कहना चाहएि। मैं उस वेश्या से भी अधकि पापी हूँ , जसिने यह जानकर कि आप कहाँ वास करते हैं , मूर्रा खरीदकर आपके चरणों का अभषिेक करने की हमि्मत की, हे मेरे मसीह, हे मेरे प्रभु और हे मेरे ईश्वर। जैसे आपने उस शुद्ध हृदय से आई हुई को नकार नहीं दयिा, वैसे ही मुझ पर भी तरिस्कार न करें , हे वचन! तब मुझे अपने चरणों को थामने और चूमने की अनुमति दें , और बहुमूल्य गंधरस की तरह आँसुओं की धारा से उन्हें नडिर होकर अभषिेक करने दें। हे वचन! मुझे अपनी आँसुओं से धो डालें , मुझे उनसे शुद्ध करें। मेरे पापों को भी क्षमा करें और मुझे क्षमा का वरदान दें। आप मेरे अनेक दुर्गुण जानते हैं , आप मेरे घावों को जानते हैं , और आप मेरे फोड़ों को देखते हैं ; फरि भी आप मेरे वशि्वास को भी जानते हैं , आप मेरे उत्साह को देखते हैं , और आप मेरी कराहें सुनते हैं। हे मेरे ईश्वर , मेरे स्रष्टा , मेरे उद्धारकर्ता , आपसे कुछ भी छपिा नहीं है —न एक भी आँसू , और न ही उसका एक बूँद भी। जो मैंने अभी तक पूरा नहीं कयिा है , वह आपकी दृष्टि से ओझल नहीं है , और आपकी पुस्तक में तो जो

अभी तक नहीं हुआ है , वह भी आपके सामने दर्ज है। मेरी वनिम्रता पर दृष्टि डालिए, मेरे दुख को देखिए , और मेरे सभी पापों को क्षमा कर दीजिए, हे ब्रह्मांड के ईश्वर , कि मैं शुद्ध हृदय , श्रद्धापूर्ण मन और पश्चात्तापी आत्मा के साथ आपके परम शुद्ध और सर्व -पवत्रि रहस्यों में भाग ले सकूँ , जनिके द्वारा जो कोई भी आपमें भाग लेता है और सच्चे हृदय से पीता है , वह जीवति और दव्यि कयिा जाता है। क्योंकि आपने , हे मेरे प्रभु , कहा है : 'जो कोई मेरा मांस खाता है और मेरा लहू पीता है , वह मुझ में वास करता है , और मैं उसमें। ' नश्चिय ही, मेरे प्रभु और परमेश्वर का वचन सर्व बातों में सत्य है : क्योंकि , दव्यि और दव्यिता प्रदान करने वाले उपहारों का सेवन करते हुए , मैं वास्तव में अकेला नहीं हूँ , बल्कि आप मेरे मसीह, प्रकाश के साथ हूँ , तीन सूर्यों के समान तेजस्वी , जो संसार को प्रकाशति करते हैं। अतः , यह न हो कि मैं जीवन दाता, आप के बनिा, अकेला रह जाऊँ , मेरी साँस , मेरा जीवन, मेरी आनन्द , संसार का उद्धार – मैं तेरे पास, जैसा कि तू देखता है , आँसुओं और एक पश्चात्तापी आत्मा के साथ आया हूँ , वनिती करते हुए कि मुझे मेरे पापों से छुटकारा मलि और मैं तेरे जीवन-दायक और नर्दिोष संस्कारों में भाग ले सकूँ , न कि मेरे वनिाश के लिए; ताकि आप, जैसा आपने कहा है , मुझ जैसे त्रविार दुखी के साथ वास करें ; कहीं ऐसा न हो कि धोखेबाज़ , मुझे आपके अनुग्रह से वंचति पाकर, चालाकी से मुझे छीन ले और धोखे से मुझे आपके दैवीय वचनों से दूर ले जाए। इसलिए मैं तेरे चरणों में गरिता हूँ और तेरे प्रति प्रार्थना करता हूँ : जैसे तूने उस व्यभचिारी पुत्र और तेरे पास आई वेश्या को ग्रहण कयिा, वैसे ही हे दयालु , मुझे भी, इस व्यर्थ और दुखी प्राणी को, जो अब एक पश्चात्तापी आत्मा के साथ तेरे पास आता है , ग्रहण कर। हे उद्धारकर्ता , मैं जानता हूँ कि किसी और ने आपके वरिुद्ध मेरे समान पाप नहीं कयिा है , और न ही मैंने जो कर्म कएि हैं , वे कसिी और ने कएि हैं। लेकनि मैं यह भी जानता हूँ कि न तो पापों का भार और न ही उनकी

संख्या मेरे ईश्वर की महान सहनशीलता और मानव जाति के प्रति परम प्रेम से बढ़ सकती है ; बल्कि दयालु करुणा के साथ आप उन लोगों को शुद्ध और प्रबुद्ध करते हैं जो पूरे मन से पश्चाताप करते हैं , और उन्हें प्रकाश में लाते हैं , उदारतापूर्वक उन्हें अपनी दिव्यता में सहभागी बनाकर; और— जो स्वर्गदूतों और मानव समझ के लिए भी अद्भुत है —आप बार-बार उनके साथ, अपने सच्चे दोस्तों की तरह, संवाद करते हैं। इससे मुझे हिम्मत मिलती है ; इससे मैं प्रज्वलित हो उठता हूँ , हे मेरे मसीह! और, हम पर आपकी प्रचुर आशीर्वादों पर निडर होकर भरोसा करते हुए , एक ही समय में आनंदित और फिर भी कांपते हुए , मैं , एक मामूली सी घास का तना, अग्नि में भाग लेता हूँ , और—एक अद्भुत चमत्कार —अविश्वसनीय रूप से सिंचित हो जाता हूँ , ठीक वैसे ही जैसे प्राचीन काल में जलती हुई झाड़ी , जो जल गई पर नष्ट नहीं हुई। इसलिए, एक कृतज्ञ मन और कृतज्ञ हृदय के साथ, अपनी आत्मा और शरीर की सभी कृतज्ञ भावनाओं के साथ, मैं , हे मेरे ईश्वर , धन्य प्रभु के रूप में , आपकी आराधना, स्तुति और महिमा करता हूँ , अब और हमेशा के लिए।

प्रार्थना 7,
संत जॉन क्रिसिस्टम *

हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझे जाने दो, और मेरे पापों को क्षमा करो, जिनसे मैंने तेरे सामने पाप किया है : चाहे वचन से , कर्म से , या विचार से ; स्वेच्छा से या अनिच्छा से ; जानबूझकर या अज्ञानता में —मुझे सब क्षमा कर, क्योंकि तू मानवजाति के प्रति दयालु और प्रेममय है। और आपकी परम पवित्र माता, आपके अमूर्त सेवकों , पवित्र शक्तियों , और उन सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , जिन्होंने प्राचीन काल से आपको प्रसन्न किया है , यह अनुग्रह प्रदान करें कि मैं आपकी पवित्र और परम पवित्र देह और बहुमूल्य रक्त को, दण्ड के लिए नहीं , प्राप्त कर सकूँ , परन्तु मेरी आत्मा और शरीर के चंगाई के लिए, और मेरे दुष्ट विचारों के शुद्धिकरण के लिए;

क्योंकि महमिा, राज्य , शक्ति और पवत्रि आत्मा सहति, पता और पवत्रि आत्मा के साथ, अब और सदा और युगानुयुग आपकी ही है। आमीन।

प्रार्थना 8, उसी लेखक द्वारा

हे प्रभु और स्वामी , मैं इसके योग्य नहीं हूँ कि आप मेरी आत्मा के आश्रय में प्रवेश करें। परन्तु चूँकि आप, मानवता के प्रेमी के रूप में , मुझ में वास करना चाहते हैं , मैं नडिर होकर समीप आता हूँ। आप आज्ञा देते हैं , और मैं उन द्वारों को खोलता हूँ जन्हिें केवल आपने ही बनाया है , और आप मानवजाति के प्रति अपने वशिष्टि प्रेम के साथ प्रवेश करते हैं ; आप प्रवेश करते हैं और मेरे अंधकारमय मन को प्रबुद्ध करते हैं। मुझे वश्विास है कि आप इसे पूरा करेंगे। क्योंकि आपने उस वेश्या को, जो आँसुओं के साथ आपके पास आई थी, नकार नहीं दिया; न ही आपने पश्चातापी महसूल अधकिारी को अस्वीकार किया; न ही आपने उस चोर को भगाया जसिने आपको राजा स्वीकार किया; और न ही आपने पश्चातापी उत्पीड़क को जैसा का तैसा छोड़ दिया। परन्तु जो कोई भी पश्चाताप करके तेरे पास आए हैं , उन्हें तूने अपने मत्रिों के समूह में स्थान दिया है , हे उस परमेश्वर , जो सदा, अब और युगानुयुग धन्य है। आमीन।

प्रार्थना 9, उसी लेखक द्वारा

हे प्रभु यीशु मसीह, मेरे परमेश्वर , दया करें , मुझे जाने दें , और मुझ पर, आपके एक पापी, अयोग्य और अनुपयुक्त सेवक पर, मेरी त्रुटियों , अपराधों और पापों के लिए दया करके मुझे क्षमा करें , जनिके द्वारा मैंने अपनी जवानी से लेकर आज के इस दनि और घड़ी तक आपसे पाप किया है : चाहे जानबूझकर या अज्ञानता से , चाहे वचन, कर्म , वचिार, इरादे या आदत में , और अपनी सभी भावनाओं से। और सर्व -पवत्रि तथा सदा-कुँवारी मरयिम, जो बनिा बीज के आपके जन्म देने वाली, आपकी माता, मेरी एकमात्र दृढ़ आशा, सुरक्षा और उद्धार हैं ,

के मध्यस्थता से, यह अनुग्रह करें कि मैं आपकी अति पवित्र, शाश्वत, जीवन-दायक और विस्मयकारी रहस्यों में, अपनी निंदा के लिए नहीं, भाग ले सकूँ, बल्कि पापों की क्षमा और अनंत जीवन, पवित्रता और ज्ञानोदय, और शक्ति, और आत्मा तथा शरीर के चंगाई और स्वास्थ्य, और मेरे दुष्ट इरादों, विचारों और अभिप्रायों के उन्मूलन और पूर्ण विनाश, और दुष्ट आत्माओं के कारण उत्पन्न रात के अंधकारमय और दुष्ट दृश्यों के लिए। क्योंकि राज्य, सामर्थ्य और महिमा, पिता और पवित्र आत्मा के साथ, अब और सदा और युगानुयुग तेरा ही है। आमीन।

प्रार्थना 10,
संत जॉन ऑफ डेमास्कस के

मैं तेरे मंदिर के द्वारों के सामने खड़ा हूँ, फिर भी मैं अपने बुरे विचारों को दूर नहीं करता। परन्तु हे मसीह परमेश्वर, जिसने महसूल लेने वाले को धर्मी ठहराया, कनानी स्त्री पर दया की, और चोर के लिए स्वर्ग के द्वार खोले, मेरे लिए भी अपना दयालु हृदय खोलें और मुझे स्वीकार करें, जो वेश्या और रक्तस्राव वाली स्त्री की तरह आकर आपको छूती है: क्योंकि एक ने, आपके वस्त्र के छोर को छूकर, आसानी से चंगा हो गई; जबकि दूसरी ने, आपके परम पवित्र चरणों को गले लगाकर, अपने पापों की क्षमा प्राप्त की। जहाँ तक मेरी बात है, मैं तो एक दीन प्राणी हूँ, फिर भी मैं तेरे सम्पूर्ण शरीर को ग्रहण करने का साहस करता हूँ; मैं आग से भस्म न हो जाऊँ, परन्तु मुझ पर भी उसी प्रकार दया कर जैसे तूने उन स्त्रियों पर की, और मेरी आत्मा की इंद्रियों को प्रकाशित कर, मेरे पापों को जलाकर नष्ट कर दे – उस एक के मध्यस्थता से जिसने तुझे बिना बीज के गर्भ में धारण किया और स्वर्गीय शक्तियों के द्वारा – क्योंकि तू युगानुयुग धन्य है। आमेन।

प्रार्थना 11,
संत जॉन क्राइसोस्टोम

हे प्रभु , मैं वशि्वास करता हूँ और स्वीकार करता हूँ कि आप ही मसीह हैं , जीवते परमेश्वर के पुत्र , जो पापयिों को बचाने के लिए संसार में आए, जनिमें मैं सबसे बड़ा हूँ। मैं यह भी वशि्वास करता हूँ कि यह आपका परम पवत्रि शरीर है , और यह आपका परम मूल्यवान रक्त है। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ : मुझ पर दया करें और मेरे जान-बूझकर और अनजाने में , वचन और कर्म से , जानबूझकर और अज्ञानता से कए गए पापों को क्षमा करें , और यह अनुग्रह दें कि मैं आपके परम पवत्रि रहस्यों में भाग ले सकूँ , न कि मेरी नदिा के लिए, बल्कि पापों की क्षमा और अनंत जीवन के लिए। आमीन।

जब आप परमप्रसाद ग्रहण करने के लिए आगे बढ़ें , तो अपने मन में मेटाफ्रास्टस के नम्निलखिति छंदों का पाठ करें : देखो , मैं दव्यि परमप्रसाद के समीप जाता हूँ ; / हे सृष्टकिर्ता , मुझे भाग लेने से वंचति न करें ! / क्योंकि आप वह अग्नि हैं जो अयोग्य को भस्म कर देती है ; / परन्तु मुझे हर अशुद्धि से शुद्ध करें।

फरि कहें : हे परमेश्वर के पुत्र , मुझे इस दनि अपने रहस्यमय भोज का सहभागी मानकर स्वीकार करें। / क्योंकि मैं आपके रहस्य को आपके शत्रुओं के सामने प्रकट नहीं करूँगा , / और न ही मैं आपको यहूदा जैसे चुंबन दूँगा। / परन्तु मैं चोर के समान आपको स्वीकार करूँगा : / 'हे प्रभु , अपनी राज्य में मुझको याद करना!'

और नम्निलखिति छंद : हे मनुष्य , उस दव्यि कर देने वाले रक्त के दर्शन से काँप उठः / क्योंकि यह एक जलता हुआ कोयला है , जो अयोग्यों को जला देता है। / ईश्वर का शरीर मुझे दव्यि बनाता भी है और मेरा पोषण भी करता है : / यह आत्मा को दव्यि बनाता है , जबकि मन का पोषण इस प्रकार करता है जो समझ से परे है।

और द्रोपारयिा : हे मसीह, तूने मुझे प्रेम से अपनी ओर खींचा है , / और मुझे तेरे लिए एक दव्यि लालसा से परविर्तति कर दिया है। / परन्तु मेरे पापों को एक अदेह आग से जलाकर भस्म कर दे / और यह अनुग्रह कर कि मैं तुझमें आनंद से भर जाऊँ , / ताकि आनंदति होकर, मैं तेरे / दो आगमन की स्तुति करूँ , हे शुभ एक।

मैं , जो अयोग्य हूँ , / तेरे संतों की दीप्तमिान सभा में कैसे प्रवेश करूँ ? / क्योंकि यदि मैं उनके साथ वधू के कक्ष में प्रवेश करने का साहस करूँ , – / तो मेरे वस्त्र मुझे बेनकाब कर देंगे , / क्योंकि ववािह में जाने वाले ऐसे नहीं होते , / और, बँधा हुआ , मुझे स्वर्गदूतों द्वारा बाहर फेंक दिया जाएगा। / हे प्रभु , मेरी आत्मा की अशुद्धि को शुद्ध कर / और हे मानव जाति के प्रेमी , मुझे बचा।

और यह प्रार्थना : हे प्रभु , हे मानव-प्रेमी , हे प्रभु यीशु मसीह, हे मेरे परमेश्वर , यह पवत्रि स्थान मेरी अयोग्यता के कारण मेरे लिए न्याय का कारण न बने , बल्कि आत्मा और शरीर की शुद्धि और पवत्रिता का साधन बने , और आने वाले जीवन तथा राज्य की प्रतज्ञि ा बने। परमेश्वर से चपिका रहना मेरे लिए अच्छा है , अपने उद्धार के लिए प्रभु में अपनी आशा रखना।

और फरि: तेरे रहस्यमय भोज में सहभागी होकर / आज के दनि, हे परमेश्वर के पुत्र , मुझे स्वीकार कर। / क्योंकि मैं तेरे रहस्य अपने शत्रुओं को नहीं खोलूँगा , / और न ही मैं तुझे यहूदा जैसे चुंबन दूँगा। / पर चोर की तरह मैं तुझे स्वीकार करूँगा : / 'हे प्रभु , अपनी राज में मुझको याद रखना!'

वषिय-सूची पर वापस जाएँ ।

पवित्र परमप्रसाद के बाद कृतज्ञता के प्रार्थनाएँ I

[उपदेशात्मक छंद :] जब आप जीवन-दायक, रहस्यमय उपहारों / की धन्य संप्रभुता के योग्य माने जाएँ, / तो तुरंत गा उठें, और विनम्रता से धन्यवाद दें। / और ईश्वर से इस प्रकार उत्साहपूर्वक और हृदय से बोलें :

महिमा तेरी हो, हे ईश्वर ! **(3)**

प्रार्थना 1

मैं धन्यवाद करता हूँ, हे प्रभु मेरे ईश्वर, कि आपने मुझे, एक पापी को, अस्वीकार नहीं किया, बल्कि मुझे अपने पवित्र रहस्यों में भाग लेने के योग्य समझा। मैं धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे, यद्यपि मैं अयोग्य हूँ, अपने सबसे शुद्ध और स्वर्गीय उपहारों में भाग लेने के योग्य समझा। किन्तु, हे प्रभु, मानवजाति के प्रेमी, जो हमारे लिए मरे और फिर जी उठे, और जिन्होंने हमारी आत्माओं और शरीरों के लाभ और पवित्रता के लिए हमें अपने ये अद्भुत और जीवन-दायक रहस्य प्रदान किए हैं, यह अनुग्रह करें कि ये मेरे लिए भी आत्मा और शरीर का उपचार बनें, हर शत्रु के विरुद्ध एक रक्षा, मेरे हृदय की आँखों की प्रबुद्धता, मेरे अंतर्मन के लिए शांति, दृढ़ विश्वास, सच्चा प्रेम, ज्ञान की पूर्ति, आपकी आज्ञाओं का पालन, आपकी दिव्य कृपा में वृद्धि, और आपके राज्य की प्राप्ति। ताकि, उनमें आपके पवित्रकिरण द्वारा संरक्षित होकर, मैं हमेशा आपकी दया को याद रखूँ और अब अपने लिए नहीं, बल्कि हमारे प्रभु और कल्याणकर्ता, आपके लिए जिऊँ। और इस प्रकार, शाश्वत जीवन की आशा में इस वर्तमान जीवन से विदा लेकर, मैं शाश्वत विश्राम के स्थान को प्राप्त करूँ, जहाँ उत्सव मनाने वालों का अविराम स्वर है और

तेरे मुख की अकथनीय सुंदरता को निहारने वालों का अनंत आनंद है। क्योंकि हे मसीह हमारे परमेश्वर , आप हमारे प्रयत्न का सच्चा लक्ष्य और उन लोगों का अकथनीय आनंद हैं जो आपसे प्रेम करते हैं , और सारी सृष्टि युगानुयुग आपकी स्तुति करती है। आमीन।

प्रार्थना 2,
संत बेसलि द ग्रेट

हे प्रभु मसीह हमारे परमेश्वर , युगों के राजा और सारी सृष्टि के सृष्टकिर्ता ! मैं उन सभी आशीर्वादों के लिए आपकी स्तुति करता हूँ जो आपने मुझ पर दिए हैं , और आपके परम पवित्र तथा जीवन-दायक रहस्यों के सहभागिता के लिए। इसलिए मैं आपसे विनती करता हूँ , हे दयालु और परोपकारी प्रभु , कि मुझे अपनी सुरक्षा में और अपने पंखों की छाया में रखें , और मुझे अपनी अंतिम साँस तक एक निर्मल अंतकरण के साथ, पापों की क्षमा और अनंत जीवन के लिए, आपके पवित्र रहस्यों में योग्य रूप से भाग लेने का वरदान दें। क्योंकि आप जीवन की रोटी, पवित्रता का स्रोत , और सभी अच्छी चीजों के दाता हैं ; और हम पिता और पवित्र आत्मा के साथ, अब और हमेशा और युगानुयुग आपकी महिमा करते हैं। आमीन।

प्रार्थना 3,
संत सिमियिन मेटाफ्र astes की

हे प्रभु , जिन्होंने स्वेच्छा से अपना शरीर मुझे भोजन के रूप में दिया, आप ही वह अग्नि हैं जो अयोग्यों को भस्म कर देती है ! हे मेरे सृष्टकिर्ता , मुझे मत जलाइए; बल्कि , मेरे शरीर के अंगों में , मेरी सभी जोड़ों में , मेरे अंतरतम अस्तित्व में , मेरे हृदय में प्रवेश करें , और मेरे सभी पापों की काँटों को जलाकर भस्म कर दें। मेरे आत्मा को शुद्ध करो, मेरे विचारों को पवित्र करो, मेरी हड्डियों के साथ मेरे घुटनों को मजबूत करो, मेरे पाँचों प्रधान इंद्रियों को

प्रकाशित करो, और मेरे पूरे अस्तित्व को तेरे भय से दृढ़ता से जोड़ दो। हमेशा मेरी रक्षा करो, आत्मा के लिए हानिकारक हर कर्म और वचन से मेरी रक्षा करो। मुझे शुद्ध करो, धो दो और व्यवस्थित करो; मुझे सुशोभित करो, शिक्षित करो और प्रकाशित करो। मुझे अपने पवित्र आत्मा का निवास स्थान बनाएं , और पाप का निवास स्थान न बनाएं , ताकि पवित्र भोज प्राप्त करने पर, हर दुष्ट और हर वासना मुझसे वैसे ही भाग जाए जैसे आपके घर से , जैसे आग से। मैं अपनी ओर से मध्यस्थों के रूप में सभी संतों , अमूर्त सेनाओं के सेनापतियों , आपके अग्रदूत , बुद्धिमान प्रेरितों , और उन सभी से ऊपर – आपकी निर्मल , पवित्र माता को आपके समक्ष प्रस्तुत करता हूँ। हे मेरे दयालु मसीह, उनकी प्रार्थनाओं को स्वीकार कर, और अपने सेवक को प्रकाश का पुत्र बना। क्योंकि तू ही एकमात्र सद्भावना , हमारे आत्माओं का पवित्रिकरण और प्रकाश है , और तुझे , जो परमेश्वर और प्रभु के योग्य है , हम सब प्रतिदिन महिमा अर्पित करते हैं।

प्रार्थना 4

हे प्रभु यीशु मसीह हमारे परमेश्वर , आपका पवित्र शरीर मेरे लिए अनंत जीवन हो, और आपका बहुमूल्य लहू - पापों की क्षमा हो। यह धन्यवाद मेरे लिए आनंद , स्वास्थ्य और प्रसन्नता का स्रोत बने। और तेरे भयानक और दूसरे आगमन पर, यह अनुग्रह कर कि मैं , एक पापी, तेरी महिमा के दाहिने हाथ पर खड़ा हो सकूँ , तेरी सर्व -पवित्र माता और तेरे सभी संतों के मध्यस्थता द्वारा। आमीन।

प्रार्थना 5, परमेश्वर की अति पवित्र माता को

अत्यंत पवित्र माता, ईश्वर की माता, मेरी अंधकारमय आत्मा की ज्योति, मेरी आशा, मेरी ढाल, मेरा आश्रय , मेरा सांत्वना , मेरी आनंद ! मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे , यद्यपि मैं अयोग्य हूँ , अपने पुत्र के परम पवित्र शरीर और बहुमूल्य रक्त में भाग लेने के योग्य समझा।

परन्तु , हे सच्चे प्रकाश के दाता, मेरे हृदय की आध्यात्मकि आँखों को प्रबुद्ध कीजएि। हे अमरत्व के स्रोत के दाता, मुझे पुनर्जीवति करें , जो पापों से मृत हो गया हूँ। हे माता, जो दयालु ईश्वर की दया से प्रेम करती हैं , मुझ पर दया करें और मुझे मेरे हृदय में पश्चाताप और वनिम्रता , और मेरे वचिारों में वनिम्रता , और जब मेरा मन दास हो जाए तो अच्छे वचिारों के लएि पुकार प्रदान करें। और यह अनुग्रह करें कि, अपनी अंतमि साँस तक, मैं परम पवत्रि रहस्यों को आत्मा और शरीर के उपचार के लएि, बनिा कसिी दण्ड के प्राप्त करूँ। और मुझे पश्चाताप और कृतज्ञता के आँसू प्रदान करें , ताकि मैं अपने जीवन के सभी दनिों में आपका भजन करूँ और आपकी महमिा करूँ , क्योंकि आप सदा के लएि धन्य और महमिामय हैं। आमीन।

अब, हे प्रभु , अपने दास को शान्ति में जाने दे , / अपने वचन के अनुसार , / क्योंकि मेरी आँखों ने तेरा उद्धार देख लयिा है , / जसिे तूने सब राष्ट्रों के साम्हने तैयार कयिा है : / अन्यजातयिों के लएि प्रकट होने का प्रकाश / और अपने जन इस्राएल की महमिा।

त्रसिगयिोन। महमिा, और अब: परम पवत्रि त्रमिूर्ति : हे प्रभु , दया करें। (3) महमिा, और अब: हमारा पति:

पुजारी : क्योंकि राज्य तेरा है : **पाठक:** आमीन।

और उस संत के लएि ट्रॉपारयिन , जनिकी लटिर्जी का अनुष्ठान कयिा गया था।

संत जॉन क्रसिोस्टोम को,
ट्रोपारयिन , स्वर 8

तेरे होठों से अग्नि-सी प्रकाशमान कृपा / ने संपूर्ण वशि्व को प्रकाशति कयिा है ; / तूने संसार के लएि अलोभति के खजाने को इकट्ठा कयिा है , / और हमें वनिम्रता की चरम सीमा दखिाई है। / परन्तु , हमें अपने वचनों से उपदेश देते हुए , / हे

पिता योहन सुवर्णमुख , / हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए वचन, मसीह हमारे परमेश्वर से प्रार्थना करें।

महिमा:

कॉन्टाकियन , स्वर 6

आपने स्वर्ग से दिव्य अनुग्रह प्राप्त किया / और अपने होठों से सभी को त्रिमूर्ति में एक ईश्वर की उपासना करना सिखाया; / जॉन क्रिसोस्टोम , सर्व -धन्य और पूजनीय , / हम आपको यथोचित रूप से स्तुति करते हैं : / क्योंकि आप हमारे शिक्षक हैं , जो दिव्य रहस्यों की व्याख्या करते हैं।

और अब: ईसाइयों की दृढ़ रक्षा , / सृष्टिकर्ता के समक्ष अचूक मध्यस्थता ! / पापियों की प्रार्थनापूर्ण आवाज़ों को तिरस्कार न करें , / परन्तु हे शुभ जन, शीघ्रता से हमारी सहायता के लिए आओ, / क्योंकि हम विश्वास से तुम्हें पुकारते हैं : / 'हे परमेश्वर की माता, अपनी मध्यस्थता और अपनी प्रार्थना में शीघ्रता करो, / जो तुम्हारा सम्मान करते हैं उनकी सदैव रक्षा करो!'

हे प्रभु , दया करें। (12) **महिमा, और अब:**

हम आपकी महिमा करते हैं , जिन्होंने करूबीम के सर्वोच्च सम्मान / और सेराफिम की अतुलनीय महिमा के साथ, / कुँवारी अवस्था में परमेश्वर वचन को जन्म दिया, / परमेश्वर की सच्ची माता।

पिता, प्रभु के नाम पर हमें आशीर्वाद दें।

पुजारी लघु समापन का उच्चारण करता है : मसीह, हमारे सच्चे ईश्वर , अपनी अति पवित्र माता, हमारे पूजनीय और ईश्वर -वाहक पिताओं , और सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करेंगे और हमें बचाएंगे , क्योंकि वे शुभ और मानवजाति के प्रेमी हैं।

और हम कहते हैं : आमेन।

परमप्रसाद के बाद की प्रार्थनाएँ

यदि तथापि संत बेसलि द ग्रेट की धर्मविधि का अनुष्ठान किया गया हो, तो पढ़ें :

संत बेसलि महान को,
ट्रोपारियन , स्वर 1

तुम्हारा शब्द सारी पृथ्वी पर फैल गया है , / क्योंकि उसे तुम्हारा वचन प्राप्त हुआ है : / इसके द्वारा तुमने विश्वास के सत्यों को ईश्वर के योग्य ढंग से प्रस्तुत किया है , / सभी अस्तित्वमान की प्रकृति की व्याख्या की है , / और मानवीय रीति-रिवाजों को सुशोभित किया है – / हे राजसी याजक, पूजनीय पिता, / हमारे ईश्वर मसीह से हमारी आत्माओं के उद्धार के लिए प्रार्थना करो।

महिमा:

कॉन्टाकियन , स्वर 4

आप चर्च की अटूट नींव के रूप में प्रकट हुए , / सभी लोगों को एक अछूत विरासत प्रदान करते हुए , / इसे अपनी शिक्षाओं से सील करते हुए , / हे पूजनीय बेसलि , आप जो स्वर्ग के द्वार खोलते हैं।

और अब: ईसाइयों की दृढ़ रक्षा : – **ऊपर देखें।**

यदि तथापि पूर्व -पवित्रीकृत उपहारों का अनुष्ठान संपन्न हो चुका हो, तो पढ़ें :

संत ग्रेगरी द डायलॉगिस्ट को,
ट्रोपारियन , स्वर 4

ऊँचे स्वर्ग से दिव्य अनुग्रह प्राप्त करके , / महिमामय ग्रेगरी , ईश्वर से , / और उनकी शक्ति से दृढ़ होकर, / आपने सुसमाचार के पथ पर चलने की इच्छा की, – / अतः , सर्व -धन्य , आपने मसीह से अपने श्रम का प्रतिफल प्राप्त किया, – / उनसे प्रार्थना करें कि वे हमारी आत्माओं को बचाएँ।

परमप्रसाद के बाद की प्रार्थनाएँ

महिमा:

कॉन्टाकियन , स्वर 3

आपने स्वयं को प्रमुख चरवाहे मसीह के अनुयायी के रूप में सिद्ध किया, / हे पिता ग्रेगरी , / आपने भिक्षुओं की भीड़ को स्वर्गीय दरबार में मार्गदर्शन किया, / और इस प्रकार आपने मसीह के झुंड को उनके आज्ञाओं का उपदेश दिया। / अब आप उनके साथ स्वर्गीय निवासों में आनंदित और गौरवान्वित हैं।

और अब: ईसाइयों की निश्चित रक्षा : – **ऊपर देखें।**

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

आज के दिन से , ईस्टर के पवित्र और महान सप्ताह के पहले दिन से लेकर शनिवार तक, घंटों , मध्यरात्रि की प्रार्थना और संध्या की प्रार्थना इस प्रकार गाई जाती है :

पुरोहित उद्घोषणा करते हैं : हमारे ईश्वर का अनुग्रह सदा, अब और सदा के लिए और युगों -युगों तक हो।

और हम उत्तर देते हैं : आमेन। मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु का नाश करके , / और कब्रों में पड़े हुओं को, / जीवन प्रदान करके। **(3)**

पुनरुत्थान का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , आइए हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , जो एकमात्र पापरहित हैं। हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , और तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गान और महिमा करते हैं , क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , हम तेरे सिवा और किसी को नहीं जानते , हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम मसीह के पवित्र पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहन करके , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। **(3)**

इपाकोई, स्वर 4

जो स्त्रियाँ भोर से पहले मरियम के साथ आई थीं / और कब्र पर से पत्थर हटा हुआ पाया, / उन्होंने स्वर्गदूत से सुना : 'जो अनन्त ज्योति में वास करता है — / तुम उसे मनुष्य की तरह मृतकों में क्यों ढूँढ़ती हो? / कफ़न -पटों को देखो , / दौड़ो

और संसार में प्रचार करो / कि प्रभु मसीह ने मृत्यु को मृत्यु पर विजय प्राप्त कर जी उठे हैं , / क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र , मानव जाति के उद्धारकर्ता हैं !"

कॉन्टाकियन , स्वर 8

यद्यपि तू कब्र में उतर गया, हे अमर, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट किया / और विजेता के रूप में पुनरुत्थित हुआ , हे मसीह हमारे ईश्वर , / मृत्तिका -वाहक स्त्रियों को पुकार कर: 'हर्षित हो!' / और अपने प्रेरितों पर शांति प्रदान किया, / हे तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

ट्रोपारियोन

कब्र में देह में , परन्तु अधोलोक में अपनी आत्मा से परमेश्वर के रूप में , / और स्वर्ग में चोर के साथ, / और सिंहासन पर आप थे , हे मसीह, पिता और आत्मा के साथ, / सर्वत्र व्याप्त , असीम।

महिमा: जीवन के वाहक, सचमुच स्वर्ग से भी अधिक सुंदर , / और किसी भी शाही महल से भी अधिक प्रकाशमान , / हे मसीह, आपका कब्रिस्तान प्रकट हुआ है , / जो हमारे पुनरुत्थान का स्रोत है।

और अब, ईश्वर की माता को: हे परम उच्च के दैवी और पवित्र निवास-स्थान , आनंदित हो! / क्योंकि हे ईश्वर की माता, तुम्हारे द्वारा उन पर आनंद प्रदान किया जाता है जो पुकारते हैं : / 'हे सर्व -शुद्ध शासकिा, स्त्रियों में धन्य है तू !'

हे प्रभु , दया करें (40), **महिमा, और अब:**

हम आपकी महिमा करते हैं , जिन्होंने श्रेष्ठतम सम्मान के साथ करूबों के / और अतुलनीय महिमा के साथ सेराफों के , / एक कुंवारी के रूप में परमेश्वर वचन को जन्म दिया, / परमेश्वर की सच्ची माता।

हे पिता, प्रभु के नाम पर हमें आशीर्वाद दें।

परमप्रसाद के बाद की प्रार्थनाएँ

पुरोहति : हे प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , हमारे पवत्रि पतिाओं की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करें।

और हम कहते हैं : आमेन।

और फरि हम गाते हैं : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : (3) **महमिा, और अब:** हे प्रभु , दया करें (3), हमें आशीर्वाद दें।

और समापन।

वषिय-सूची पर वापस।

अकाथस्टि सहति कैनन
हमारे प्रभु को
यीशु मसीह*

कैनन , स्वर 2
ओड 1

इरमोस, स्वर 2: एक बार, गहराइयों में , / उस शक्ति ने , जिसने फरौन की पूरी सेना को पार कर दिया था, उसे नष्ट कर दिया; / परन्तु वचन, देहधारी होकर, दुष्ट पाप को परास्त कर चुका है – / अति महिमामय प्रभु ; / क्योंकि वह वैभव में महिमामय हुआ है।

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

हे परम मधुर यीशु मसीह, / हे दीर्घ -सहिष्णु यीशु , / हे यीशु , मेरी आत्मा के घावों को चंगा करें , / और हे परम दयालु , मेरे हृदय को मधुर बनाएं , / हे यीशु , मेरे उद्धारकर्ता , मैं आपसे विनती करता हूँ , / कि मैं एक उद्धार पाए हुए के रूप में आपकी महिमा करूँ।

पुनरुक्ति : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

हे अति मधुर यीशु मसीह, हे यीशु , / मेरे लिए पश्चाताप का द्वार खोलें , हे मानवता के प्रेमी यीशु , / और जब मैं आपके सामने साष्टांग दण्डवत हो जाऊँ तो मुझे स्वीकार करें , / और मैं आपसे विनती करता हूँ , हे मेरे उद्धारकर्ता यीशु , / कि मेरे पापों की क्षमा करें।

महिमा: हे मधुरतम यीशु , मसीह, यीशु , / मुझे कपटी शैतान के हाथ से बचाओ, हे यीशु , / और यह अनुग्रह करो कि मैं आपकी महिमा के दाहिने हाथ पर खड़ा हो सकूँ , / हे मेरे उद्धारकर्ता यीशु , / और मुझे अपने बाएँ ओर खड़े लोगों की नियति से बचाओ।

और अब: हे यीशु की माता—हे ईश्वर , सर्वोच्च देवी , / हम अयोग्य सेवकों के लिए प्रार्थना करो, हे अतपिवत्रि , / कहिम, जो कलंकति हैं , तुम्हारी प्रार्थनाओं द्वारा यातना से मुक्त हों , / हे तुम जो कलंक से अछूती हो, / और हम अनंत महमिा का आनंद लें।

स्तोत्र 3

इरमोस: मुझे वश्विास की चट्टान पर स्थापति करके , / आपने मेरे शत्रुओं के वरिुद्ध मेरा मुँह खोल दयिा है , / क्योंकि मेरी आत्मा आनंदति हुई है , यह गाते हुए : / 'हमारे परमेश्वर के समान कोई पवत्रि नहीं , / और हे प्रभु , आपसे अधकि धर्मी कोई नहीं !'

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मेरी रक्षा करो।

हे मेरे यीशु , मानवता के प्रेमी , अपने दास को सुनो , / जो पश्चाताप में पुकारता है , / और हे यीशु , मुझे दण्ड और यातना से बचाओ, / हे केवल तुम जो धैर्यवान हो, / हे अतमिधुर और अति दयालु यीशु।

पुनरावर्तन : हे मधुर यीशु , मुझे बचाओ।

अपने सेवक को उठा लो, हे मेरे ईसा, / जो आँसुओं में लोट-पोट कर रहा है , हे मेरे ईसा, / और मुझे बचा लो, हे मेरे ईसा, जो पश्चाताप करता है , / और मुझे गेहेन्ना से बचा लो, हे प्रभु , / हे सबसे मधुर और सबसे दयालु ईसा।

महमिा: समय, हे मेरे ईसा, जो आपने मुझे दयिा है , / मैंने उसे अपनी वासनाओं में बर्बाद कर दयिा है , हे मेरे ईसा। / इसलिए मैं आपसे वनिती करता हूँ , हे मेरे ईसा, मुझे अपने से न हटाएँ , / बल्कि मुझे अपने पास बुलाएँ , हे प्रभु , / हे अति मधुर ईसा, और मुझे बचाएँ।

और अब: हे कुँवारी मरयिम, जिन्होंने मेरे ईसा को जन्म दयिा, / प्रार्थना करें कि मैं गेहन्ना से मुक्त हो जाऊँ , / हे पीड़तिों की एकमात्र रक्षा , / हे ईश्वर की प्रयि , / और हे सर्व - पवत्रि , मुझे / अनंत जीवन प्रदान करें।

सबसे मधुर यीशु के लिए एक कैनन , एक अकाथस्टि के साथ

सेडेलन , स्वर 1

मेरे उद्धारकर्ता , यीशु , / जिन्होंने खोया हुआ पुत्र बचाया, / मेरे उद्धारकर्ता , यीशु , जिन्होंने वेश्या को कृपापूर्वक स्वीकार किया, / अब मुझ पर दया करें , हे परम दयालु यीशु , / करुणा करें और मुझे बचाएँ , हे यीशु , मेरे कल्याणकर्ता , / जैसे आपने मनश्शेह के लिए किया, हे दयालु यीशु , / क्योंकि केवल आप ही मानवता के प्रेमी हैं।

गीत 4

इरमोस: तुम कुँवारी से आए, न दूत के रूप में , न स्वर्गदूत के रूप में , बल्कि स्वयं प्रभु देह में , और तुमने मुझे , एक मनुष्य को, मेरी संपूर्णता में बचाया। इसलिए मैं तुम्हें पुकारता हूँ : 'हे प्रभु , तेरी शक्ति को महिमा!'

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

हे मेरे यीशु , मेरी आत्मा के घावों को चंगा कर, / हे मेरे यीशु , मैं प्रार्थना करता हूँ , / और हे मेरे दयालु यीशु , मुझे आत्मा -विनाशकारी अजगर के हाथ से छुड़ा और मुझे बचा।

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

हे मेरे सबसे मधुर , सबसे दयालु यीशु , मैंने पाप किया है ! / हे मेरे यीशु , मुझे बचाओ, / जो आपकी शरण में आता हूँ , हे धीरज धरण करने वाले यीशु , / और मुझे अपने राज्य के योग्य बनाओ।

महिमा: हे मेरे यीशु , किसी ने पाप नहीं किया, / जैसे मैंने , इस दीन-दुखी ने , पाप किया है ; / परन्तु मैं तेरे सम्मुख गिरी हूँ , यह प्रार्थना करते हुए : / 'हे मेरे यीशु , मुझे बचा, / और हे मेरे यीशु , मुझे जीवन का वारिस बना!'

और अब: हे सर्व -महिमामयी, जिन्होंने प्रभु यीशु को जन्म दिया, उनसे प्रार्थना करें कि वे उन सभी को यातना से बचाएँ जो आपकी स्तुति करते हैं , और जो आपको परमेश्वर की सच्ची माता कहते हैं।

सबसे मधुर यीशु के लिए एक कैनन , एक अकाथस्टि के साथ

भजन 5

इरमोस: अंधकार में पड़े लोगों के लिए प्रकाश , / निराशों के लिए उद्धार , मसीह मेरे उद्धारकर्ता ! / भोर होते ही मैं तेरी ओर मुड़ता हूँ , हे जगत् के राजा, / अपनी करिणों से मुझे प्रकाशित कर: / क्योंकि तेरे सिवा मैं किसी अन्य ईश्वर को नहीं जानता।

पुनरावृत्ति : हे मधुर यीशु , मुझे बचाओ।

हे मेरे यीशु , आप मेरे मन का प्रकाश हैं , / हे उद्धारकर्ता , आप मेरी निराश आत्मा का उद्धार हैं। / हे मेरे यीशु , मुझे यातना और गेहेन्ना से बचाएँ , जैसे मैं पुकारता हूँ : / 'हे मेरे यीशु मसीह, मुझे बचा लीजिए, मैं तो दीन हूँ !'

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचा लो।

पूरी तरह पराजित, हे मेरे ईसा, / लज्जास्पद वासनाओं में , मैं अब पुकारता हूँ : / आप, हे मेरे ईसा, मेरी मदद के लिए अपना हाथ बढ़ाते हुए , / मुझे उनसे बचाएँ , जैसे मैं घोषणा करता हूँ : / 'मुझे बचाओ, हे मेरे ईसा मसीह, यद्यपि मैं नीच हूँ !'

महिमा: हे मेरे यीशु , मैं अपने कलंकित मन को सँभालते हुए , / तुझ से पुकारता हूँ : / मुझे पापों के कलंक से शुद्ध कर, / और मुझे छुड़ा , जो अज्ञानता के कारण / दुष्टता की गहराइयों में फिसल गया हूँ , / हे मेरे उद्धारकर्ता यीशु , और मुझे बचा, मैं प्रार्थना करता हूँ।

और अब: हे कुँवारी मरियम, जिन्होंने यीशु को जन्म दिया, / हे परमेश्वर की माता, उनसे विनती करें / कि वे सभी ऑर्थोडॉक्स लोगों को, भिक्षुओं और सामान्य जन दोनों को, बचाएँ , / और गेहेना से उन लोगों को छुड़ाएँ जो पुकारते हैं : / 'आपके सिवाय, हम कोई निश्चित रक्षा नहीं जानते !'

ओड 6

इरमोस: पापों के गर्त में डूबा , / मैं तेरी अपार दया की गहराइयों को पुकारता हूँ : / हे ईश्वर , मुझे विनाश से बचा!

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

सबसे मधुर यीशु के लिए एक कैनन , एक अकाथस्टि के साथ

हे मेरे यीशु , परम दयालु मसीह, / हे प्रभु , हे यीशु , मैं अपने पापों का अंगीकार करता हूँ , मुझे स्वीकार कर, / हे यीशु , मुझे बचा, / और हे यीशु , मुझे वनिाश से बचा।

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

हे मेरे यीशु , मेरे सवि कोई और व्यभचिारी नहीं था, / जैसे मैं हूँ , जो वासना से भरा हूँ , / हे यीशु , मानवता के प्रेमी ; / परन्तु हे यीशु , मुझे बचाओ।

महमिा: हे मेरे यीशु , मैं अपनी वासनाओं में वेश्या और व्यभचिारी पुत्र से भी आगे नकिल गया हूँ , / और मनश्शेह और महसूल लेने वाले से , / हे मेरे यीशु , और चोर से भी, / यीशु , और ननिवि के लोगों से भी।

और अब: हे परम पवत्रि कुँवारी , जन्हिोंने मेरे प्रभु यीशु मसीह को जन्म दयिा, / जो एकमात्र कलंक से मुक्त हैं , / मुझे शुद्ध करें , जो कलंकति हूँ , / अपनी प्रार्थनाओं के हसिोप से।

हमारे परम प्रयि प्रभु यीशु मसीह को अकथस्टि *

कॉन्टाकयिन 1: मेरे रक्षक और प्रभु , नरक के वजिेता ! / शाश्वत मृत्यु से मुक्त होकर, / मैं , आपका प्राणी और सेवक , / आपको स्तुतिि -गीत अर्पति करता हूँ। / और आप, अतुलनीय दया के स्वामी , / मुझे सभी कष्टों से बचाएँ , जब मैं पुकारता हूँ : / 'हे ईश्वर के पुत्र यीशु , मुझ पर दया करें !'

इकोस 1: स्वर्गदूतों के स्रष्टा और स्वर्गीय सेनाओं के प्रभु ! / मेरे दुर्बल मन को खोल और मेरी जीभ को खोल / ताकि मैं तेरे परम पवत्रि नाम की स्तुतिि करूँ , / जैसे एक बार तूने बधरि और गूंगे मनुष्य के कान खोले / और उसकी जीभ को खोल दयिा, / और वह बोल उठा, इस प्रकार पुकारते हुए :

हे अद्भुत यीशु , स्वर्गदूतों के आश्चर्य ; / हे शक्तशिाली यीशु , हमारे पूर्वजों के उद्धारकर्ता।

सबसे मधुर यीशु के लिए एक कैनन , एक अकाथिस्ट के साथ

हे सबसे मधुर यीशु , कुलपतियों की महिमा; / हे अतिमहा महिमामय यीशु , राजाओं की शक्ति।

यीशु , अति प्रिय , भविष्यद्वक्ताओं की पूर्ति ; / यीशु , अति अद्भुत , शहीदों का दुर्ग।

यीशु , अति कोमल, संन्यासियों का आनंद ; / यीशु , अति दयालु , पुरोहितों का आनंद।

यीशु , अति दयालु , उपवास करने वालों का संयम ; / यीशु , अति मधुर , संतों का आनंद।

यीशु , अति सम्माननीय , कुंवारी कन्याओं की पवित्रता ; / यीशु , शाश्वत , पापियों का उद्धार।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करें।

कॉन्टाकियन 2: एक बार, हे प्रभु , एक विधवा को कड़के रोते हुए देखकर , / आपने , अपनी दया में , / उसके बेटे को जिला उठाया, जिसे उसकी कब्र तक ले जाया नहीं जा सकता था; / अतः हे मानवता के प्रेमी , मुझ पर भी दया करें , / और मेरे पाप से मारे गए प्राण को उठाइए, जो पुकारता है : / अल्लेलूया !

इकोस 2: अज्ञेय को जानने की चाह में , / 'प्रभु , हमें पिता को दिखाओ,' फिलिप ने कहा। / परन्तु आपने उससे उत्तर दिया: 'इतने समय से मेरे साथ रहकर, / क्या तुम यह नहीं समझ पाए / कि पिता मुझ में हैं और मैं पिता में हूँ ?' / अतः , हे अगम्य , मैं विस्मय से आपसे पुकारता हूँ :

यीशु , अनंतकाल के ईश्वर ; / यीशु , शक्तिशाली राजा।

यीशु , धीरज धरण करने वाले प्रभु ; / यीशु , परम दयालु उद्धारकर्ता।

यीशु , मेरे परम धन्य रक्षक ; / यीशु , मुझे मेरे पापों से शुद्ध कर।

यीशु , मेरे अपराधों को मिटा दो; / यीशु , मेरे अधर्म को क्षमा कर दो।

यीशु , मेरी आशा, मुझे न छोड़ो ; / यीशु , मेरे सहायक, मुझे न त्यागो।

यीशु , मेरे सृष्टकिर्ता , मुझे न भूलें ; यीशु , मेरे चरवाहे , मुझे नष्ट न करें।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करें।

कॉन्टाकयिन 3: हे यीशु , जन्हिोंने प्रेरतिों को स्वर्गीय सामर्थ्य से परपिूर्ण कयिा, / जब वे यरूशलेम में वास करते थे , / मुझे भी, जसिने कोई भलाई नहीं की है , / अपने पवत्रि आत्मा की ऊष्मा से परपिूर्ण कर दो, / और यह अनुग्रह करो कि मैं प्रेम से तुम्हें गा सकूँ : / अल्ल eluia!

इकोस 3: दया से परपिूर्ण , हे यीशु , आपने कर-संग्राहकों , पापयिों और अवशि्वासयिों को बुलाया ; अब मुझ पर तरिस्कार न करें , जो उन जैसे ही हूँ , बल्कि एक कीमती भेंट के रूप में इस गीत को स्वीकार करें :

यीशु , अजेय शक्ति ; / यीशु , अनंत दया।

यीशु , अतदिीप्तमिान सौंदर्य ; / यीशु , अनुपम प्रेम।

यीशु , जीवते परमेश्वर के पुत्र ; / यीशु , मुझ पापी पर दया करें।

हे यीशु , मुझे सुन , जो अधर्म में गर्भ में लयिा गया; / हे यीशु , मुझे शुद्ध कर, जो पाप में जन्मा।

यीशु , मुझे सखिाओ, जो भटक गया हूँ ; / यीशु , मुझे ज्ञान दो, जो अंधकार में हूँ।

यीशु , मुझे शुद्ध करो, जो अपवत्रि हूँ ; / यीशु , मुझे वापस लाओ, जो भटक गया हूँ।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करो।

कॉन्टाकयिन 4: संदेहपूर्ण वचिारों के तूफ़ान से घरि , / पतरस डूब रहा था; / परन्तु आपको, हे यीशु , देखकर , / जो देहधारी होकर जल पर चल रहे थे , / उसने आप में सच्चे परमेश्वर को पहचाना / और, उद्धार का हाथ पाकर, पुकारा : / अल्ल eluia!

इकोस 4: जब अंधे ने सुना कि हे प्रभु , / आप सड़क पर से गुजर रहे थे , तो उसने पुकारा : / 'हे यीशु , दाऊद के पुत्र , मुझ पर दया करें !' / आ , ने उसे बुलाकर , उसकी आँखें खोल दीं। / तब, अपनी दया से , मेरे हृदय की आध्यात्मकि आँखों को प्रबुद्ध करें / और मुझ पर, जो आपसे पुकारता हूँ और कहता हूँ :

यीशु , स्वर्गीय शक्तियों के सृष्टकिर्ता ; / यीशु , पृथ्वी के उद्धारकर्ता।

यीशु , अधोलोक के वनिाशकर्ता ; / यीशु , सभी सृष्टि के आयोजक।

यीशु , मेरी आत्मा के सांत्वनादाता ; / यीशु , मेरे मन के प्रकाशदाता।

यीशु , मेरे हृदय का आनंद ; / यीशु , मेरे शरीर का स्वास्थ्य।

यीशु , मेरे उद्धारकर्ता , मुझे बचाओ; / यीशु , मेरे प्रकाश , मुझे ज्ञान प्रदान करो।

यीशु , मुझे हर पीड़ा से मुक्ति दें ; / यीशु , मुझे बचाएँ , यद्यपि मैं इसके लायक नहीं हूँ।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करें।

कॉन्टाकयिन 5: जैसे एक बार, अपने दव्यि रक्त के बहाए जाने से , हे यीशु , आपने हमें व्यवस्था के शाप से छुड़ाया , वैसे ही अब हमें उस जाल से बचाएँ , जसिमें साँप ने हमें कामुक वासनाओं से फँसाया है , और व्यभचिार तथा वनिाशकारी नरिाशा के प्रलोभन से , जैसे हम आपसे पुकारते हैं : अल्ल eluia!

इकोस 5: इस्राएल के बच्चों ने , मानव रूप में उसको देखकर , जसिने अपने हाथ से मनुष्य को बनाया, और उसमें प्रभु को पहचानकर, डालयिों के साथ उनका स्वागत करने के लिए दौड़े , 'होसन्ना !' चल्लिाते हुए। हम भी, आपको एक भजन अर्पति करते हैं , कहते हुए :

यीशु , सच्चे ईश्वर ; / यीशु , दाऊद के पुत्र।

यीशु , महिमामय राजा; / यीशु , नरि्दोष मेमना।

यीशु , अद्भुत चरवाहा; / यीशु , मेरे बाल्यकाल में मेरा रक्षक।

यीशु , मेरी युवावस्था में मेरा मार्गदर्शक ; / यीशु , मेरी वृद्धावस्था में मेरी महिमा।

यीशु , मेरी मृत्यु के समय मेरी आशा; / यीशु , मेरी मृत्यु के बाद मेरा जीवन।

यीशु , आपके न्याय में मेरी सांत्वना ; / यीशु , मेरी इच्छा , तब मुझे लज्जति न करना।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करो।

कॉन्टाकयिन 6: ईश्वर -प्रेरति प्रचारकों के उपदेशों / और वचनों को पूरा करते हुए , हे यीशु , / आप, जनि्हें सारी दुनिया समा नहीं सकती, / पृथ्वी पर प्रकट हुए और मनुष्यों के बीच वास कयिा, / और हमारे दुखों को अपने ऊपर ले लयिा। / अतः , तेरे घावों से चंगे होकर, / हमने गाना सीखा है : / अल्लेलुया !

इकोस 6: तेरे सत्य का प्रकाश संसार पर चमका है , / और राक्षसों की छल-कपट दूर हो गई है ; / क्योंकि मूर्तयिाँ , हे हमारे उद्धारकर्ता , तेरी शक्ति का सामना न कर सकीं , गरि पड़ीं। / हम, मोक्ष प्राप्त कर, तुझसे पुकारते हैं :

यीशु , सत्य जो सभी छल को दूर करता है ; / यीशु , प्रकाश , सभी तेज से परे।

यीशु , राजा, जो अपनी सामर्थ्य से सब पर वजिय प्राप्त करते हैं ; / यीशु , परमेश्वर , दया से परपिूर्ण।

यीशु , जीवन की रोटी, मुझे तृप्त कर जो भूखा हूँ ; / यीशु , ज्ञान के सोते , मेरी प्यास बुझा।

यीशु , आनंद का वस्त्र , मुझे , एक नश्वर को, परधिान पहना; / यीशु , आनंद की चादर, मुझे ढक, यद्यपि मैं अयोग्य हूँ।

यीशु , जो माँगने वालों को देते हैं , मुझे मेरे पापों के लिए पश्चाताप की अनुग्रह दें ; / यीशु , जो खोजने वालों का शरणस्थान हैं , मेरी आत्मा को खोजें।

यीशु , जो खटखटाने वालों के लिए द्वार खोलते हैं , मेरे दीन हृदय को खोलें ; / यीशु , पापियों के उद्धारकर्ता , मुझे मेरी अधर्म से शुद्ध करें।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करो।

कॉन्टाकियन 7: युगों से छपि रहस्य को प्रकट करने की इच्छा से , / हे यीशु , आपको वध के लिए भेड़ की नाईं ले जाया गया, / और, अपने कतरने वाले के सामने के मेमने की नाईं , आप मौन रहे , / और परमेश्वर के रूप में , आप मरे हुओं में से जी उठे , / और महमिा में स्वर्ग में आरोहण कयिा, / और हमें भी अपने साथ उठा लयिा, जब हम पुकारते हैं : / अल्ल eluia!

इकोस 7: एक अभूतपूर्व कार्य हुआ / उस सृष्टकिर्ता द्वारा जो हम पर प्रकट हुए : / वह कुँवारी से बनिा बीज के अवतार में आए, / मुहरें तोड़े बनिा कब्र से उठे , / और बंद दरवाजों के पीछे देह में प्रेरतिों के पास गए। / अतः , वस्मिय में , हम गाएँ :

यीशु , सीमाहीन वचन; / यीशु , हमारे नेत्रों की पहुँच से परे वचन।

यीशु , समझ से परे शक्ति ; / यीशु , ज्ञान से परे बुद्धि।

यीशु , वर्णन से परे दव्यिता ; / यीशु , माप से परे प्रभुत्व।

यीशु , अजेय राज्य ; / यीशु , अनंत संप्रभुता।

यीशु , सर्वशक्तमिान ; / यीशु , शाश्वत अधकिार।

यीशु , मेरे सृष्टकिर्ता , मुझ पर दया करें ; / यीशु , मेरे उद्धारकर्ता , मुझे बचाएँ।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करें।

कॉन्टाकियन 8: ईश्वर को नहिारते हुए , जो चमत्कारकि रूप से मनुष्य बने , / आइए हम इस व्यर्थ संसार से मुँह मोड़ें / और

अपने मन को दव्यि की ओर नरि्देशति करें। / क्योंकि ईश्वर पृथ्वी पर इसी लिए उतरे , / हमें स्वर्ग तक उठाने के लिए, / जैसे हम उनसे पुकारते हैं : / अल्ल eluia!

इकोस 8: वह नमि्न लोकों में पूर्ण रूप से उपस्थति थे , / और स्वर्गीय लोकों में से कुछ भी पीछे नहीं छोड़ा , जनिकी संख्या असीमति है , / जब उन्होंने स्वेच्छा से हमारे लिए दुख सहन कयिा, / और अपनी मृत्यु से हमारी मृत्यु को मृत्यु की ओर धकेला , / और अपने पुनरुत्थान से उन लोगों को जीवन प्रदान कयिा जो गाते हैं :

यीशु , हृदय की मठिास; / यीशु , शरीर की शक्ति।

यीशु , आत्मा की ज्योति ; / यीशु , मन की तीक्ष्ण बुद्धि।

यीशु , अंतरात्मा का आनंद ; / यीशु , वशि्वासयोग्य आशा।

यीशु , सभी युगों की स्मृति ; / यीशु , सर्वोच्च स्तुति।

यीशु , मेरी उत्कृष्ट महमिा; / यीशु , मेरी इच्छा , मुझे दूर न कर।

यीशु , मेरे चरवाहे , मुझे खोजो; / यीशु , मेरे उद्धारकर्ता , मुझे बचाओ।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करें।

कॉन्टाकयिन 9: संपूर्ण दैवीय सेना नरिंतर तेरे परम पवत्रि नाम की महमिा करती है , हे यीशु , स्वर्ग में 'पवत्रि , पवत्रि , पवत्रि !' का उद्घोष करते हुए ; जबकि हम, पृथ्वी पर पापी, नश्वर होठों से पुकारते हैं : अल्लेलुया !

इकोस 9: हम तेरे सामने , हे यीशु , हमारे उद्धारकर्ता , वक्ताओं को उनकी गरजती आवाज़ों के साथ मछलयिों की तरह नशिब्द देखते हैं ; क्योंकि वे यह समझाने में असमर्थ हैं कि तू कैसे अपरविर्तनीय ईश्वर और पूर्ण मनुष्य दोनों है। हम, हालांकि, इस रहस्य पर आश्चर्यचकति होकर, वशि्वास के साथ पुकारते हैं :

यीशु , सनातन से परमेश्वर ; / यीशु , राजाओं के राजा।

यीशु , प्रभुओं के प्रभु ; / यीशु , जीवतिों और मृतकों के न्यायी।

यीशु , नरिाशों की आशा; / यीशु , रोने वालों का सांत्वना।

यीशु , गरीबों का गौरव; / यीशु , मेरे कर्मों के लिए मुझे दंडति न करें।

यीशु , अपनी दया से मुझे शुद्ध करें ; / यीशु , मेरी नरिाशा को दूर भगाएँ।

यीशु , मेरे हृदय की आँखें प्रबुद्ध करें ; / यीशु , मुझे मृत्यु का स्मरण प्रदान करें।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करें।

कॉन्टाकयिन 10: संसार को बचाने की इच्छा से , / आप, भोर में चमकता सूरज , / हमारे स्वभाव के अंधकारमय पश्चमि में उतर आए, / और स्वयं को मृत्यु तक नम्र कयिा। / इसलिए आपका नाम हर नाम से ऊपर कयिा गया है , / और सभी पीढ़ियों से , स्वर्गीय और पृथ्वी पर, आप सुनते हैं : / अल्लेलूया !

इकोस 10: शाश्वत राजा, सांत्वनादाता , सच्चे मसीह, / हमें हर अशुद्धि से शुद्ध करें , / जैसे आपने दस कोढ़ियों को शुद्ध कयिा, / और हमें चंगा करें , जैसे आपने कर वसूलने वाले ज़कैयस की लालची आत्मा को चंगा कयिा, / ताकि हम पश्चाताप से पुकारते हुए आपको यह घोषणा कर सकें :

यीशु , अक्षय खजाना; / यीशु , अक्षय धन-संपत्ति।

यीशु , पोषण देने वाला भोजन; / यीशु , अक्षय पेय।

यीशु , दरदि्रों का वस्त्र ; / यीशु , वधिवाओं की रक्षा।

यीशु , अनाथों के रक्षक ; / यीशु , मजदूरों की सहायता।

यीशु , मार्ग पर चलने वालों के मार्गदर्शक ; / यीशु , समुद्र में नावकिों के नावकि।

यीशु , तूफ़ान झेलने वालों के लिए एक शांतपिूर्ण बंदरगाह ; / हे ईश्वर यीशु , मुझे उठा, क्योंकि मैं गरि गया हूँ।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करें।

कॉन्टाकियन 11: पूर्ण पश्चाताप के साथ / मैं यह गीत आपको अर्पित करता हूँ , यद्यपि मैं इसके लायक नहीं हूँ , / मैं आपसे कनानी स्त्री की तरह पुकारता हूँ : 'हे यीशु , मुझ पर दया करें !' / क्योंकि मेरी कोई बेटी नहीं है , पर केवल देह है , / जो वासनाओं से पीड़ित और क्रोध से जलती है ; / उस पर चंगाई का वरदान दें जो आपसे पुकारता है : / अल्लेलूया !

इकोस 11: हे दीपक, जो अज्ञानता के अंधकार में निवास करने वालों पर प्रकाश प्रदान करते हैं , जिन्हें पौलुस ने एक बार सताया था, उसने दिव्य बुद्धि की वाणी की शक्ति पर ध्यान दिया और अपनी आत्मा में शीघ्र ही प्रकाशित हो गया। अतः मेरी आत्मा की अंधकारमय आँखों को प्रकाशित करें , जो पुकारती है :

यीशु , मेरे सर्वशक्तिमान राजा; / यीशु , मेरे सर्वशक्तिमान ईश्वर।

यीशु , मेरे अमर प्रभु ; / यीशु , मेरे महिमामय सृष्टिकर्ता।

यीशु , मेरे परम अनुग्रहकारी मार्गदर्शक ; / यीशु , मेरे परम उदार चरवाहे।

यीशु , मेरे परम कृपालु प्रभु ; / यीशु , मेरे परम दयालु उद्धारकर्ता।

यीशु , मेरी इंद्रियों को प्रबुद्ध करो, जो वासनाओं से घिरी हैं ; / यीशु , मेरे शरीर को चंगा करो, जो पाप के घावों से ढका है।

यीशु , मेरे मन को व्यर्थ विचारों से शुद्ध करें ; / यीशु , मेरे हृदय को दुष्ट इच्छाओं से बचाएँ।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करें।

कॉन्टाकियन 12: मुझे क्षमा की कृपा प्रदान करें , हे यीशु , जो सभी ऋणों को क्षमा करते हैं , और मुझे स्वीकार करें , जो पश्चाताप करता हूँ , जैसे आपने पतरस को स्वीकार किया जिसने आपको नकार दिया था, और मुझे बुलाएँ , जो लापरवाह हूँ , जैसे आपने एक बार पॉल को बुलाया था जिसने आपका पीछा किया था, और मेरी पुकार सुनें जब मैं आपको पुकारता हूँ : आल्ल eluia!

इकोस 12: जब हम तेरे अवतार का गायन करते हैं , / हम सभी तेरी स्तुति करते हैं और थोमा के साथ विश्वास करते हैं , / कि तू प्रभु और परमेश्वर है , जो पिता के साथ विराजमान है / और जीवितों तथा मृतकों का न्याय करने आ रहा है। / अतः मुझे अनुग्रह दे , कि मैं तेरे दाहिने हाथ पर खड़ा होऊँ / जब मैं पुकारता हूँ :

यीशु , युगों के राजा, मुझ पर दया करो; / यीशु , सुगंधित फूल , मुझे अपनी सुगंध से भर दो।

यीशु , प्रिय ऊष्मा , मुझे गर्माहट दें ; / यीशु , शाश्वत मंदिर , मुझे आश्रय दें।

यीशु , तेजस्वी वस्त्र , मुझे सजाओ; / यीशु , अनमोल मोती, मुझे प्रकाशित करो।

यीशु , अनमोल पत्थर , मुझे प्रबुद्ध करो; / यीशु , धार्मिकता का सूर्य , मुझे प्रकाशित करो।

यीशु , पवित्र प्रकाश , मुझे प्रबुद्ध करें ; / यीशु , मुझे आध्यात्मिक और शारीरिक बीमारियों से बचाएँ।

यीशु , मुझे शत्रु की पकड़ से छीन लें ; / यीशु , मुझे न बुझने वाली आग और अन्य सभी अनंत यातनाओं से बचाएँ।

यीशु , परमेश्वर के पुत्र , मुझ पर दया करो।

कॉन्टाकियन 13: हे अति मधुर और सर्व -दयालु यीशु ! / अब हमारी इस विनम्र प्रार्थना को स्वीकार करें , / जैसे आपने विधवा के दो सिक्के स्वीकार किए थे , / और अपनी विरासत को दृश्यमान और अदृश्य शत्रुओं से , / विदेशियों के आक्रमण से , बीमारी और अकाल से , / हर दुख और घातक महामारी से बचाएं , / और जो कोई भी आपसे पुकारता है , उन्हें आने वाले कष्ट से बचाएं : / अल्लेलूया ! **इस कोंडाक को तीन बार दोहराएँ।**

तब पहला इकोस पढ़ा जाता है : हे स्वर्गदूतों के सृष्टा और स्वर्गीय सेनाओं के प्रभु ! / मेरे दुर्बल मन को खोल और मेरी जीभ को खोल / ताकि मैं तेरे परम पवित्र नाम की स्तुति कर सकूँ , / जैसे एक बार बहरे और गूंगे को / तूने उसके कान खोले

और उसकी जीभ को खोल दिया, / और वह बोल उठा, इस प्रकार पुकारते हुए :

और पहला कोंडाक : मेरे रक्षक और प्रभु , नरक के विजेता ! / शाश्वत मृत्यु से मुक्त होकर, / मैं , आपकी रचना और सेवक , / आपको स्तुति के गीत अर्पित करता हूँ। / आप, जिनके पास अकथनीय दया है , / मुझे सभी कष्टों से बचाएँ , जब मैं पुकारता हूँ : / 'हे ईश्वर के पुत्र यीशु , मुझ पर दया करें !'

भजन 7

इरमोस: जब उन्होंने दुरा के मैदान में सोने की मूर्ति की पूजा की, / आपके तीन युवक अधर्मी आज्ञा का विरोध कर गए; / और, आग में फेंके गए फिर भी ओस से सने , उन्होंने गाया: / 'धन्य हैं आप, हमारे पितरों के परमेश्वर !'

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

हे मसीह यीशु , समय की शुरुआत से पृथ्वी पर किसी ने भी कभी पाप नहीं किया, / हे मेरे यीशु , जैसा कि मैंने पाप किया है , मैं तो दीन और भटका हुआ हूँ। / इसलिए, हे मेरे यीशु , मैं आपसे पुकारता हूँ : / मुझ पर दया करें , जो गाता हूँ : / 'धन्य हैं आप, हे हमारे पितरों के परमेश्वर !'

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचा लो।

हे ख्रीस्त यीशु , अपनी भक्ति में / मुझे बल दें , मैं आपसे विनती करता हूँ , हे मेरे यीशु , / और मुझे अब एक शांतिपूर्ण बंदरगाह तक पहुँचाएँ , / ताकि मैं , हे मेरे दयालु यीशु , / उद्धार पाए हुए , आपके लिए गा सकूँ : / 'धन्य हैं आप, हमारे पितरों के परमेश्वर !'

महिमा: हे मसीह यीशु , मैंने अपने जुनून में , / हे मेरे यीशु , आपसे हजारों बार प्रायश्चित करने का वादा किया, / परन्तु मैंने झूठ बोला, मैं तो नीच हूँ। / अतः , हे मेरे यीशु , मैं आपसे पुकारता हूँ : / हे मसीह, मेरी आत्मा को प्रबुद्ध कीजिए, जो अंधकार में पड़ी है ; / हे हमारे पितरों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!

और अब: हे सर्व -पवित्र , जिन्होंने सर्व -बोध से परे और प्रकृति के ऊपर के प्रकार से मसीह यीशु को जन्म दिया, हे कुँवारी , उनसे प्रार्थना करो कि वे मेरी प्रकृति के विरुद्ध सभी पापों को क्षमा करें , ताकि मैं उद्धार पाए हुए की भाँति पुकार सकूँ : 'धन्य है तू , जिसने देह में परमेश्वर को जन्म दिया!'

ओड 8

इरमोस: हे सारी सृष्टि , उस ईश्वर का गीत गाओ, जो यहूदी युवकों के साथ आग के भट्टी में उतरा, और ज्वालाओं को ओस में बदल दिया, और उसे सदा-सदा के लिए प्रभु के रूप में महिमा दो।

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मेरा उद्धार करो।

मैं तुझसे विनती करता हूँ , हे मेरे ईसा: / 'जिस प्रकार तूने , हे मेरे ईसा, / वेश्या को उसके अनेक पापों से बचाया, / उसी प्रकार मुझे भी बचा, हे मेरे ईसा मसीह, / और मेरे कलंकित प्राण को शुद्ध कर, हे मेरे ईसा!'

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

हे यीशु , मैं मूर्खतापूर्ण सुखों के आगे झुक गया, / मैं , एक दीन प्राणी , लापरवाह साबित हुआ , / आउ , अपनी वासनाओं के द्वारा मैं सचमुच पशुओं जैसा हो गया हूँ , / हे यीशु , मेरे उद्धारकर्ता ; / इसलिए, हे यीशु , मुझे लापरवाही से बचाओ।

महिमा: गिरि जाने के बाद, हे यीशु , आत्मा -विनाशकारी डाकुओं के हाथों में , / मैं अपने परमेश्वर द्वारा बुने हुए वस्त्र से वंचित हो गया हूँ , हे मेरे यीशु , / और अब मैं घावों से ढका पड़ा हूँ ; / मुझ पर तेल और दाखमधु डालो, हे मेरे मसीह।

और अब: हे मरियम, ईश्वर की माता, जिन्होंने मेरे मसीह और मेरे ईश्वर , यीशु को, शब्दों से परे तरीके से जन्म दिया! / अपने सेवकों और उन लोगों के उद्धार के लिए उनकी निरंतर प्रार्थना करो, हे कुँवारी मरियम, जिन्होंने किसी पुरुष को नहीं जाना।

सबसे मधुर यीशु के लिए एक कैनन , एक अकाथस्टि के साथ

स्तोत्र 9

इरमोस: परमेश्वर का वचन, परमेश्वर से , / जो आदम को नया करने के लिए अगोचर बुद्धि से आए, / जो फल के द्वारा दुखद रूप से विनाश में गिर गया था, / जो हमारे लिए पवित्र कुँवारी से अगोचर रूप में अवतारित हुए , / हम, विश्वासी , एक मन से / अपने भजनों में उनकी महिमा करते हैं।

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मेरी रक्षा करो।

मैं मनुष्यों से बढ़कर , हे मेरे यीशु , कर वसूलने वाले , वेश्या , / व्यर्थ -खर्च करने वाले पुत्र , दयालु यीशु , और चोर से भी बढ़कर , / हे मेरे यीशु , / लज्जास्पद और अश्लील कर्मों में , हे यीशु ; / परन्तु हे मेरे यीशु , मेरी उद्धार के लिए शीघ्रता कर।

पुनरावर्तन : हे मधुरतम ईसा, मुझे बचाओ।

हे मेरे ईसा, आदम के समय से जो भी पाप करते आए हैं , उन सभी में , मैं , अपनी दुर्दशा में , / व्यवस्था से पहले और व्यवस्था के अधीन, हे ईसा, / और व्यवस्था के अधीन और अनुग्रह की दान-दक्षिणा से , हे मेरे ईसा, / अपनी दुर्भाग्यपूर्ण वासनाओं में उनसे सभी से आगे निकल गया हूँ : / परन्तु हे मेरे ईसा, केवल आपको ही ज्ञात रास्तों से मेरा उद्धार करें।

महिमा: हे मेरे ईसा, मैं तेरी अगोचर महिमा से वंचित न रहूँ , / हे ईसा, मैं तेरे बाएँ ओर खड़े लोगों का भाग न पाऊँ , हे अति मधुर ईसा, / परन्तु तू मुझे दाहिने ओर खड़े अपने भेड़ों में शामिल कर, / मेरे मसीह यीशु , / और हे दयामय, मुझे विश्राम में ले चलो।

और अब: हे ईश्वर की माता, हे कुँवारी मरियम, जिन्होंने केवल तुम्हें ही जन्म दिया, हे पवित्र एक, उन्हें प्रसन्न करो, जैसे तुमने अपने पुत्र और सृष्टिकर्ता के लिए किया था, कि वह उन लोगों को जो तुममें शरण लेते हैं , प्रलोभनों और विपत्तियों से , और आने वाले युग की आग से बचाए।

सबसे मधुर यीशु के लिए एक कैनन , एक अकाथस्टि के साथ

प्रकाशमान

हे यीशु , ज्ञान और समझ के दाता, / गरीबों के मार्गदर्शक , अनाथों के रक्षक , पीड़ितों के चकित्सिक , / मेरे हृदय को चंगा और प्रबुद्ध करो, हे यीशु , / जो पाप के घावों और वासनाओं के भ्रष्टाचार से ढका हुआ है , / हे यीशु , और मुझे बचाओ।

ईश्वर की माता को: हे कुँवारी , आप से प्रकट हुई प्रकाश की करिणों से , / मेरे मन को प्रकाशति करें , मेरे हृदय को ज्ञान दें , / पाप के अंधकार को दूर करें , / और मेरी सुस्ती के नरिाशावाद को भगा दें।

हमारे प्रभु यीशु मसीह से प्रार्थना

हे प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , जनि्होंने मानवजाति के प्रति अपने अगोचर प्रेम के द्वारा , युगों के अंत में सर्वदा कुँवारी मरयिम से देह धारण कयिा! हे प्रभु , हम आपके सेवक , हमारे लिए आपकी उद्धारकारी व्यवस्था की महमिा करते हैं ; हम आपकी स्तुति करते हैं , क्योंकि आपके द्वारा हम पति को जान गए हैं ; हम आपको धन्य कहते हैं , जनिके द्वारा पवत्रि आत्मा भी संसार में आए। हम आपके अत्यंत पवत्रि देहधारी माता की उपासना करते हैं , जनि्होंने इस अद्भुत रहस्य की सेवा की। हम आपके दैवीय गायकों के समूह की स्तुति करते हैं , जो आपकी महमिा के गायक और सेवक हैं। हम धन्य कहते हैं यूहन्ना बपतस्मिादाता को, जनि्होंने हे प्रभु , आपको बपतस्मिा दयिा। हम उन भवष्यिद्वक्ताओं का सम्मान करते हैं जनि्होंने आपके आगमन की भवष्यिवाणी की थी। हम आपके पवत्रि प्रेरतिों की महमिा करते हैं ; हम आपके शहीदों को ऊँचा उठाते हैं ; हम आपके पवत्रि धर्मगुरुओं की स्तुति करते हैं ; हम आपके पूजनीयों की आराधना करते हैं ; और हम आपके सभी धर्मी लोगों का सम्मान करते हैं। हम इस दव्यि महान और अगणति समूह से आग्रह करते हैं कि वे आपसे , हे सर्व -दयालु ईश्वर , प्रार्थना करें , हम, आपके सेवक , और इसलिए हम अपने पापों की क्षमा के लिए याचना करते हैं। इसे

हमें अपने सभी संतों के लिए, या यूँ कहें कि अपनी पवित्र कृपा के लिए प्रदान करें , क्योंकि आप सदा के लिए धन्य हैं। आमीन।

एक और प्रार्थना

हे प्रभु , हे दयालु , जो बुराई को याद नहीं रखते , मैं अपने पापों का प्रायश्चित करता हूँ। मैं , एक अयोग्य प्राणी होते हुए भी, आपके समक्ष गड़िगड़ाता हूँ : 'हे प्रभु , मैंने पाप किया है , मैंने पाप किया है , और मैं अपने अनेक अधर्मों के कारण स्वर्ग की ऊँचाइयों को देखने के भी योग्य नहीं हूँ। ' किन्तु , हे मेरे प्रभु , हे मेरे प्रभु , मुझे पश्चाताप के आँसू प्रदान करें , हे केवल आप ही जो भले और दयालु हैं , ताकि उनके द्वारा मैं आपसे विनती कर सकूँ और अंत से पहले हर पाप से शुद्ध हो जाऊँ। क्योंकि अपने शरीर से अलग होने के बाद मेरे सामने एक भयानक और डरावनी जगह है , और अँधेरे और अमानवीय राक्षसों की भीड़ मुझे मिलेगी , और मेरी मदद करने वाला कोई नहीं होगा: न कोई साथी, न कोई उद्धारकर्ता। इसलिए मैं आपकी भलाई से चिपका रहता हूँ : मुझे मेरे उत्पीड़क के हाथों में न सौंपें , और न ही मेरे शत्रु मुझ पर घमंड करें , हे दयालु प्रभु , और उन्हें यह न कहने दें : 'तू हमारे हाथ में पड़ गया है और हमें सौंप दिया गया है। ' नहीं , हे प्रभु , अपनी दया को न भूलें , और मुझे मेरे अधर्म के अनुसार प्रतिफल न दें , और मुझसे अपना मुख न मोड़ें। परन्तु हे प्रभु , केवल दया और करुणा से ही मुझे ज्ञान दें। मेरा शत्रु मुझ पर न आनन्दित हो, और मुझ पर अपनी धमकियों का अन्त कर दे और उसके सब कर्मों को व्यर्थ कर दे। हे दयालु प्रभु , मुझे अपनी ओर जाने का एक निर्दोष मार्ग प्रदान करें , क्योंकि जब मैं पाप भी करता था, तब भी मैंने किसी अन्य चिकित्सक की ओर मुड़कर नहीं देखा और न ही किसी पराये देवता के प्रति अपना हाथ फैलाया। इसलिए, मेरी विनती को न ठुकराएँ , बल्कि अपनी कृपा में मुझे सुनें और अपने भय से मेरे हृदय को बल दें ; और हे प्रभु , आपकी कृपा मुझ पर बनी रहे , जैसे एक

आग जो मेरे भीतर के अशुद्ध वचारों को जलाकर भस्म कर देती है। क्योंकि हे प्रभु , आप ही प्रकाश हैं , जो सभी प्रकाश से परे सर्वोच्च हैं ; आनंद , जो सभी आनंद से श्रेष्ठ है ; शांति , जो सभी शांति से श्रेष्ठ है ; सच्चा जीवन और मोक्ष , जो युगानुयुग तक बना रहता है। आमीन।

वषिय-सूची पर वापस जाएँ ।

पश्चाताप का कैनन
हमारे प्रभु को
यीशु मसीह*

कैनन , स्वर 6 ।
ओड 1

इरमोस: जैसे इस्राएल सूखी भूमि पर चला / गहरे जल के बीच से , / और चिल्ला उठा, अपने उत्पीड़क फरौन को डूबा हुआ देखकर : / 'आओ हम ईश्वर के लिए विजय का गीत गाएँ !'

कोरस: हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, हे ईश्वर , मुझ पर दया करो!

अब मैं , एक पापी और बोझिल, / तेरे समक्ष आया हूँ , हे मेरे प्रभु और ईश्वर ; / पर मैं स्वर्ग की ओर उठकर देख भी नहीं सकता, / केवल मैं प्रार्थना करता हूँ , पुकार कर: / 'हे प्रभु , मुझे बुद्धि प्रदान कर, / ताकि मैं अपने कर्मों पर कड़वाहट से शोक मना सकूँ !'

कोरस: हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, हे ईश्वर , मुझ पर दया करो!

हाय मुझ पापी की! / मैं सभी मनुष्यों से अधिक दीन हूँ : / मुझमें पश्चाताप नहीं है। / हे प्रभु , मुझे आँसू प्रदान करें , / ताकि मैं अपने कर्मों पर कड़के रो सकूँ !

महिमा: हे मूर्ख , दुखी मनुष्य , / तू अपनी व्यर्थता में अपना समय बर्बाद कर रहा है ! / अपने जीवन पर मनन कर / और प्रभु परमेश्वर की ओर लौट आ, / और अपने कर्मों पर कड़वा रो!

और अब: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता! / मुझ पापी पर दृष्टि डालिए, / और मुझे शैतान के फंदे से छुड़ाइए , / और मुझे पश्चाताप के मार्ग पर चलाइए, / ताकि मैं अपने कर्मों पर कड़के -कड़के रो सकूँ !

भजन 3

इरमोस: हे मेरे प्रभु परमेश्वर , / आप के समान कोई पवित्र नहीं , / हे भलाइयों के स्वामी , / जिन्होंने आप में विश्वासियों की गरिमा को ऊँचा किया, / और हमें अपने ज्ञान के चट्टान पर / स्थापित किया।

पुनरावर्तन : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

जब सिंहासन स्थापित होंगे / अंतिम न्याय में , / तब सभी लोगों के कर्म प्रकट होंगे ; / वहाँ पापियों पर हाय, जिन्हें यातना के लिए भेजा जाता है ! / और यह जानकर, हे मेरी आत्मा , / अपने बुरे कर्मों से पश्चाताप कर!

पुनरुक्ति : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

धर्मी आनंदित होंगे , / जबकि पापी रोएँगे : / तब कोई भी हमारी मदद नहीं कर पाएगा, / बल्कि हमारे कर्म ही हमें दोषी ठहराएँगे। / अतः , अंत से पहले , / अपने बुरे कर्मों से पश्चाताप करो!

महिमा: हाय मुझ पर, मैं एक महान पापी हूँ ! / कर्म और विचार से स्वयं को कलंकित कर, / मेरे पास बहाने के लिए एक भी आँसू नहीं , मैं इतना कठोर-हृदय हूँ ! / अब उठ खड़ी हो, हे मेरी आत्मा , / और अपने बुरे कर्मों पर पश्चाताप कर!

और अब: हे माता, देखो , आपका पुत्र पुकारता है / और हमें भला सिखाता है ; / परन्तु मैं , एक पापी, हमेशा भलाई से भागता हूँ ! / परन्तु हे दयामयी, मुझ पर दया करो, / ताकि मैं अपने बुरे कर्मों पर पश्चाताप कर सकूँ !

सेडालेन , स्वर 6

मैं उस भयानक दिन के विषय में मनन करती हूँ / और अपने दुष्ट कर्मों पर शोक मनाती हूँ। / मैं अमर राजा को क्या उत्तर दूँगी ? / या मैं , एक व्यभिचारी , न्यायाधीश को देखने की हिम्मत कैसे करूँगी ? / दयामय पिता, एकलौते पुत्र / और पवित्र आत्मा , मुझ पर दया करें !

महिमा, और अब, परमेश्वर की माता को: अब, पाप की अनेक जंजीरों से बँधा / और भीषण कष्टों और वपित्तयिों से दबे हुए , / मैं तेरे शरण में आता हूँ , हे मेरी उद्धारक , और पुकारता हूँ : / 'हे कुँवारी , परमेश्वर की माता, मेरी सहायता करो!'

भजन 4

इरमोस: 'मसीह मेरी शक्ति है , / ईश्वर और प्रभु ', / – पवित्र कलीसयिा भक्तपिूर्वक गाती है , / एक शुद्ध मन से यह उद्घोष करते हुए , / प्रभु में आनंदति होकर।

पुनरावर्तन : मुझ पर दया करो, हे ईश्वर , मुझ पर दया करो!

यहाँ का मार्ग चौड़ा है / और जो मन को भाता है , उसे करना आसान है , / परन्तु वह अंतमि दनि कड़वा होगा, / जब आत्मा शरीर से अलग होगी! / हे मनुष्य , इससे अपना बचाव कर, / परमेश्वर के राज्य के लिए!

कोरस: हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, हे ईश्वर , मुझ पर दया करो!

तुम गरीबों पर अत्याचार क्यों करते हो, / मजदूर की मजदूरी हड़पते हो, / अपने भाई से प्रेम क्यों नहीं करते , / और व्यभचिार तथा घमंड का पीछा करते हो? / यह सब छोड़ दो, हे मेरी आत्मा , / और परमेश्वर के राज्य के लिए पश्चाताप करो!

महिमा: हे मूर्ख मनुष्य ! / तू कब तक मधुमक्खी की तरह फँसा रहेगा , / अपना धन इकट्ठा करते हुए ? / क्योंकि यह जल्द ही धूल और राख की तरह नष्ट हो जाएगा; / पर पहले परमेश्वर के राज्य को खोज।

और अब: हे देवी , हे परमेश्वर की माता! मुझ पापी पर दया करें , / और मुझे सदाचार में दृढ़ करें , / और मेरी रक्षा करें , कहीं ऐसा न हो कि अचानक मृत्यु / मुझे बनिा तैयारी के छीन ले , / और हे कुँवारी , मुझे परमेश्वर के राज्य में ले जाए!

स्तोत्र 5

इरमोस: हे सर्वश्रेष्ठ , अपनी दव्यि ज्योति से , / उन आत्माओं को प्रेम से प्रकाशति कर जो दनि के आरंभ से ही

तुझसे तड़पती हैं – मैं प्रार्थना करता हूँ – / ताकि वे तुझे जान सकें , हे परमेश्वर के वचन, सच्चे परमेश्वर , / जो उन्हें पाप के अंधकार से अपनी ओर बुलाता है।

पुनरावर्तन : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

हे दुष्ट मनुष्य , याद कर, / कि तू झूठ , बदनामी, चोरी और दुर्बलताओं का कितना दास है , / जैसे कि क्रूर जानवरों द्वारा , / अपने पापों के कारण! / हे मेरी पापी आत्मा , क्या यही तू चाहती थी?

पुनरुक्ति : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

मेरे शरीर के अंग काँप रहे हैं , / क्योंकि मैंने उन सब से पाप किया है : / अपनी आँखों से देखकर , अपने कानों से सुनकर , अपनी जीभ से बुराई बोलकर, / मैंने अपने पूरे अस्तित्व को गेहेन्ना (नरक) को सौंप दिया है ! / हे मेरे पापी आत्मा , क्या यही तू चाहती थी?

महिमा: हे उद्धारकर्ता , आपने व्यर्थ -खर्च करने वाले पुत्र और पश्चातापी चोर को अपनी उपस्थिति में स्वीकार किया; फिर भी मैं अकेला ही पापपूर्ण सुस्ती से इतना दबे हुए और दुष्ट कर्मों का दास हूँ ! हे मेरे पापी आत्मा , क्या यही तूने चाहा था?

और अब: हे आश्चर्यमय और शीघ्र सहायिका / सर्व लोगों की, हे परमेश्वर की माता! / मेरी सहायता करो, यद्यपि मैं इसके योग्य नहीं हूँ , / क्योंकि मेरी पापी आत्मा ने यही चाहा है !

गीत 6

इरमोस: जीवन के सागर को देखकर , / जो प्रलोभन की लहरों से उफन रहा है , / मैं , तेरी शांतिपूर्ण बंदरगाह में शरण लेकर , तुझसे पुकारता हूँ : / 'हे परम दयालु , मेरे जीवन को विनाश से बचा!'

पुनरावर्तन : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

मैंने अपनी सांसारकि ज़िंदगी भटकते हुए जयिा है / और अपनी आत्मा को अंधकार में डाल दयिा है ; / पर अब मैं आपसे वनिती करता हूँ , दयालु प्रभु : / मुझे शत्रु के इस बंधन से मुक्ति दें / और मुझे अपनी इच्छा पूरी करने की बुद्धि दें !

पुनरुक्ति : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

मेरे जैसे कौन करते हैं ? / क्योंकि जैसे सूअर कीचड़ में लोटता है , / वैसे ही मैं पाप की सेवा करता हूँ। / परन्तु हे प्रभु , मुझे उस घृणा से बचा ले / और मुझे अपनी आज्ञाओं का पालन करने के लिए एक हृदय दे !

महमिा: हे दीन मनुष्य , अपना हृदय परमेश्वर की ओर उठा, / अपने पापों को स्मरण कर, / सृष्टकिर्ता के सामने घुटने टेक , आँसू बहा और कराह! / वह, दयालु होकर, / तुझे अपनी इच्छा जानने की बुद्धि देगा !

और अब: हे परमेश्वर की कुंवारी माता! सभी बुराइयों से , दृश्यमान और अदृश्य दोनों से , हे अतिपवत्रि माता, मेरी रक्षा करो, और मेरी प्रार्थनाएँ स्वीकार करो, और उन्हें अपने पुत्र तक पहुँचा दो, ताकि वह मुझे अपनी इच्छा पूरी करने की बुद्धि प्रदान करे !

कॉन्टाकयिन

हे मेरी आत्मा ! तू पाप में क्यों धनी होती जा रही है ? / तू शैतान की इच्छा क्यों पूरी करती है ? / तू अपनी आशा कसिमें लगाती है ? / ऐसा करना बंद कर / और ईश्वर की ओर मुड़ , यह पुकारते हुए : / 'हे दयालु प्रभु , मुझ पापी पर दया करो!'

इकोस: हे मेरी आत्मा , मृत्यु के कड़वे घड़ी पर वचिार कर / और अपने सृष्टकिर्ता और ईश्वर के अंतमि न्याय पर। / क्योंकि तब भयानक स्वर्गदूत तुम्हें ले जाएँगे , हे आत्मा , / और तुम्हें अनंत अग्नि में डाल देंगे। / इसलिए मृत्यु से पहले पश्चाताप कर, पुकारते हुए : / 'हे प्रभु , मुझ पापी पर दया करो!'

पश्चातापी कैनन

गीत 7

इरमोस: स्वर्गदूत ने भट्टी को ओसदार कर दिया / धर्मात्मा युवकों के लिए, / और ईश्वर की आज्ञा , जिसने खलदीयों को झुलसा दिया, / ने यातना देने वाले को पुकारने पर विवश कर दिया: / 'धन्य हैं आप, हमारे पूर्वजों के ईश्वर !'

पुनरावृत्ति : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

हे मेरी आत्मा , नश्वर धन पर / या अधर्मी लाभ पर भरोसा मत कर; / क्योंकि तू नहीं जानती कि तू यह सब किसको छोड़ जाएगी, / पर यह पुकार लगा: 'हे मसीह हमारे परमेश्वर , मुझ पर दया कर, यद्यपि मैं अयोग्य हूँ !'

पुनरुक्ति : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

हे मेरी आत्मा , शारीरिक स्वास्थ्य / या क्षणिक सुंदरता में आशा मत रखो; / क्योंकि तुम देखती हो कि कैसे बलवान और जवान मर जाते हैं , / पर पुकारो : 'हे मसीह हमारे परमेश्वर , मुझ पर दया करो, यद्यपि मैं अयोग्य हूँ !'

महिमा: याद कर, हे मेरी आत्मा , अनंत जीवन को / और संतों के लिए तैयार स्वर्ग के राज्य को, / और बाहरी अंधकार और ईश्वर के क्रोध को—जो दुष्ट है — / और पुकार कर कह: 'मुझ पर दया करो, हे मसीह मेरे ईश्वर , यद्यपि मैं अयोग्य हूँ !'

और अब: हे मेरी आत्मा , परमेश्वर की माता के सामने स्वयं को गिरा ले / और उनसे प्रार्थना कर, / क्योंकि वे , पश्चातापी लोगों की शीघ्र सहायिका, / अपने पुत्र , हमारे परमेश्वर मसीह के पास तेरा मध्यस्थता करेंगी , / और वह मुझ पर दया करेंगे , यद्यपि मैं अयोग्य हूँ।

ओड 8

इरमोस: आग से तूने धर्मियों के लिए ओस बहाई है , / और जल से तूने धर्मी की वेदी को बुझाया है : / क्योंकि हे मसीह, तू सभी कुछ केवल अपनी इच्छा से ही करता है। / हम तुझे युगानुयुग महिमान्वित करते हैं।

पुनरावर्तन : हे ईश्वर , मुझ पर दया कर, मुझ पर दया कर!

मैं मृत्यु के बारे में सोचकर कैसे न रोऊँ ! / क्योंकि मैंने अपने भाई को ताबूत में पड़ा देखा है , / अपमानित और वंकित। / तो फिर मैं किसका इंतज़ार करूँ , और अपनी आशा किसमें रखूँ ? / हे प्रभु , मुझे अंत से पहले केवल पश्चाताप की अनुग्रह दे ! **(दो बार)**

महिमा: मैं विश्वास करता हूँ कि आप जीवितों और मृतकों का न्याय करने आएँगे , / और सभी अपने -अपने पद के अनुसार खड़े होंगे : / बूढ़े और जवान, स्वामी और राजकुमार , कुंवारी और पुरोहित। / पर मैं कहाँ रहूँगा ? / इसलिए मैं पुकारता हूँ : / 'हे प्रभु , मुझे अंत से पहले पश्चाताप की कृपा दें !'

और अब: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता! / मेरी इस अयोग्य प्रार्थना को स्वीकार करें , / और मुझे आकस्मिक मृत्यु से बचाएँ / और अंत से पहले मुझे पश्चाताप की कृपा दें !

गीत 9

इरमोस: मनुष्यों के लिए ईश्वर को देखना असंभव है , / जिसे स्वर्गदूतों की सेनाएँ भी निहारने का साहस नहीं करतीं ; / परन्तु हे सर्व -पवित्र , तेरे द्वारा मसीह देहधारी मनुष्यों के लिए दृश्यमान हो गया। / हम उसकी महिमा करते हुए , / स्वर्गदूतों की सेनाओं सहित, / तेरी स्तुति करते हैं।

पुनरावर्तन : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

अब मैं शरण लेता हूँ तुममें , / हे देवदूतों , महादूतों और सभी स्वर्गीय शक्तियों , / जो परमेश्वर के सिंहासन के सामने खड़े हो: / अपने सृष्टिकर्ता से प्रार्थना करो, / कि वह मेरी आत्मा को अनंतकालिक यातना से बचा ले !

पुनरावर्तन : हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो!

अब मैं आपके सामने रोता हूँ , / हे पवित्र पूर्वजों , राजाओं और भविष्यद्वक्ताओं , / प्रेरितों और पवित्र पिताओं , और मसीह के सभी चुने हुओं : / न्याय के दिन मेरी

सहायता करो, / कि प्रभु मेरे प्राण को शत्रु की शक्ति से बचा ले !

महिमा: अब मैं अपने हाथ तुम्हारी ओर उठाता हूँ , / हे पवित्र शहीदों , तपस्वियों , कुंवारीयों , धर्मी लोगों / और उन सभी संतों जो सारी दुनिया के लिए प्रभु से प्रार्थना करते हैं , / कि वह मेरे मरने के समय पर मुझ पर दया करें !

और अब: हे परमेश्वर की माता, मेरी सहायता करो, / जो अपनी आशा दृढ़ता से आप में रखता हूँ , / अपने पुत्र से मेरी विनती करो, / कि जब वह जीवितों और मरे हुओं का न्याय करने बैठेगा , तो वह मुझे , जो कि अयोग्य हूँ , अपने दाहिने हाथ पर बिठाए! आमीन।

प्रार्थना

हे प्रभु मसीह परमेश्वर , जिन्होंने अपने दुखों से मेरी वासनाओं को चंगा किया और अपने घावों से मेरे घावों को भर दिया! मुझे , जिसने आपके सामने बहुत पाप किया है , पश्चाताप के आँसू प्रदान करें। कृपा करें कि मेरा शरीर आपके जीवन-दायक शरीर की सुगंध का भागीदार बने , और मेरे प्राण को आपके बहुमूल्य रक्त की मिठास प्रदान करें , उस कड़वाहट के स्थान पर जिससे शत्रु ने मुझे भर दिया है। मेरे मन को, जो पृथ्वी पर डूब गया है , अपनी ओर उठा लें , और मुझे विनाश की खाई से ऊपर उठाएँ। क्योंकि मुझमें न पश्चाताप है , न ही मन का खेद , न ही सांत्वना का कोई आँसू जो बच्चों को उनकी विरासत तक ले जाता है। मेरा मन सांसारिक वासनाओं से घिरा हुआ है ; अपनी बीमारी में मैं आपको निहार नहीं सकता, और न ही आपके लिए प्रेम के आँसुओं से मुझे गर्माहट मिल सकती है ! किन्तु , हे प्रभु यीशु मसीह, सभी भली वस्तुओं के खजाने ! मुझे पूर्ण पश्चाताप और एक ऐसा हृदय प्रदान करें जो आपको खोजने में प्रेम से परिश्रम करे ; मुझे अपनी कृपा प्रदान करें और मुझ में अपनी प्रतिमा के लक्षणों को नया करें। मैंने आपको त्याग दिया है – मुझे न त्यागें। मुझे खोजने के

लिए निकलें , मुझे अपने चरागाह में ले आएं और मुझे अपनी चुनी हुई भेड़ों के झुंड में शामिल कर दें ; अपनी परम पवित्र माता और सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , अपने दिव्य रहस्यों की रोटी से मुझे पोषित करें। आमीन।

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

अकाथस्टि के साथ कैनन
ईश्वर की अतपिवत्रि माता को

ट्रोपारयिन , स्वर 8

अपने मन में उस रहस्यमय आज्ञा को समझकर, / वह शीघ्रता से जोसेफ के घर में प्रकट हुई , अदेह होकर, / उस अवविाहति को यह घोषणा करते हुए : / 'वह, जसिने अपने अवतरण से स्वर्गों को झुका दयिा, / बनिा परविर्तति हुए , संपूर्ण रूप से तुममें समाहति है। / और तुझमें उसे दास का रूप धारण कएि हुए देखकर , / मैं वस्मिय से तुझसे पुकारता हूँ : / हे कन्या वधू , आनन्दति हो, जसिने ववािह न जाना!'

कैनन , स्वर 4, आदरणीय जोसेफ द्वारा रचति।
ओड 1

इरमोस: मैं अपना मुख खोलूँगा , / और वह आत्मा से भर जाएगा; / और मैं रानी और माता से बोलूँगा , / और मैं आनंद से दीप्तमिान होकर प्रकट होऊँगा , / और मैं उनके चमत्कारों के वषिय में आनंदपूर्वक गाऊँगा।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

देखो , महान महादूत , आपको देखकर , हे पवत्रि एक, जो मसीह की जीवति पुस्तक हैं , आत्मा द्वारा मुहरबंद , ने आपसे पुकारा : 'हे आनंद के पात्र , आनंदति हो, आप जनिके द्वारा प्रथम माता का शाप समाप्त होगा!'

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमें बचाओ।

आदम की पुनर्स्थापना पर हर्षति हो, हे कुंवारी , हे ईश्वर की वधू , नरक के वनिाश पर हर्षति हो। हे सर्व -पवत्रि , सर्व के

राजा का महल, हर्षति हो। हे सर्वशक्तमिान का अग्नमिय सहिासन , हर्षति हो!

महमिा: आनंदति हो, हे जसिने अकेले ही अमर गुलाब को जन्म दयिा! / आनंदति हो, हे जसिने सुगंधति सेब को जन्म दयिा, / एकमात्र राजा की सुगंध ; / आनंदति हो, हे जसिने ववािह नहीं जाना, / संसार का उद्धार।

और अब: हे पवत्रिता के खजाने , आनंदति हो, / तू जसिसे हम अपने पतन से उठे हैं। / आनंदति हो, सुगंधति कमल, हे सर्वेश्वरी , / जो वश्विासयिों को आनंदति करती है , / सुगंधति धूप , कीमती लोहबान।

भजन 3

इरमोस: हे परमेश्वर की माता, / जीवति और प्रचुर झरना, / जो आपके गुणों का गान करते हैं उन्हें बल प्रदान करें , / जन्हिोंने इस आध्यात्मकि भोज की तैयारी की है , / और अपनी दव्यि महमिा में / उन्हें महमिा के मुकुट प्रदान करें।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

तूने स्पष्ट रूप से दव्यि अनाज का कान उत्पन्न कयिा है , / एक अछूते खेत की तरह! / आनंदति हो, जीवति आटे , / जसिमें जीवन की रोटी नहिति है ; / आनंदति हो, अक्षय स्रोत / जीवति जल का, हे सर्वोच्च देवी !

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

हे गाय, आनन्दति हो, जसिने वश्विासयिों के लिए नर्दिोष मेमने को जन्म दयिा; / हे मेमने , आनन्दति हो, जसिने अपने गर्भ में परमेश्वर के मेमने को धारण कयिा, / जो संपूर्ण संसार के पापों को दूर करता है ; / हे उत्साही प्रायश्चति , आनन्दति हो!

महमिा: हे उज्ज्वल प्रभात , आनंदति हो, / तुम जो अकेले ही सूर्य —प्रकाश का धाम, मसीह को धारण करती हो; / आनंदति हो,

तुम जिन्होंने अंधकार को दूर किया / और निराशा के राक्षसों को पूरी तरह भगा दिया।

और अब: आनंदित हो, एकमात्र द्वार , / जिससे केवल वचन ही होकर गुज़रा ; / सर्वोच्च देवी , जिन्होंने मसीह के आपके से जन्म लेने से / नरक के ताले और द्वार तोड़ डाले ; / आनंदित हो, उद्धार पाए हुओं के लिए दैवी प्रवेशद्वार , हे परमेश्वर की वधू।

भजन 4

इरमोस: महिमा में विराजमान / परमेश्वरत्व के सिंहासन पर, / एक प्रकाशमान बादल पर, / परम दिव्य यीशु आए, / एक निर्दोष हाथ द्वारा धारण किए हुए , / और उन लोगों को बचाया जिन्होंने पुकारा : / 'हे मसीह, तेरी शक्ति को महिमा!'

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

गूँजते भजनों के साथ [विश्वास में] / हम तुझसे पुकारते हैं , (कन्या) सर्व -महिमामयी: / 'हर्षित हो, फलदायी पर्वत , जो आत्मा से पोषित है ; / हर्षित हो, मन्नारूपी दीपक और पात्र , / जो सभी धर्मपरायणों की इंद्रियों को आनंदित करता है !'

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

जगत के मेल -मिलाप, / हर्षित हो, हे अति-शुद्ध देवी ; / हर्षित हो, हे सीढ़ी , जो अनुग्रह से सभी को पृथ्वी से उठाती है ; / हर्षित हो, हे पुल , जो वास्तव में आप पर गीत गाने वालों सभी को / मृत्यु से जीवन तक ले जाता है।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे स्वर्गों की सर्वोच्च , हर्षित हो, / हे अति-शुद्ध , पृथ्वी की नींव तेरे गर्भ में , जिसने बिना श्रम के जन्म दिया; / हर्षित हो, बैंगनी शंख , / जिसने शक्तियों के राजा के लिए / अपने रक्त से दिव्य बैंगनी रंग रंगा।

महिमा: हे सर्वोच्च देवी , जो वास्तव में विधि-प्रिदाता को जन्म देने वाली हो, आनंदित हो, जो अपनी कृपा से सभी पापों का

प्रायश्चति करती हो, अथाह गहराई, अकथनीय ऊँचाई , जन्हिोंने ववािह नहीं जाना, जनिके द्वारा हमें दव्यिता प्राप्त हुई है।

और अब: हम तेरा गीत गाते हैं , जसिने संसार के लिए मानव हाथों से न बना मुकुट बुना , / 'हर्षति हो!' हम तुझसे पुकारते हैं , हे कुँवारी , / सभी की रक्षा और सुरक्षा , / शक्ति और पवत्रि आश्रय।

भजन 5

इरमोस: संपूर्ण संसार चकति है / तेरी दव्यि महमिा से : / क्योंकि तू , हे अववािहति कुँवारी , / ने अपने गर्भ में सर्वोच्च ईश्वर को धारण कयिा / और शाश्वत पुत्र को जन्म दयिा, / जो तेरी स्तुति करने वालों सभी पर शांति प्रदान करता है।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

हे सर्व -पवत्रि , आनन्दति हो, जन्हिोंने जीवन के मार्ग को जन्म दयिा, / जन्हिोंने संसार को पाप के प्रलय से बचाया; / हे परमेश्वर की वधू , आनन्दति हो, / जनिका उल्लेख और वाणी ही भय उत्पन्न करती है , / हे सर्व सृष्टि के स्वामी का नविास-स्थान , आनन्दति हो।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

मानव जाति की शक्ति और दुर्ग , / हर्षति हो, अति पवत्रि , महमिामय पवत्रिकिरण का स्थान , / नरक का वनिाश, अति दीप्तमिान कन्या -कक्ष ; / हर्षति हो, स्वर्गदूतों का आनन्द , / हर्षति हो, वश्विास के साथ तुझसे प्रार्थना करने वालों की सहायकिा।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

वचन का अग्नमिय रथ, / हर्षति हो, हे सर्वोच्च देवी , जीवति स्वर्ग , / जनिके भीतर जीवन का वृक्ष —प्रभु —वरिाजमान हैं , / जनिकी मठिास वश्विास से उनका सेवन करने वालों को जीवन प्रदान करती है , / यद्यपि वे क्षय के अधीन हैं।

महमिा: तेरी शक्ति से दृढ़ होकर, / हम वश्विास के साथ तुझसे पुकारते हैं : / आनंदति हो, सर्व के राजा का नगर, /

जसिके वषिय में यह स्पष्ट और महमिामय रूप से घोषति कयिा गया है , / आनंदति हो, अवभिाज्य पर्वत , अथाह गहराई।

और अब: वचन का वशिाल तम्बू , / हर्षति हो, हे परम पवत्रि , / वह खोखल जसिने दव्यि मोती को जन्म दयिा; / हर्षति हो, हे सर्व - अद्भुत , जनिके द्वारा सभी ईश्वर से मेल खाते हैं , / आप, हे ईश्वर की माता, / जनि्हें वे सदा धन्य कहते हैं।

स्तोत्र 6

इरमोस: जब हम इस दैवीय और सार्वभौमकि रूप से सम्मानति / ईश्वर की माता के पर्व का उत्सव मनाते हैं , / आओ, हे ईश्वर -ज्ञानी , / हम तालयिाँ बजाना आरंभ करें , / उसकी से उत्पन्न ईश्वर की महमिा करते हुए।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

वचन का नरि्मल वास, / सभी के दव्यित्व की कारण, / हर्षति हो, सर्व -पवत्रि , जनिके वषिय में भवषि्यवक्ताओं ने कहा, / हर्षति हो, प्रेरतिों का भूषण।

पुनरावर्तन : हे परम पवत्रि ईश्वर माता, हमारा उद्धार करो।

तुमसे ओस गरिी है , / मूर्तपिूजा की ज्वाला बुझाते हुए ; / इसलिए हम तुम्हें पुकारते हैं : / 'हे कुँवारी , आनंदति हो, वह ऊन जो भीगी थी, / जसिे गदिोन ने प्राचीन काल में देखा था!'

महमिा: देखो , हम तुम्हें पुकारते हैं , 'हे आनंद !'; / हमारे लिए एक बंदरगाह बनो जो समुद्र में नौकायन करते हैं , / और दुख की गहराइयों में एक सहारा / और सामान्य शत्रु के प्रलोभनों में।

और अब: हे आनंद के स्रोत , हमारे मन को प्रबुद्ध करो, / ताकि हम तुझसे उद्घोषति कर सकें : / 'हर्षति हो, अज्वलति झाड़ी , अतदीप्तमिान मेघ , / जो सदा वशि्वासयिों की रक्षा करता है !'

एक अकाथस्टि के साथ ईश्वर की माता के लिए एक कैनन

अत्यंत धन्य के प्रति अकथस्टि
हमारी माता, परमेश्वर की माता
और सदा-कुंवारी मरियम,
स्वर 8

पसिदिया के धन्य जॉर्ज

कॉन्टाकियन 1: हे सर्वोच्च सेनापति जो मेरी रक्षा करते हैं / भयानक विपत्तियों से मुक्ति के लिए / मैं , आपकी प्रजा , हे परमेश्वर की माता, / आपको विजय की सफलता के लिए धन्यवाद अर्पित करती हूँ ! / परन्तु आप, अजेय शक्ति की स्वामिनी , / मुझे सभी खतरों से बचाइए, ताकि मैं आपको पुकार सकूँ : / 'हे कन्या वधू , आनन्दित हो, जिसने विवाह नहीं जाना!'*

***महिमा:** हमारे रक्षक सर्वोच्च सेनापति को / हमें भयानक विपत्तियों से बचाने के लिए / हम, आपके सेवक , आपको कृतज्ञतापूर्वक विजय के ये उत्सव अर्पित करते हैं , हे परमेश्वर की माता! / परन्तु आप, अजेय शक्ति की स्वामिनी , / हमें सभी खतरों से बचाइए, ताकि हम आप से पुकार कर कह सकें : / 'हे कन्या वधू , आनन्दित हो, जिसने विवाह नहीं किया!'

इकोस 1: स्वर्ग से एक महादूत भेजा गया / ईश्वर की माता से कहने के लिए: 'हे आनंदित !' / और, हे प्रभु , आपको देखकर , / उस अदेह पुकार में देहधारी होकर, वह चकित रह गया, / और खड़ा हो गया, और उनसे इस प्रकार पुकारने लगा:

हे वधू , जो कभी विवाह नहीं जानती, आनन्दित हो! / हे वधू , जो कभी विवाह नहीं जानती, आनन्दित हो!

हे वधू , आनंदित हो, क्योंकि तुमसे उद्धार का आह्वान होगा; / हे वधू , आनंदित हो, क्योंकि तुमसे हव्वा की आँसुओं से मुक्ति होगी।

हे मानव विचारों की पहुँच से परे ऊँचाई , आनंदित हो; / हे स्वर्गदूतों की दृष्टि के लिए भी अथाह गहराई, आनंदित हो।

हर्षित हो, क्योंकि तुम राजा का सिंहासन हो; / हर्षित हो, क्योंकि तुम उसे धारण करती हो जो सर्व को धारण करता है।

हर्षति हो, हे तारा जो सूर्य को प्रकट करती है ; / हर्षति हो, हे दव्यि अवतार की गर्भ।

हर्षति हो, क्योंकि तेरे द्वारा सृष्टि का नवीनीकरण होता है ; / हर्षति हो, क्योंकि तुझ में सृष्टकिर्ता एक शशिु बन जाता है।

हे कन्या वधू , आनंदति हो, जसिने ववािह का अनुभव नहीं कयिा।

कॉन्टाकयिन 2: पवत्रि कन्या , स्वयं को पवत्रिता में देखते हुए , / गब्रयिल से नडिर होकर कहती हैं : / 'आपके अजीब शब्द मेरी आत्मा को अस्वीकार्य लगते हैं ; / क्योंकि आप एक बनिा बीज के गर्भाधान से / एक बच्चे को जन्म देने की बात कैसे कर सकते हैं , यह कहते हुए : / अल्ल eluia!'

इकोस 2: अज्ञेय को जानने की चाह में , / कुँवारी ने रहस्य के सेवक को संबोधति करते हुए पुकारा : / 'एक पवत्रि गर्भ से , / पुत्र का जन्म कैसे संभव है ? मुझे बताओ।' / उसने भय के साथ उसे उत्तर दयिा, फरि भी इस प्रकार उद्घोष कयिा:

आनंदति हो, अकथनीय योजना के रहस्यों की सेवकिा ; आनंदति हो, उन कर्मों की नष्ठिा जो मौन की मांग करते हैं।

हे ख्रीस्त के चमत्कारों की आरंभकिा , आनन्दति हो; हे उनके वषिय में धर्मसद्धिान्तों की नींव , आनन्दति हो।

नमस्ते , स्वर्गीय सीढ़ी , जसि पर ईश्वर अवतरति हुए ; / नमस्ते , वह पुल जो पृथ्वी से स्वर्ग तक ले जाता है।

हे स्वर्गदूतों द्वारा अत्यधकि प्रशंसति चमत्कार , आनंदति हो; / हे राक्षसों की सबसे भयंकर पराजय, आनंदति हो।

हर्षति हो, हे जसिने वर्णनातीत रूप से प्रकाश को जन्म दयिा; / हर्षति हो, हे जसिने उसे जैसा था वैसा कसिी को प्रकट नहीं कयिा।

हर्षति हो, हे जो बुद्धमिानों की समझ से परे हो; / हर्षति हो, हे जो वश्विासयिों के मन को प्रकाशति करती हो।

एक अकाथस्टि के साथ ईश्वर की माता के लिए एक कैनन

हे कन्या वधू , आनंदति हो, जसिने ववािह को न जाना।

कॉन्टाकयिन 3: तब सर्वोच्च की शक्ति / उस पर छा गई जसिने गर्भधारण के समय ववािह का अनुभव नहीं कयिा था, / और उसकी फलदायी कोख / उद्धार की कटाई करने के इच्छुक सभी के लिए / एक मीठे खेत के समान प्रतीत हुई , / इस प्रकार गाते हुए : / अल्ल eluia!

इकोस 3: ईश्वर को ग्रहण करने वाली कोख वाली, / कुंवारी एलजिाबेथ के पास शीघ्र गईं ; / और उनके गर्भ में शशिु , उनका अभविादन सुनकर , / आनंदति हुआ , और कूदता हुआ , जैसे गीत में , ईश्वर की माता को पुकारा :

हे अक्षय अंकुर की शाखा, आनन्दति हो; / हे अमर फल के अंश , आनन्दति हो।

हे दयालु कृषक की संवर्धक , आनन्दति हो; / हे हमारे जीवन के बीजारोपक को जन्म देने वाली, आनन्दति हो।

हे क्षेत्र , जो करुणा की भरपूर फसल उगाता है , आनंदति हो; / हे मेज़ , जो प्रायश्चति की प्रचुरता धारण करती है , आनंदति हो।

हर्षति हो, क्योंकि आप हरी-भरी घास के मैदान को खलिाते हैं ; / हर्षति हो, क्योंकि आप आत्माओं के लिए एक शरण तैयार करते हैं।

खुश हो, मध्यस्थता की मधुर सुगंध ; / खुश हो, संपूर्ण जगत की मुक्ति।

मनुष्यों के प्रति ईश्वर की कृपा पर हर्षति हो; / ईश्वर के समक्ष मनुष्यों की निर्भीकता पर हर्षति हो।

हे कन्या वधू , आनन्द मनाओ, जसिने ववािह का अनुभव नहीं कयिा।

कॉन्टाकयिन 4: अपने मन में संदेहपूर्ण वचिारों के तूफ़ान के साथ, / पवित्र यूसुफ भ्रम में पड़ गया, / अववािहति आप पर नहिारते हुए , और संदेह करते हुए / कि आप, निर्दोष , ने अपनी पवित्रता का उल्लंघन कयिा है ; / लेकनि पवित्र आत्मा द्वारा

आपके गर्भधारण के बारे में जानकर, उसने पुकारा : / अल्ल eluia!

इकोस 4: चरवाहों ने स्वर्गदूतों को गाते सुना / मसीह के देह में आगमन के वषिय में , / और, अपने चरवाहे के पास दौड़ते हुए , / उन्होंने उन्हें नरि्दोष मेमने के रूप में देखा , / जो मरयिम के गर्भ में पोषति हुए ; / उनकी स्तुति करते हुए , उन्होंने पुकारा : /

हे मेम्ने और चरवाहे की माता, आनन्दति हो; / हे बुद्धमिान भेड़ों के झुंड , आनन्दति हो।

हे अतुलनीय रक्षा , आनन्दति हो; / हे स्वर्ग के द्वार खोलने वाली कुंजी , आनन्दति हो।

हर्षति होओ, क्योंकि जो कुछ स्वर्गीय है वह पृथ्वी के साथ आनन्दति होता है ; / हर्षति होओ, क्योंकि जो कुछ पृथ्वी का है वह स्वर्गों के साथ आनन्दति होता है।

प्रसन्न हो, प्रेरतिों के अनवरत होठों ; / प्रसन्न हो, शहीदों की अजेय धृष्टि।

आनन्दति हो, वशि्वास की दृढ़ नींव ; / आनन्दति हो, अनुग्रह का स्पष्ट ज्ञान।

हर्षति हो, क्योंकि तेरे द्वारा नरक उजागर हुआ है ; / हर्षति हो, क्योंकि तेरे द्वारा हमें महमिा के वस्त्र पहनाए गए हैं।

हे कन्या वधू , जसिने कभी ववािह नहीं जाना, आनंदति हो।

कॉन्टाकयिन 5: ईश्वर द्वारा चलाए गए तारे को देखकर , मगसि् / उसकी करिणों का अनुसरण कयिा / और, उसे दीपक के रूप में थामे , / उसके साथ शक्तशिाली राजा को खोजा; / और, अतुलनीय तक पहुँचकर , / उन्होंने आनंद मनाया, यह कहते हुए : / अल्ल eluia!

इकोस 5: खलदीययिों के पुत्रों ने कुँवारी की बाहों में , उसी को देखा जसिने अपने हाथ से मानवजाति की रचना की; और, उसमें प्रभु को पहचानकर—यद्यपि उसने एक सेवक का रूप धारण कयिा

था—वे उपहारों से उसका सम्मान करने और उसे धन्य घोषति करने के लिए शीघ्रता से आगे बढ़े :

हे कभी अस्त न होने वाले तारे की माता, आनन्दति हो; / हे रहस्यमय दनि के प्रभात , आनन्दति हो।

हे उस, जसिने छल की भट्टी को बुझा दयिा, आनन्दति हो; हे उस, जो त्रमिूर्त के रहस्यों के सेवकों को प्रकाशति करती है , आनन्दति हो।

हे आनंदति हो, जन्हिोंने अमानवीय अत्याचारी से उसकी शक्त छीन ली; / हे आनंदति हो, जन्हिोंने मानवता से प्रेम करने वाले प्रभु – मसीह – को प्रकट कयिा।

नमस्ते , जो क्रूर अनुष्ठानों से मुक्त देती हैं ; / नमस्ते , जो अशुद्ध कर्मों से मुक्त देती हैं।

हर्षति हो, हे जसिने अग्न की पूजा का अंत कयिा; / हर्षति हो, हे जो कामना की ज्वालाओं से मुक्त प्रदान करती है।

हे धन्य , जो वश्विासयिों को पवत्रिता की ओर ले जाते हो; / हे सभी पीढ़ियों के आनंद , आनंदति हो।

हे कन्या वधू , आनन्दति हो, जसिने कसिी ववािह को नहीं जाना।

कॉन्टाकयिन 6: दैवीय रूप से प्रेरति प्रचारक बनकर, मगि बैबलिोन लौट गए, / आपके बारे में भवष्यिवाणी को पूरा करते हुए , / और सभी को आप मसीहा के रूप में घोषति करते हुए , / उन्होंने हेरोद को एक बकवास करने वाले के रूप में पीछे छोड़ दयिा, / जो गीत नहीं जानता था: / अल्ल eluia!

इकोस 6: मस्रि में सत्य के प्रकाश से दमकते हुए , / आपने मथ्रिया के अंधकार को दूर कयिा; / हे उद्धारकर्ता , उसकी मूर्तयिाँ , / आपकी शक्त का सामना न कर सकीं , गरि पड़ीं , / और उनसे मुक्त हुए लोग परमेश्वर की माता से पुकार उठे :

हे मानव जात के पुनरुद्धार , आनन्दति हो; / हे दानवों के संहार , आनन्दति हो।

हे उस, जो झूठ के भ्रम पर वजियी हुआ , आनन्दति हो; / हे उस, जसिने मूर्तपिूजा की छल को उजागर कयिा, आनन्दति हो।

हे नरि्मम मस्रि के जल में डुबोने वाले सागर, हर्षति हो; / हे जीवन की लालसा रखने वालों की प्यास बुझाने वाले चट्टान , हर्षति हो।

हे अग्नि के स्तंभ , जो अंधकार में मार्गदर्शन करते हो, आनंदति हो; / हे संसार के आश्रय , जो बादलों से भी वशिाल है , आनंदति हो।

हर्षति हो, हे जसिने पोषण के लिए मानना को प्रतस्थिापति कयिा; / हर्षति हो, हे जो पवत्रि आनंदों की दासी है।

हर्षति हो, प्रतज्ञि़ा की भूमि; / हर्षति हो, दूध और शहद से बहने वाली भूमि।

हे कन्या वधू , आनन्दति हो, जसिने ववािह नहीं जाना।

कॉन्टाकयिन 7: जब समिीओन इस वर्तमान कपटी युग से / वदिा होने वाले थे , / आपको एक शशिु के रूप में उन्हें सौंपा गया, / फरि भी उन्होंने आपको पूर्ण परमेश्वर के रूप में पहचाना। / इसलिए वे आपकी अनुपम बुद्धि पर चकति हो गए, और पुकार उठे : / अल्ल eluia!

इकोस 7: एक अभूतपूर्व चमत्कार प्रकट हुआ है / सृष्टकिर्ता द्वारा , जो हम, अपनी सृष्टि के पास प्रकट हुए , / कुँवारी के गर्भ से बनिा बीज के उत्पन्न होकर / और उसे , जैसी वह थी, अक्षुण्ण रखकर, / ताकि इस चमत्कार को देखकर हम उसकी स्तुति गा सकें , पुकारते हुए :

हे अक्षय -पुष्प , हर्षति हो; / हे पवत्रिता के मुकुट , हर्षति हो।

हे जो पुनरुत्थान के तेज को प्रतबिंबिति करती हो, आनंदति हो; / हे जो स्वर्गदूतों का जीवन प्रकट करती हो, आनंदति हो।

हर्षति हो, हे सुन्दर फल देने वाले वृक्ष , जसिसे वश्विासी पोषति होते हैं ; / हर्षति हो, हे घनी छाया वाले वृक्ष , जसिके नीचे अनेक शरण पाते हैं।

हे आनंदति हो, जसिने अपने गर्भ में बंदयिों के उद्धारकर्ता को धारण कयिा; / हे आनंदति हो, जसिने खोए हुए लोगों के मार्गदर्शक को जन्म दयिा।

हे धर्मी न्यायाधीश की तृप्ति, आनंदति हो; / हे अनेक पापों की क्षमा, आनंदति हो।

हे नर्भिीकता से वंचतिों के लिए वस्त्र, आनंदति हो; / हे हर इच्छा से परे प्रेम, आनंदति हो।

हे कन्या वधू, आनन्दति हो, जसिने ववािह का अनुभव नहीं कयिा।

कॉन्टाकयिन 8: इस अद्भुत जन्म को देखकर, / आइए हम संसार से अलग हो जाएँ, / और अपने मन को स्वर्ग की ओर मोड़ें। / क्योंकि इसी लिए सर्वोच्च परमेश्वर / पृथ्वी पर एक दीन मनुष्य के रूप में प्रकट हुए, / उन लोगों को ऊँचाइयों पर खींचने की इच्छा से / जो उनसे पुकारते हैं : / अल्ल eluia!

इकोस 8: सब कुछ नम्नि लोकों में था, / और अनंत वचन ने स्वर्गीय लोकों में से कुछ भी नहीं छोड़ा; / क्योंकि एक दव्यि अवतरण हुआ, / फरि भी स्थान का परविर्तन नहीं, / और कुँवारी से जन्म, जसिने ईश्वर को ग्रहण कयिा, / जो हमसे ऐसे शब्द सुनता है :

हे अकल्पनीय ईश्वर के वास, आनन्दति हो; / हे पवत्रि रहस्य के द्वार, आनन्दति हो।

हे अवश्विासयिों के लिए संदेहास्पद समाचार, आनन्दति हो; / हे वश्विासयिों के लिए नस्संदेह स्तुति, आनन्दति हो।

हे सेरूबीम पर वरिाजमान के अति पवत्रि रथ, आनंदति हो; / हे सेराफमि पर वरिाजमान के अति सुन्दर नविास-स्थान, आनंदति हो।

हे जो वरिोधाभासों को एक साथ लाई, आनंदति हो; / हे जो कुँवारीपन और प्रसव को एकजुट करने वाली, आनंदति हो।

आनंद मनाओ, क्योंकि तुम्हारे द्वारा पापों का प्रायश्चित्ति हुआ है; / आनंद मनाओ, क्योंकि तुम्हारे द्वारा स्वर्ग का द्वार खुला है।

खुश हो, मसीह के राज्य की कुंजी ; / खुश हो, शाश्वत आशीर्वादों की आशा।

हे कन्या वधू , आनंदति हो, जसिने ववािह नहीं जाना।

कॉन्टाकयिन 9: संपूर्ण स्वर्गदूतों की दुनयिा आपके अवतार के महान कार्य से चकति रह गई / क्योंकि जसिे ईश्वर के रूप में , दव्यि प्रकाश से परे माना जाता है , / उसे उन्होंने सभी के लिए सुलभ एक मनुष्य के रूप में देखा , / जो हम में नविास करते थे / और सभी से सुनते थे : / अल्ल eluia!

इकोस 9: हे परमेश्वर की माता, हम आपके सामने वाक्पटु वक्ताओं को मानो आवाज़हीन मछलयिों के समान देखते हैं , / क्योंकि वे यह समझाने में असमर्थ हैं / कि आप कुंवारी कैसे रहीं और फरि भी प्रसव करने में सक्षम रहीं। / हम, तथापि, इस रहस्य पर आश्चर्यचकति होकर, वशि्वास के साथ उद्घोषणा करते हैं :

हे परमेश्वर की बुद्धि के पात्र , आनन्दति हो; / हे उनकी परमप्रसाद की कोष, आनन्दति हो।

खुश हो, हे जसिने दार्शनकिों को मूर्ख साबति कयिा; / खुश हो, हे जसिने वाक्पटु लोगों को मूर्ख साबति कयिा।

हर्ष मनाओ, क्योंकि चालाक वादववािदकारों को पराजति कर दयिा गया है ; / हर्ष मनाओ, क्योंकि कथाकार सूख गए हैं।

हर्ष मनाओ, हे जो एथेनयिों की जटलि योजनाओं को उजागर करते हो; / हर्ष मनाओ, हे जो मछुआरों के जालों को भरते हो।

हर्षति हो, हे जो अज्ञान की गहराइयों से बाहर नकिालता है ; / हर्षति हो, हे जो ज्ञान से अनेक को प्रकाशति करता है।

हे नौका, आनंदति हो जो मोक्ष की खोज करते हैं ; / हे बंदरगाह , आनंदति हो जो जीवन के समुद्र में नौकायन करते हैं।

हे कन्या वधू , जो कभी ववािह नहीं जानती, आनन्दति हो।

कॉन्टाकयिन 10: संसार को बचाने की इच्छा से , सभी का शासक / अपने वादे के अनुसार इसके पास आया; / और, एक चरवाहे के रूप

में , परमेश्वर के रूप में , / हमारे लिए वह एक मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ , ठीक हमारे जैसे ; / क्योंकि उसने समान को अपनी ओर बुलाया है , / वह, परमेश्वर के रूप में , सभी से सुनता है : / अल्ल eluia!

इकोस 10: हे परमेश्वर की कुँवारी माता, आप कुँवारियों के लिए एक दुर्ग हैं , / और उन सभी के लिए जो आप में शरण लेते हैं। / क्योंकि स्वर्ग और पृथ्वी के सृष्टकिर्ता ने , हे परम पवित्र , आपको गौरवान्वति कयिा है , / आपके गर्भ में नविास करके / और सभी को यह घोषणा करना सखिाकर:

खुशी मनाओ, कुँवारीपन के स्तंभ ; / खुश होओ, उद्धार के द्वार।

आनंदति हो, आध्यात्मकि नवीकरण की अगुआ ; / आनंदति हो, दविय अनुग्रह की प्रदायकिा।

हर्षति हो, क्योंकि तूने लज्जा में गर्भधारण कएि हुए लोगों को नया कयिा है ; / हर्षति हो, क्योंकि तूने बुद्धि से वंचति लोगों को प्रकाशति कयिा है।

हे वचिारों के भ्रष्टकर्ता का नाश करने वाली, आनंदति हो; / हे पवित्रता के बीजारोपक को जन्म देने वाली, आनंदति हो।

हर्षति हो, अनासक्त ववािह का धाम; / हर्षति हो, वशि्वासयिों को प्रभु से मलिाने वाली।

हे कुंवारी कन्याओं की सुन्दर पालनहार, आनंदति हो; / हे तुम , जो पवित्र आत्माओं को वधू के वस्त्र पहनाती हो, आनंदति हो।

हे कन्या वधू , आनंदति हो, जसिने ववािह का अनुभव नहीं कयिा।

कॉन्टाकयिन 11: हर स्तुति गीत कम पड़ता है , / आपकी प्रचुर दयाओं की भीड़ को समेटने का प्रयास करते हुए ; / क्योंकि यदि हम आपको, हे पवित्र राजा, / रेत के समान अनगनित गीत भी अर्पति करें , / तब भी हम उस के योग्य कुछ भी पूरा नहीं कर पाएँगे / जो आपने हमें दयिा है , हम जो आपको पुकारते हैं : / अल्ल eluia!

इकोस 11: हम पवत्रि कुँवारी में / एक प्रकाश -धारण करने वाली मशाल देखते हैं , / जो अंधकार में रहने वालों के लिए प्रकट हुई है ; / क्योंकि , अतुलनीय प्रकाश ( ) को प्रज्वलति करते हुए , / वह सभी को ईश्वर के ज्ञान की ओर ले जाती हैं , / भोर की भाँति , मन को प्रबुद्ध करते हुए , / और इस आह्वान से सम्मानति हैं :

आनंदति हो, आध्यात्मकि सूर्य की करिण; / आनंदति हो, उस प्रकाश की शोभा जो कभी अस्त नहीं होता।

हे आत्मा को प्रकाशति करने वाली बजिली, हर्षति हो; / हे शत्रुओं का संहार करने वाली गरज, हर्षति हो।

हर्षति हो, क्योंकि तुम एक तेजस्वी प्रकाश बखिेरती हो; / हर्षति हो, क्योंकि तुम प्रचुर जल की नदी बहाती हो।

हर्षति हो, जलपात्र में अंकति प्रतमिा ; / हर्षति हो, पाप के दाग को मटिाने वाली।

हर्षति हो, वह स्नान जो अंतरात्मा को शुद्ध करता है ; / हर्षति हो, वह प्याला जो आनंद से परपिूर्ण है।

खुश हो, मसीह की मधुर सुगंध ; / खुश हो, रहस्यमयी भोज का जीवन।

हे वधू , जसिने कभी ववािह नहीं जाना, आनंदति हो।

कॉन्टाकयिोन 12: अनुग्रह प्रदान करने और प्राचीन ऋणों की क्षमा की इच्छा से , सभी मानवजाति के क्षमाकर्ता स्वयं उन तक आए जो उनके अनुग्रह से भटक गए थे , और ऋणपत्र को फाड़कर , सभी से सुनते हैं : अल्ल eluia!

इकोस 12: आपके द्वारा मसीह के जन्म का गायन करते हुए , हम सभी आपको स्तुति करते हैं , हे परमेश्वर की माता, एक जीवति मंदरि के रूप में ; क्योंकि आपके गर्भ में वास करके , प्रभु , जो सभी चीजों को अपने हाथ में धारण करते हैं , ने आपको पवत्रि कयिा, आपको महमिामय कयिा और सभी को आपको पुकारना सखिाया:

हे परमेश्वर और वचन के नविास, आनन्दति हो; / हे महान परम पवत्रि स्थान , आनन्दति हो।

हे आत्मा से सुसज्जति कलश, आनंदति हो; / हे जीवन के अक्षय खजाने , आनंदति हो।

हे धर्मपरायण राजाओं के अनमोल मुकुट , हर्षति हो; / हे भक्तपिूर्ण पुरोहतिों की पवत्रि स्तुति , हर्षति हो।

खुशी मनाओ, कलीसयिा के अटूट कलि ; / खुशी मनाओ, राज्य की अभेद्य दीवार।

हर्षति हो, क्योंकि तेरे द्वारा वजिय-चन्हि ऊँचे उठाए जाते हैं ; / हर्षति हो, क्योंकि तेरे द्वारा शत्रु पराजति होते हैं।

खुश हो, मेरे शरीर के उपचार; / खुश हो, मेरी आत्मा के उद्धार।

हे कन्या वधू , आनन्दति हो, जसिने ववािह नहीं जाना।

कॉन्टाकयिन 13: हे सर्व -महमिामयी माता, / जन्हिोंने सभी संतों के परम पवत्रि वचन को जन्म दयिा! / इस वर्तमान भेंट को स्वीकार करते हुए , / सभी को हर वपित्ति से बचाएँ / और भवष्यि के दंड से मुक्त करें / जो एक साथ पुकारते हैं (आपको): / अल्ल eluia! **इस कॉन्टाकयिन को तीन बार दोहराएँ।**

तब पहला इकोस पढ़ा जाता है : स्वर्ग से एक स्वर्गदूत -दूत भेजा गया / ईश्वर की माता से यह कहने के लिए: 'हे आनंदति !' / और, हे प्रभु , आपको देखकर , / उस अदेह पुकार पर देहधारी होकर, वह चकति रह गया, / और खड़ा होकर, इस प्रकार उन्हें पुकारने लगा:

और पहला कोंडाक : तुझको , मेरी रक्षक और प्रधान सेनापति, / भयानक वपित्तयिों से मुक्ति के लिए, / मैं , तेरा नगर, हे परमेश्वर की माता, / कृतज्ञता में ये वजिय उत्सव स्थापति करता हूँ ! / परन्तु आप, अजेय शक्ति की स्वामनिी , / मुझे सभी खतरों से बचाइए, ताकि मैं आपको पुकार सकूँ : / 'हे कन्या , जसिने ववािह नहीं कयिा, आनन्दति हो!'*

***महमिा:** हमारे रक्षक सर्वोच्च सेनापति को / हमें भयानक वपित्तयिों से बचाने के लिए / हम, आपके सेवक , आपको ये वजिय उत्सव

कृतज्ञतापूर्वक अर्पति करते हैं , हे ईश्वर की माता! / परन्तु आप, जनिके पास अजेय शक्ति है , / हमें सभी खतरों से बचाएँ , ताकि हम आपसे पुकार सकें : / 'हे कन्या , जसिने वविाह नहीं कयिा, आनन्दति हो!'

भजन 7

इरमोस: धर्मनष्ठिों ने प्राणयिों को सृष्टकिर्ता से अधकि सम्मान नहीं दयिा, बल्कि उस आग पर बहादुरी से वजिय प्राप्त कर, जो उन्हें धमका रही थी, उन्होंने आनंदपूर्वक गाया: 'हमारे पूर्वजों के परम प्रशंसनीय प्रभु और परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

पुनरावर्तन : परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

हम तेरी स्तुति गाते हैं , पुकारते हुए : / 'हे आध्यात्मकि सूर्य की रथ, आनंदति हो; / हे सच्ची बेल , जसिने एक पका हुआ गुच्छा दयिा, / जो उस मदरिा को बहाती है जो आत्माओं को आनंदति करती है / उन लोगों की जो वश्विास के साथ तेरी महमिा करते हैं !'

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

तुमने जनिने समस्त मानवजाति के चकित्सिक को अपनी कोख में धारण कयिा, / हर्षति हो, हे परमेश्वर की वधू , / रहस्यमयी दण्ड , जसिसे अमरपुष्प प्रस्फुटति हुआ ; / हर्षति हो, हे सर्वोच्च देवी , जनिके द्वारा हम आनन्द से परपिूर्ण होते हैं , / और जीवन का उत्तराधकिार प्राप्त करते हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

हे सर्वोच्च रानी, कोई भी मानव जीभ / आपकी महमिा नहीं गा सकती, / क्योंकि आप सेराफमि से भी ऊपर उठाई गई हैं , / जनि्होंने अपने गर्भ में राजा मसीह को धारण कयिा; / उनसे प्रार्थना करें , कि जो भक्तपिूर्वक आपकी पूजा करते हैं / वे अब सभी संकटों से मुक्त हों।

महमिा: पृथ्वी के छोर तक के लोग तेरी स्तुति करते हैं , और तुझे धन्य कहते हैं , और प्रेम से तेरी ओर पुकारते हैं : 'हे शुद्ध एक, आनन्दति हो, हे वह पाण्डुलपिि जसिमें पति की

उँगली से वचन अंकति हुआ ; हे परमेश्वर की माता, उनसे वनिती कर कि तेरे दास जीवन की पुस्तक में अंकति हों !'

और अब: हम, आपके सेवक , आपसे वनिती करते हैं / और अपने हृदयों के घुटने टेकते हैं : / 'हे पवत्रि एक, अपना कान हमारी ओर झुकाओ , / और हमें बचाओ, जो दुखों से दबे हुए हैं , / और अपने नगर को हर शत्रु की बंधन से बचाओ, / हे परमेश्वर की माता!'

ओड 8

इरमोस: परमेश्वर की माता के पुत्र ने / भक्तमिान युवकों को भट्टी में बचाया: / तब एक पूर्वसंकेत के रूप में , अब एक वास्तवकिता के रूप में ; / वह संपूर्ण ब्रह्मांड को तुम्हें गीत गाने के लिए बुलाता है। / हे प्राणयिों , प्रभु का भजन करो, / और उसे युगानुयुग तक महमिान्वति करो!

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमें बचाइए।

आपने अपने गर्भ में वचन को ग्रहण कयिा, / उसको जन्म दयिा जो सर्व का वहन करता है , / और अपने दूध से उसको पोषति कयिा, जो अपनी एक इशारे से / सम्पूर्ण ब्रह्मांड को धारण करता है , हे पवत्रि एक। / हम उसी को गाते हैं : / 'हे सृष्टि के सब जीव, प्रभु का भजन करो, / और उसकी महमिा युगों -युगों तक करो!'

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

मोशे ने जलते हुए झाड़ी में / तुमसे मसीह के जन्म के महान रहस्य को पहचाना; / युवकों ने भी इसका सबसे स्पष्ट पूर्वाभास दयिा, / आग के बीच खड़े होकर, फरि भी उससे अछूते रहे , / हे नरि्दोष पवत्रि कुँवारी। / इसलिए हम तुम्हारे बारे में सदा-सदा गाते हैं !

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

एक बार छल से नग्न हो जाने पर, / हमें अक्षय जीवन के वस्त्र से सजाया गया, / जब आपने उसे अपनी कोख में धारण कयिा; / और, पाप के अंधकार में बैठे , / हमने प्रकाश को,

प्रकाश का धाम को देखा , हे कुँवारी। / इसलिए हम आपकी स्तुति सदैव और सर्वदा करते हैं !

महिमा: मृतकों को तेरे द्वारा जीवित किया जाता है , / क्योंकि तूने अपने गर्भ में अवतारित जीवन को धारण किया; / जो एक समय मूक थे वे स्पष्ट रूप से बोलने लगते हैं , / कोढ़ी शुद्ध हो जाते हैं , दुर्बलताएँ दूर हो जाती हैं , / आकाशीय आत्माओं की भीड़ पराजित हो जाती है , / हे कुँवारी , नश्वर प्राणियों के उद्धार।

और अब: हे तू जिसने संसार को उद्धार दिया है , / जिसके द्वारा हम पृथ्वी से उठाकर ऊँचाइयों पर पहुँचाए गए हैं , / आनंदित हो, सर्व -धन्य , हमारी ढाल और दुर्ग , / हे पवित्र , गायकों के लिए दीवार और किला: / 'हे सृष्टि के सब जीव, प्रभु का भजन गाओ, / और सदा-सदा उसकी महिमा करो!'

स्तोत्र 9

इरमोस: पृथ्वी पर जन्मी हर आत्मा आनंदित हो, पवित्र आत्मा से प्रकाशित ; अदेह बुद्धियों का स्वभाव भी हर्षित हो, जब वे ईश्वर माता के पवित्र उत्सव का सम्मान करते हैं , और वे पुकार उठें : 'हे सर्वधन्य , हे शुद्ध ईश्वर माता, सदा कुंवारी , आनंदित हो!'

पुनरावर्तन : हे परम पवित्र परमेश्वरी माता, हमारा उद्धार करो।

ताकि हम, विश्वासियों , तुझसे पुकारें : 'हे आनंदित ', / क्योंकि हम तेरे द्वारा अनंत आनंद के सहभागी बने हैं , / हमें प्रलोभन से , परदेस में बंदी होने से , / और हर दूसरी विपत्ति से बचा, / जो, हे कुँवारी , / पापी लोगों पर उनके अनेक पापों के कारण आती है।

पुनरावर्तन : हे परम पवित्र ईश्वर की माता, हमारा उद्धार करें।

आप हमारे प्रकाश और हमारी शक्ति के रूप में प्रकट हुई हैं , / इसलिए हम आपसे पुकारते हैं : / 'हे कभी न अस्त होने वाले तारे , आनंदित हो, / जो महान सूर्य को संसार में लाई; / हे पवित्र एक, आनंदित हो, जिसने बंद एडेन का बगीचा खोला; / हे

अग्नि के स्तंभ , आनंदति हो, / जो मानव जाति को ऊपर के जीवन में ले जाती हैं !'

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमें बचाओ।

आओ हम श्रद्धापूर्वक खड़े हों / हमारे परमेश्वर के भवन में और उद्घोषणा करें : / 'हे संसार की स्वामिनी , आनंदति हो, / हे मरियम, हम सब की मालकिन, आनंदति हो; / हे स्त्रियों में एकमात्र , जो निर्दोष और सुंदर है , आनंदति हो; / हे पात्र , जिसने अपने ऊपर प्रवाहित अक्षय अनुग्रह को ग्रहण किया, आनंदति हो।

महिमा: हे कबूतर , जिन्होंने दयालु को जन्म दिया, / आनंदति हो, सदा कुंवारी , / आनंदति हो, सभी संतों की स्तुति , / तपस्वियों का मुकुट ; / आनंदति हो, सभी धर्मी लोगों की दिव्य शोभा, / और हम विश्वासियों के लिए उद्धार।

और अब: हे ईश्वर , अपनी विरासत पर दया करें , / अब हमारे सभी पापों को अनदेखा करते हुए , / क्योंकि हमारे लिए एक मध्यस्थ है , / जिसने पृथ्वी पर बिना बीज के आपको अपनी कोख में धारण किया, / हे मसीह, जिन्होंने अपनी महान दया में , यह ग्रहण किया / (मानवीय) स्वरूप / जो पहले आपके लिए अपरिचित था।

एक्सापोस्टलिरियन

हर्षित होकर आनंद मनाओ, आनंद से गीत गाओ: / अब नाज़रेथ नगर में महादूत गब्रियल कुँवारी के समक्ष प्रकट हुए / आनंद लाते हुए , सुसमाचार का आनंद : / 'हे पवित्र और निर्मल , हे जगत की रक्षक , आनंदित हो, / हे स्वर्गीय सिंहासन , आनंदित हो!'

ईश्वर की परम पवित्र माता को प्रार्थना

हे सर्व -धन्य और सर्वशक्तिमान परम पवित्र देवी , परमेश्वर की माता, कृपया हम, आपके अयोग्य सेवकों , जो सभी पीढ़ियों में चुने गए हैं और सभी स्वर्गीय और सांसारिक प्राणियों में सर्वोच्च के रूप में प्रकट हुए हैं , से ये

कीमती उपहार स्वीकार करें , जो केवल आपके ही योग्य हैं ! क्योंकि तेरे द्वारा सेनाओं का प्रभु अब हमारे साथ है , और तेरे द्वारा हम परमेश्वर के पुत्र को जान गए हैं और हमें उसके पवित्र शरीर और उसके अतिपवित्र रक्त का पात्र ठहराया गया है। अतः , तू सभी पीढ़ियों में धन्य है , जिसने परमेश्वर में आनंद प्राप्त किया है , केरूबीम से भी अधिक तेजस्वी और सेराफिम से भी अधिक सम्मानित। और अब, सर्व -स्तुत्य परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हम अपने अयोग्य सेवकों के लिए प्रार्थना करना न छोड़ें , कि हम हर बुरी युक्ति और हर विपत्ति से छुड़ाए जाएँ , और शैतान के हर विषैले आक्रमण से सुरक्षित रहें। किंतु हे सर्व -प्रशंसित परम पवित्र ईश्वर की माता, अपनी प्रार्थनाओं द्वारा हमें अन्त तक दण्ड से मुक्त रखिए, ताकि आपकी मध्यस्थता और सहायता से उद्धार पाकर, हम त्रिमूर्ति में एक ईश्वर और सर्व के सृष्टिकर्ता को सर्व महिमा, स्तुति , धन्यवाद और आराधना अर्पित कर सकें , अब और सदा के लिए और युगों -युगों तक। आमीन।

एक और प्रार्थना

हे परम पवित्र माता, ईश्वर की माता! आप सभी स्वर्गदूतों और महादूतों से ऊपर उत्थित हैं , और सभी सृष्टि से अधिक सम्मानित हैं : उत्पीड़ितों की सहायक, निराशों की आशा, गरीबों की पैरवी करने वाली, दुखी लोगों का सांत्वना देने वाली, भूखों का पोषण करने वाली, नंगों को वस्त्र प्रदान करने वाली, बीमारों के लिए उपचार, पापियों के लिए उद्धार , और सभी ईसाइयों के लिए सहायता और सुरक्षा। हे सर्व -दयालु माता, हे परमेश्वर की कुँवारी माता, हे सर्वोच्च ! अपनी दया से , अपने सेवकों , अति पवित्र ऑर्थोडॉक्स पैट्रिआर्कों , और अति आदरणीय मेट्रोपॉलिटिन्स , आर्चबिशप्स और बिशप्स , तथा संपूर्ण पुरोहित वर्ग और मठवासी समुदाय को बचाओ और उन पर दया करो। हे माता, हमारे ईश्वर -रक्षित रूसी भू -भाग, इसके लोगों और सभी सत्ताधारियों , सैन्य कमांडरों , नगर प्रांतों और संपूर्ण सेना , और जो भलाई करते हैं , उन पर कृपा करें और उनकी रक्षा

करें , तथा सभी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों की रक्षा अपने पवित्र आवरण से करें। और विनती करो, हे माता, हमारे प्रभु मसीह से , जो बिना बीज के तुमसे अवतार धारण हुए , कि वे हमें अपनी दिव्य शक्ति से हमारे अदृश्य और दृश्य शत्रुओं के विरुद्ध सुसज्जित करें। हे सर्व -दयामयी माता, परमेश्वर की सर्वोच्च माता! हमें पाप की गहराई से ऊपर उठाओ और हमें अकाल, महामारी, भूकंप और बाढ़ , आग और तलवार, विदेशी राष्ट्रों के आक्रमण और गृह युद्ध , और अचानक मृत्यु , और शत्रु के आक्रमण , और विनाशकारी हवाओं , और घातक महामारियों , और हर बुराई से बचाओ। हे माता, अपने सेवकों , सभी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को शांति और स्वास्थ्य प्रदान करें , और उनके उद्धार के लिए उनके मन और हृदय की आँखों को प्रबुद्ध करें , और हम, आपके पापी सेवकों को, आपके पुत्र , हमारे ईश्वर मसीह के राज्य के योग्य बनाएं। क्योंकि उनका राज्य धन्य और महिमामय है , उनके पिता के साथ जो अनारंभ हैं , और उनके सर्व -पवित्र , शुभ और जीवन-प्रद आत्मा के साथ, अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

प्रार्थना कैनन
परमेश्वर की अतिपवित्र माता को।
(आध्यात्मिक दुख और प्रतिकूल परिस्थितियों के समय में गाया जाए)
मठाधीश थियोस्ट्रिक्स्ट द्वारा रचित

परमेश्वर की अतिपवित्र माता के लिए ट्रॉपारियन , स्वर 4

आओ, हम अब ईश्वर की माता की शरण में सच्चे मन से चलें , हम पापी और दीन, और उनके समक्ष नतमस्तक हो जाएँ , अपने प्राणों की गहराई से पश्चाताप करते हुए पुकारते हुए : 'हे माता, हम पर दया करो, हमारी सहायता करो, हमारे उद्धार के लिए शीघ्र आओ, क्योंकि हम अपने अनेक पापों के कारण नाश हो रहे हैं !' / अपने दासों को खाली हाथ न लौटाओ: / क्योंकि केवल तुममें ही हमारी आशा है !' (दो बार)

महिमा, और अब: हे परमेश्वर की माता, हम अयोग्य होते हुए भी, / तेरी महिमा का प्रचार करना कभी न छोड़ें , / क्योंकि यदि तू अपनी प्रार्थनाओं से हमारी रक्षा न करती, / तो हमें इतनी विपत्तियों से कौन बचाता, / और आज तक हमें सुरक्षित कैसे रखता? / हे देवी , हम आपसे कभी विमुख नहीं होंगे , / क्योंकि आप हमेशा अपने सेवकों को सभी विपत्तियों से बचाती हैं।

परमेश्वर की अतिपवित्र माता के लिए कैनन , स्वर 8।
ओड 1

इरमोस: जल पर सूखी भूमि के समान चलकर, / और मिस्र के भ्रष्टाचार से बचकर, / इस्राएली ने पुकारा : / 'आओ हम अपने उद्धारकर्ता और अपने ईश्वर के लिए गीत गाएँ !'

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

अनेक प्रलोभनों से पीड़ित, / मैं मोक्ष की आशा में तेरा शरण लेता हूँ। / हे वचन की माता और कुँवारी, / मुझे कष्टों और विपत्तियों से उबार!

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

वासनाओं के आक्रमण मुझे परेशान करते हैं, / मेरी आत्मा को गहरी निराशा से भर देते हैं। / हे सर्व-पवित्र, इसे शांत करो, / अपने पुत्र और ईश्वर की शांति से।

महिमा: हे माता, जिन्होंने उद्धारकर्ता और ईश्वर को जन्म दिया, मैं आपसे विपत्तियों से मुक्ति की याचना करता हूँ; क्योंकि अब, हे कुँवारी माता, मैं अपनी आत्मा और अपने विचारों को आप पर अर्पित करता हूँ।

और अब: हे देह और आत्मा से पीड़ित मुझे अनुग्रह प्रदान करो, हे परमेश्वर की एकमात्र माता, दिव्य दर्शन की कृपा और अपनी देखभाल, हे शुभ और धन्य माता।

स्तोत्र 3

इरमोस: हे प्रभु, स्वर्गीय गुंबद के स्रष्टा, / और कलीसिया के निर्माता, / मुझे अपने प्रेम में दृढ़ बनाओ, / जो सभी इच्छाओं की पूर्ति, विश्वासियों की पुष्टि, / मानवजाति के एकमात्र प्रेमी हैं।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे परमेश्वर की माता, हे कुँवारी, मैं आपको अपने जीवन की रक्षा और आश्रय मानता हूँ। मुझे एक नाविक की तरह अपने बंदरगाह तक ले चलिए, हे सभी भलाई का स्रोत, विश्वासियों की शक्ति, हे जिसकी सभी स्तुति करते हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

हे कुँवारी, मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप मेरी आत्मा के क्लेश / और मेरी निराशा के तूफ़ान को दूर करें — / क्योंकि आपने, हे परमेश्वर की वधू, गर्भ धारण किया / मसीह, शांति के राजकुमार, / जो सर्व-शुद्ध हैं।

महिमा: हे जो परोपकारी, सर्व -सद्गुणों के स्रोत को जन्म देने वाली हो, / सभी पर आशीर्वादों का भंडार बरसाओ, / क्योंकि तुम सब कुछ कर सकती हो, / शक्तिशाली प्रभु मसीह को जन्म देने वाली, / परमेश्वर में धन्य।

और अब: मुझ पर, जो भयानक रोगों / और पीड़ादायक कष्टों से पीड़ित हूँ , / हे कुँवारी , मेरी सहायता करो, / क्योंकि मैं तुम्हें , हे सर्व -पवित्र , उपचारों की अक्षय , अटूट / कोष के रूप में जानता हूँ।

हे परमेश्वर की माता, अपने सेवकों को उनके दुखों से बचाओ, / क्योंकि हम सभी परमेश्वर के बाद आपकी ओर मुड़ते हैं , / एक अटूट दीवार और मध्यस्थ के रूप में।

हे सर्व -स्तुत्य ईश्वर माता, कृपा दृष्टि से देखो / मेरे शरीर की गंभीर पीड़ा पर / और मेरी आत्मा के दुख को दूर करो।

ट्रोपारयिन , स्वर 2

उत्कट मध्यस्थ और अजेय दीवार, / दया का स्रोत , संसार का आश्रय ! / हम आपसे विनम्रतापूर्वक पुकारते हैं : / 'हे परमेश्वर की माता, सर्वशक्तिमान , शीघ्रता करें / और हमें हमारे कष्टों से बचाएँ , / हमारी एकमात्र शीघ्र मध्यस्थ !'

भजन 4

इरमोस: हे प्रभु , मैंने सुना है , / तेरी परमप्रबन्ध की रहस्यमयता के विषय में , / मैंने तेरे कार्यों को समझा है , / और मैंने तेरी दिव्यता की महिमा की है।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

मेरे वासनाओं के उथल-पुथल को शांत करो, हे प्रभु के जन्मदाता , नावकि, और मेरे पापों के तूफान को, हे ईश्वर की वधू।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

मुझे अपनी दया की गहराई प्रदान करें , हे उस परमेश्वर की माता जिन्होंने दयालु और उन सभी के उद्धारकर्ता को जन्म

दिया, जो आपकी स्तुति करते हैं , जब मैं सहायता के लिए पुकारता हूँ।

पुनरावृत्ति हे सर्व -पवित्र , जब हम तेरी दातों पर आनंदित होते हैं , हम कृतज्ञता का गीत गाते हैं , हे ईश्वर की माता, तुझे जानकर।

महिमा: (जब मैं अपनी बीमारी के बिस्तर पर पड़ा हूँ / अपनी दुर्बलता में , / मेरी सहायता करो, हे ईश्वर की माता, जो भलाई से प्रेम करती हो, / हे सदा कुंवारी।)

और अब: हे सर्व -महिमामयी, / आपको अपनी आशा, अपनी शक्ति, / और उद्धार का अटूट किला मानकर, / हम हर क्लेश से मुक्त हो जाते हैं।

ओद 5

इरमोस: हे प्रभु , हमें अपने आज्ञाओं से प्रकाशित करो, / और अपनी उठाई हुई भुजा से / हे मानवजाति के प्रेमी , हमें अपनी शांति प्रदान करो।

पुनरावृत्ति : परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हे पवित्र एक, मेरे हृदय को आनंद से भर दो, / अपनी निर्मल आनंद प्रदान करते हुए , / तुम जिन्होंने सभी आनंद के स्रोत को जन्म दिया।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

हे परमेश्वर की पवित्र माता, हमें विपत्ति से बचाओ, / जिन्होंने शाश्वत मोक्ष को जन्म दिया / और सर्व समझ से परे शांति को।

महिमा: मेरी पापों के अंधकार को दूर करो, हे परमेश्वर की वधू , / अपने तेज के प्रकाश से , / हे जिन्होंने दिव्य और शाश्वत प्रकाश को जन्म दिया।

और अब: हे पवित्र एक, मेरी आत्मा की दुर्बलता को चंगा करो, / कृपा करके मुझ पर दया करो, / और अपनी मध्यस्थता से मुझे स्वास्थ्य प्रदान करो।

प्रार्थना का नियम

भजन 6

इरमोस: मैं प्रभु के समक्ष अपनी प्रार्थना अर्पित करूँगा / और उसे अपनी व्यथाएँ सुनाऊँगा , / क्योंकि मेरी आत्मा दुष्टता से भर गई है / और मेरा जीवन पाताल के समीप आ गया है , / और मैं योंना की तरह प्रार्थना करता हूँ : / 'हे ईश्वर , मुझे विनाश से बचा!'

पुनरावृत्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

जिसने हमें मृत्यु और क्षय से बचाया, / स्वयं को मृत्यु के हवाले करके , / मेरी प्रकृति , जो मृत्यु और क्षय में लिपटी है , / – हे प्रभु और आपके पुत्र – हे कुँवारी , विनती करें / कि वह मुझे मेरे शत्रुओं की दुष्टता से बचाए।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

मैं आपको जीवन की रक्षिका , / और हे कुँवारी , सबसे विश्वासयोग्य संरक्षक के रूप में जानता हूँ , / जो प्रलोभनों की भीड़ को दूर करती हैं , / और दुष्टात्माओं की दुष्टता को भगाती हैं ; / और मैं आपसे हमेशा विनती करता हूँ / कि मुझे मेरे विनाशकारी भावों से बचाएँ।

महिमा: हम तुम्हें शरण की दीवार मानते हैं , / और हमारी आत्माओं का पूर्ण उद्धार , / और हमारे दुखों में सांत्वना , हे कुँवारी , / और तेरी ज्योति में हम सदा आनंदित होते हैं। / और अब, हे सर्वोच्च देवी , / हमें वासनाओं और विपत्तियों से बचाओ।

और अब: मैं अब अपनी बिस्तर पर दुर्बलता में पड़ा हूँ , / और मेरे शरीर के लिए कोई उपचार नहीं है ; / परन्तु आपसे , हे शुभ जन, जिन्होंने संसार के उद्धारकर्ता , परमेश्वर को जन्म दिया, / और दुर्बलताओं से मुक्तिदाता , / मैं प्रार्थना करता हूँ : / मुझे इन घातक बीमारियों से उठाइए!

कॉन्टाकयिन , स्वर 6

ईसाइयों के लिए एक नश्चिति रक्षा , / सृष्टकिर्ता के समक्ष एक अनवरत मध्यस्थता ! / पापयिों की प्रार्थनापूर्ण आवाज़ों को तरिस्कार न करें , / परन्तु हे धन्य माता, शीघ्रता से हमारी सहायता के लिए आओ, / क्योंकि हम वश्विास के साथ आपको पुकारते हैं : / 'अपनी मध्यस्थता के साथ शीघ्रता करो और अपनी प्रार्थना को शीघ्र करो, हे परमेश्वर की माता, / जो आपको सम्मान देते हैं , उनकी सदैव रक्षा करो!'

|इकोस

अपने हाथ फैलाओ , / जनिमें तूने सर्व के प्रभु को एक शशिु के रूप में धारण कयिा था; / अपनी असीम दया से , हमें न छोड़ो , / हम जो सदा तुझ पर आशा रखते हैं। / अपनी अनवरत प्रार्थना / और अपनी अतुलनीय सहनशीलता से , हम पर दया करो, / और अपनी दया हमारे आत्माओं पर दखिाओ, / और हमें सदा के लिए उस दया से परपिूर्ण कर दो। / क्योंकि हम पापयिों के लिए आप एक रक्षक हैं , / उन वपित्तयिों और बुराइयों से जो हम पर आती हैं। / परन्तु , अनुग्रह और करुणा से परपिूर्ण होकर, / मध्यस्थता करने में शीघ्रता करें और अपनी वनिती को तेज करें , हे परमेश्वर की माता, / उन सभी की रक्षा करते हुए जो आपका सम्मान करते हैं !|*

एक और कोंटाकयिन , उसी स्वर में

हमारे पास कोई और मदद नहीं है , / हमारे पास कोई और आशा नहीं है , / सवािय आपके , हे सर्वोच्च देवी। / हमारी मदद करो: / हम आप में अपनी आशा रखते हैं / और आप में हम गौरवान्वति होते हैं , / क्योंकि हम आपके सेवक हैं ; / हमें लज्जति न होना पड़े !

प्रार्थना का नियम

स्टचिरा , उसी स्वर में

हे परम पवित्र माता, मुझे मानवीय मध्यस्थता के भरोसे न छोड़िए , परन्तु अपने सेवक की प्रार्थना स्वीकार कीजिए: क्योंकि दुख ने मुझे घेर लिया है , मैं दानवों द्वारा छोड़े गए बाणों को सहन नहीं कर सकता; मेरे पास कोई रक्षा नहीं है और न ही कोई सहारा, मैं दीन हूँ , चारों ओर से घिरा हुआ हूँ और मुझे आप के सिवा कोई सांत्वना नहीं। / हे जगत की रानी, विश्वासियों की आशा और मध्यस्थ , / मेरी प्रार्थना को तिरस्कृत न करो; मुझे वही प्रदान करो जो मेरे हित में हो!

भजन 7

इरमोस: जो युवक यहूदिया से आए थे / एक बार बेबीलोन में / त्रिमूर्ति में अपने विश्वास से उन्होंने भट्टी की लपटों को रौंदा , गाते हुए : / 'हे हमारे पुरखों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हमारे उद्धार के लिए इच्छुक होकर, / हे उद्धारकर्ता , आप कुँवारी के गर्भ में निवास किए, / जिन्हें आपने संसार की संरक्षक के रूप में प्रकट किया। / हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे पवित्र माता, जिन्होंने उसको जन्म दिया / जो दया से प्रेम करता है , / मध्यस्थता करो कि हम अपने पापों से / और आत्मा के कलंकों से मुक्त हो सकें , / हम जो विश्वास में पुकारते हैं : / 'हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

महिमा: आपने उन्हें , जिसने आपको जन्म दिया, / उद्धार का भांडार / और अमरत्व का स्रोत / और एक सुरक्षित किला, / और पश्चाताप का द्वार घोषित किया है , / उन लोगों के लिए जो पुकारते हैं : / 'हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

और अब: हे ईश्वर की माता, / कृपा करके उन लोगों की / शरीर की दुर्बलताओं और आत्मा की व्याधियों को चंगा करें / जो प्रेम से / आपकी दिव्य सुरक्षा में आते हैं , / आप जिन्होंने हमारे उद्धारकर्ता मसीह को जन्म दिया।

ओद 8

इरमोस: स्वर्ग का राजा, / जिसकी स्तुति स्वर्गदूतों की सेना करती है , / उसकी स्तुति करो और उसकी महिमा करो / युगों - युगों तक।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे कुंवारी , जो आपकी सहायता चाहते हैं , उनकी अवहेलना न करें , / जो आपके बारे में गाते हैं , हे कन्या , / और आपको सदा-सर्वदा महिमान्विति करते हैं।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे कुँवारी , तुम मेरी आत्मा की दुर्बलताओं और शारीरिक कष्टों को चंगा करती हो, ताकि मैं तुम्हारी महिमा कर सकूँ , हे अनुग्रह से परिपूर्ण , (सदैव और सर्वदा)।

महिमा: हे कुँवारी , तुम विश्वास के साथ तुम्हारा भजन करने वालों पर / और तुम्हारे द्वारा मसीह के अकल्पनीय / जन्म की महिमा करने वालों पर भरपूर चंगाई बरसाती हो।

और अब: हे कन्या , तू परीक्षा के आक्रमणों / और वासनाओं के हमलों को दूर करती है , / इसलिए हम तेरा / युगानुयुग गुणगान करते हैं।

भजन 9

इरमोस: हम सचमुच स्वीकार करते हैं कि आप परमेश्वर की माता हैं / हम जो आपकी कृपा से उद्धार पाए हैं , हे पवित्र कुंवारी , / जब हम आपको अदेह प्राणियों की सेनाओं के साथ महिमामय करते हैं।

पुनरुक्ति : परम पवित्र ईश्वर माता, हमें बचाओ।

मेरे आँसुओं की बाढ़ को अस्वीकार न करो, हे कुँवारी जिसने मसीह को जन्म दिया, जिसने हर चेहरे से हर आँसू पोंछा है।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे कुँवारी , मेरे हृदय को आनन्द से भर दो, / जिन्होंने आनन्द की परिपूर्णता ग्रहण की, / और जिन्होंने पाप के शोक को नष्ट कर दिया।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हमारे लिए शरण और रक्षा बनो, / हे कुँवारी , जो तेरे पास आते हैं , / और एक अटूट दीवार, / और एक शरण, और एक ढाल, और आनंद।

महिमा: हे कुँवारी , अपनी ज्योति की किरणों से हम पर चमको, / अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हुए , / उन लोगों के लिए जो भक्तिपूर्वक स्वीकार करते हैं / आपको ईश्वर की माता के रूप में।

और अब: हे कुँवारी , उन लोगों को चंगा कर, / जिन्होंने बीमारी के कष्ट में स्वयं को नम्र किया है , / और उनकी दुर्बलता को स्वास्थ्य में बदल दे।

स्टिचिरा , स्वर 2

आओ हम स्तोत्रों के साथ संसार के स्वामी का सम्मान करें , / जो स्वर्गों से भी ऊँचे हैं / और सूर्य की किरणों से भी अधिक शुद्ध हैं , / और जिन्होंने हमें शाप से मुक्ति दिलाई है।

मेरे अनेक पापों के कारण, / मेरा शरीर दुर्बल है , / और मेरी आत्मा भी दुर्बल है। / हे अनुग्रह से परिपूर्ण , मैं आपकी शरण लेता हूँ : / निराशों की आशा, / मेरी सहायता करो!

मुक्तिदाता की स्वामिनी और माता! / अपने अयोग्य सेवकों की याचनाओं को स्वीकार करें / हमारे लिए आपके द्वारा जन्म

लिए हुए के समक्ष आपके मध्यस्थता हेतु। / हे संसार की स्वामिनी , हमारी मध्यस्थ के रूप में खड़ी रहें !

अब हम पूरे हृदय से / हे सर्व -स्तुत्य ईश्वर की माता, आपके लिए एक आनंदमय भजन गाते हैं : / अग्रदूत और सभी संतों के साथ मिलकर, / हे ईश्वर की माता, हमारे लिए दया की प्रार्थना करें।

[अधर्मी लोगों के मुख बंद हों , / जो तेरी पूजनीय प्रतिमा की पूजा नहीं करते , / जो परम पवित्र प्रेरित लूकस द्वारा चित्रित है , / ओडिगिट्रिया।]

सभी स्वर्गदूतों की सेनाएँ , / प्रभु के अग्रदूत , / बारह प्रेरित , सभी संत / ईश्वर की माता के साथ मिलकर / हमारे उद्धार के लिए मध्यस्थता करें !

ईश्वर की परम पवित्र माता को प्रार्थनाएँ *

हे अति दयामयी रानी, हे मेरी आशा, हे परमेश्वर की माता, अनाथों के सहारा और यात्रियों की रक्षक , दुखियों के आनंद , अन्यायग्रस्तों की संरक्षक ! आप मेरी पीड़ा देखती हैं , आप मेरा दुख देखती हैं ; एक दुर्बल के समान मेरी सहायता करें , एक यात्री के समान मेरा मार्गदर्शन करें। आप जानती हैं कि मुझ पर क्या अन्याय हुआ है : इसे अपनी इच्छा के अनुसार सुलझाइए। क्योंकि मुझे आप के सिवाय कोई और सहायक नहीं है , कोई और रक्षक नहीं है , कोई और दयालु सांत्वना देने वाली नहीं है – केवल आप, हे परमेश्वर की माता: आप मुझे हमेशा के लिए सुरक्षित रखें और मेरी रक्षा करें। आमीन।

हे माता, मैं किससे पुकारूँ ? हे स्वर्ग की रानी, मैं अपनी दुख में किसकी ओर मुड़ूँ , यदि आपसे नहीं ? हे निर्मला माता, जो ईसाइयों की आशा और हम पापियों का आश्रय हैं , मेरी रुदन और आहों को कृपापूर्वक कौन स्वीकार करेगा , यदि आप नहीं ? मुसीबत के समय मुझसे बेहतर आपकी रक्षा कौन कर सकता है ? तो फिर, मेरी कराह सुनिए और मेरी ओर अपना कान लगाइए, हे माता, मेरे ईश्वर की माता; और मुझ पर तिरिस्कार न कीजिए, जिसे आपकी

मदद की ज़रूरत है , और न ही मुझे , एक पापी को, दूर कर दीजिए। हे स्वर्ग की रानी, मुझे ज्ञान दीजिए और मेरा मार्गदर्शन कीजिए; हे माता, मेरी शिकायतों के कारण मुझसे , अपनी दासी से , मुंह न मोड़ें , बल्कि मेरे लिए एक माता और मध्यस्थ बनें। मैं स्वयं को आपके दयालु संरक्षण को सौंपता हूँ : मुझे , एक पापी को, एक शांतिपूर्ण और सुकून भरे जीवन की ओर ले जाएँ , ताकि मैं अपने पापों पर रो सकूँ। क्योंकि एक पापी मैं , आप के सिवाय और किसकी ओर मुड़ूँ , जो पापियों की आशा और शरणस्थली हैं , और आपकी अकथनीय दया और उदारता की आशा से समर्थित हूँ ? हे सर्वशक्तिमान देवी , स्वर्ग की रानी! आप मेरी आशा और शरणस्थली , मेरा आश्रय और मध्यस्थता , और मेरी सहायता हैं। हे अति दयालु रानी और शीघ्र सहायिका! अपनी अी मध्यस्थता से मेरे पापों को ढक दीजिए, मुझे दृश्य और अदृश्य शत्रुओं से बचाइए; मेरे विरुद्ध उठने वालों के कठोर हृदयों को कोमल कर दीजिए। हे प्रभु की माता, मेरे स्रष्टा ! आप कुँवारीपन की जड़ और पवित्रता के अमर पुष्प हैं। हे परमेश्वर की माता! मुझे अपनी सहायता प्रदान करें , क्योंकि मैं सांसारिक वासनाओं से कमज़ोर हूँ और मेरा हृदय व्याकुल है ; क्योंकि मेरा एक ही रक्षक है —आप और आपके साथ आपका पुत्र ; और हे निर्मल और परम महिमामय ईश्वर की माता मरियम, मुझे आपकी अद्भुत मध्यस्थता से हर विपत्ति और दुर्भाग्य से मुक्ति मिले। इसलिए, आशा के साथ, मैं उद्घोषणा करता हूँ और पुकारता हूँ : 'हे अनुग्रह से परिपूर्ण , नमस्ते ! हे आनंदमयी , नमस्ते ! हे अति धन्य , प्रभु तुझ में हैं , नमस्ते !'

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

पवित्र और जीवन-प्रदायक क्रूस के लिए कैनन

क्रूस के लिए ट्रॉपारियन , स्वर 1

हे प्रभु , अपने लोगों को बचा / और अपनी विरासत को धन्य बना, / विदेशी राष्ट्रों पर ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों * को विजय प्रदान करते हुए / और अपने लोगों को अपने क्रूस के द्वारा संरक्षित कर।

*ग्रीक : राजा

कैनन।
सिनाई के ग्रेगरी द्वारा रचित। स्वर 4।
गीत 1

इरमोस: मैं अपना मुख खोलूँगा , / और वह आत्मा से भर जाएगा; / और मैं रानी और माता से बात करूँगा , / और मैं आनंद से दीप्तिमान होकर प्रकट होऊँगा , / और मैं उनके चमत्कारों के विषय में आनंदपूर्वक गाऊँगा।

पुनरावर्तन : **महिमा हो तुझको , हे प्रभु , तेरे पवित्र क्रूस की।**

हे सर्वशक्तिमान क्रूस , प्रेरितों की स्तुति , / संतों की शक्ति , और विश्वासियों का चिह्न , / महाधर्माध्यक्षों और शहीदों की महिमा, / तेरी स्तुति करने वालों सभी की विजय और शक्ति।

अत्यंत पवित्र क्रूस , चार-कोनी शक्ति , / प्रेरितों का वैभव , और शहीदों की शक्ति ; / दुर्बल लोगों के लिए आप स्वास्थ्य के रूप में प्रकट हुए , / मृतकों के लिए पुनरुत्थान के रूप में , गिरे हुए लोगों के लिए उत्थान के रूप में।

महिमा: हे क्रूस , मेरे लिए शक्ति , कलिा और सामर्थ्य बनो, / मुझसे लड़ने वालों से मेरा उद्धारकर्ता और रक्षक बनो, / ढाल और संरक्षक , मेरी विजय और मेरा सहारा बनो, / जो हमेशा मेरी रक्षा और मुझे आश्रय देता रहे।

और अब: जब आप, हे सर्व -पवित्र , / अपने पुत्र को क्रूस पर देखा , / तो दुख की पीड़ा ने आपके हृदय को चीर दिया, / और पवित्र त्रिमूर्ति में आपने अपने कष्ट में विलाप करते हुए पुकारा , / फिर भी आपने तुरंत ही क्रूस की शक्ति को महिमामय किया।

स्तोत्र 3

इरमोस: हे ईश्वर की माता, – जीवित और प्रचुर झरना, जो आपके गुणगान करते हैं उन्हें बल प्रदान करें , जिन्होंने इस आध्यात्मिक भोज की तैयारी की है , और अपनी दिव्य महिमा में उन्हें महिमा के मुकुट प्रदान करें।

क्रूस , संतों का हथियार, मसीह की द्विधारी तलवार, विश्वासियों के लिए एक आभूषण , पीड़ितों के लिए उपचार और सुरक्षा , और मृतकों का पुनरुत्थान , हे परम पवित्र।

हे क्रूस , धर्म की नींव , / दानवों के लिए तू विनाशकारी, / कलीसियाओं के लिए – वैभव , – अधर्मी लोगों के लिए – विनाश, / और शत्रुओं के लिए – न्याय के दिन लज्जा का स्रोत।

महिमा: जीवन-दायक क्रूस , / मेरे लिए एक दुर्ग और विजय बनो, / एक ढाल और एक अभेद्य दीवार; / दुष्टात्माओं का निष्कासन , दुष्ट विचारों का शमन, / और मेरे मन का संरक्षण।

और अब: लज्जास्पद सूली पर चढ़ाया जाना, हे कुंवारी शासिका, / आपके पुत्र ने सहा, और एक अपमानजनक मृत्यु। / परन्तु वह आरोहण किया और शत्रु की विरोधी शक्तियों को परास्त किया, / एक अमर के रूप में।

सेडालेन , स्वर 8

प्राचीन काल में , यहोशू ने / रहस्यमय रूप से क्रूस की आकृति का पूर्वाभास दिया, / जब उन्होंने क्रूस के आकार में अपनी बाहें फैलाईं , / और सूर्य ठहर गया, / जब तक उन्होंने उन शत्रुओं को नष्ट नहीं कर दिया / जिन्होंने , हे ईश्वर , आपका विरोध किया। / परन्तु अब, यह अँधेरा हो गया है , / जब मैंने आपको, हे मेरे उद्धारकर्ता , क्रूस पर देखा , / मृत्यु की शक्ति को नष्ट करते हुए / और नरक को उजाड़ते हुए।

भजन 4

इरमोस: महिमा में विराजमान / परमेश्वरत्व के सिंहासन पर, / एक प्रकाशमय बादल पर, / परम दिव्य यीशु आए, / एक निर्दोष हाथ द्वारा धारण किए हुए , / और उन लोगों को बचाया जिन्होंने पुकारा : / 'हे मसीह, तेरी शक्ति को महिमा!'

तू ही चार-कोनी जगत है , / और तीन धारों वाली तलवार के समान / तू अंधकार के राजकुमारों को काट डालता है , जैसा हम तुझे चित्रित करते हैं , / – क्रूस , मसीह का महान और अजेय हथियार, / विजय का सर्वशक्तिमान चिह्न।

तेरी ऊँचाई , जीवन-दायक क्रूस , वायु के राजकुमार को कोड़े मारती है , जबकि तेरी गहराई गर्त के स्वामी , सर्प को भेद देती है ; और एक बार फिर तू चौड़ाई का प्रतिनिधित्व करता है , अपनी शक्ति से इस संसार के राजकुमार को पदच्युत करते हुए।

महिमा: स्वर्गारोहण करके , आपने पतितों को अपने साथ खींच लिया, / आपने सांसारिक स्वभाव को गौरवान्वित किया, / आपको परमेश्वर के सिंहासन के समकक्ष महिमामय किया गया, / – हे क्रूस , महान ऊँचाई , संपूर्ण संसार के लिए सेतु , / मेरी आत्मा को शीघ्र ही वासनाओं की गहराई से ऊपर उठाओ।

और अब: क्रूस के रूप में , हे परम पवित्र कुँवारी , / क्रूस पर महिमामय हुए की ओर अपने हाथ फैलाकर , / और प्रार्थनाएँ , हे ईश्वर की कुँवारी माता, अब अर्पित करो, / उन सभी के लिए जो तुमसे विश्वास के साथ प्रार्थना करते हैं।

ओड 5

इरमोस: संपूर्ण संसार चकति हुआ / तेरी दव्यि महमिा से : / क्योंकि हे कुँवारी , जसिने ववािह न जाना, / तूने परम उच्च ईश्वर को अपनी कोख में धारण कयिा / और शाश्वत पुत्र को जन्म दयिा, / जो तेरी स्तुति करने वालों सभी पर शांति प्रदान करता है।

हे क्रूस , तू पवत्रि स्थान की स्वर्गीय सीढ़ी है , / आरोहण का मार्गदर्शक , मसीह की ऊँचाई और महमिा है , / संसार पर अंकति ईश्वर की प्रतमिा है , / अदृश्य और दृश्य दोनों के लिए समान रूप से।

क्रूस , असीम शक्ति का प्रतीक , / जल को पवत्रि करता, वायु को शुद्ध करता, / सभी को पवत्रि और प्रकाशति करता, / वीरता का चह्नि और मसीह का अचल राजदण्ड , / वरिोधयिों को धरती पर गरिाता।

महमिा: हे सर्वशक्तमिान क्रूस , दुष्ट शत्रुओं को धराशायी कर, / जो तुझसे पागलपन से घृणा करते और तुझे अपमानति करते हैं , / मूर्तपिूजकों को धूल चटा दे और उनके अहंकार को वश में कर। / हे सर्व -पवत्रि और मसीह-वाहक क्रूस , / अपनी शक्ति से हमारी रक्षा कर!

और अब: सभी की रानी और स्वामनिी ! / उस की राजदंड से , जसिे आपने जन्म दयिा, / हे कुँवारी , जो क्रूस की शक्ति का अपमान करते हैं , उनके वद्रिोह को कुचल डालो। / अपने वशि्वासयोग्य लोगों को शक्ति और दया, वजिय और सहायता प्रदान करो।

स्तोत्र 6

इरमोस: जब हम ईश्वर की माता का यह दव्यि और सर्वत्र सम्मानति / पर्व मनाते हैं , / हे ईश्वर -ज्ञानी , आओ, / हम तालयिाँ बजाना आरंभ करें , / उसकी महमिा करते हुए जो उनसे उत्पन्न हुए।

क्रूस – सभी का पुनरुत्थान , / क्रूस – पतितों की पुनर्स्थापना , / वासनाओं का दमन और देह का क्रूस पर चढ़ाया जाना, / क्रूस – आत्माओं के लिए महिमा और अनंत प्रकाश।

क्रूस शत्रुओं का विनाशक है , / क्रूस दुष्टों के लिए एक कोड़ा और कैद है , / और विश्वासियों के लिए शक्ति का स्रोत है , / धर्मात्माओं का रक्षक और दुष्ट आत्माओं का भगाने वाला है।

महिमा: क्रूस वासनाओं का विनाश है , / क्रूस दुष्ट विचारों का निर्वासन है ; / क्रूस विधर्मी लोगों के लिए एक कठिन परीक्षा है , / और दुष्ट आत्माओं के लिए यह एक जाल बन गया है।

और अब: क्रूस उठाया जाता है – / और आकाशीय आत्माओं की सेनाएँ गिरती हैं ; / क्रूस उतरता है – और सभी अधर्मी भय से ग्रस्त हो जाते हैं , / मानो वे बिजली की चमक की तरह क्रूस की शक्ति को निहार रहे हों।

कॉन्टाकियन , उसी स्वर में , स्वर 4

स्वैच्छिक रूप से क्रूस पर उठाए जाने के बाद, हे मसीह परमेश्वर , अपने नाम को धारण करने वाले नए लोगों पर अपनी दया प्रदान कर; अपने विश्वासियों को अपनी शक्ति से प्रसन्न कर, उन्हें उनके शत्रुओं पर विजय प्रदान कर, – ताकि उन्हें आप से सहायता मिले , शांति का हथियार, विजय का अजेय चिह्न।

इकोस: स्वर्ग में , तीसरे स्वर्ग में , महिमान्वित होकर, / और अकथनीय और दिव्य वचन सुनकर , / जिन्हें मानवीय भाषाओं में बयान नहीं किया जा सकता, – / वह गलातियों को क्या लिखता है , / जैसा कि आप, धर्मग्रंथों के प्रेमी , पढ़ और सीख चुके हैं ? / 'मैं , वह कहता है , घमंड न करूँ – / सिवाय प्रभु के क्रूस के , / जिस पर, दुख सहकर, उसने वासनाओं को मार डाला।' / इस प्रकार हम सभी इसे दृढ़ता से थामेंगे , / प्रभु के क्रूस को, एक स्तुति के स्रोत के रूप में ; / क्योंकि हमारे लिए यह उद्धार का वृक्ष / शांति का हथियार है , विजय का अजेय चिह्न है।

*ग्रीक : हमारे राजा

भजन 7

इरमोस: धर्मनिष्ठों ने प्राणियों को सृष्टिकर्ता से अधिक सम्मान नहीं दिया, बल्कि उस आग पर साहसपूर्वक विजय प्राप्त कर, जिसने उन्हें धमकाया था, उन्होंने आनंदपूर्वक गाया: 'हे हमारे पितरों के परमेश्वर और प्रभु , आप अति स्तुत्य हैं , धन्य हैं आप!'

त्रिमूर्ति की, अविभाज्य और अविचल, / एक तत्व की, हम घोषणा करते हैं : / अजन्मे पिता की, और जनमे पुत्र की, / और पवित्र आत्मा की, जो पिता से निकलती है , / भजनों में गाते हुए : / 'धन्य है हमारे पूर्वजों का परमेश्वर !'

हे त्रि-एक प्रभु , अपनी अक्षय विद्युत -ज्वाला से , हमारे मन की आँखें प्रबुद्ध कर, ताकि हम आपकी अति-तत्त्वमयी सुंदरता का ध्यान कर सकें , हे त्रि-दीप्तिमान , – वह जो मनुष्यों के लिए अज्ञात और स्वर्गदूतों के लिए अप्राप्य है।

महिमा: हे सद्भगवान , अति प्रशंसनीय और सर्वशक्तिमान ! / अपनी ज्योति की किरणों से , गहराइयों से ऊपर उठाओ / मेरी पतित आत्मा को, जो फिसल गई है , / अनुग्रह के प्रकाश से वंचित / और अंधकार में डूब गई है।

और अब: हे पवित्र एक, क्रूस के आकार में अपने बाहु फैलाकर , / उस से अनवरत प्रार्थना करो जिसने क्रूस पर अपने बाहु फैलाए / और हमारे स्वभाव को गौरवान्वित किया, / और शत्रु सेनाओं को मृत्युदंड दिया।

भजन ८

इरमोस: परमेश्वर की माता के पुत्र ने भट्टी में धर्मपरायण युवकों को बचाया: / तब एक पूर्वसंकेत के रूप में , अब एक वास्तविकता के रूप में ; / वह संपूर्ण ब्रह्मांड को

तुम्हें गीत गाने के लिए बुलाता है। / हे प्राणियों , प्रभु का गीत गाओ, / और युगों -युगों तक उसकी महिमा करो!

मसीह के दुखों के शिखर के रूप में , / और धनुष , और कवच, और तलवार के रूप में , / एक ऐसा हथियार जो कभी चूकता नहीं और एक ऐसी शक्ति जिसे पराजित नहीं किया जा सकता, / मसीह का पादपीठ और शत्रुओं पर विजय की प्रतिज्ञा के रूप में , / हे विजयी क्रूस , तुम प्रकट हुए हो!

आपने हमारे पतित स्वभाव को ऊँचा उठाया है , / मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने के द्वारा इसे ऊपर उठाकर; / दिव्य ऊँचाई , अनुपम गहराई! / हे जीवन-दायक क्रूस , अनुग्रह से परिपूर्ण / – मसीह का चिह्न , और असीम विस्तार , / और अगम्य त्रिमूर्ति का प्रतिमा।

महिमा: अपने होठों , आत्माओं और हृदयों से / प्रभु के क्रूस को चूमते हुए , / आओ, हम सब इसे उठाएँ और उसका गौरव करें ; / जैसे हम नमन करते हैं , आइए हम एक साथ पुकारें / सबसे पवित्र स्तुति , यह उद्घोष करते हुए : / 'हे महान खजाने , हे क्रूस , आनंदित हो, / कलीसिया की शोभा!

और अब: जीवन और उद्धार का वृक्ष , / अमरत्व का वृक्ष , ज्ञान का वृक्ष , / तीन बार प्रिय वृक्ष , / निर्दोष और अछूता , / त्रि-खंडीय क्रूस , सम्माननीय वृक्ष : / क्योंकि यह त्रिमूर्ति परमेश्वर की छवि को धारण करता है।

भजन 9

इरमोस: पृथ्वी पर जन्मी हर आत्मा / आत्मा से प्रकाशित होकर आनंद मनाए; / निराकार बुद्धियों का स्वभाव भी आनंद मनाए, / ईश्वर की माता के पवित्र पर्व का सम्मान करते हुए , / और वे पुकार उठें : / 'हे सर्व -धन्य , आनंद मनाओ, / हे निर्मल ईश्वर -माता, सदा-कुंवारी !'

कौन प्रकट करेगा , जैसा लिखा है , / हे संसार के प्रिय क्रूस , तेरे कर्मों को, / ईश्वर की शक्ति के प्रकटन और चमत्कारों को, / और मृतकों के पुनरुत्थान को? / और तूने

स्वयं ईश्वर तक उठाए जाने के बाद, / संपूर्ण संसार को अपने साथ उठा लिया, / वह दीर्घ -प्रतीक्षित।

विश्वासियों के लिए शक्ति का स्रोत – त्रि-धन्य क्रूस , / एक चिह्न और एक स्तुति , सर्वशक्तिमान वृक्ष। / मसीह का क्रूस , महान और परिपूर्ण , / प्रेरितों के लिए एक स्तुति , संतों के लिए शक्ति का स्रोत , / और शहीदों के लिए एक कलिा और शक्ति , / विश्वासियों के लिए विजय और स्तुति।

महिमा: आनंदित हो, हे क्रूस , अकथनीय प्रतिमा और अनेक नामों वाली, / वरदानों से परिपूर्ण वृक्ष , / भयानक और सर्व -धन्य ! / आनंदित हो, हे सर्व -पवित्र और सर्वशक्तिमान क्रूस ! / आनंदित हो, हमारे जीवन के रक्षक , / प्रभु का क्रूस , अत्यधिक स्तुत्य !

और अब: हे पवित्र क्रूस ! / मेरी आत्मा और शरीर के रक्षक बनो, / अपनी छवि से दुष्टात्माओं को गिराते हुए , / शत्रुओं को दूर भगाते हुए , वासनाओं को वश में करते हुए , / और मुझे आशीर्वाद , जीवन और शक्ति प्रदान करो / पवित्र आत्मा के मध्यस्थता द्वारा / और परम पवित्र की पवित्र प्रार्थनाओं द्वारा।

पवित्र और जीवन-प्रदायक क्रूस की प्रार्थना

प्रभु यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र , स्वर्ग और पृथ्वी के सृष्टिकर्ता , संसार के उद्धारकर्ता ! देखो , मैं , जो अयोग्य और सबसे पापी हूँ , अपनी हृदय की घुटनों को तेरी महिमा की कीर्ति के सामने नम्रतापूर्वक झुकाता हूँ , तेरे असीम दुख का गायन और स्तुति करता हूँ , और तुझे , सर्व का राजा और ईश्वर , धन्यवाद अर्पित करता हूँ ; क्योंकि तूने मानव जाति के उद्धार के लिए, स्वर्गिक सिंहासन से अवतरित होकर, अति पवित्र कुँवारी मरियम के गर्भ में अवतार लेने की कृपा की, जो निराकार है – मानव स्वभाव को दिव्यता के साथ मिलाते हुए ; धनी – तूने स्वेच्छा से गरीब होने को स्वीकार किया, ताकि तू अपने

राज्य में मनुष्य को समृद्ध कर सके ; एक मनुष्य के रूप में , आपने स्वयं पर परिश्रम और हर प्रकार की मानवीय पीड़ाएँ उठाईं , ताकि आप हर दुख और आवश्यकता में सभी की मदद कर सकें ; चालीस दिन तक उपवास करने के बाद, आपने सभी को आत्म - संयम का मार्ग दिखाया; आपको दुष्ट लोगों द्वारा कई बार परीक्षा में डाला गया, और आपने सभी को हर परीक्षा से मुक्ति दिलाई। मैं जानता हूँ , सर्वशक्तिमान प्रभु , कि आपको इन सबकी कोई आवश्यकता नहीं थी, फिर भी मानव जाति के उद्धार के लिए आपने यह सब सहन किया: आपको तीस चाँदी के टुकड़ों के लिए धोखा दिया गया, ताकि मानव जाति को शत्रु के कड़वे बंधन से छुड़ाया जा सके ; निर्दयी यहूदियों द्वारा , बिना किसी द्वेष के मेमने की तरह, आपको पकड़ लिया गया, जिससे मानव जाति आध्यात्मिक भेड़िये द्वारा निगल लिए जाने से बच गई; आप अन्नास और कैफा की अदालत में उपस्थित हुए , सभी को शाश्वत अग्नि की नदी से बचाते हुए ; उन्हें बाँधा गया, उनकी निन्दा की गई, उन पर थूक दिया गया, झूठे गवाहों द्वारा उनकी बदनामी की गई, और एक अपमानजनक मृत्यु की सजा दी गई, इस प्रकार मानव जाति को हर विपत्ति, यातना और अनंत मृत्यु से मुक्ति दिलाई; उन्होंने कुछ भी बुरा न किया था, फिर भी उन्हें पिलातुस के हवाले कर दिया गया और हेरोद के पास भेज दिया गया, और एक बार फिर उनकी निन्दा की गई, इस प्रकार मानव जाति को एक दयनीय स्थिति और शत्रु के अपमान से मुक्ति मिली। तब हे प्रभु , मानवजाति के प्रेमी , मैं बदले में तुझे क्या दूँ , जो तूने मेरे जैसे पापी के लिए सहन किया? मुझे कुछ नहीं सूझता। क्योंकि मेरी आत्मा , मेरा शरीर, और , सभी भले -भले वर तुझसे ही आते हैं ; जो कुछ भी मेरा है वह तेरा है , और मैं तेरा हूँ ; हे दयालु प्रभु , केवल आपकी असीम दया पर भरोसा करते हुए , मैं आपके अकथनीय धैर्य का गीत गाता हूँ , मैं आपकी अगम्य व्यवस्था की स्तुति करता हूँ , मैं आपके अपार अनुग्रह की महिमा करता हूँ : इसी कारण से आपने एक दण्डित मनुष्य , मेरे लिए, स्वयं को नम्र किया, ताकि मैं धर्मी ठहर सकूँ। स्तंभ से

बँधे और नर्दियता से कोड़े मारे गए, हे उद्धारकर्ता , हे दयालु , मैं प्रार्थना करता हूँ , मुझे मेरे पापों से बचाओ; काँटों का मुकुट पहनाए गए, मेरे आत्मा से पाप के काँटों को उखाड़ फेंको ; बेंत से सिर पर मारा गया, उस सर्प के सिर को कुचल डालो जो मुझे पाप के डंक से घायल करता है ; कarmeshनी वस्त्र पहनाया गया और मेरे यातना देने वालों के हवाले किया गया, हे परम पवित्र राजा, मेरे आत्मा के वस्त्र को प्रकाशमान कर, ताकि मैं तेरे परम सुन्दर महल में प्रवेश कर सकूँ ; चोरों में गिने गए और अपने कंधों पर सूली उठाए हुए , अपने सूले से उस चोर-शत्रु को भगा दो जो मेरी आत्मा को मार डालना चाहता है। मैं जानता हूँ कि हे दीर्घ -सहिष्णु यीशु , आप कितनी भयानक रूप से घायल हुए थे : आपके पवित्र सिर के मुकुट से लेकर आपके पैरों के तलवों तक, आपके शरीर पर एक भी ऐसा स्थान नहीं था जो अछूता रहा हो। तो फिर हे उद्धारकर्ता मसीह, मानवजाति के प्रति आपके अगणित प्रेम के बारे में मैं क्या कह सकता हूँ ? केवल एक पश्चात्तापी हृदय से , आपकी परम पवित्र पीड़ाओं की उपासना करते हुए और उन्हें अपने मन में अपने पूरे प्रेम से चूमते हुए , मैं पुकारता हूँ : एक पापी पर दया करें ! आप जिन्होंने क्रूस पर कीलों से ठोक दिए जाने की कृपा की, मेरे हृदय को अपनी आज्ञाओं से ठोक दें ; गोलगोथा के पर्वत पर क्रूस पर उठाए जाने के बाद, मेरे विचारों को स्वर्ग की ओर उठा, ताकि मैं हमेशा स्वर्गीय बातों पर मनन करूँ ; सिरके में मिला हुआ पित्त पिलाए जाने के बाद, मेरे पाप से दुखी हृदय को अपने प्रेम से मीठा कर, और अपनी मिठास की धारा से मेरी प्यास बुझा ; हे प्रभु , जिन्होंने सभी को ग्रहण करने के लिए अपने परम पवित्र हाथ फैलाए , मुझे , एक पापी को, ग्रहण करें ; हे प्रभु , जिनके पैरों को क्रूस पर ठोक दिया गया था, और जो हमेशा पापियों के साथ रहना चाहते हैं , मेरे साथ, एक पापी के साथ रहें , और मेरे पैरों को हर दुष्ट मार्ग से बचाएं ; हे प्रभु , जिनका हृदय खुला था, मुझे , एक पापी को, अपनी कृपा दिखाएं ; हे प्रभु , जिन्होंने क्रूस पर अपना परम पवित्र सिर

झुकाया , मेरी अयोग्य प्रार्थनाओं को सुनो। हे दया की अद्भुत और असीम गहराई, हमारे ईश्वर मसीह! हे प्रभु , जिन्होंने अपने शत्रुओं —अपने सूली पर चढ़ाने वालों —के लिए परमेश्वर पिता से प्रार्थना की, मुझे , एक पापी को, यह अनुग्रह प्रदान करो: कि मैं अपने शत्रुओं से प्रेम करूँ और उनके लिए प्रार्थना करूँ ; हे प्रभु , जिन्होंने पश्चातापी चोर के लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए , मुझ पापी पर दृष्टि डालिए; मुझे पश्चाताप की अनुग्रह प्रदान करें और अपनी दया के द्वार मेरे लिए खोलें , और मुझे , यद्यपि मैं इसके योग्य नहीं हूँ , अपने राज्य में स्मरण करें। अंत में , अपने परम पवित्र आत्मा को परमेश्वर पिता के हाथों में सौंप कर, हे सृष्टिकर्ता , मेरे मरने के समय मेरी आत्मा को ग्रहण कर; हे उद्धारकर्ता , जिन्हें क्रूस से उतारकर मृतकों के समान कब्र में रखा गया, जो अप्राप्य प्रकाश में जीवित हैं , मुझसे पाप का भारी बोझ हटा दें , और मुझे तुच्छ न समझें , हे मानव जाति के प्रेमी , मेरे अयोग्य हृदय के कब्र में वास करें , ताकि मेरे सांसारिक विचार मारे जाएँ ; ताकि, अब अपने लिए नहीं बल्कि आपके लिए, हे मेरे प्रभु और परमेश्वर , जीवित होकर, मैं , आपकी नश्वर सृष्टि , आपकी सर्व -दयालु कृपा से , हे परम दयालु , आपको, मेरे सृष्टिकर्ता और उद्धारकर्ता , देखने के योग्य ठहराया जाऊँ , जिनके द्वारा , क्रूस पर मृत्यु को स्वीकार करने के पश्चात् , अपनी अगोचर महिमा के प्रकाश में महिमा और सम्मान का मुकुट धारण किया गया है , जहाँ आप अपने पिता के साथ आरम्भ -रहित रूप से , और अपने परम पवित्र , शुभ , जीवन-दायक और एकसार आत्मा के साथ, सभी युगों से पूर्व , अब और सदा के लिए, और युगों -युगों तक राज्य करते हैं। आमीन।

विषय-सूची पर वापस।

पालक देवदूत के लिए कैनन *

ट्रोपारयिन , स्वर 6

हे परमेश्वर के स्वर्गदूत , मेरे पवित्र रक्षक , / हमारे परमेश्वर मसीह के समक्ष श्रद्धापूर्वक मेरे जीवन की रक्षा करो, / मेरे मन को सच्चे मार्ग पर दृढ़ करो, / और मेरे हृदय में स्वर्ग के प्रति प्रेम जगाओ, / ताकि, आपके मार्गदर्शन से , / मैं हमारे परमेश्वर मसीह से महान दया प्राप्त कर सकूँ।

थियोटोकीऑन: हे पवित्र माता, / हमारे परमेश्वर मसीह की माता, / जिन्होंने सर्व के सृष्टा को अकल्पनीय रीति से जन्म दिया, / उनके दयालु स्वभाव से निवेदन करती रहें , / मेरे संरक्षक स्वर्गदूत के साथ मिलकर, / मेरी आत्मा को बचाने के लिए, जो वासनाओं से घिरी हुई है , / और मुझे मेरे पापों की क्षमा प्रदान करें।

कैनन , स्वर 8

ओड 1

इरमोस: हम प्रभु का भजन गाएँ , / जिन्होंने अपने लोगों को लाल सागर से पार पहुँचाया , / क्योंकि केवल वही महिमामय रूप से ऊँचा उठाया गया है।

पुनरावर्तन : हे मधुरतम यीशु , मुझे बचाओ।

हे उद्धारकर्ता , यह अनुग्रह करो कि आपका दास इस भजन को योग्य रूप से गा सके और स्तुति कर सके / अदेह स्वर्गदूत , / मेरे मार्गदर्शक और रक्षक की।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरी ओर से परमेश्वर से प्रार्थना करो।

अब मैं अकेला पड़ा हूँ / मूर्खता और आलस्य में ; / हे मेरे मार्गदर्शक और रक्षक , / मुझ पर दया करो, जो नाश हो रहा हूँ।

महिमा: अपनी प्रार्थना से मेरे मन का मार्गदर्शन करें , ताकि मैं ईश्वर की आज्ञाओं का पालन करूँ और ईश्वर से पापों की क्षमा प्राप्त करूँ , और मुझे बुराई से घृणा करना सिखाएँ ; मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ।

और अब: हे कुँवारी , मेरे लिए, अपने दास के लिए, परोपकारी के पास प्रार्थना करो, / मेरे रक्षक स्वर्गदूत के साथ, / और मुझे अपने पुत्र और मेरे सृष्टिकर्ता की आज्ञाओं का पालन करना सिखाओ।

भजन 3

इरमोस: हे प्रभु , तू उन लोगों की शक्ति है जो तेरा शरण लेते हैं , तू अंधकार में रहने वालों के लिए प्रकाश है , और मेरी आत्मा तेरा भजन करती है।

पुनरावृत्ति : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो।

मेरे सभी विचार और मेरी आत्मा / मैंने तुम्हारी ओर मोड़ दी है , हे मेरे रक्षक ; / मुझे हर शत्रु के आक्रमण से बचाओ।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरी ओर से परमेश्वर से प्रार्थना करो।

शत्रु मुझ पर पैर रखता है और मुझे दबाता है , / और मुझे हमेशा उसकी इच्छाओं को पूरा करना सिखाता है ; / परन्तु हे मेरे मार्गदर्शक , / जब मैं नाश हो रहा हूँ तब मुझे न छोड़।

महिमा: कृपा करें कि मैं एक गीत गा सकूँ / कृतज्ञता और उत्साह के साथ सृष्टिकर्ता और ईश्वर को / और आपको, हे

शुभ दूत , मेरे रक्षक ; / मेरे उद्धारकर्ता , मुझे छीन लें / उन शत्रुओं से जो मुझ पर अत्याचार करते हैं।

और अब: हे परम पवित्र , / मेरी आत्मा के गंभीर घावों को चंगा कर; / उन शत्रुओं को दूर भगा दे / जो निरंतर मुझ पर युद्ध छेड़ते हैं।

सेडालेन , स्वर 2

अपने हृदय के प्रेम से मैं तुम्हें पुकारता हूँ , / हे मेरे प्राण के रक्षक , मेरे सर्व -पवित्र देवदूत : / हर समय मुझे चालाक फंदों से बचाओ और मेरी रक्षा करो, / और मुझे स्वर्गीय जीवन की ओर मार्गदर्शन करो, / मुझे शिक्षा देते हुए , ज्ञान प्रदान करते हुए और मुझे बलवान बनाते हुए।

महिमा, और अब, ईश्वर की माता को:हे ईश्वर की कुंवारी माता, अति पवित्र ,जिनके द्वारा बिना पति के सभी के प्रभु का जन्म हुआ ,उनसे प्रार्थना करो, मेरे रक्षक स्वर्गदूत के साथ मिलकर,कि मुझे सभी संदेहों से मुक्ति मिले ,और मेरी आत्मा को करुणा तथा प्रकाश प्रदान हो,और पापों से शुद्धि मिले ,– हे तुम , जिन्होंने अकेले ही रक्षा के लिए शीघ्रता दिखाई!

गीत 4

इरमोस: हे प्रभु , मैंने सुना है , / तेरी परमप्रबंध की रहस्यमयता के विषय में , / मैंने तेरे कार्यों को समझा है / और तेरी दिव्यता की महिमा की है।

पुनरावृत्ति : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो।

हे मेरे रक्षक , मानवता के प्रेमी ईश्वर से प्रार्थना करो, और मुझे न छोड़ो , बल्कि मेरे जीवन को हमेशा शांति में सुरक्षित रखो, और मुझे अटूट मोक्ष प्रदान करो।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरी खातिर परमेश्वर से प्रार्थना करो।

हे देवदूत , हे मेरे जीवन के मध्यस्थ और रक्षक , / मैंने आपको ईश्वर से प्राप्त कयिा है ; / हे पवत्रि एक, मैं आपसे वनिती करता हूँ : / 'मुझे सभी वपित्तयिों से बचाओ!'

महमिा: हे मेरे रक्षक , अपनी पवत्रिता से मेरी अशुद्धि को शुद्ध करो, / और तुम्हारी प्रार्थनाओं से मैं बाएँ ओर खड़े लोगों के भाग्य से मुक्त हो जाऊँ , / और मुझे महमिा का सहभागी बना दो।

और अब: मैं नरिाश हूँ / मुझे घेरे हुए दुर्भाग्यों के कारण, हे परम-शुद्ध , / परन्तु मुझे उनसे शीघ्रता से छुड़ाओ : / क्योंकि मैं केवल तेरे ही शरण आया हूँ।

स्तोत्र 5

इरमोस: भोर होते ही हम तुझसे पुकार लगाते हैं , हे प्रभु : / 'हमें बचा, क्योंकि तू ही हमारा ईश्वर है , / हम तुझसे सवि कसिी और को नहीं जानते !'

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवत्रि स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो।

जसिमें परमेश्वर के सामने साहस है , / हे मेरे पवत्रि रक्षक , / उनसे वनिती करो कि वे मुझे उन बुराइयों से बचाएँ जो मुझे दबा रही हैं।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवत्रि स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरी ओर से परमेश्वर से प्रार्थना करो।

हे तेजस्वी प्रकाश , अपनी ज्योति से मेरी आत्मा को प्रकाशति करो, हे मेरे मार्गदर्शक और रक्षक , हे ईश्वर द्वारा मुझे प्रदान कयिा गया स्वर्गदूत।

महमिा: हे परमेश्वर के स्वर्गदूत , मुझे सुरक्षति रखना, जब मैं सो रहा हूँ , अपने पापों के बोझ तले दबा हुआ , / और जब मैं जाग रहा हूँ , / और अपनी मध्यस्थता से मेरी स्तुति करने के लिए मुझे उठाना।

और अब: मरयिम, ईश्वर की कन्या और माता, / जन्होंने ववािह नहीं कयिा, वश्विासयिों की आशा, / शत्रु के आक्रमणों को

परास्त करो, / और जो आपकी स्तुति करते हैं उन्हें आनंदित करो।

भजन 6

इरमोस: मुझे एक तेजस्वी वस्त्र प्रदान करें , हे मसीह हमारे ईश्वर , जो प्रकाश को वस्त्र की तरह धारण करते हैं , हे परम दयालु !

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो।

मुझे सभी कष्टों से बचाओ / और दुखों से उबारो; / मैं तुमसे विनती करता हूँ , हे पवित्र देवदूत , जो ईश्वर ने मुझे दिया है , / मेरे शुभ रक्षक।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरी ओर से परमेश्वर से प्रार्थना करो।

हे पुण्यशील , मेरे मन को प्रकाशित करो और मुझे प्रकाशित करो, / हे पवित्र देवदूत , मैं आपसे विनती करता हूँ , / और हमेशा मेरा मार्गदर्शन करो / कि मैं अपने लिए भलाई के बारे में सोचूँ।

महिमा: मेरे हृदय को वर्तमान क्लेश से बचाओ, / और हे मेरे रक्षक , मुझे पुण्य कर्मों में सतर्क रहने के लिए बल दो, / और मुझे अद्भुत रूप से जीवन-दायक शांति की ओर मार्गदर्शन करो।

और अब: हे परमेश्वर की माता, परमेश्वर का वचन तेरे भीतर वास कर चुका है , / और उसने तुझे मानवजाति के लिए स्वर्ग की सीढ़ी के रूप में प्रकट किया है : / क्योंकि तेरे द्वारा सर्वोच्च हमारे पास अवतरित हुआ है।

कॉन्टाकियन , स्वर 4

मुझ पर दया करें , हे प्रभु के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , और मुझे , एक पापी को, न छोड़ें ; परन्तु मुझे

अतुल्य प्रकाश से प्रबुद्ध करें और मुझे स्वर्ग के राज्य का योग्य बनाएं।

इकोस: हे मेरी आत्मा , जो अनेक प्रलोभनों के बीच वनिम्र हुई है , / तुम , हे पवत्रि मध्यस्थ और गायकिा / परमेश्वर की अमूर्त शक्तयिों के दल के साथ, / अनुवाद -अतीत स्वर्गीय महमिा के योग्य ठहराई गई हो; / मुझ पर दया करो और मुझे बचाओ, / और मेरे मन को शुभ वचिारों से प्रकाशति करो, / ताकि, तुम्हारी महमिा के द्वारा , मेरे स्वर्गदूत , / और मेरे वरिुद्ध षड्यंत्र रचने वाले शत्रुओं को नीचे गरि दो, / और मुझे स्वर्ग के राज्य का योग्य बना दो।

भजन 7

इरमोस: जो युवक यहूदयिा से आए थे , / एक बार बेबीलोन में , / त्रमिूर्ति में अपने वशि्वास से उन्होंने भट्टी की लपटों को रौंदा , गाते हुए : / 'हे हमारे पुरखों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवत्रि स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो।

मेरे प्रति दयालु हो / और हे प्रभु के स्वर्गदूत , ईश्वर से मेरी प्रार्थना करो: / क्योंकि जीवन भर मेरे लिए तुम ही मध्यस्थ , मार्गदर्शक और रक्षक हो, / जो मुझे सदा के लिए ईश्वर द्वारा प्रदान कयि गए हो।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवत्रि स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो।

हे पवत्रि स्वर्गदूत , ऐसा न होने दें कि मेरा दीन आत्मा , जसिे ईश्वर ने नरि्दोष रूप से आपके हवाले कयिा है , मार्ग में डाकुओं द्वारा मार डाला जाए, बल्कि इसे पश्चाताप के मार्ग पर ले चलें।

महमिा: मैं अपनी आत्मा को, अपने दुष्ट वचिारों और कर्मों के कारण, पूरी तरह लज्जति होकर लाता हूँ ; परन्तु हे

मेरे मार्गदर्शक , शीघ्र आओ, और मुझे चंगा करो, ताकि मैं अच्छे विचारों द्वारा हमेशा सही मार्ग पर लौट सकूँ।

और अब: हमें ज्ञान और दिव्य शक्ति से भर दो, हे परम-उच्च के अवतारित ज्ञान , ईश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , सभी को जो विश्वास के साथ पुकारते हैं : 'हे हमारे पूर्वजों के ईश्वर , धन्य हैं आप!'

ओड 8

इरमोस: हे स्वर्ग के राजा, / जिनके बारे में स्वर्गदूतों की सेनाएँ गाती हैं , / उनका भजन करो और उनकी महिमा करो / युगानुयुग।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो।

ईश्वर द्वारा भेजे गए, / हे अतिधन्य देवदूत , मेरे जीवन को बल प्रदान करो, / और मुझे कभी न छोड़ो।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो।

हे वास्तव में धन्य देवदूत , / मेरी आत्मा के मार्गदर्शक और रक्षक , / मैं सदा तुम्हारी स्तुति करता हूँ , हे अतिधन्य।

महिमा: सभी लोगों के परीक्षण के दिन / मेरी ढाल और किला बनो, / जब अच्छे और बुरे कर्म / आग से परखे जाएँगे।

और अब: हे परमेश्वर की सदा-कुंवारी माता, मेरी सहायिका और मेरी शांति बनो, अपने सेवक के लिए, और मुझे अपनी सुरक्षा से वंचित न रहने दो।

स्तोत्र 9

इरमोस: हम सचमुच तुझे परमेश्वर की माता स्वीकार करते हैं , हे पवित्र कुँवारी , जिन्होंने हमें बचाया है , और हम तुझे अदेह प्राणियों के साथ महिमामय करते हैं।

कोरस: सबसे मधुर यीशु , मुझे बचाओ।

मुझ पर दया करो, हे मेरे एकमात्र उद्धारकर्ता , / क्योंकि तुम कृपालु और दयालु हो, / और यह अनुग्रह करो कि मैं / धर्मी लोगों की संगति में सम्मलिति हो सकूँ।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत , मेरे रक्षक , मेरी ओर से परमेश्वर से प्रार्थना करो।

हे प्रभु के दूत , कृपा करें कि मैं हमेशा सोचूँ और कार्य करूँ / ऐसे तरीकों से जो अच्छे और लाभकारी हों , / और मुझे मेरी दुर्बलता में शक्तशिाली और नर्दिोष बना दें।

महमिा: स्वर्गीय राजा के समक्ष साहस रखने वाले के रूप में , / अन्य नर्दिेह स्वर्गदूतों के साथ मलिकर, / मुझ दीन आत्मा पर दया करने के लिए उनसे प्रार्थना करें।

और अब: हे कुँवारी , तुम्हारे भीतर मूर्तमिान हुए के समक्ष महान धैर्य रखती हुई , मुझे मेरे बंधनों से मुक्ति प्रदान करो, और अपनी प्रार्थनाओं द्वारा मुझे उद्धार और मोक्ष का वर दो।

पवित्र रक्षक स्वर्गदूत को प्रार्थना

हे मसीह के पवित्र स्वर्गदूत , मैं आपके समक्ष स्वयं को नमन करता हूँ , और प्रार्थना करता हूँ : हे मेरे पवित्र रक्षक , जो मेरे पवित्र बपतस्मिा के समय से मेरी आत्मा और शरीर की रक्षा के लिए नयिुक्त हैं , मैं , एक पापी! तथापि अपनी ही आलस्य और दुष्ट स्वभाव से मैंने , हे सबसे पवित्र और तेजस्वी , आपका क्रोध भड़काया है , और हर तरह के लज्जास्पद कर्मों से आपको मुझसे दूर कर दयिा है : झूठ , बदनामी, ईर्ष्या , नदिा , अवज्ञा , अपने भाइयों के प्रति घृणा और प्रतशिोधी भावना, धन का प्रेम , व्यभचिार , क्रोध , कंजूसपन , अतृप्त लोभ, बकबक, बुरे और कपटी वचिार, और घमंड की आदत, अपनी इच्छा के अनुसार हर कामुक इच्छा का अनुसरण करते हुए। हे मेरे दुष्ट सहमति, उस बात के लिए जो मूर्ख जानवर भी नहीं करते ! और तब, आप मुझ पर कैसे दृष्टि डाल सकते हैं , या मेरे समीप आ सकते हैं ? हे मसीह के दूत , आप उन आँखों से मुझ पर

कैसे दृष्टि डालेंगे , जो नीच कर्मों में दयनीय रूप से उलझा हुआ है ? और मैं अपने कटु , दुष्ट और कपटपूर्ण कर्मों के लिए, जिनमें मैं दिन-रात, और हर घड़ी गिरता हूँ , क्षमा कैसे माँग सकता हूँ ? किन्तु मैं प्रार्थना करता हूँ , हे मेरे पवित्र रक्षक , तेरे सामने स्वयं को भूमि पर लोटकर: मुझ पर, तेरे पापी और अयोग्य सेवक **(नाम)** पर दया कर; अपनी पवित्र प्रार्थनाओं के द्वारा मेरे दुष्ट विरोधी के विरुद्ध मेरा सहायक और मध्यस्थ बन; और मुझे सभी संतों के साथ सर्वदा के लिए परमेश्वर के राज्य का सहभागी बना। आमीन।

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

अकाथस्टि के साथ कैनन
महान चमत्कार करने वाले संत निकोलस को

हे प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , हमारे पवत्रि पुरखों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करें।

स्वर्गीय राजा: **पवत्रि त्रमिूर्ति।** महमिा, और अब: अतपिवत्रि त्रमिूर्ति : हे प्रभु , दया करें। **(3)** महमिा, और अब: हमारे पति: हे प्रभु , दया करें। **(12)** महमिा, और अब: आओ, हम आराधना करें : **(3) भजन संहति 50।**

द्रोपारयिन , स्वर 4

वश्विास के आदर्श और नम्रता के उदाहरण के रूप में , / संयम की शक्षिकिा , / अचल सत्य ने आपको / अपने झुंड के सामने प्रकट कयिा। / अत: , वनिम्रता से आपने महानता प्राप्त की, / और गरीबी से , धन-संपत्ति। / हे पति, संत निकोलस, / हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए मसीह हमारे ईश्वर से प्रार्थना करें।

महमिा, और अब, ईश्वर की माता को: एक रहस्य , जो युगों से छपिा था / और स्वर्गदूतों को भी अज्ञात था, / हे ईश्वर की माता, आपके द्वारा पृथ्वी पर रहने वालों के लिए प्रकट हुआ है : / ईश्वर , जो दो स्वभावों के अवभिाज्य मलिन में अवतारति हुए , / जन्हिोंने स्वेच्छा से हमारे लिए क्रूस उठाया, – / उसके द्वारा उन्होंने आदम, प्रथम मानव, को मृतकों में से जलिाया / और हमारी आत्माओं को मृत्यु से बचाया।

संत नकिोलस के लिए कैनन।

ओड 1

इरमोस: मैं अपना मुँह खोलूँगा , / और वह पवत्रि आत्मा से भर जाएगा; / और मैं रानी और माता से बात करूँगा , / और मैं आनंद से दीप्तमिान होकर प्रकट होऊँगा , / और मैं उनके चमत्कारों के बारे में आनंदपूर्वक गाऊँगा।

हे पवत्रि पतिा नकिोलस, हमारे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

मसीह के झुंड के नेक चरवाहे , / आनंदति हो, नकिोलस, / क्योंकि लकियिा के मायरा के नागरकिों के लिए / तुम एक अति पूज्यनीय पतिा और शकि्षक थे ; / और यह अनुग्रह करो कि मैं तुम्हें / 'आनंदति हो!' का अभविादन अर्पति कर सकूँ।

संत नकिोलस, हमारे पतिा, हमारे लिए ईश्वर से प्रार्थना करें।

पृथ्वी के लोग एकत्र हों , / संत को 'हर्षोल्लास !' का उद्घोष करने के लिए: / क्योंकि वह आनंद लाते हैं / उस ब्रह्मांड को जो कभी सूखा नहीं।

महमिा: आप, जन्हिोंने तीन राज्यपालों को / अन्यायपूर्ण हत्या से बचाया, हम पुकारते हैं : / 'हे नकिोलस, आनंदति हो, आप जो शरण लेने वालों के रक्षक हैं / आपकी शरण में !'

और अब: हे परमेश्वर की कुंवारी माता, आनंदति हो, / तुमने स्वर्गदूत से आनंद प्राप्त कयिा, / और जो तुम्हारा महमिामंडन करते हैं , उन्हें बचाओ।

स्तोत्र 3

इरमोस: हे ईश्वर की माता, / तुम एक जीवति और प्रचुर झरना हो; / जो इस आध्यात्मकि भोज का आयोजन कर चुके हैं , उन्हें बल प्रदान करो, / और अपनी दव्यि महमिा में / उन्हें महमिा के मुकुट प्रदान करो।

जो कोई भी आश्रय लेता है / आपके प्रति आशा की शरण में , हे पति, / वह आपसे खाली हाथ नहीं लौटता, / बल्कि , आपको 'हे प्रसन्न !' का उद्घोष अर्पति करके , / नकिोलस, सहायता प्राप्त करता है ; / मुझे भी यह प्रदान करें , हे सर्व -धन्य।

हे पूजनीय , स्वर्गदूत आपकी प्रबल मध्यस्थता पर वस्मिति हैं , जबकि लोग आपकी प्रार्थनाओं से शैतान के जालों से मुक्ति पाकर आनंदति होते हैं ; इसलएि हम आपको 'हेल ' का उद्घोष अर्पति करते हैं , हे अति प्रशंसनीय नकिोलस!

महमिा: आप शैतान के वरिुद्ध कवच और अजेय हथयिार हैं , / ईसाइयों के लएि शक्ति का स्रोत , / और धर्मगुरुओं के लएि एक आभूषण , हे अद्भुत नकिोलस। / आनंदति हो, हे महान चमत्कार करने वाले , / संकट में पड़े लोगों के लएि एक शांतपिूर्ण आश्रय।

और अब: हे ईश्वर की माता, आपने अपने सृष्टकिर्ता को गर्भ में धारण कयिा, / आपने सभी का सृष्टकिर्ता और प्रभु जन्म दयिा; / उनसे प्रार्थना करें कि वे हमें वपित्तयिों से बचाएँ ; / क्योंकि आप जो कुछ भी चाहें , वह कर सकती हैं , हे शुभ / और धन्य माता।

भजन 4

इरमोस: महमिा में वरिाजमान / परमेश्वरत्व के सहिासन पर, / एक प्रकाशमान बादल पर, / परम दव्यि यीशु आए, / एक नर्दिोष हाथ द्वारा धारण कएि हुए , / और उन लोगों को बचाया जन्हिोंने पुकारा : / 'हे मसीह, तेरी शक्ति को महमिा!'

पद में प्रेरतिों के समान, / हे नकिोलस, आनन्दति हो, / क्योंकि तुमने एरयिन वधिर्म को लज्जति कयिा / और अपनी प्रार्थनाओं द्वारा महान के घमंड को धूल चटा दी; / अपने सेवकों के लएि मध्यस्थता करना बंद न करना।

आपने उस युवक को सरासनिों के अमीर के हाथों से बचाया, / और उसके माता-पति को आनंद प्रदान कयिा; / इसलएि हम, उनके

साथ, आपको 'खुशी मनाओ' का उद्घोष अर्पति करते हैं , / हे पूजनीय नकिोलस।

महमिा: हे चमत्कार -कर्ता , आपने धर्मनष्ठि राजा के स्वप्न में प्रकट होकर उन्हें उन पर अत्याचार न करने का आदेश देकर तीनों राज्यपालों को अन्यायपूर्ण मृत्युदंड से बचाया, और उनसे आपको 'प्रसन्न हो' का उद्घोष मलिा। अपनी प्रार्थनाओं द्वारा मुझे भी बल प्रदान करें , नकिोलस।

और अब: हे परमेश्वर की अतिधन्य माता, आनंदति हो, / क्योंकि आप सर्व के राजा का सहिासन हैं , चेरुबमिों से भी उच्चतम। / अपने पुत्र और हमारे ईश्वर के समक्ष मध्यस्थता करने में वलिंब न करें / उन लोगों के लएि जो आपको हमेशा सम्मानति करते हैं , धन्य नकिोलस के साथ।

ओड 5

इरमोस: संपूर्ण संसार चकति हुआ / तेरी दविय महमिा से : / क्योंकि हे कुँवारी , जसिने ववािह न जाना, / तूने सर्वोच्च ईश्वर को अपनी कोख में धारण कयिा / और शाश्वत पुत्र को जन्म दयिा, / जो तेरी स्तुति करने वालों सभी पर शांति प्रदान करता है।

प्रेरतिों के नाम पर नामति, स्वर्गदूतों के बराबर / प्रभु के सहिासन के सामने अनवरत खड़े , / तुमने पागल अरयिस को लज्जति कयिा; / इसलएि, नकिोलस, हम तुमसे पुकारते हैं : 'हे पवत्रि पतिाओं की शोभा और कलीसयिा के स्तंभ , आनन्दति हो!'

नकिोलस, प्रभु से प्रार्थना करते समय मेरी ओर सहायता का हाथ बढ़ाओ , / क्योंकि पाप का तूफ़ान मुझे डुबा रहा है , / और अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा मुझे पश्चाताप के शांतपिूर्ण बंदरगाह तक ले चलो, हे पति।

महमिा: यद्यपि मैंने अनेक पाप कएि हैं , फरि भी मैं आपकी रक्षा में आशा नहीं खोता, सदा 'आनंदति हो' to' पुकारता हूँ ; और आप, नकिोलस, मुझे हर दुख और वपित्ति से बचाएँ : क्योंकि जो कुछ आप चाहें , वह आप कर सकते हैं।

और अब: आनंदति हो, हे स्वर्गों से परे के मेघ , / जन्हिोंने हमारे लएि वह बूँद बहाई, हे सर्व -धन्य परमेश्वर की माता! / हमारे राजा को परमेश्वर से बर्बर लोगों पर वजिय प्रदान करें , / उनके संत नकिोलस के साथ मध्यस्थता करते हुए।

गीत 6

इरमोस: जब हम ईश्वर की माता का इस दव्यि और सर्वत्र सम्मानति पर्व मनाते हैं , हे ईश्वर -ज्ञानी लोग, आओ, हम तालयिाँ बजाना आरंभ करें , उसकी महमिा करते हुए जो उनसे उत्पन्न हुए।

हे पति, आप मसीह के मत्रि और दूसरे पतरस बन गए हैं। आनन्द मनाओ, क्योंकि आप चर्च के स्तम्भ और एक अद्भुत साधन हैं , चमत्कार करते हुए और पवत्रि आत्मा द्वारा गूँजते हुए। इसलिए, नकिोलस, हम सदैव आपको 'आनन्द मनाओ' का उद्घोष करते हैं।

जब धर्मनष्ठि सम्राट कॉन्स्टेंटाइन ने , बशिप अवलावीयस के साथ, एक स्वप्न में उन पुरुषों के संबंध में आपकी चेतावनयिाँ सुनीं जो अन्यायपूर्वक नष्ट होने वाले थे , तब उन्होंने तुरंत उन्हें रहिा करने का आदेश दयिा, और आपसे , नकिोलस, कहा: आनंदति हो!

महमिा: उस जहाज के लएि, जो समुद्र में डूब रहा था, / हे पति, आप नावकि थे ; / और मेरे लएि, जो दुष्ट वचिारों से अत्यंत पीड़ति था, / मेरे मन और हृदय में सही नर्णिय की पतवार प्रदान करें , / ताकमिैं हमेशा आपको 'आनंदति हो' का उद्घोष कर सकूँ , / हे अत्यंत प्रशंसनीय नकिोलस।

और अब: हर्षति हो, हे परम पवत्रि कुँवारी , / हर्षति हो, हे जगत की नींव , / हर्षति हो, क्योंकि तुमने सभी के ईश्वर , पुत्र को जन्म दयिा! / हमारे आत्माओं के उद्धार के लएि, हे ईश्वर की नर्दिोष माता, उससे प्रार्थना करो।

फरि कोंडाक और इकोस पढ़ें :

अकाथस्टि सहति संत नकिोलस के लएि कैनन

संत नकिोलस को अकथस्टि

कॉन्टाकयिन 1: हे चमत्कार -कर्ता जो हमारी रक्षा करते हैं / और मसीह के चुने हुए सेवक , / जो संपूर्ण संसार पर / दया की अनमोल धारा / और चमत्कारों का अक्षय सागर बहाते हैं ! / मैं प्रेम से तुम्हारी स्तुति करता हूँ , संत नकिोलस; / हे प्रभु के समक्ष धैर्यवान , / मुझे सभी क्लेशों से बचाओ, ताकि मैं तुम्हें पुकार सकूँ :

हे नकिोलस, महान चमत्कार -कर्ता , आनन्दति हो!

इकोस 1: स्वर्गदूत के सदृश , परन्तु सांसारकि स्वभाव के , / – इस प्रकार सर्व सृष्टि के सृष्टकिर्ता ने आपको प्रकट कयिा, / क्योंकि , हे अतधिन्य नकिोलस, आपकी आत्मा की प्रचुर सुन्दरता को देखकर , / उन्होंने सभी को इस प्रकार पुकारना सखिाया:

जय हो तेरा , जो अपनी माता के गर्भ से ही पवत्रि हुआ ; / जय हो तेरा , जो अंत तक पवत्रि रहा।

हे उस, जसिने अपने जन्म पर अपने माता-पति को चकति कर दयिा; / हे उस, जसिने अपने जन्म के तुरंत बाद अपनी आत्मा की शक्ति प्रदर्शति की।

प्रसन्न हो, प्रतज्ञि‍ात भूमि की शाखा; / प्रसन्न हो, दव्यि रोपण का फूल।

खुश हो, मसीह की दाख की बारी की सदाचारी बेल ; / खुश हो, यीशु के स्वर्ग के चमत्कारी वृक्ष।

आनंद मनाओ, स्वर्गीय वकिास की ललिी; / आनंद मनाओ, मसीह की सुगंध।

हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा वलिाप दूर हो जाता है ; / हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा आनंद लाया जाता है।

हे नकिोलस, महान चमत्कार -कर्ता , आनंदति हो!

कॉन्टाकयिन 2: हे ईश्वर -ज्ञानी , तेरी मृत्तकिा के प्रवाह को देखकर , हम आत्मा और शरीर से प्रकाशति होते हैं , तुझमें ,

नकिोलस, अद्भुत जीवन-दायक मृत्तकिा -वाहक को पहचानते हुए : क्योंकि ईश्वर की कृपा से जल की तरह बहते चमत्कारों से , तू उन लोगों को ताज़गी प्रदान करता है जो वशि्वास के साथ ईश्वर को पुकारते हैं : / अल्लेलूया।

इकोस 2: पवत्रि त्रमिूर्ति के सद्धिांत को समझते हुए , / जो मानवीय समझ से परे है , / आप नकियिा में पवत्रि पतिाओं के साथ / ऑर्थोडॉक्स वशि्वास के एक योद्धा के रूप में खड़े हुए : / क्योंकि आपने पुत्र को पति के समान माना, / समान रूप से शाश्वत और शक्ति में समान, / और साथ ही एरयिस के पागलपन की नदिा की। / इसलएि वशि्वासयिों ने तुम्हें यह गीत गाना सीखा है :

आनन्दति हो, धर्मपरायणता के महान स्तम्भ ; / आनन्दति हो, वशि्वासयिों के लएि शरण का नगर।

नमस्ते , धर्म की अडगि स्तम्भ ; / नमस्ते , परम पवत्रि त्रमिूर्ति का कीमती रथ और स्तुति।

हे पति, जो परमेश्वर के पुत्र को पति के समान सम्मान में घोषति करते हो, आनंदति हो; हे एरयिस, जसिने पागलपन में डूबे हुए को संतों की सभा से बाहर नकिाल दयिा, आनंदति हो।

हे पति, आनंदति हो, संतों की महमिामय शोभा; / हे परम-प्रज्ञावान , सभी धर्मपरायणों की शोभा।

हर्षति हो, हे जो अग्नमिय वचन बोलते हो; / हर्षति हो, हे जो अपनी भेड़ -बकरयिों को इतनी सुन्दरता से उपदेश देते हो।

हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा वशि्वास दृढ़ हुआ ; / हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा वधिर्म का नाश हुआ।

हे नकिोलस, महान चमत्कारी , आनंदति हो!

कॉन्टाकयिन 3: स्वर्ग से प्राप्त शक्ति द्वारा , / आपने अत्यंत पीड़तिों के चेहरों से हर आँसू पोंछा है , / ईश्वर -वाहक पति नकिोलस: / क्योंकि भूखों के लएि आप एक प्रदाता के रूप में प्रकट हुए , / समुद्र की गहराइयों में नौकायन करने वालों के लएि एक कुशल नावकि के रूप में , / रोगयिों के लएि एक चकित्सिक के रूप में , और सभी बातों में आप स्वयं को एक

सहायक साबति करते हैं / उन सभी के लएि जो ईश्वर को पुकारते हैं : / अल्लेलूया।

इकोस 3: सचमुच , हे पति नकिोलस, / स्वर्ग से आपके लएि एक भजन गाया जाना चाहएि, न कपिृथ्वी से ; / क्योंकि कोई भी मनुष्य / आपकी पवत्रिता की महानता का वर्णन कैसे कर सकता है ? / परन्तु हम, आपके प्रेम से अभभिूत , / आपको इस प्रकार पुकारते हैं :

आनन्दति हो, मेमनों और चरवाहों के लएि आदर्श ; / आनन्दति हो, नैतकिता की पवत्रि शुद्धि।

नमस्ते , महान गुणों के भंडार ; / नमस्ते , पवत्रि और अनमोल नविास-स्थान हे पवत्रि एक का।

प्रसन्न हो, वह दीपक जो सभी पर प्रकाश बखिेरता है और सभी का प्रयि है ; / प्रसन्न हो, सुनहरी और नरि्मल ज्योति।

खुश हो, स्वर्गदूतों की योग्य संगनिी ; / खुश हो, मानवता की दयालु मार्गदर्शक।

हर्षति हो, धर्मपरायण वशि्वास का नयिम; / हर्षति हो, आध्यात्मकि नम्रता का आदर्श।

हर्षति हो, क्योंकि आपके द्वारा हम शारीरकि वासनाओं से मुक्त होते हैं ; / हर्षति हो, क्योंकि आपके द्वारा हम आध्यात्मकि आनंद से परपिूर्ण होते हैं।

हे नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले , आनंदति हो!

कॉन्टाकयिन 4: भ्रम का एक तूफ़ान मेरे मन को परेशान करता है : / हे धन्य नकिोलस, मैं आपके चमत्कारों का यथोचति वर्णन कैसे करूँ ? / क्योंकि कोई भी उन्हें गनि नहीं सकता, / भले ही उसके कई जीभ हों / और वह उनमें बोलना चाहे। / परन्तु हम उस परमेश्वर का गायन करने का साहस करते हैं , जो आप में अद्भुत रूप से महमिामय है : / आल्लेलुया।

इकोस 4: हे ईश्वर -प्रज्ञावान नकिोलस, / दूर -दूर और पास-पास सभी ने आपके चमत्कारों की महानता सुनी है : / यह आपकी प्रथा है कआिप संकट में पड़े लोगों की सहायता के लएि सबसे

पहले दौड़ते हैं , / जैसे कि हवा में अनुग्रह के हल्के पंखों पर उड़ते हुए , / उन्हें उनकी सभी परेशानियों से शीघ्रता से मुक्ति दिलाते हुए , / जब वे इस प्रकार आपसे पुकारते हैं :

हे आनंद के दाता, आनंदति हो; / हे अनुग्रह के प्रदाता , आनंदति हो।

हे अप्रत्याशित बुराइयों को दूर करने वाले , आनंदति हो; / हे इच्छित आशीर्वादों के प्रदाता , आनंदति हो।

हे संकटग्रस्तों के शीघ्र सांत्वनादाता , आनंदति हो; / हे अन्यायियों के भयानक प्रतिशोधक , आनंदति हो।

हे परमेश्वर द्वारा प्रवाहित चमत्कारों के गर्त , आनंदति हो; / हे परमेश्वर द्वारा लिखित मसीह के विधान की पट्टिकाओं , आनंदति हो।

हे पतितों के दृढ़ पुनरुद्धार , आनंदति हो; / हे सीधे खड़े रहने वालों की पुष्टि , आनंदति हो

हर्षित हो, क्योंकि आपके द्वारा हर झूठ का पर्दाफाश होता है ; / हर्षित हो, क्योंकि आपके द्वारा हर सत्य की पूर्ति होती है।

हे नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले , आनंदति हो!

कॉन्टाकियन 5: आप ईश्वर द्वारा निर्देशित एक तारे के रूप में प्रकट हुए , / एक बार समुद्र में संकट में नाव चला रहे लोगों का मार्गदर्शन करते हुए , / जो जल्द ही मृत्यु का सामना कर चुके होते , / यदि आप उनकी सहायता के लिए न आते , / हे संत नकिोलस, चमत्कार करने वाले ; / क्योंकि जब दुष्टात्माएँ खुलेआम मंडरा रही थीं / और जहाजों को डुबाने का प्रयास कर रही थीं , / तब आपने उन्हें डांटा और भगा दिया, / और विश्वासियों को यह सिखाया कि वे आपके द्वारा उद्धारकर्ता ईश्वर से पुकारें : / अल्लेलुया।

Ikos 5: गरीबी के कारण लज्जास्पद विवाह के लिए नियत युवा कन्याएँ , धन्य पिता नकिोलस, ने आपकी गरीबों के प्रति महान

दया देखी , जब आपने रात में चुपके से उनके वृद्ध पति को सोने की तीन छोटी-छोटी गुटकिाएँ दीं , जसिसे आपने उन्हें और उनकी बेटयिों को पापपूर्ण पतन से बचाया / इसीलएि आप सभी से ऐसी प्रशंसा पाते हैं :

हे परम दया के कोष, हर्षति हो; / हे मानवजाति के लएि ईश्वर की परमप्रबन्ध की भांडार , हर्षति हो।

आनंदति हो, आप उन लोगों के लएि भोजन और सांत्वना हैं जो आपमें शरण लेते हैं ; / आनंदति हो, भूखों के लएि अक्षय रोटी।

खुश हो, पृथ्वी पर गरीबी में रहने वालों पर ईश्वर द्वारा प्रदान की गई संपदा ; / खुश हो, दीनों का शीघ्र उत्थान।

हर्षति हो, हे जो दरदि्रों की पुकार सुनने के लएि तत्पर कान रखते हो; / हर्षति हो, हे जो पीड़तिों के प्रति कृपापूर्ण देखभाल दखिाते हो।

नमस्ते , हे जसिने तीन कुंवारी कन्याओं को पवत्रि ववािह में एकत्रति कयिा; / नमस्ते , हे पवत्रिता के उत्साही रक्षक।

हे नरिाशों की आशा, आनंदति हो; / हे संसार की सम्पूर्ण आनंद , आनंदति हो।

खुश हो, नकिोलस, महान चमत्कारकर्ता !

कॉन्टाकयिन 6: संपूर्ण वशि्व यह घोषणा करता है / आप, अति धन्य नकिोलस, के वषिय में , / कि आप संकट के समय एक शीघ्र मध्यस्थ हैं , / क्योंकि बार-बार, उसी क्षण , / भूमि पर यात्रा करने वालों और समुद्र में नौकायन करने वालों के लएि, / आप उनकी सहायता के लएि सबसे पहले आते हैं , / सभी को बुराई से बचाते हुए , / जो ईश्वर से पुकारते हैं : / अल्ल eluia।

इकोस 6: आप जीवन के प्रकाश के रूप में प्रकट हुए , / उन सेनापतयिों को मुक्ति देते हुए / जो एक अन्यायपूर्ण मृत्यु को भुगतने वाले थे , / और उन लोगों को जन्हिोंने आपसे प्रार्थना की, हे अच्छे चरवाहे नकिोलस, / जब आप, शीघ्र ही राजा को स्वप्न में प्रकट होकर, उसके हृदय में भय उत्पन्न कर गए, / और आज्ञा दी कि उन्हें बनिा चोट के रहिा कर दयिा जाए। /

इसलएि, उनके साथ मलिकर, / हम कृतज्ञतापूर्वक तुम्हें पुकारते हैं :

जय हो तेरी , जो उन लोगों की सहायता करते हो जो सच्चे मन से तुम्हें पुकारते हैं ; / जय हो तेरी , जो अन्यायपूर्ण हत्या से बचाते हो।

हे , जो हमें वशि्वासघाती बदनामी से बचाता है ; / हे , जो अन्यायपूर्ण परामर्शों को नष्ट करता है।

खुशी मनाओ, हे जो झूठ को मकड़ी के जाले की तरह फाड़ डालता है ; / खुशी मनाओ, हे जो सत्य को महमिा में ऊँचा उठाता है।

खुशी मनाओ, नरि्दोषों को उनके बंधनों से मुक्त करने वाले ; / खुशी मनाओ, मृतकों को पुनर्जीवति करने वाले।

हे सत्य प्रकट करने वाले , आनंदति हो; / हे मथि्या पर अँधेरा छाने वाले , आनंदति हो।

हर्ष मनाओ, क्योंकि तुम्हारे द्वारा नरि्दोष लोग तलवार से बचे हैं ; / हर्ष मनाओ, क्योंकि तुम्हारे द्वारा उन्होंने प्रकाश का आनंद लयिा है।

हे नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले , आनंद मनाओ!

कॉन्टाकयिन 7: वधिर्म की अपमानजनक बदबू को दूर करने की इच्छा से , / एक वास्तव में सुगंधति सुगंध के साथ, आप प्रकट हुए , हे रहस्यमय नकिोलस: / आपने लकियिा के लोगों का मार्गदर्शन कयिा, / और अपनी अनुग्रह -पूर्ण सुगंध से संपूर्ण वशि्व को भर दयिा। / और हमसे पाप की ईश्वर -घृणति दुर्गंध को दूर भगाओ, / ताकि हम ईश्वर को प्रसन्न करने वाले ढंग से पुकार सकें : / अल्ल eluia।

इकोस 7: आप में , संत नकिोलस, हम नए नोआ, उद्धार के सन्दूक के नावकि को देखते हैं , / जो आपके मार्गदर्शन से सभी प्रचंड वपित्तयिों के तूफान को दूर करते हैं , / और उन लोगों को दवि्य शांति प्रदान करते हैं जो इस प्रकार पुकारते हैं :

खुशी मनाओ, तूफ़ान में उछाले गए लोगों के लएि शांत बंदरगाह ; / खुशी मनाओ, डूबते हुए लोगों के लएि नश्चिति आश्रय।

नमस्ते , दयालु नावकि, जो गहराइयों में नौकायन कर रहे हो; / नमस्ते , तुम जो समुद्रों के उथल-पुथल को शांत करते हो।

हर्षति हो, तू जो चक्रवात में फँसे मार्गदर्शक ; / हर्षति हो, तू जो शीत से पीड़तिों को गर्माहट प्रदान करता है।

हे प्रकाश , जो दुख के अंधकार को दूर करता है , आनंदति हो; / हे ज्योति , जो पृथ्वी के सभी छोरों को प्रकाशति करती है , आनंदति हो।

हे परमेश्वर , आनंदति हो, जो लोगों को पाप की गहरी खाई से बचाता है ; / हे परमेश्वर , आनंदति हो, जो शैतान को नरक की गहरी खाई में फेंकता है।

हेल , नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले !

हे नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले , आनंदति हो!

कॉन्टाकयिन 8: एक अद्भुत चमत्कार है / आपकी पवत्रि कलीसयिा, हे धन्य नकिोलस, / उन लोगों के लएि जो आप में शरण लेते हैं : / क्योंकि इसके भीतर, एक वनिम्र प्रार्थना करते हुए भी, / हमें गंभीर बीमारयिों से चंगाई मलिती है , / बशर्ते हम परमेश्वर के बाद आप में अपनी आशा रखें , वश्विास से पुकारते हुए : / आल्लेलुया।

इकोस 8: आप सचमुच सभी के सहायक हैं , / ईश्वर -वाहक नकिोलस, / और आपने उन सभी को एकत्र कयिा है जो आपसे प्रार्थना करते हैं , / पृथ्वी पर सभी के उद्धारकर्ता , प्रदाता और शीघ्र चकित्सिक के रूप में , / सभी को आपकी स्तुति करने के लएि प्रेरति करते हुए , ताकि वे इस प्रकार आपसे पुकार सकें :

हे सभी उपचारों के स्रोत , आनन्दति हो; / हे गम्भीर पीड़ा सहने वालों के सहायक, आनन्दति हो।

हर्षति हो, पाप की रात में भटक रहे लोगों पर चमकती भोर; / हर्षति हो, अपने श्रम की तपन से थके हुए लोगों पर स्वर्ग से बहती ओस।

नमस्ते , हे जो ज़रूरतमंदों को उनकी आवश्यकतानुसार प्रदान करते हो; / नमस्ते , हे जो मांगने वालों के लएि प्रचुरता तैयार करते हो।

हे , जो अक्सर हमारी प्रार्थनाओं का पूर्वानुमान करते हो, आनंदति हो; / हे , जो सफेद बालों वालों की शक्ति को पुनर्जीवति करते हो, आनंदति हो।

हर्षति हो, हे जो सत्य पथ से भटके हुए को फटकारते हो; / हर्षति हो, हे जो ईश्वर के रहस्यों के वश्विसनीय सेवक हो।

हर्षति हो, क्योंकि तेरे साथ हम ईर्ष्या को कुचलते हैं ; / हर्षति हो, क्योंकि तेरे द्वारा हम सदाचारी जीवन जीते हैं।

हे नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले , आनंदति हो!

कॉन्टाकयिन 9: आप सभी रोगों को दूर करते हैं , / हमारे महान मध्यस्थ नकिोलस, / अनुग्रह -पूर्ण उपचार तैयार करते हैं / जो हमारी आत्मा को शांति देते हैं / और सभी के हृदय को प्रसन्न करते हैं / जो पूरी लगन से आपकी मदद चाहते हैं , / ईश्वर से पुकारते हुए : / अल्ल eluia।

इकोस 9: हम पाखंडयिों की चालाकी देखते हैं जो व्यर्थ में ज्ञान की खोज करते हैं / आप द्वारा लज्जति हुए , / ईश्वर -ज्ञानी पति नकिोलस: / क्योंकि आपने वाद-ववािद में पराजति कयिा / ईश्वर -नन्दिक एरयिस को, जसिने दव्यिता को वभिाजति कयिा, / और सेबेलीउस को, जसिने पवत्रि त्रमिूर्ति में भ्रम उत्पन्न कयिा, / और आपने हमें ऑर्थोडॉक्स वश्विास में दृढ़ कयिा। / अतः हम आपको इस प्रकार पुकारते हैं :

हे धर्म की रक्षा करने वाली ढाल, आनन्दति हो; / हे अधर्म का नाश करने वाली तलवार, आनन्दति हो।

हे दव्यि आज्ञाओं के शकि्षक , आनंदति हो; / हे अधर्मी सद्धिांतों के वनिाशक, आनंदति हो।

हे परमेश्वर द्वारा स्थापति सीढ़ी , जसिसे हम स्वर्ग तक चढ़ते हैं , आनंदति होओ; / हे परमेश्वर द्वारा रचति आश्रय , जसिके नीचे बहुतों को शरण मलिती है , आनंदति होओ।

हे आनंदति हो, जन्हिोंने अपने वचनों द्वारा मूर्खों को बुद्धमिान बनाया; / हे आनंदति हो, जन्हिोंने अपने उदाहरण द्वारा सुस्त लोगों को जागृत कयिा।

प्रसन्न हो, ईश्वर की आज्ञाओं का अक्षय प्रकाश ; / प्रसन्न हो, प्रभु के वधिानों का अतदिीप्तमिान करिण।

हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारी शक्षिा से वधिर्मी नेताओं के सरि कुचले जाते हैं ; / हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा वश्विासयिों को महमिा का पात्र बनाया जाता है।

हे नकिोलस, महान चमत्कार -कर्ता , आनंदति हो!

कॉन्टाकयिन 10: आत्मा को बचाने की इच्छा से , / आपने सचमुच अपने शरीर को आत्मा के अधीन कयिा, / हमारे पतिा नकिोलस, / क्योंकि सर्वोपरि, मौन में और वचिारों के वरिुद्ध संघर्ष में , / आपने मनन को कर्म के साथ जोड़ा , / और मनन के द्वारा आपने एक पूर्ण मन प्राप्त कयिा / और उसके साथ नडिर होकर परमेश्वर और स्वर्गदूतों से संवाद कयिा, / सदा यह पुकारते हुए : / अल्ल eluia।

इकोस 10: हे अतधिन्य , तू एक दुर्ग है , / उनके लएि जो तेरे चमत्कारों की स्तुति करते हैं / और सभी के लएि जो तेरी मध्यस्थता चाहते हैं ; / इसलएि हमें , जो सद्गुणों में कमी रखते हैं , / दरदि्रता , वपित्तयिों , दुर्बलताओं और वभिन्नि कष्टों से बचा, / जैसे हम तुझसे प्रेम से पुकारते हैं :

जय हो, हे जो शाश्वत दरदि्रता से मुक्ति प्रदान करते हो; / जय हो, हे जो अक्षय संपदा प्रदान करते हो।

हे आनंदति हो, जो धार्मकिता के भूखे लोगों का अक्षय अन्न हो; / हे आनंदति हो, जो जीवन के प्यासे लोगों का अक्षय पान हो।

हर्षति हो, हे जो हमें वद्रिोह और कलह से बचाते हो; / हर्षति हो, हे जो हमें बंधन और कैद से मुक्त करते हो।

खुशी मनाओ, संकट के समय की महमिामय मध्यस्थ ; / खुशी मनाओ, वपित्तृ के समय की महान रक्षक।

हर्षति हो, हे जसिने अनेक को वनिाश से छीन लयिा है ; / हर्षति हो, हे जसिने अनगनित आत्माओं को अक्षुण्ण रखा है।

हर्षति हो, क्योंकि आपके द्वारा पापी क्रूर मृत्यु से बच नकिलते हैं ; / हर्षति हो, क्योंकि आपके मध्यस्थता से पश्चातापी अनंत जीवन प्राप्त करते हैं।

हे नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले , आनंद मनाओ!

कॉन्टाकयिन 11: हे परम धन्य नकिोलस, आपने परम पवत्रि त्रमिूर्ति की स्तुति कसिी अन्य से अधकि की है , वचिार, वचन और कर्म में ; क्योंकि आपने सच्चे वश्विास के सद्धिांतों को बड़ी सटीकता से समझाया है , हमें वश्विास , आशा और प्रेम के माध्यम से त्रमिूर्ति में एक ईश्वर की स्तुति करना सखिाया है : अल्ल eluia।

इकोस 11: एक तेजस्वी , अक्षय करिण / जीवन के अन्धकार में नविास करने वालों के बीच / हम आपको देखते हैं , हे पतिा नकिोलस, ईश्वर द्वारा चुने हुए : / क्योंकि आप स्वर्गदूतों की अदेह ज्योतयिों के साथ / अकल्पति त्रत्विीय प्रकाश के वषिय में संवाद करते हैं / और वश्विासयिों की आत्माओं को प्रबुद्ध करते हैं , / जो आपको इस प्रकार पुकारते हैं :

हे त्रि-सौर प्रकाश की करिण, आनन्दति हो; हे अस्त न होने वाले सूर्य के प्रभात तारे , आनन्दति हो।

हे मोमबत्ती , दव्यि ज्वाला से प्रज्वलति , आनंदति हो; / आनंदति हो, क्योंकि तूने शैतान की दुष्टता की ज्वाला बुझा दी है।

खुश हो, सच्चे वश्विास की स्पष्ट उद्घोषणा ; / खुश हो, सुसमाचार के प्रकाश की सुंदर करिण।

हर्षति हो, बजिली, जो वधिर्म को जलाती है ; / हर्षति हो, गर्जन , जो प्रलोभकों के हृदय में भय उत्पन्न करती है।

खुश हो, सच्चे ज्ञान के शकि्षक ; / खुश हो, रहस्यमयी मन के व्याख्याकार।

हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा सृष्टि की वस्तुओं की पूजा पैरों तले कुचली गई है ; / हर्षति हो, क्योंकि तुमसे हमने त्रमिूर्ति में सृष्टकिर्ता की पूजा करना सीखा है।

खुशी मनाओ, नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले !

कॉन्टाकयिन 12: ईश्वर द्वारा आप पर प्रदान की गई कृपा से अवगत, / हम हर्षोल्लास के साथ आपकी स्मृति का यथोचति रूप से उत्सव मनाते हैं , / हे अतमिहमिामय पति नकिोलस, / और हम पूरे हृदय से आपकी अद्भुत मध्यस्थता की ओर मुड़ते हैं ; / फरि भी हम आपके महमिामय कार्यों को गनि नहीं सकते , / जो समुद्र के रेत और तारों की भीड़ के समान हैं , / और, आश्चर्य से भरकर, हम परमेश्वर को पुकारते हैं : / अल्ल eluia।

इकोस 12: आपके चमत्कारों का गायन करते हुए , हम आपकी स्तुति करते हैं , सर्व -स्तुत्य नकिोलस: क्योंकि आप में परमेश्वर , त्रमिूर्ति में महमिामय, अद्भुत रूप से महमिामय हुआ है ; / फरि भी, हे पवत्रि चमत्कार करने वाले , यदि हम आपको हृदय से रचति भजनों और स्तोत्रों की भीड़ अर्पति करें , तो भी हम आपके चमत्कारों के वरदान के बराबर कुछ भी नहीं कर सकते ; उनके आश्चर्य से हम आपको इस प्रकार पुकारते हैं :

हे राजाओं के राजा और प्रभुओं के प्रभु के सेवक , आनन्दति हो; / हे उनके स्वर्गीय सेवकों के साथी, आनन्दति हो।

आनन्दति हो, वशि्वासयिों की सहायकिा; / आनन्दति हो, ईसाई जाति की उन्नति।

खुश हो, वजिय की नामधारी; / खुश हो, प्रसद्धि मुकुटधारणिी।

खुश हो, सभी सद्गुणों का दर्पण ; / खुश हो, उन सभी के लिए मजबूत दीवार जो तेरा शरण लेते हैं।

खुशी मनाओ, ईश्वर और ईश्वर की माता के बाद हमारी आशा; / खुशी मनाओ, हमारे शरीरों का स्वास्थ्य और हमारी आत्माओं का उद्धार।

हर्षति हो, क्योंकि आपकी मध्यस्थता से हम अनंत मृत्यु से मुक्त होते हैं ; / हर्षति हो, क्योंकि आपके द्वारा हम अनंत जीवन के योग्य बने हैं।

खुश हो, नकिोलस, महान चमत्कार करने वाले !

कॉन्टाकयिन 13: हे परम पवत्रि और अद्भुत पति नकिोलस, / शोकग्रस्त सभी के सांत्वनादाता ! / हमारी वर्तमान भेंट स्वीकार करें / और, आपकी दैवी मध्यस्थता के माध्यम से , / प्रभु से प्रार्थना करें कहिमें गेहेना से बचाएं , / ताकहिम आपके साथ गा सकें : / अल्लेलुया। **(3)**

तब इकोस 1 और कोंडाक 1

इकोस 1: एक स्वर्गदूत के सदृश , फरि भी सांसारकि स्वभाव के , / – इस प्रकार सृष्टि के सृष्टकिर्ता ने आपको प्रकट कयिा, / क्योंकि , हे अतधिन्य नकिोलस, आपकी आत्मा की प्रचुर सुंदरता को देखकर , / उन्होंने सभी को यह घोषति करना सखिाया:

हर्षति हो, गर्भ से शुद्ध ; / हर्षति हो, अंत तक पवत्रि।

हे उस, जसिने अपने जन्म से अपने माता-पति को चकति कर दयिा, आनंदति हो; / हे उस, जसिने अपने जन्म के तुरंत बाद ही अपनी आत्मा की शक्ति प्रदर्शति की, आनंदति हो।

आनन्दति हो, प्रतज्ञि़ात भूमि की शाखा; / आनन्दति हो, दव्यि बगीचे के फूल।

खुश हो, मसीह की दाख की बारी की सदाचारी बेल ; / खुश हो, यीशु के स्वर्ग की चमत्कारी वृक्ष।

आनंद मनाओ, स्वर्गीय वृद्धि की लति; / आनंद मनाओ, मसीह की सुगंध।

हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा वलिाप दूर हो जाता है ; / हर्षति हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा आनंद लाया जाता है।

हे नकिोलस, महान चमत्कार -कर्ता , आनंदति हो!

कॉन्टाकयिन 1: हे चमत्कार करने वाले जो हमारी रक्षा करते हैं / और मसीह के चुने हुए सेवक , / जो संपूर्ण वशि्व पर / दया का अनमोल मूरा / और चमत्कारों का अक्षय सागर बरसाते हैं ! / मैं प्रेम से आपकी स्तुति करता हूँ , संत नकिोलस; / और आप, जो प्रभु के समक्ष साहस रखते हैं , / मुझे सभी कष्टों से बचाएँ , ताकि मैं आपको पुकार सकूँ :

हे महान चमत्कार -कर्ता नकिोलस, आनन्दति हो!

भजन 7

इरमोस: धर्मनष्ठिों ने प्राणयिों को सृष्टकिर्ता से अधकि सम्मान नहीं दयिा, बल्कि उस आग पर साहसपूर्वक वजिय प्राप्त कर, जसिने उन्हें धमकाया था, उन्होंने आनंदपूर्वक गाया: 'हे हमारे पतिरों के अतप्रिशंसनीय प्रभु और परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

हे पवत्रि पति नकिोलस, हमारे लएि परमेश्वर से प्रार्थना करें।

हे संत नकिोलस, मसीह के पवत्रि संत , आनंदति हो: / क्योंकि आप सभी के लएि एक अकथनीय आनंद हैं ! / और मेरी ओर अपनी सहायक भुजा बढ़ाइए , ताकि मैं आपको पुकार सकूँ : / 'हे सर्वधन्य , आनंदति हो!'

जब सेनापतयिों ने सुना / कि उन्हें आपके आदेश से जेल से रहिा कर दयिा गया है , / उन्होंने मोमबत्तयिों वाले दीपक उठाए और उन्हें आपके पास लाए, / ऊँचे स्वर में पुकारते हुए : / 'हर्षति हो, पूजनीय पति, हमारे उद्धारकर्ता !'

महमिा: एक बार आपने कैदयिों को उनके कालकोठरी में सुना ; / मुझे भी सुनें , नकिोलस, / जब मैं आपको 'हर्षोल्लास ' का आह्वान लाता हूँ , / और मुझे गेहेन्नोम की आग से बचाएँ।

और अब: मरयिम, हमारी माता, उद्धारकर्ता की माता, मुझे स्वीकार करो, जो पश्चाताप करता हूँ और तेरे आश्रय में शरण लेता हूँ , ताकि मैं निरंतर तुझसे पुकार सकूँ : 'हे दयालु ईश्वर की सदा कुंवारी माता, आनंदति हो!'

ओड 8

इरमोस: परमेश्वर की माता के पुत्र ने / भक्तमिान युवकों को भट्टी में बचाया: / तब एक पूर्वसंकेत के रूप में , अब एक वास्तवकिता के रूप में ; / वह संपूर्ण ब्रह्मांड को तुम्हें गीत गाने के लएि बुलाता है। / हे प्राणयिों , प्रभु का भजन करो, / और उसे युग -युग तक महमिान्वति करो!

प्रेरतिों के साथ सह-सहिासन पर, / स्वर्गदूतों के साथ पवत्रि त्रमिूर्ति की सेवा करते हुए , / अति प्रशंसनीय नकिोलस, आनंदति हो, / और अपनी प्रार्थनाओं द्वारा मुझे आनंद प्रदान करें।

तूफ़ानों में उछाले जाने वालों के नावकि, / हर्षति हो, नकिोलस, / और शैतान के आक्रमण से भड़के मेरे वासनाओं के तूफ़ान को शांत कर, / क्योंकि मैं और सहन नहीं कर सकता, परन्तु मैं पुकारता हूँ : / 'हर्षति हो, मेरे सहायक और उत्साही रक्षक। '

महमिा: हे , कतिनी महान पीड़ा / दानवों के बाणों से मुझे व्याप्त हो रही है , / और मैं इन घावों को सहन नहीं कर सकता, / फरि भी कोई वैद्य मरहम लगाने वाला नहीं है ; / परन्तु हे नकिोलस, आप अपनी प्रार्थनाओं का मरहम और अफीम मुझ पर लगाइए, / ताकि मैं आपको पुकार सकूँ : / 'हे पूजनीय पति, आनन्दति हो!'

और अब: हर्षति हो, वह काँटों का झाड़ जो नष्ट नहीं हुआ , / जसिे मूसा ने सनिाई पर्वत पर देखा , / और वह सीढ़ी जसिे याकूब ने देखी , / – हे परमेश्वर की अति धन्य माता, सदा कुँवारी !

अकाथस्टि सहति संत नकिोलस के लएि कैनन

ओद 9

इरमोस: पृथ्वी पर जन्मी हर आत्मा / आत्मा से प्रकाशति होकर आनंद मनाए; / नरिाकार बुद्धयिों का स्वभाव भी आनंद मनाए, / ईश्वर की माता के पवत्रि पर्व का सम्मान करते हुए , / और वे पुकार उठें :/'हे सर्व -धन्य , आनंदति रहो, / हे ईश्वर की पवत्रि माता, सदा-कुँवारी !'

मझे बहकाने वाले की प्रलोभन घेरे हुए हैं / और पापपूर्ण इच्छाएँ , / परन्तु , आपकी रक्षा में भरोसा करके , / मैं आपमें शरण लेता हूँ , हे पति, / कि आप मुझसे दुष्ट के सभी प्रलोभनों को दूर भगा दें , / और मैं आपको पुकारता हूँ :/'हे नकिोलस, आनन्दति हो!'

आपने पागल की बकवास को शर्मदिा कयि, / और वधिर्म की ज्वाला को बुझा दयि; / आपने अपने कालकोठरयिों में बंद शासकों की पुकार सुनी , / और उनके 'हर्ष !' के अभविादन को स्वीकार कयि; / और हम आपसे पुकारते हैं , नकिोलस: / 'हर्ष , सर्व -धन्य !'

महमि: आपने अग्रीका की वनिती सुनी , / और उसके पुत्र बेसलि को अमीर के चंगुल से बचाया, / और क्षण भर में उसे सारासेनों से उसके माता-पति के सामने स्वस्थ कर दयि; / और मेरी प्रार्थना के द्वारा , मेरे पापों से पीड़ति और भारग्रस्त आत्मा को / गेहेन्ना की आग से बचाओ, नकिोलस।

और अब: हे रानी, जन्हिोंने सभी के राजा को जन्म दयि / और उन्हें जन्म दयि जो सारी सृष्टि को धारण करते हैं , / मेरी रक्षा करो, जो मैं आपकी महमि करता हूँ , / हे परम पवत्रि माता!

तब: यह वास्तव में उचति है / कि हम आपकी महमि करें , हे परमेश्वर की माता, / शाश्वत रूप से धन्य और नर्दिोष , / और हमारे परमेश्वर की माता। / करूबों के सर्वोच्च सम्मान के साथ / और सेराफमि की अतुलनीय महमि के साथ, / आप जन्हिोंने कुँवारी के रूप में परमेश्वर वचन को जन्म दयि, / परमेश्वर की सच्ची माता – हम आपकी महमि करते हैं।

द्रसैगयिन। महमिा, और अब: परम पवत्रि त्रमिूर्तत : हे प्रभु , दया करें। (3) महमिा, और अब: हमारे पतिा:

द्रोपारयिन , स्वर 4

वशि्वास के नयिम और नम्रता के आदर्श , / संयम की शकि्षकिा , / अटूट सत्य ने आपको / अपने झुंड के लएि प्रकट कयिा। / अतः , वनिम्रता से आपने महानता प्राप्त की, / और गरीबी से , धन-संपदा। / हे पतिा, संत नकिोलस, / हमारे प्रभु मसीह से हमारी आत्माओं के उद्धार के लएि प्रार्थना करें।

महमिा, और अब, ईश्वर की माता को: एक रहस्य , जो युगों से छपिा था / और स्वर्गदूतों को भी ज्ञात नहीं था, / हे ईश्वर की माता, आपके द्वारा पृथ्वी पर रहने वालों के लएि प्रकट हुआ है : / ईश्वर , जो दो स्वभावों के अवभिाज्य मलिन में अवतारति हुए , / जनि्होंने हमारे लएि स्वेच्छा से क्रूस उठाया, – / उसके द्वारा उन्होंने आदम, प्रथम मानव, को मृतकों में से जलिाया / और हमारी आत्माओं को मृत्यु से बचाया।

संत नकिोलस से प्रार्थना

हे सर्व -स्तुत्य और सर्वत्र पूज्य बशिप, महान चमत्कार -कर्ता , मसीह के पवत्रि संत , पतिा नकिोलस, हे ईश्वर के पुरुष और वशि्वासयोग्य सेवक , हे उत्कृष्ट आकांक्षाओं वाले पुरुष , हे चुने हुए पात्र , हे चर्च के दृढ़ स्तंभ , हे अति दीप्तमिान दीपक, हे तारा जो संपूर्ण ब्रह्मांड को प्रकाशति और जगमगाता है ! आप एक धर्मी पुरुष हैं , जो अपने प्रभु के प्रांगणों में लगाए गए खजूर के वृक्ष की तरह फलते -फूलते हैं ; मवराह में रहते हुए आपने मवराह की सुगंध से संसार को भर दयिा और ईश्वर की अनुग्रह की अक्षय धारा बहा दी। हे परम पवत्रि पतिा, आपके जुलूस द्वारा समुद्र का पवत्रीिकरण हुआ , जब आपके चमत्कारी अवशेष बारी शहर में ले जाए गए, तार्का प्रभु का नाम पूर्व से पश्चमि तक प्रशंसति हो। हे परम कुशल और अद्भुत चमत्कार करने वाले ,

अकाथस्टि सहति संत नकिोलस के लएि कैनन

शीघ्र सहायक, उत्साही मध्यस्थ , परम दयालु चरवाहे , जो वचन के झुंड को सभी वपित्तयिों से बचाते हैं ! हम आपकी महमिा करते हैं और आपको सभी ईसाइयों की आशा, चमत्कारों के स्रोत , वशि्वासयिों के रक्षक , सबसे बुद्धमिान शकि्षक , भूखों के पोषक, रोने वालों का आनंद , नंगों का वस्त्र , बीमारों के चकित्सिक , समुद्र में यात्रा करने वालों के नावकि, बंदयिों के मुक्तदिाता , वधिवाओं और अनाथों के प्रदाता और मध्यस्थ , पवत्रिता के रक्षक के रूप में स्तुतिं करते हैं , शशिुओं के कोमल पालनकर्ता , वृद्धों की शक्तिं , उपवास करने वालों के मार्गदर्शक , परशि्रमी लोगों के लएि वशि्राम , और गरीबों तथा ज़रूरतमंदों के लएि प्रचुर धन-संपत्तिं। हमारी प्रार्थना सुनें जो आपसे प्रार्थना करते हैं और आपकी शरण में आए हैं ; सर्वोच्च के समक्ष हमारे लएि अपनी मध्यस्थता प्रस्तुत करें , और अपनी दैवीय प्रार्थनाओं के द्वारा , हमारे आत्मा और शरीर के उद्धार के लएि जो कुछ भी लाभकारी है , वह प्राप्त करें ; इस पवत्रि नविास [या इस चर्च], हर शहर और गाँव , और हर ईसाई भूमिं तथा वहाँ रहने वाले लोगों को आपकी सहायता से हर वपित्तिं से बचाएँ ; क्योंकिं हम जानते हैं , हम जानते हैं , किं धर्मात्माओं की प्रार्थना , जो भलाई के लएि कार्य करते हैं , कतिना कुछ साध सकती है ; और हे धर्मी , धन्य कुँवारी मरयिम के बाद, हम आपको सर्व -दयालु परमेश्वर के समक्ष अपना मध्यस्थ मानते हैं , और हे अतिं धन्य पति, हम वनिम्रतापूर्वक आपकी प्रबल मध्यस्थता और संरक्षण में शरण लेते हैं ; हे चौकस और अच्छे चरवाहे , हमें सभी शत्रुओं , महामारी, भूकंप , ओलावृष्टिं , अकाल, बाढ़ , आग, तलवार और वदिेशी लोगों के आक्रमणों से बचाइए; और हमारी सभी परेशानयिों और दुखों में , हमें सहारा देने वाला हाथ बढ़ाइए , और हमारे लएि परमेश्वर की दया के द्वार खोलएि; क्योंकिं हम अपनी अनेक अधर्मों के कारण स्वर्ग की ऊँचाइयों को नहिारने के भी अयोग्य हैं ; हम पाप की बेड़यिों में बँधे हुए हैं , और न तो हमने अपने स्रष्टा की इच्छा पूरी की है और न ही उसकी

आज्ञाओं का पालन कयिा है। इसलएि, हम अपने वनिम्र और पश्चात्तापी हृदयों के घुटने अपने सृष्टकिर्ता के सामने टेकते हैं , और हम उनके सामने आपकी पतिृवत् मध्यस्थता का आह्वान करते हैं : हे परमेश्वर के सेवक , हमारी सहायता करें , ताकि हम अपने पापों के कारण नाश न हो जाएँ ; हमें सभ , हर बुराई और हर शत्रुतापूर्ण काम से बचाओ; हमारे मन को सच्चे वशि्वास में नरि्देशति करो और हमारे हृदय को मज़बूत करो, जसिमें , आपकी मध्यस्थता और वकालत के द्वारा , हम घावों , धमकयिों , महामारयिों , या हमारे स्रष्टा के कसिी भी क्रोध से न डगमगाएँ , परन्तु हम यहाँ अपना जीवन शान्ति से जएिँ और पृथ्वी पर जीवति लोगों के आशीर्वादों को देखने का सौभाग्य प्राप्त करें , पति, पुत्र और पवत्रि आत्मा , एक परमेश्वर की महमिा करते हुए , जो त्रत्वि में महमिामय और पूजति है , अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

दूसरी प्रार्थना

हे सर्व -पवत्रि नकिोलस, प्रभु के गौरवशाली सेवक , हमारे उत्साही मध्यस्थ और सभी कष्टों में शीघ्र सहायक! एक पापी और नरिाश व्यक्ति की सहायता करें : इस वर्तमान जीवन में , प्रभु परमेश्वर से वनिती करें कि वे मेरे सभी पापों को क्षमा कर दें , चाहे मैंने अपने यौवन से लेकर अपने पूरे जीवन तक कर्म , वचन, वचिार और अपनी सभी भावनाओं में कतिना भी पाप कयिा हो; और मेरी आत्मा के प्रस्थान के समय, इस दीन आत्मा की सहायता करो कि मैं सर्व सृष्टि के स्रष्टा , प्रभु परमेश्वर से वनिती करूँ कि मुझे वायु के क्लेश और अनंत यातना से छुड़ा दें , ताकि मैं सदा पति का, और पुत्र का, और पवत्रि आत्मा का, और आपकी दयालु मध्यस्थता का महमिागान करूँ , अब और सदा और युगानुयुग , आमीन।

तीसरी प्रार्थना

हे सर्व -दयालु पति नकिोलस, उन सभी के चरवाहे और शकि्षक जो वशि्वास के साथ आपकी मध्यस्थता की ओर मुड़ते

हैं और उत्कट प्रार्थना में आपको पुकारते हैं ! मसीह के झुंड को नष्ट करने की चाह रखने वाले भेड़यिों से शीघ्र उबारें , और अपनी पवत्रि प्रार्थनाओं द्वारा प्रत्येक ईसाई भूमि को सांसारकि उथल-पुथल , भूकंप , वदिेशी जनजातयिों के आक्रमणों और गृहयुद्ध , अकाल, बाढ़ , आग, तलवार और आकस्मकि मृत्यु से सुरक्षति रखें। और जैसे आपने जेल में बंद तीन पुरुषों पर दया की और उन्हें राजा के क्रोध और तलवार से कटने से बचाया, वैसे ही मुझ पर भी दया करें , जो वचिार, वचन और कर्म में पाप के अंधकार में रहता हूँ , और मुझे परमेश्वर के क्रोध और अनंत दंड से बचाएँ , ताकि आपके मध्यस्थता और सहायता से , और अपनी दया और अनुग्रह से , मसीह ईश्वर मुझे इस संसार में एक शांतपिूर्ण और पापरहति जीवन जीने का वरदान दें और मुझे बाईं ओर खड़े लोगों की नयिति से बचाएं , और मुझे सभी संतों के साथ दाहनिी ओर खड़े होने के योग्य बनाएं , आमीन।

वषिय-सूची पर वापस।

कैनन , स्वर 3
ओड 1

इरमोस: क्रूस के आकार की लाठी से विभाजित समुद्र , / जिसे प्राचीन काल में इस्राएल मरुभूमि की तरह पार हुआ , / और उसमें स्पष्ट रूप से मार्ग निर्धारित करता है। / इसलिए हम अपने अद्भुत ईश्वर की स्तुति करते हैं , / क्योंकि वह महिमामय हुआ है।

पुनरावर्तन : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो तुझसे प्रार्थना करते हैं।

हम पर आई इस दुख की घड़ी में , / हम आपके , हे मसीह हमारे उद्धारकर्ता , समक्ष गिरे हैं , / हम आपकी दया की याचना करते हैं। / अपने दास की बीमारी को दूर करें , / और हमसे भी वही कहें जो आपने शतमुखिया से कहा था: / 'जाओ; तुम्हारा दास स्वस्थ हो गया है !'

पुनरुक्ति : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो तुझसे प्रार्थना करते हैं।

हम आहें भरते हुए अपनी विनती और प्रार्थनाएँ / तुझसे करते हैं : 'हे परमेश्वर के पुत्र , हम पर दया कर!' / एक शब्द से उस शय्या पर पड़े हुए को उठा दे , / जैसे तूने लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया था, यह कहते हुए : / 'अपनी शय्या उठा ले ; / तेरे पाप क्षमा हुए !'

पिता को, पुत्र को, और पवित्र आत्मा को महिमा हो।

हे ख्रीस्त , तेरे मुखमंडल की प्रतिमा की उपासना करते हुए , हम उसे विश्वास से चूमते हैं , और बीमारों के लिए स्वास्थ्य की प्रार्थना करते हैं , उस रक्तस्राव वाली स्त्री

का अनुकरण करते हुए , जिसने तेरे वस्त्र के किनारे को छुआ और अपनी दुर्बलता से चंगाई पाई।

अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

हे परम पवित्र माता, परमेश्वर की माता, / सभी की जानी-पहचानी सहायिका, / हम जो आप में शरण लेते हैं , हमें तुच्छ न समझिए, / बल्कि हे सर्वशक्तिमान सहायिका, अपने भले पुत्र और हमारे परमेश्वर से / रोगियों को स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए प्रार्थना कीजिए, / ताकि वह भी हम सब के साथ आपको महिमान्वित कर सके।

भजन 3

इरमोस: हे प्रभु , जिसने सभी चीज़ों को शून्य से उत्पन्न किया, / वचन द्वारा सृजित और आत्मा द्वारा परिपूर्ण ! / सर्वशक्तिमान प्रभु , / मुझे अपने प्रेम में दृढ़ बना।

पुनरावृत्ति : दयालु प्रभु , अपने दासों की प्रार्थना सुनो जो तुझसे प्रार्थना करते हैं।

भयंकर बीमारी से पृथ्वी पर गिरि पड़ा , / वह हम सबके साथ तुझसे पुकारता है , हे मसीह; / उसे शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान कर, / जैसे तूने रोते हुए तुझसे प्रार्थना करने वाले हिजकियाह को दिया था।

पुनरुक्ति : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो आपसे प्रार्थना करते हैं।

हे प्रभु , हमारी दीनता पर दृष्टि डालो, / और हमारे अपराधों को याद न करो, / परन्तु पीड़ित की आस्था के लिए, / जैसे तूने एक वचन से कोढ़ी के रोग को चंगा किया, / ताकि हमारे परमेश्वर मसीह, तेरा नाम महिमामय हो।

महिमा: हे मसीह, उस कलीसिया को, जिसे तूने पवित्र किया है , / जिसमें हम तुझसे प्रार्थना करते हैं , / निन्दा का विषय न बनने दे ; / परन्तु उसको जो बिस्तर पर बीमारी में पड़ा है , / अदृश्य रूप से उठा; / ताकि अविश्वासी यह न कहें : / 'उनका परमेश्वर कहाँ है ?'

और अब: हे परमेश्वर की माता, हम अपनी पवित्रतम प्रतिमा की ओर हाथ फैलाकर पुकारते हैं :/'अपने सेवकों की प्रार्थना सुनो /और उस बीमार को बचाओ,/ताकि अपनी बीमारी से उठकर, वह तुम्हें वे व्रत पूरा कर सके /जो उसके होठों ने दुख में बोले थे।'

सेडालेन ,स्वर 8

मैं पाप के बिस्तर पर लेटा हुआ /और वासनाओं से घायल,/ जैसे तूने पतरस की सास को जलिाया /और बिस्तर पर उठाए गए लकवाग्रस्त मनुष्य को चंगा कयिा,/वैसे ही अब मेरी बीमारी में मुझ पर दया कर, हे दयालु ,/तूने हमारे वंश की दुर्बलताओं को उठाया।/हम केवल आपको ही /धीरजवान और दयालु जानते हैं ,/आत्माओं और शरीरों के अनुग्रहकारी चकित्सिक ,/मसीह हमारे ईश्वर ,/जो कष्ट भेजते हैं और उन्हें फरि से चंगा करते हैं ,/जो अपने पापों से पश्चाताप करने वालों को क्षमा प्रदान करते हैं ,/दयालु और अनुग्रहकारी एकमात्र।

महमिा: मैं ,एक पापी, अपने बिस्तर पर लेटे -लेटे रोता हूँ :/ हे मसीह हमारे ईश्वर ,मुझे क्षमा प्रदान करें ,/और मुझे इस बीमारी से उठाएँ ,/और यह अनुग्रह करें कि मैं उन पापों से मुक्त हो जाऊँ /जो मैंने अपनी जवानी से कए हैं ,/ईश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा।

और अब: दया करें और मुझे बचाएँ ,/मुझे मेरे बिस्तर की बीमारी से उठाएँ ,/क्योंकि मेरी शक्ति मुझमें समाप्त हो गई है /और मैं निराशा से पूरी तरह घरि गया हूँ। /हे परमेश्वर की अति पवित्र माता,/इस गंभीर रूप से बीमार को चंगा करें ,/ क्योंकि आप ईसाइयों की सहायक हैं।

ओड 4

इरमोस: हे प्रभु ,आपने हम पर महान प्रेम दखिाया है ,/ क्योंकि आपने हमारे लिए अपने एकमात्र पुत्र को /मृत्यु

के हवाले कर दिया। / इसलिए हम कृतज्ञतापूर्वक आपसे पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , तेरी शक्ति को महिमा हो!'

पुनरावृत्ति : दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो आपसे प्रार्थना करते हैं।

हे मसीह, जीवन प्रदान कर, / जो अपनी गंभीर बीमारी में निराश हो गए हैं / और मृत्यु के समीप हैं , / और विलाप करने वालों को सांत्वना दे , / ताकि हम सब महिमा कर सकें / तेरे पवित्र चमत्कारों की।

पुनरुक्ति : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो आपसे प्रार्थना करते हैं।

हे सृष्टिकर्ता , तेरे समक्ष हम अपने पापों से पश्चाताप करते हैं , क्योंकि तू पापी की मृत्यु नहीं चाहता। बीमारों को जीवित कर और उन्हें स्वास्थ्य प्रदान कर, ताकि वह, उठकर, तेरी सेवा कर सके , और हमारे साथ तेरी भलाई का प्रचार कर सके।

महिमा: मनश्शे के आँसुओं को, निनिवेवासियों के पश्चाताप को, और दाऊद के पाप-स्वीकार को स्वीकार करके , आपने उन्हें शीघ्रता से बचाया; और अब हमारी प्रार्थनाओं को स्वीकार करें , बीमारों को स्वास्थ्य प्रदान करें , जिनके लिए हम आपसे विनती करते हैं।

और अब: हे माता, हम पर अपनी दया करें , / क्योंकि हम सदा आप में आशा रखते हैं , / और रोगियों के स्वास्थ्य के लिए मध्यस्थता करें , / अपने चंगा करने वाले हाथों से , हे परमेश्वर की माता, / जो पूर्ववर्ती के साथ प्रभु परमेश्वर की ओर फैले हुए हैं।

ओद 5

इरमोस: हे अदृश्य , तू पृथ्वी पर प्रकट हुआ , / हे अगम्य , तू स्वेच्छा से मनुष्यों के साथ मेलजोल किया; / इसलिए, भोर से ही तेरी ओर प्रयत्न करते हुए , / हम तेरा गुणगान करते हैं , हे मानव-प्रेमी।

पुनरावर्तन : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो तुझसे प्रार्थना करते हैं।

यायरस की बेटी , जो पहले ही मर चुकी थी, / उसे तूने ईश्वर के रूप में जीवित कर दिया, / और अब, हे मसीह ईश्वर , पीड़ितों को मृत्यु के द्वार से बचा, / क्योंकि तू सभी के लिए मार्ग और जीवन है।

पुनरुक्ति : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो तुझ से प्रार्थना करते हैं।

हे उद्धारकर्ता , जिन्होंने विधवा के पुत्र को पुनर्जीवित किया, / और उसके आँसुओं को आनंद में बदल दिया! / अपने उस सेवक को बचाओ जो बीमारी से मर रहा है , / ताकि हमारा दुख और पीड़ा आनंद में बदल जाए।

महिमा: हे प्रभु , जिन्होंने अपने स्पर्श से पतरस की सास के बुखार को ठीक किया! और अब, अपने बीमार सेवक को भी चंगा करें , ताकि वह भी उठकर, उसकी तरह आपकी सेवा कर सके।

और अब: हम जो दुखी , विनम्र और पापी हैं , / जो तेरे समीप आने की हिम्मत नहीं करते , / हम तुझसे पुकारते हैं , हे परमेश्वर की अति पवित्र माता: / अपने पुत्र , मसीह से विनती कर, / कि इस रोगी को शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करें।

ओद 6

इरमोस: पापों की गहरी खाई ने मुझे घेर लिया है , / और मेरी आत्मा टूट रही है ; / परन्तु हे प्रभु , अपना सामर्थी हाथ बढ़ाकर , / मुझे बचा ले , जैसे तू पतरस को बचाया, हे नाविक।

पुनरुक्ति : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो तुझसे प्रार्थना करते हैं।

हे मसीह हमारे परमेश्वर , जो दया और कृपा के गहरे भंडार के स्वामी हैं , / अपने दासों की विनतियों को सुनें ! / क्योंकि जैसे आपने पतरस की प्रार्थना से तबीथा को जिलाया, / वैसे ही अब उस बीमार को जिला उठाएँ , / चर्च की प्रार्थना सुनकर।

बीमारों के लिए प्रार्थना

पुनरुक्ति : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो आपसे प्रार्थना करते हैं।

हे मसीह, हमारे आत्मा और शरीर के चिकित्सक , / जिन्होंने सारी दुनिया की दुर्बलताओं को उठाया, / और जिन्होंने पौलुस के हाथों द्वारा यूतीखुस को जिलाया, / अब उस पीड़ित को चंगा करें / पवित्र प्रेरितों की प्रार्थनाओं के द्वारा।

महिमा: हे मसीह, उसकी दुर्बलता पर शोक करने वाले की विलाप को आनंद में बदल दो, / ताकि, तेरी दया प्राप्त करके , / वह व्रत -भेंटों के साथ तेरे भवन में प्रवेश कर सके , / त्रिमूर्ति में एक परमेश्वर , तेरी महिमा करता हुआ।

और अब: आओ, हे मित्रो , हम आराधना करें , / रोगियों के लिए परमेश्वर की माता से प्रार्थना करते हुए। / क्योंकि उनके पास दुर्बल लोगों को चंगा करने की शक्ति है , / अखिल-शक्तिमानों के साथ, अदृश्य रूप से / उन्हें आध्यात्मिक तेल से अभिषिक करते हुए।

कॉन्टाकियन , स्वर 3

हे प्रभु , मेरी आत्मा को उठाओ, / जो हर प्रकार के पापों / और अधर्मी कर्मों से अत्यंत दुर्बल हो गई है , / अपनी दिव्य कृपा से , / जैसे तुमने एक बार लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया था, / ताकि मैं , उद्धार पाकर, तुम्हें पुकार सकूँ : / 'महिमा हो, हे दयालु मसीह, / तेरी सामर्थ्य की!'

इकोस: हे ईश्वर यीशु , जो बिना आरंभ के पिता के समान हैं , और पवित्र आत्मा के साथ सर्व पर राज्य करते हैं , आपने संसार के छोरों को अपनी हथेली में थाम रखा है , और देह में प्रकट होकर दुर्बलताओं को चंगा किया; / और वासनाओं को दूर भगाया; तूने अंधों को दृष्टि दी, / और अपने दैवीय वचन से लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया, / अचानक उसे चलने का और उस बिस्तर को अपने कंधों पर उठाने का आज्ञा देकर जिस पर वह लेटा था। / इसलिए, हम सभी उसके साथ गाते हैं और पुकारते हैं : / 'महिमा तुझको हो, हे दयालु मसीह, / तेरी सामर्थ्य को!'

बीमारों के लिए प्रार्थना

भजन 7

इरमोस: एक बार, सुनहरे प्रतिमा के सामने , / फारसी मूर्ति के सामने , / तीनों युवकों ने सिर नहीं झुकाया , / और भट्टी के बीच में गाया: / 'हे हमारे पुरखों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

पुनरावर्तन : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो तुझ से प्रार्थना करते हैं।

हे मसीह के परम पवित्र क्रूस , / जीवन के पवित्र वृक्ष ! / तेरे द्वारा मृत्यु पर विजय प्राप्त हुई और मृतकों को जिलाया गया। / और अब बीमारों को चंगा कर और उन्हें पुनर्जीवित कर, / जैसे तूने रानी हेलेना के समय में मृत कन्या को चंगा किया था।

पुनरावर्तन : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो तुझसे प्रार्थना करते हैं।

यॉब की लंबी और गंभीर बीमारी, / जब वह फोड़ों और कीड़ों से भरे बिस्तर पर लेटे हुए प्रार्थना कर रहा था, / हे प्रभु , आपने उसे एक ही वचन से चंगा किया। / और अब, यहाँ गिरिजाघर में , हम बीमारों के लिए आपसे प्रार्थना करते हैं : / जैसे आप दयालु हैं , उसे अदृश्य रूप से चंगा करें / अपने संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा।

महिमा: हम सभी जानते हैं कि हमें मरना है , / हे ईश्वर , ऐसी ही आपकी इच्छा है ; / परन्तु थोड़े समय के लिए, हे दयालु , / हम बीमारों के लिए स्वास्थ्य मांगते हैं : / उसे मृत्यु से जीवन की ओर ले चलो, / और शोक करने वालों को सांत्वना दो!

और अब: हे परमेश्वर की माता, हमारे अनाथत्व में हमारी सहायक और सहारा बनो, / क्योंकि तुम वह समय और घड़ी जानती हो / जब तुम्हारे पुत्र और हमारे परमेश्वर से विनती करनी है / कि वह रोगी को स्वास्थ्य प्रदान करें / और सभी पापों की क्षमा प्रदान करें।

बीमारों के लिए प्रार्थना

ओद 8

इरमोस: जीवित ईश्वर की सेवा के लिए, / बेबीलोन में युवकों ने धमकियों को सहते हुए , / वाद्ययंत्रों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया, / बल्कि , ज्वालाओं के बीच खड़े होकर, / ईश्वर के योग्य एक भजन गाया, यह उद्घोष करते हुए : / 'हे प्रभु के सभी कार्यों , प्रभु का धन्यवाद करो!'

पुनरावर्तन : हे दयालु प्रभु , अपने उन दासों की प्रार्थना सुनो जो तुझसे प्रार्थना करते हैं।

हे प्रभु , अपने दास पर बीमारी में दया दिखाओ, / और हे दयालु मसीह परमेश्वर , उसे शीघ्र चंगा करो, / और उसे अभी तक घातक दण्ड में न सौंपो , / ताकि वह तुम्हें पश्चाताप अर्पित कर सके। / क्योंकि तुमने स्वयं कहा है : / 'मैं पापी की मृत्यु नहीं चाहता।'

पुनरुक्ति : हे दयालु प्रभु , अपने उन सेवकों की प्रार्थना सुनो जो तुझसे प्रार्थना करते हैं।

हे दयालु प्रभु , / हे प्रभु , आपकी महिमामय चमत्कारों / अब हम तक भी पहुँचें : / दुष्टात्माओं को भगाएँ , दुर्बलताओं को नष्ट करें , / घावों को चंगा करें , रोगों का उपचार करें , / और हमें जादू -टोने , तंत्र -मंत्र और / हर कष्ट से बचाएँ !

महिमा: हे ख्रीस्त , समुद्र की लहरों को शांत करके , / और चेलों के भय को आनंद में बदलकर, / अब उन गंभीर बीमारियों को शांत कर / जो तेरे सेवक को पीड़ित कर रही हैं , / ताकि हम सब आनंदित हों , / और युगानुयुग तेरी स्तुति करें।

और अब: हे परमेश्वर की माता, हमें बचाइए, / उन दुखों से जो हम पर छाए हुए हैं , / विभिन्न दुर्बलताओं , विष और जादू -टोने से , / और दैवीय भ्रमों से , और दुष्ट लोगों की बदनामी से , / और मृत्यु से ; हम आपसे प्रार्थना करते हैं।

बीमारों के लिए प्रार्थना

भजन 9

इरमोस: सिनाई पर्वत पर / मूसा ने एक काँटेदार झाड़ी में देखा / आपको, जिन्होंने बिना झुलसे अपनी कोख में दिव्यता की अग्नि धारण की; / जबकि दानियेल ने आपको एक अडिग पर्वत के रूप में देखा , / एक अंकुर फूटता हुआ , जैसा यशायाह ने पुकारा , / दाऊद की जड़ से।

पुनरावर्तन : हे दयालु प्रभु , अपने उन दासों की प्रार्थना सुनो जो तुझ से प्रार्थना करते हैं।

हे जीवन के स्रोत , हे दया के दाता, हे मसीह, / हमसे अपना मुख मत मोड़। / उस रोग से थके हुए की पीड़ा को कम कर, / और उसे उठा, जैसे थदा के सेवा द्वारा अबगार को उठाया गया था, / ताकि वह सदा के लिए तुझे महिमा दे / पिता और पवित्र आत्मा के साथ।

पुनरावर्तन : हे दयालु प्रभु , अपने उन दासों की प्रार्थना सुनो जो तुझ से प्रार्थना करते हैं।

सुसमाचार के वचन पर विश्वास करते हुए , / हम उस चीज़ की खोज करते हैं जो आपने वादा किया है , हे मसीह: / क्योंकि आपने कहा है : 'माँगो , तो तुम्हें दिया जाएगा।' / इसलिए, अभी भी हम आपके सामने खड़े हैं , प्रार्थना करते हुए : / उसे बिस्तर से , अच्छे स्वास्थ्य के साथ, उठाएँ , / जिसे एक गंभीर बीमारी ने गिरा दिया है , / ताकि वह हमारे साथ मिलकर आपकी महिमा कर सके।

महिमा: रोग से पीड़ित , / अदृश्य आंतरिक घावों से , / वह हम सबके साथ तुझसे पुकारता है , हे मसीह: / हमारे लिए नहीं , हे प्रभु , हमारे कारण नहीं , /—क्योंकि हम सब पाप से भरे हैं —/ परन्तु तेरी माता और पूर्ववर्ती की प्रार्थनाओं के द्वारा , / पीड़ित को चंगाई प्रदान कर, / ताकि हम सब तेरा महिमागान कर सकें।

और अब: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता! / हम सभी संतों के साथ आपको पुकारते हैं : / स्वर्गदूतों और महादूतों के साथ, / भविष्यवक्ताओं और पुरखों के साथ, / प्रेरितों , पूजनीयों और धर्मी लोगों के साथ, / हमारे परमेश्वर मसीह से

प्रार्थना करें / कि वह पीड़ितों को स्वास्थ्य प्रदान करें , / ताकि हम सभी आपकी महिमा कर सकें।

प्रार्थना

हे सर्वशक्तिमान ईश्वर , जो अपनी दया में मानव जाति के उद्धार के लिए सभी चीजों को निर्धारित करते हैं , अपने सेवक **(नाम)** पर कृपा करें , जो आपके मसीह के नाम का आह्वान करता है ; उसके पापों को क्षमा करें और उसे हर शारीरिक और आध्यात्मिक दुर्बलता से चंगा करें। और अपने सेवक से सभी पापी प्रलोभनों , हर कष्ट और शत्रु की सभी चालाकियों को दूर कर; उसे उसके बिस्तर से उठा, और यह अनुग्रह कर कि वह अपनी आत्मा और शरीर से स्वस्थ होकर, अपने मसीह के नाम की महिमा सभी लोगों के बीच शुभ कर्मों द्वारा कर सके। हम तुझे महिमा अर्पित करते हैं , तेरे एकलौते पुत्र और पवित्र आत्मा के साथ, अब और सदा के लिए और युगानुयुग। आमीन।

विषय-सूची पर वापस जाएँ ।

लतिानी का क्रम ,
एक सामान्य व्यक्ति द्वारा कयिा गया
घर पर और कब्रस्तिान में

हे प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , हमारे पवित्र पुरखों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करें।

महमिा तेरी , हे हमारे परमेश्वर , महमिा तेरी।

स्वर्गीय राजा, सांत्वनादाता , सत्य के आत्मा , जो सर्वत्र उपस्थति हैं और सभी चीज़ों को भरते हैं , सभी अच्छाइयों के खज़ाने और जीवन के दाता, आकर हम में वास करें , और हमें हर अशुद्धि से शुद्ध करें , और हे दयालु , हमारी आत्माओं को बचाएँ।

हे पवित्र परमेश्वर , हे पवित्र सर्वशक्तमिान , हे पवित्र अमर, हम पर दया करें। (३)

पति को, पुत्र को, और पवित्र आत्मा को महमिा हो, अब और सदा, युगानुयुग। आमीन।

हे परम पवित्र त्रमिूर्ति , हम पर दया करो; हे प्रभु , हमें हमारे पापों से शुद्ध करो; हे प्रभु , हमारे अपराधों को क्षमा करो; हे पवित्र एक, अपने नाम के लिए हमारी दुर्बलताओं का उपचार करो और उन्हें चंगा करो।

हे प्रभु , दया करें। (3) **महमिा, और अब:**

हे हमारे पति, जो स्वर्ग में हो! तेरा नाम पवित्र माना जाए; तेरा राज्य आए; तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है , वैसे ही पृथ्वी पर भी पूरी हो; हमें आज हमारा प्रतदिनि का भोजन दे ; और हमारे ऋण क्षमा कर, जैसे हम भी अपने ऋणी क्षमा करते हैं ; और हमें परीक्षा में न ले , परन्तु हमें बुराई से बचा।

हे प्रभु , दया करें। (12)

आओ, हम अपने राजा, अपने ईश्वर की आराधना करें।

आओ, हम मसीह, हमारे राजा और ईश्वर के सामने पूजा करें और प्रणाम करें।

आओ, हम हमारे राजा और ईश्वर मसीह स्वयं के सामने पूजा करें और प्रणाम करें।

भजन संहति 90

जो परमप्रभु की छाया में रहता है , वह स्वर्ग के परमेश्वर की छाया में नविास करेगा। वह प्रभु से कहेगा : 'तू मेरा शरणस्थान और मेरा दृढ़ कलि है , हे मेरे परमेश्वर , जसि पर मैं भरोसा करता हूँ। ' क्योंकि वह तुम्हें पक्षी -मारने वाले के फंदे से और घातक महामारी से बचाएगा। वह तुम्हें अपने पंखों की छाया में छपिाएगा, और उसके पंखों के नीचे तुम्हें शरण मलिेगी ; उसकी सच्चाई ढाल की तरह तुम्हारे चारों ओर रहेगी। तुम न तो रात के भय से डरोगे , न दनि में उड़ने वाले तीर से ; न अँधेरे में घात लगाने वाली महामारी से , न दोपहर में मारने वाली वनिाश से। तेरे पास से एक हजार और तेरे दहनि हाथ से दस हजार गरि सकते हैं , पर वह तेरे पास नहीं आएगा। तू केवल अपनी आँखों से देखेगा और दुष्टों को दण्डति होते देखेगा। क्योंकि हे यहोवा, तू ही मेरी आशा है ! आपने सर्वोच्च को अपना शरणस्थान बनाया है। आप पर कोई बुराई नहीं आएगी, न ही कोई महामारी आपके तम्बू के पास आएगी; क्योंकि वह अपने स्वर्गदूतों को आपके वषिय में आज्ञा देगा कि वे आपके सब मार्गों में आपकी रक्षा करें —वे आपको अपने हाथों पर उठा लेंगे , कहीं ऐसा न हो कि आपका पैर पत्थर से टकरा जाए। तू साँप और बच्छिू पर पैर रखेगा ; तू सहि और अजगर को अपने पैरों तले कुचल डालेगा। 'क्योंकि उसने मुझ पर भरोसा कयिा है , और मैं उसे छुड़ाऊँगा ; मैं उसकी रक्षा करूँगा , क्योंकि उसने मेरा नाम जाना है। वह मुझ से पुकारेगा , और मैं उसे उत्तर दूँगा ; मैं संकट में उसके साथ रहूँगा ; मैं उसे उबारूँगा और

उसे सम्मान दूँगा ; मैं उसे दीर्घायु से तृप्त करूँगा और उसे अपना उद्धार दखिाऊँगा। '

महमिा, और अब: अल्ल eluia, अल्ल eluia, अल्ल eluia, महमिा तुझे हो, हे ईश्वर। **(3) और तीन प्रणाम।**

ट्रोपारयिा , स्वर 4

सोई गए धर्मी आत्माओं के साथ, हे उद्धारकर्ता , अपने दास [या: दासी] की आत्मा को वश्रिाम दे , उसे उस धन्य जीवन में बनाए रख, जो हे मानव-प्रेमी , आपके साथ है।

हे प्रभु , अपनी वश्रिाम -स्थली में , / जहाँ तेरे सभी संत चैन पाते हैं , / अपने सेवक [या: दासी] की आत्मा को भी वश्रिाम प्रदान कर, / क्योंकि केवल तू ही मानव-प्रेमी है।

महमिा: हे हमारे परमेश्वर , तू नरक में उतर आया था / और बंदयिों के कष्टों का अंत कयिा; / स्वयं अपने सेवक [या: सेवकिा] की आत्मा को वश्रिाम दे।

और अब: हे एकमात्र , पवत्रि और नर्दिोष कुँवारी , / जन्हिोंने शब्दों से परे तरीके से ईश्वर को अपनी कोख में धारण कयिा, / अपने सेवक [या: दासी] की आत्मा के उद्धार के लिए मध्यस्थता करें।

कॉन्टाकयिन , स्वर 8

हे ख्रीस्त , संतों के साथ वश्रिाम प्रदान कर, / अपने दास [या: दासी] की आत्मा को, / जहाँ न पीड़ा है , न शोक, न कराह, / परन्तु अनन्त जीवन है।

इकोस: हे प्रभु , केवल आप ही अमर हैं , जन्हिोंने मनुष्य को गढ़ा और बनाया: परन्तु हम नश्वर प्राणी मट्टिी से बने हैं , और उसी मट्टिी में लौटेंगे , जैसा आपने आज्ञा दी थी जब आपने मुझे बनाया और मुझसे कहा: 'तू धूल है , और धूल में ही लौट जाएगा', / जहाँ हम सभी नश्वर लोग जाएँगे , / कब्र पर शोक को एक गीत में बदलते हुए / 'आल्लेलुया , आल्लेलुया , आल्लेलुया !'

हम तुम्हारी महमिा करते हैं , हे परमेश्वर की माता—/ जन्हिोंने , खेरूबों के सर्वोच्च सम्मान / और सेराफ़ीमों की अतुलनीय महमिा के साथ, / कुँवारी अवस्था में परमेश्वर के वचन को जन्म दयिा, / परमेश्वर की सच्ची माता।

महमिा, और अब: हे प्रभु , दया करें। (3) हमें आशीर्वाद दें।

हे प्रभु यीशु मसीह हमारे परमेश्वर , हमारे पवत्रि पताओं की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करें।

आपकी स्मृति अनंतकाल तक रहे , हे हमारे परम धन्य और सदा स्मरणीय पतिरों और भाइयों। (3)

उसकी आत्मा धन्य लोगों के बीच नविास करेगी , और उसकी स्मृति पीढ़ी -दर-पीढ़ी बनी रहेगी।

हे पवत्रि परमेश्वर , हे पवत्रि सर्वशक्तमिान , हे पवत्रि अमर, हम पर दया करें। (3)

वषिय-सूची पर वापस जाएँ ।

लतिानी का क्रम
ईस्टर के मौसम के दौरान,
एक सामान्य व्यक्ति द्वारा कयिा गया
घर पर और कब्रस्तिान में

हमारे पवत्रि पतिाओं की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे प्रभु यीशु मसीह हमारे परमेश्वर , हम पर दया करें।

मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु को पराजति कर, / और कब्रों में पड़े हुओं को, / जीवन प्रदान कर। (3)

ट्रोपारयिा , स्वर 4

प्रस्थान कर चुके धर्मी लोगों की आत्माओं के साथ, हे उद्धारकर्ता , अपने दास [या: दासी] की आत्मा को वश्रिाम प्रदान करें , उसे उस धन्य जीवन में सुरक्षति रखते हुए जो मानवता के प्रेमी हे , आप के साथ है।

हे प्रभु , अपनी वश्रिाम -स्थली में , / जहाँ तेरे सभी संत शांति पाते हैं , / अपने सेवक [या: दासी] की आत्मा को भी वश्रिाम प्रदान कर, / क्योंकि केवल तू ही मानव-प्रेमी है।

महमिा: हे हमारे परमेश्वर , जो नरक में अवतरति हुए / और बंदयिों के कष्टों का अंत कयिा; / हे प्रभु , अपने दास [या: दासी] की आत्मा को वश्रिाम प्रदान करें।

और अब: हे एकमात्र , शुद्ध और नरि्मल कुँवारी , जनि्होंने शब्दों से परे अपने गर्भ में ईश्वर को धारण कयिा, अपने सेवक [या: अपनी दासी] की आत्मा के उद्धार के लिए मध्यस्थता करो।

ईस्टर के दौरान लथियिन अनुष्ठान

कॉन्टाकयिन , स्वर 8

हे ख्रीस्त , संतों के साथ वश्राम प्रदान कर, / अपने दास [या: दासी] की आत्मा को, / जहाँ न पीड़ा है , न शोक, न कराह, / परन्तु अनन्त जीवन है।

और कोंटाकयिन , उसी स्वर में

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और विजेता बनकर, हे मसीह हमारे परमेश्वर , पुनरुत्थित हुआ , / मूरह -वाहक स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षित होओ!' / और अपने प्रेरितों को शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

स्वर्गवासियों के लिए प्रार्थना

हे प्रभु , अपने सेवक [या सेविका] (नाम) की आत्मा को वश्राम प्रदान करें , और उसके [या उसकी] स्वेच्छा से और अनजाने में किए गए पापों को क्षमा करें , तथा उसे [या उसे] स्वर्ग का राज्य प्रदान करें।

फरि इरमोस, स्वर 1

चमक, चमक हे नये यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु का तेज तुझ पर उदय हुआ है ! / अब आनन्दित हो और हर्षित हो हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्दित हो / उस के पुनरुत्थान में जिसे तूने जन्म दिया।

महिमा, और अब: हे प्रभु , दया करें। (3) हमें आशीर्वाद दें।

हे प्रभु यीशु मसीह हमारे परमेश्वर , हमारे पवित्र पुरखों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करें।

मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीते हुए , / और कब्रों में पड़े वालों को जीवन प्रदान किया है। (3)

और हम गायन का समापन करते है : और उन्होंने हमें अनंत जीवन प्रदान कयिा है ; हम उनके तीन-दनिों के पुनरुत्थान की उपासना करते हैं।

और हम कब्र में लेटे हुए लोगों की ओर मुड़ते है , इन शब्दों के साथ: मसीह जी उठे हैं !

वषिय-सूची पर वापस।

गाने का क्रम
बारह भजन-संग्रहों में से ,

जैसा कि उनके पूजनीय तपस्वी पूर्वजों ने दिन-रात गाया,
जैसा कि पैट्रिस्टिक लेखों में वर्णित है
और कई संतों के जीवन और शहादतों में।
यह सेवा पवित्र पर्वत से लाई गई थी
आदरणीय डोसथियिस, कीव-पेचेरस्क लाव्रा के
आर्चमिंड्राइट द्वारा।

पुरोहित : धन्य हो हमारा ईश्वर :

साधारण व्यक्ति : हमारे पवित्र पिताओं की प्रार्थनाओं के द्वारा , प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , हम पर दया करें।

महिमा तेरी , हे हमारे परमेश्वर , महिमा तेरी।

पवित्र आत्मा की प्रार्थना

स्वर्गीय राजा, सांत्वनादाता , सत्य के आत्मा , जो सर्वत्र उपस्थित हैं और सभी चीज़ों को भरते हैं , सभी भलाई के खज़ाने और जीवन के दाता, आओ और हम में वास करो, और हमें हर अशुद्धि से शुद्ध करो, और हे शुभ , हमारी आत्माओं को बचाओ।

पवित्र त्रिमूर्ति

हे पवित्र परमेश्वर , हे पवित्र सर्वशक्तिमान , हे पवित्र अमर, हम पर दया करें।

हे पवित्र ईश्वर , हे सर्वशक्तिमान , हे अमर, हम पर दया करो।

हे पवित्र परमेश्वर , हे पवित्र सर्वशक्तिमान , हे पवित्र अमर, हम पर दया करें।

पिता के लिए महिमा हो, और पुत्र के लिए, और पवित्र आत्मा के लिए, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

पवित्र त्रिमूर्ति की प्रार्थना

हे परम पवित्र त्रिमूर्ति , हम पर दया करो; हे प्रभु , हमें हमारे पापों से शुद्ध करो; हे स्वामी , हमारे अपराधों को क्षमा करो; हे पवित्र एक, अपने नाम के लिए हमारी दुर्बलताओं का उपचार करो और उन्हें चंगा करो।

हे प्रभु , दया करें। (३)

पिता की महिमा हो, पुत्र की महिमा हो, पवित्र आत्मा की महिमा हो, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

प्रभु की प्रार्थना

हे हमारे पिता, जो स्वर्ग में हैं ! तेरा नाम पवित्र माना जाए; तेरा राज्य आए; तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है , वैसे ही पृथ्वी पर भी पूरी हो; हमें आज हमारा प्रतिदिन का भोजन दे ; और हमारे कर्ज क्षमा कर, जैसे हम भी अपने कर्जदारों के क्षमा करते हैं ; और हमें परीक्षा में न ले , पर बुराई से बचा।

पुरोहित : क्योंकि राज्य , और शक्ति , और महिमा, पिता की, और पुत्र की, और पवित्र आत्मा की, अब और सदा और युगानुयुग तक, तेरी ही है।

हम: आमेन।

पाठक: हे प्रभु , दया करें। (12)

पिता को, पुत्र को, और पवित्र आत्मा को महिमा हो, अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

आओ, हम अपने राजा, हमारे ईश्वर की आराधना करें।

आओ, हम अपने राजा और ईश्वर मसीह के सामने आराधना करें और प्रणाम करें।

आओ, हम अपने राजा और ईश्वर , मसीह स्वयं के सामने आराधना करें और प्रणाम करें।

भजन संहिता 26

प्रभु मेरी रोशनी और मेरा उद्धारकर्ता है : मैं किससे डरूँ ? प्रभु मेरे जीवन का रक्षक है : मैं किससे भयभीत होऊँ ? जब दुष्ट लोग मेरे पास आकर मेरा मांस नोचना चाहते थे —मेरे उत्पीड़क और मेरे शत्रु —वे स्वयं कमजोर हो गए और गिर पड़े। यद्य सेना मेरी ओर फेरहिं , तौ भी मेरा हृदय न डरेगा ; यद्य युद्ध मेरी ओर उठे , तौ भी मैं निश्चिन्त रहूंगा। एक बात मैं प्रभु से मांगी है , यही मैं खोजूंगा : कि मैं जीवन भर प्रभु के भवन में वास करूँ , प्रभु के सौन्दर्य को निहारूँ और उसके पवित्र मन्दिर का दर्शन करूँ। क्योंकि उसने मुझे मेरी मुसीबतों के दिन अपनी पवित्र जगह में छिपा रखा है ; उसने मुझे अपनी झोपड़ी में सुरक्षित रखा है ; उसने मुझे एक चट्टान पर ऊँचा कर दिया है। और अब, देखो , उसने मेरे सिर को मेरे शत्रुओं से ऊपर उठा दिया है ; मैं उसकी झोपड़ी के चारों ओर घूमा हूँ और उसमें स्तुति और धन्यवाद का बलिदान चढ़ाया है ; मैं प्रभु के लिए गीत गाऊँगा और संगीत बजाऊँगा ! हे प्रभु , जब मैं पुकारूँ तो मेरी सुनें ; मुझ पर दया करें और मुझे उत्तर दें। मेरे हृदय ने आप से कहा है , 'मैं प्रभु को खोजूँगा। ' मेरी आत्मा ने आपको खोजा है ; हे प्रभु , मैं आपका मुख खोजता हूँ। अपना मुख मुझ से न छिपाएँ , और अपने दास से क्रोधित होकर मुँह न फेर लें। मेरा सहायक बन; हे परमेश्वर , मेरे उद्धारकर्ता , मुझे न त्याग और न ही छोड़ दे। क्योंकि यद्यपि मेरे पिता और मेरी माता ने मुझे त्याग दिया है , परन्तु यहोवा ने मुझे अपना लिया है। हे यहोवा, मुझे अपनी विधि सिखा, और मेरे शत्रुओं के कारण मुझे धार्मिकता के मार्ग पर चला। मुझे उन लोगों के हवाले न करें जो मेरा पीछा करते हैं , क्योंकि मेरे विरुद्ध अनुचित गवाह खड़े हो गए हैं – फिर भी झूठ ने स्वयं को धोखा दिया है। मुझे विश्वास है कि मैं जीवित लोगों के देश में यहोवा की भलाई देखूँगा। यहोवा में

आशा रख! धीरज धर, और तेरा हृदय उत्साहति हो; यहोवा में आशा रख!

भजन संहति 31

धन्य हैं वे जनिके अपराध क्षमा कए गए हैं , और जनिके पापों को ढक दयि गया है ! धन्य है वह मनुष्य जसि यहोवा पाप नहीं लगाता, और जसिके मुंह में कपट नहीं है। क्योंकि मैं चुप रहा; मेरी हड्डयिाँ क्षीण हो गईं , जब मैं दनि-भर कराहता रहा, क्योंकि दनि-रात तेरा हाथ मुझ पर भारी था; मैं काँटों के घेरने से पीड़ति मनुष्य के समान हो गया। मैंने अपनी अधर्म को मान लयि और अपने पाप को नहीं छपिाया; मैंने कहा, 'मैं यहोवा से अपनी अधर्म का अंगीकार करूँगा ,' और तूने मेरे हृदय के पाप को क्षमा कयि। इसलयि हर एक धर्मी मनुष्य उचति समय पर तुझ से प्रार्थना करेगा , और तब, जब जल भी बढ़ेगा , तो वह उसके पास न पहुँचेगा। आप उस संकट से मेरा शरणस्थान हैं जो मुझ पर छा गया है ; मेरी आनन्द ! मुझे उन लोगों से छुड़ाएँ जो मुझे घेरे हुए हैं। 'मैं तुम्हें मार्ग दखिाऊँगा और सखिाऊँगा कि तुम क्या करना है ; मैं अपनी दृष्टि तुम्हारे ऊपर टकिाऊँगा। ' घोड़े और खच्चर जैसे न बनो, जनिके पास समझ नहीं होती; उन्हें लगाम और लगाम से काबू में रखना पड़ता है , क्योंकि वे तुम्हारी आज्ञा नहीं मानते। पापी पर बहुत सारी मार पड़ती है , परन्तु जो यहोवा पर भरोसा रखते हैं , वे उसकी दया से घरि रहते हैं। यहोवा में आनन्द मनाओ, और हे धर्मी लोग, प्रसन्न होओ, और हे सीधे दलि वालों , सब स्तुति करो।

भजन संहति 56

हे परमेश्वर , मुझ पर दया करें , मुझ पर दया करें , क्योंकि मेरी आत्मा आप में शरण लेती है ; मैं आपकी पंखों की छाया में तब तक शरण लूंगा जब तक दुष्टता समाप्त नहीं हो जाती। मैं परमेश् वर परमेश् वर सर्वोच् च को पुकारूँगा , उस परमेश् वर को जसिने मुझ पर अनुग्रह कयि है। उसने स्वर्ग से सहायता भेजी और मुझे बचाया; उसने उन लोगों को लज्जति

कयि जनि्होंने मुझे रौंदा था। परमेश् वर ने अपनी दया और अपना सच्चाई भेजी , और मेरे प्राण को जवान सहिों के बीच से छुड़ाया। मैं संकट में लेट गया: मनुष्यों के बेटे , उनके दाँत हथयिार और तीर हैं , और उनकी जीभ एक तेज तलवार है। हे परमेश्वर , स्वर्ग पर चढ़ जाओ, और तेरी महमिा सारी पृथ्वी पर हो। उन्होंने मेरे पैरों के लएि फंदा लगाया है और मेरी आत्मा को झुका दयिा है ; उन्होंने मेरे सामने एक गड्ढा खोदा है —और वे उसी में गरि पड़े हैं ! हे परमेश्वर , मेरा हृदय तैयार है , मेरा हृदय तैयार है ; मैं अपने गौरव के लएि गीत गाऊँगा और वादन करूँगा। हे मेरे गौरव, जाग; हे सारंगी और वीणा, जागो। मैं भोर होते ही जागूँगा ! हे प्रभु , मैं राष्ट्रों के बीच तेरी स्तुति करूँगा ; मैं जनजातयिों के बीच तेरा भजन गाऊँगा। क्योंकि तेरा अनुग्रह स्वर्ग तक पहुँचता है , और तेरी सच्चाई बादलों तक। हे परमेश्वर , स्वर्ग में आरोहण कर, और तेरा तेज सारी पृथ्वी पर छा जाए!

फरि: त्रसिगयिन। महमिा, और अब: परम पवत्रि त्रमिूर्ति : हे प्रभु , दया करें। **(3)** महमिा, और अब: हमारा पतिा:

ट्रोपारयिा , स्वर 1

अपने पतित्व के आलगिन को मेरे लएि खोलने में शीघ्रता करें : / क्योंकि मैंने अपनी जदिगी भटकाव में बर्बाद कर दी है , / हे उद्धारकर्ता , आपकी दया की अक्षय संपदा को उदासीनता से नहिारते हुए ! / अब मेरे दीन हृदय को तरिस्कार न कर, / क्योंकि तुझ से , हे प्रभु , मैं पश्चात्ताप सहति पुकारता हूँ : / 'हे पतिा, मैंने स्वर्ग के वरिुद्ध और तेरे सामने पाप कयिा है !'

महमिा: जब तू , हे ईश्वर , महमिा में पृथ्वी पर आएगा, / सारी सृष्टि काँप उठेगी ; / न्याय के सहिासन के सामने आग का एक नदी बहती है , / पुस्तकें खोली जाती हैं और रहस्य प्रकट होते हैं। / तब मुझे उस न बुझने वाली आग से बचा / और यह अनुग्रह

दे कि मैं तेरे दहिने हाथ पर खड़ा हो सकूँ , / हे परम धर्मी न्यायाधीश।

और अब: हम सभी आपको जानते हैं , हे परमेश्वर की माता, / जो वास्तव में एक कुंवारी के रूप में प्रकट हुईं और प्रसव के बाद, / प्रेम से अपनी भलाई की ओर मुड़ीं ; / क्योंकि आप में हम पापी सुरक्षा पाते हैं / और आप में परीक्षा के समय उद्धार प्राप्त किया है , / हे आप जो पूरी तरह से निर्मल हैं।

तब: हे प्रभु , दया करें , **(३०)।** आओ, हम प्रणाम करें : **(३)**

भजन संहिता 33

मैं हर समय प्रभु का धन्यवाद करूँगा ; उसकी स्तुति सदा मेरे मुख पर रहेगी। मेरी आत्मा प्रभु में आनंदित होगी— कोमल लोग सुनकर प्रसन्न हों। मेरे साथ प्रभु की महिमा करो, और हम मिलकर उसके नाम की बड़ाई करें। मैंने प्रभु से प्रार्थना की, और उसने मेरी सुनी ; उसने मुझे मेरी सभी परेशानियों से छुड़ाया। उसके पास आओ और प्रकाशित हो जाओ, और तुम्हारे चेहरे लज्जित नहीं होंगे। इस दरिद्र मनुष्य ने पुकारा , और प्रभु ने उसकी सुनी ; उसने उसे उसकी सभी परेशानियों से बचाया। प्रभु का दूत उनके चारों ओर डेरा डालता है जो उससे डरते हैं और उन्हें बचाता है। चखो और देखो कि प्रभु भला है ; धन्य है वह मनुष्य जो उसकी शरण लेता है। हे उसके सभी पवित्र जन, प्रभु का भय मानो, क्योंकि जो उससे डरते हैं उन्हें किसी वस्तु की कमी नहीं होती। धनी लोग दरिद्र हो गए हैं और भूखे हैं , परन्तु जो यहोवा की खोज करते हैं , उन्हें किसी अच्छी वस्तु की घटी न होगी। हे मेरे बच्चों , आओ, मेरी सुनो ; मैं तुम्हें यहोवा का भय सिखाऊँगा। वह मनुष्य कौन है जो जीवन चाहता है , जो भले दिन देखना चाहता है ? अपनी जीभ को बुराई से और अपने होठों को कपटपूर्ण बातों से दूर रख। बुराई से दूर हो जाओ और भलाई करो; शांति की खोज करो और उसका पीछा करो: यहोवा की आँखें धर्मियों पर हैं , और उनके कान उनकी प्रार्थना की ओर लगे हैं ; पर यहोवा का मुंह उन पर है

जो बुराई करते हैं , यह उनकी स्मृति को पृथ्वी पर से मिटा डालने के लिए है। धर्मी ने पुकारा , और यहोवा ने उनकी सुन ली; उसने उन्हें उनकी सब कष्टों से छुड़ाया। यहोवा टूटे हुए दिल वालों के निकट है और नम्र आत्मा वालों को बचाता है। धर्मी को कई कष्ट होते हैं , परन्तु यहोवा उन्हें उन सब से छुड़ाता है। यहोवा उनकी सब हड्डियों की रक्षा करता है ; उन में से एक भी नहीं टूटेगी। दुष्टों की मृत्यु बुरी है , और जो धर्मी से बैर रखते हैं , वे दोषी ठहरेंगे। यहोवा अपने दासों की आत्मा को छुड़ाएगा , और जो उस पर भरोसा रखते हैं , वे दोषी नहीं ठहरेंगे।

भजन संहिता 38

मैंने कहा, 'मैं अपनी चाल-ढाल का ध्यान रखूँगा , ताकि अपनी जीभ से पाप न करूँ। ' जब दुष्ट मेरे सामने खड़े थे , तब मैंने अपने होठों पर पहरा बिठाया। मैं चुप हो गया, स्वयं को नम्र किया, और मौन रहा, जैसे मेरे पास कोई अच्छी चीज़ न हो, और मेरा कष्ट फिर से भड़क उठा। मेरे भीतर मेरा हृदय गर्म हो गया, और मेरी मनन में एक आग प्रज्वलित हुई। मैंने अपनी जीभ से कहा: 'हे प्रभु , मुझे मेरा अंत दिखा, और मेरे दिनों की संख्या —वे कितने हैं —ताकि मुझे पता चले कि मेरे पास कितना कम समय बचा है। ' देखो , तुमने मेरे दिनों को हथेली की चौड़ाई से नापा है , और तेरे सामने मेरा जीवन कुछ भी नहीं है ; फिर भी सब व्यर्थ है , हर जीवित मनुष्य। सचमुच , मनुष्य एक क्षणिक छाया के समान है ; वह व्यर्थ ही परिश्रम करता है ; वह धन इकट्ठा करता है और नहीं जानता कि वह किसके लिए इकट्ठा कर रहा है। और अब, मेरा सहारा कौन है ? क्या यह प्रभु नहीं है ? और मेरा सारा अस्तित्व आप ही से है। मुझे मेरी सभी अवज्ञाओं से छुड़ाईए : आपने मुझे मूर्खों के तिरस्कार के लिए सौंप दिया है ! मैं चुप हो गया हूँ और अपना मुँह नहीं खोला है , क्योंकि यह आपने ही किया है। अपनी मार मुझसे दूर कर दीजिए, क्योंकि मैं आपके हाथ की ताकत से नष्ट हो गया हूँ। आपने अधर्म के लिए डाँट -फटकार कर मनुष्य को उसकी जगह पर बिठा दिया है और उसकी आत्मा को मकड़ी के जाले की तरह घिस डाला है ; फिर भी हर मनुष्य व्यर्थ

ही है ! हे प्रभु , मेरी प्रार्थना सुन , और मेरी विनती पर कान लगा; मेरी आँसुओं पर चुप न रह, क्योंकि मैं तेरे संग एक यात्री और परदेशी हूँ , जैसे मेरे सब पूर्वज थे। मुझे राहत दे , ताकि मैं जाने और न रहने से पहले विश्राम पा सकूँ।

भजन संहिता 40

धन्य है वह जो निर्धनों और दरिद्रों पर विचार करता है ; प्रभु उसे संकट के दिन बचाएगा। प्रभु उसकी रक्षा करे , उसे जीवित रखे , और पृथ्वी पर उसे धन्य बनाए; वह उसे उसके शत्रुओं के हाथ में न सौंपे ! प्रभु उसे उसके दुख के बिछौने पर सहारा दे ; उसकी बीमारी में तूने उसका बिछौना बदल दिया है। मैंने कहा, 'हे प्रभु , मुझ पर दया कर; मेरी आत्मा को चंगा कर, क्योंकि मैंने तेरे विरुद्ध पाप किया है !' मेरे शत्रुओं ने मेरे विषय में बुरा -बुरा कहा: 'वह कब मरेगा , और उसका नाम नाश हो जाएगा?' और जो कोई भी देखने आया, उसका हृदय झूठ बोलता था; उसने अपने लिए अधर्म इकट्ठा किया; वह बाहर गया, और वे सब मिलकर षड्यंत्र रचने लगे। मेरे सब शत्रु मेरे विषय में फुसफुसाए ; उन्होंने मेरे विरुद्ध बुराई की साजिश रची; उन्होंने मेरे विरुद्ध एक दुष्ट आरोप लगाया: 'क्या सोया हुआ फिर कभी उठेगा ?' क्योंकि जिस मनुष्य से मैं मेल में रहता था, जिस पर मैं विश्वास करता था, जिसने मेरा भोजन खाया, उसने भी मेरे विरुद्ध पाँव उठाया है। परन्तु हे यहोवा, तू मुझ पर दया कर और मुझे उठा; तब मैं उन्हें बदला चुकाऊँगा। मैं जानता हूँ कि तू मुझे चुनता है , क्योंकि मेरा बैरी मुझ पर आनन्दित न होगा। और क्योंकि मैं निर्दोष हूँ , तू ने मुझे थाम रखा है और सदा के लिये अपने सामने स्थिर किया है। इस्राएल का परमेश् वर यहोवा सदा से सदा तक धन्य हो। एवमेव भवतु , एवमेव भवतु !

तब: पवित्र त्रिमूर्ति महिमा, और अब: अति पवित्र त्रिमूर्ति : हे प्रभु , दया करें। **(3)** महिमा, और अब: हमारा पिता:

ट्रोपारयिा , स्वर 4

हे प्रभु , मेरी दीन आत्मा का भ्रमण करो, / जसिने अपना सारा जीवन पाप में बर्बाद कर दयिा है ; / जैसे आपने वेश्या को स्वीकार कयिा, वैसे ही मुझे भी स्वीकार करो, / और मुझे बचाओ।

महमिा: हे प्रभु , मैंने अपना सारा जीवन लज्जा में जयिा है , / वेश्याओं के साथ, मैं तो दयनीय हूँ। / व्यर्थ पुत्र की तरह, पश्चाताप में मैं पुकारता हूँ : / 'हे स्वर्गीय पति, मैंने पाप कयिा है , / दया करो और मुझे बचा लो, / और मुझे त्याग मत करो, मैं जो अपनी इच्छा से आपसे भटक गया हूँ / और अब अपने नष्फिल कर्मों के कारण दरद्रि हूँ।

और अब: आइए हम अब ईश्वर की माता की गंभीरता से शरण लें , हम पापी और दीन, और उनके समक्ष नतमस्तक हों , अपने प्राणों की गहराई से पश्चाताप करते हुए पुकारते हुए : 'हे माता, हमारी सहायता करो, हम पर दया करो, जल्दी करो, क्योंकि हम अनेक पापों के कारण नाश हो रहे हैं !' / अपने दासों को खाली हाथ न लौटाओ: / क्योंकि केवल तुम ही में हमारी आशा है !'

तब: हे प्रभु , दया करें , **(30)।** आओ, हम प्रणाम करें : **(3)**

भजन संहति ६९

हे परमेश्वर , मेरी सहायता के लिए फेर आ; हे प्रभु , मेरी मदद के लिए जल्दी कर। जो मेरे प्राण के खोजी हैं , वे लज्जति और नरिाश हों ; जो मुझे बुरा चाहने वाले हैं , वे पीछे हटकर लज्जति हों ; जो मुझ से कहते हैं , 'सब ठीक है , सब ठीक है !' वे तुरंत लज्जति हों। हे परमेश्वर , जो भी तुझे खोजते हैं , वे आनंदति हों और तुझ में प्रसन्न रहें , और जो तेरे उद्धार से प्रेम करते हैं , वे नरिन्तर कहें , 'प्रभु की महमिा हो।' परन्तु मैं दीन और दरद्रि हूँ ; हे परमेश्वर , मेरी सहायता कर। तू मेरा सहायक और मेरा उद्धारकर्ता है ; हे प्रभु , वलिम्ब न कर!

भजन संहिता 70

हे प्रभु , मैंने आप पर अपना भरोसा किया है ; मुझे कभी लज्जित न होने दें ; अपनी धार्मिकता से मुझे छुड़ाएँ और मुक्त करें ; मेरी ओर अपना कान लगाएँ और मुझे बचाएँ। मेरा परमेश्वर और मेरा किला बनो, मुझे बचाने के लिए, क्योंकि तुम मेरा दृढ़ आधार और मेरा शरणस्थान हो। हे मेरे परमेश्वर , मुझे दुष्टों के हाथ से , अपराधी और अत्याचारी के हाथ से बचाओ। क्योंकि हे प्रभु , तुम ही मेरी सहनशीलता हो; प्रभु ही मेरी जवानी से मेरी आशा रहे हो। मैंने तो गर्भ से ही आप में शरण ली है ; माँ के गर्भ से ही आप मेरे रक्षक रहे हैं ; मेरा गीत सदा आपके ही बारे में है। यद्यपि मैं बहुतों के लिए आश्चर्य बन गया हूँ , परन्तु आप मेरे शक्तिशाली सहायक हैं ; मेरा मुँह स्तुति से भर जाए, ताकि मैं दिन भर आपकी महिमा—आपकी भव्यता का गायन करूँ। बुढ़ापे में मुझे न त्याग ; जब मेरी शक्ति क्षीण हो जाए तो मुझे न छोड़। क्योंकि मेरे शत्रु मेरे विरुद्ध बोलते हैं , और जो मेरे प्राण के घातक हैं , वे मिलकर षड्यंत्र करते हुए कहते हैं , 'परमेश्वर ने उसे त्याग दिया है ; उसका पीछा करो और उसे पकड़ लो, क्योंकि कोई भी उसे बचाने वाला नहीं है। ' हे मेरे परमेश् वर , मुझ से दूर न हो; हे मेरे परमेश् वर , मेरी सहायता को आ! जो मेरी आत्मा पर झूठी निन्दा करते हैं , वे लज्जित और शर्मिंदा हों ; जो मेरी हानि चाहते हैं , वे लज्जा और अपमान के वस्त्र पहनें। परन्तु मैं सदा तुझ पर भरोसा रखूँगा , और मैं तेरी स्तुति को बढ़ाऊँगा। मेरे होंठ तेरे सत्य का प्रचार करेंगे , तेरा उद्धार दिन भर; क्योंकि मैं लिखित वचन के मार्ग नहीं सीखा। मैं प्रभु की सामर्थ्य में मंदिर में प्रवेश करूँगा ; हे प्रभु , मैं तेरे सत्य को याद रखूँगा , केवल तेरा ही। मेरे परमेश्वर , जो कुछ आपने मुझे मेरे जवानी से सिखाया है , मैं उसे आज तक प्रचार करता आया हूँ —आपके आश्चर्यकर्म। और बुढ़ापे और जीवन के अंतिम वर्षों में भी, हे परमेश्वर , मुझे न छोड़िए , जब तक मैं आने वाली सभी

पीढ़ियों को आपकी सामर्थ्य , आपकी शक्ति और आपके सत्य का प्रचार न कर दूँ। हे परमेश्वर , कितनी ऊँचाइयों तक— क्योंकि आपने मेरे लिए महान कार्य किए हैं , हे परमेश्वर — आपके समान कौन है ? आपने मुझे कितनी ही दुःखद और गंभीर कष्ट दिखाए हैं ; फिर भी आपने मुझ पर फिर से कृपा की और मुझे जीवित किया, और मुझे पृथ्वी की गहराइयों से ऊपर उठाया। आपने मुझ पर अपनी महिमा बढ़ाई है ; आपने मुंह फेरकर मुझे सांत्वना दी है , और मुझे फिर से पृथ्वी की गहराइयों से ऊपर उठाया है। और मैं हे प्रभु , राष्ट्रों के बीच आपकी महिमा करूँगा ; मैं हे परमेश्वर , तारवाद्य पर आपका सत्य बजाऊँगा — —मैं आपके लिए वीणा बजाऊँगा , हे इस्राएल के पवित्र। जब मैं तुझको गाऊँगा तब मेरे होंठ आनंद से भर जाएंगे , और मेरी आत्मा भी, जिसे तूने बचाया है। और मेरी जीभ दिन भर तेरी धार्मिकता का प्रचार करेगी , जब कि जो मेरी हानि चाहते हैं वे लज्जित और अपमानित होंगे।

भजन संहिता 76

मैंने अपनी आवाज़ से प्रभु को पुकारा , अपनी आवाज़ से परमेश्वर को – और उन्होंने मेरी सुनी। अपनी कष्ट की घड़ी में मैंने परमेश्वर को खोजा; रात में मैंने अपने हाथ उनकी ओर उठाए – और मुझे लज्जित नहीं होना पड़ा। मेरी आत्मा को सांत्वना नहीं मिली; मुझे परमेश्वर का स्मरण आया – और मैं आनंदित हुआ। मैंने मनन किया, और मेरी आत्मा शिथिल हो गई। मेरी आँखें रात के पहरेदारों के साथ पहरा देती रहीं ; मैं बेचैन था और बोल नहीं सकता था; मैंने पुराने दिनों पर ध्यान किया और प्राचीन काल को याद किया, और उन पर गहराई से मनन किया। रात में मैंने अपने हृदय में मनन किया, और मेरी आत्मा ने खोज की: 'क्या यहोवा मुझे सदा के लिए त्याग देगा , और क्या वह फिर अनुग्रह नहीं करेगा ? या क्या वह अपनी दया को सदा के लिए समाप्त कर देगा , पीढ़ी -दर-पीढ़ी अपने वचन को समाप्त करके ? या क्या परमेश्वर दया करना भूल जाएगा, या क्या वह अपनी दया को अपने क्रोध में रोक लेगा ?' और मैंने कहा: 'अब

मैं समझना आरंभ कर चुका हूँ : यह परविर्तन सर्वोच्च के दाहनि हाथ से आता है। ' मैंने प्रभु के कर्मों को याद कयिा; क्योंकि मैं आरंभ से तेरे आश्चर्यकर्मों को स्मरण करूँगा , और तेरे सभी कार्यों पर मनन करूँगा , और तेरे कर्मों पर वचिार करूँगा। हे परमेश्वर , तेरा मार्ग पवत्रि है। हमारे परमेश्वर के समान महान परमेश्वर कौन है ? तू चमत्कार करने वाला परमेश्वर है ; तू ने राष्ट्रों के बीच अपनी सामर्थ्य दखिाई है ; तू ने अपनी प्रबल भुजा से अपने लोगों , याकूब और यूसुफ के पुत्रों को छुड़ाया है। हे परमेश्वर , जल ने आपको देखा ; जल ने आपको देखा और डर गया; गहरे जल में हलचल मच गई, जल का कोलाहल गरजा। बादलों ने दूर से एक शब्द नकिाला, क्योंकि आपके तीर उड़ गए। आपकी गरज की आवाज़ स्वर्ग में गूँज उठी; आपकी बजिली ने ब्रह्मांड को प्रकाशति कयिा; पृथ्वी काँप उठी और थर्रा गई। आपका मार्ग समुद्र में है , और आपके रास्ते महान जल में हैं , फरि भी कोई आपके पदचनि्हों को नहीं पहचानता। आपने अपने लोगों को मूसा और हारून के हाथ से भेड़ों की तरह अगुवाई की।

तब: पवत्रि त्रमिूर्तयि। महमिा, और अब: परम पवत्रि त्रमिूर्ति : हे प्रभु , दया करें। **(3)** महमिा, और अब: हमारा पति:

ट्रोपारयिा , स्वर 6

मैं उस भयानक दनि के वषिय में मनन करता हूँ / और अपने दुष्ट कर्मों पर शोक मनाता हूँ। / मैं अमर राजा को क्या उत्तर दूँगा ? / या मैं , एक व्यभचिारी , न्यायाधीश को देखने की हम्मित कैसे करूँगा ? / दयालु पति, एकमात्र पुत्र , / पवत्रि आत्मा , मुझ पर दया करें !

महमिा: vinỳ के उपत्यका में , / उस स्थान में जसिे तूने नयिुक्त कयिा है , / जब तू , हे दयालु , न्यायी नरि्णय सुनाने के लएि बैठता है , / मेरे गुप्त पापों को प्रकट न कर / न ही मुझे स्वर्गदूतों के सामने लज्जति कर, / पर मुझ पर दया कर, हे ईश्वर , और मुझ पर दया कर।

और अब: हे धन्य ईश्वर माता, हमारे लिए दया के द्वार खोलिए, ताकि हम, आप में आशा रखकर, लज्जित न हों , बल्कि आपकी प्रार्थनाओं से अपनी परेशानियों से मुक्त हों , क्योंकि आप ही ईसाई जाति का उद्धार हैं।

तब: हे प्रभु , दया करें , **(30)।** आओ, हम आराधना करें : **(3)**

भजन संहिता 101

हे प्रभु , मेरी प्रार्थना सुन , और मेरी पुकार तेरे सम्मुख आवे। उस दिन मुझ से अपना मुख न फेरना जब मैं संकट में होऊँ ; जिस दिन मैं तुझे पुकारूँ , उसी दिन मेरी ओर अपना कान लगा; शीघ्र ही मुझे उत्तर दे। क्योंकि मेरे दिन धुएँ की नाईं लुप्त हो गए हैं , और मेरी हड्डियाँ सूखी लकड़ी की नाईं मुरझा गई हैं। मैं घास की तरह कट गया हूँ , और मेरा हृदय सूख गया है , इसलिये मैं अपनी रोटी खाने को भूल गया हूँ। मेरी कराह सुनकर , मेरी हड्डियाँ मेरे शरीर से चिपक गई हैं। मैं जंगल के बगुले के समान हो गया हूँ ; मैं खण्डहरों में उल्लू के समान हो गया हूँ। मैं सोया नहीं , पर छत पर अकेले बैठे छोटे पक्षी के समान हो गया हूँ। दिन भर मेरे दुश्मन मुझे कोसते रहे , और जो मेरी स्तुति करते थे , वे मेरे नाम की कसकर शपथ लेते थे। क्योंकि मैंने अपनी रोटी के लिए राख खाई, और अपने पीने के पानी में आँसू मिला लिए, तेरे क्रोध और तेरे प्रकोप के कारण; क्योंकि तूने मुझे उठाया, केवल मुझे गिराने के लिए। मेरे दिन छाया की नाईं लुप्त हो गए हैं , और मैं घास की नाईं मुरझा गया हूँ। परन्तु हे यहोवा, तू सदा तक रहता है , और तेरा स्मरण पीढ़ी से पीढ़ी तक बना रहता है। आप उठेंगे और सियोन पर दया करेंगे , क्योंकि उसे दया दिखाने का समय आ गया है ; समय आ गया है , क्योंकि आपके सेवक उसके पत्थरों से प्रेम करते हैं और उसकी धूल पर शोक करते हैं। और अन्यजाति प्रभु के नाम से भय खाएंगी , और पृथ्वी के सब राजा आपकी महिमा से भय खाएंगे ; क्योंकि प्रभु सियोन का पुनर्निर्माण करेंगे और अपनी महिमा में प्रकट होंगे। उसने

दीनों की प्रार्थना पर दृष्टि डाली है और उनकी विनती को तुच्छ नहीं जाना है। यह आने वाली पीढ़ी के लिए लिखा जाए, और जो लोग अभी बनेंगे वे यहोवा की स्तुति करेंगे , क्योंकि वह अपनी पवित्र ऊँचाई से झुक आया है , प्रभु ने स्वर्ग से पृथ्वी पर दृष्टि डाली है , यह सुनने के लिए कि बंदियों की कराहें क्या हैं , जो मारे गए हैं उनके पुत्रों को छुड़ाने के लिए, सियोन में यहोवा का नाम और यरूशलेम में उसकी स्तुति का प्रचार करने के लिए, जब राष्ट्र और राजा यहोवा की सेवा करने के लिए इकट्ठा होंगे। उसने अपनी सामर्थ्य के दिनों में मार्ग में उसकी ओर मुड़कर कहा, 'मुझे अपने थोड़े दिनों के विषय में बता; मुझे अपने दिनों के मध्य में न ले जा; तेरे वर्ष पीढ़ी से पीढ़ी तक रहते हैं। ' हे प्रभु , आरम्भ में तू ने पृथ्वी की नींव डाली, और आकाश तेरे हाथों का काम है ; वे नष्ट हो जाएँगे , परन्तु आप बने रहेंगे ; वे सब एक वस्त्र के समान घिस जाएँगे , और एक चोगे के समान आप उन्हें बदल देंगे , और वे बदल जाएँगे। परन्तु आप वही हैं , और आपके वर्ष कभी समाप्त नहीं होंगे। आपके सेवकों के पुत्र शरण पाएँगे , और उनके वंशज सदा के लिए स्थिर रहेंगे।

यहूदा के राजा मनश्शे की प्रार्थना

हे सर्वशक्तिमान प्रभु , हमारे पूर्वजों —अब्राहम , इसहाक और याकूब —और उनके धर्मी वंश के परमेश्वर , जिन्होंने स्वर्ग और पृथ्वी को उनकी सारी भव्यता के साथ बनाया, जिन्होंने अपने आज्ञा के वचन से समुद्र को बाँधा , जिन्होंने गहरे गर्त को सीमित किया और उसे अपने भयानक और महिमामय नाम से मुहरबंद किया, जिनसे सभी डरते हैं , और जो आपकी शक्ति के दर्शन से कांपते हैं , क्योंकि कोई भी आपकी महिमा की भव्यता के सामने नहीं टिक सकता, और पापियों के प्रति आपका भयानक क्रोध असहनीय है ! फिर भी आपके वादे की दया असीम और अगम्य है ; क्योंकि आप परम प्रभु , दयालु , धीरजवान और अनुग्रह से भरपूर हैं , और मानव जाति के दुष्ट कर्मों पर दया करने वाले हैं। हे प्रभु , आपने अपनी भलाई की

प्रचुरता में , उनसे जिन्होंने आपके विरुद्ध पाप किया है , उन्हें पश्चाताप और क्षमा का वचन दिया है , और अपनी करुणा की प्रचुरता में , पापियों के उद्धार के लिए पश्चाताप का विधान किया है। हे सेनाओं के प्रभु , परमेश्वर , देखो , आपने धर्मी अब्राहम , इसहाक और याकूब से , जिन्होंने आपसे पाप नहीं किया, उनका पश्चाताप नहीं माँगा , परन्तु आपने मुझ पापी से पश्चाताप माँगा है , क्योंकि मैंने समुद्र के किनारे रेत के दाने से भी अधिक पाप किए हैं। हे प्रभु , मेरे अधर्म बढ़ गए हैं ; मेरे अधर्म बढ़ गए हैं , और मैं अपनी दुष्टताओं की अधिकता के कारण अपनी आँखें उठाकर स्वर्ग की ऊँचाइयों को देखने के भी योग्य नहीं हूँ। मैं कई लोहे की जंजीरों से बंधा हुआ हूँ , इसलिए मैं अपना सिर भी नहीं उठा सकता, और मुझे कोई राहत नहीं मिलती, क्योंकि मैंने तेरा क्रोध भड़काया है और तेरी दृष्टि में बुरा किया है : मैंने तेरी इच्छा पूरी नहीं की है और न ही तेरी आज्ञाओं का पालन किया है। और अब मैं तेरी भलाई की आवश्यकता में , अपने हृदय के घुटनों के बल झुकता हूँ। हे प्रभु , मैंने पाप किया है , मैंने पाप किया है , और मैं अपनी अधर्म को जानता हूँ ; परन्तु मैं तुझ से विनती करता हूँ : हे प्रभु , मुझे क्षमा कर, मुझे क्षमा कर, और मुझे मेरे अधर्म के कारण नष्ट न कर; और, अपने अनन्त क्रोध में , मेरे बुरे कर्मों को याद न कर, और मुझे पृथ्वी के सबसे गहरे स्थानों में दण्डित न कर। क्योंकि हे परमेश्वर , आप पश्चाताप करने वालों के परमेश्वर हैं , और आप मुझे अपनी सारी भलाई दिखाएंगे ; क्योंकि आप मुझे बचाएंगे , यद्यपि मैं अयोग्य हूँ , अपनी महान दया से , और मैं अपने जीवन के सभी दिनों में निरंतर आपकी स्तुति करूंगा , क्योंकि सभी स्वर्गदूत आपकी स्तुति करते हैं , और आपकी महिमा युगानुयुग बनी रहती है। आमीन।

दैनिक डोकसोलॉजी

परम ऊँचे में परमेश्वर की महिमा, और पृथ्वी पर शान्ति, मनुष्यों में प्रसन्नता। हम तुझें स्तुति करते हैं , हम

तुझें धन्य कहते हैं , हम तेरी आराधना करते हैं , हम तेरी महिमा करते हैं , हम तेरी महान महिमा के लिए तुझें धन्यवाद देते हैं। हे प्रभु , स्वर्गीय राजा, सर्वशक्तिमान परमेश्वर पिता, हे प्रभु , एकलौते पुत्र , यीशु मसीह, और पवित्र आत्मा ! हे प्रभु परमेश्वर , परमेश्वर के मेम्ने , पिता के पुत्र , जो संसार का पाप उठा ले जाते हो, हम पर दया करें। हे प्रभु , जो संसार के पाप उठा ले जाते हैं , हमारी प्रार्थना स्वीकार करें ; हे प्रभु , जो पिता के दहिने सिंहासन पर विराजमान हैं , हम पर दया करें। क्योंकि केवल आप ही पवित्र हैं ; केवल आप ही प्रभु यीशु मसीह हैं , जो परमपिता की महिमा के लिए हैं। आमीन। मैं प्रतिदिन आपको धन्य कहूँगा और युग -युग तक आपके नाम की स्तुति करूँगा। प्रभु , युग -युग से आप ही हमारे शरणस्थान रहे हैं। मैंने कहा: 'प्रभु , मुझ पर दया करें , मेरी आत्मा को चंगा करें , क्योंकि मैंने आपके विरुद्ध पाप किया है। ' प्रभु , मैं आपकी शरण में आता हूँ ; मुझे अपनी इच्छा पूरी करना सिखाएँ , क्योंकि आप ही मेरे परमेश्वर हैं। क्योंकि जीवन का सोता आपके ही पास है ; आपकी ही ज्योति में हम ज्योति देखेंगे। जो तुझे जानते हैं , उन पर अपना दयालुता दिखा। हे प्रभु , यह अनुग्रह कर कि हम आज पाप से बचे रहें। धन्य है तू , हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर ; और तेरा नाम युगानुयुग प्रशंसित और महिमामय हो। आमीन। हे प्रभु , जैसे हम तुझ पर अपना भरोसा रखते हैं , वैसे ही तेरा दयालुता हम पर बनी रहे। धन्य है तू , हे प्रभु ; मुझे अपनी आज्ञाएँ सिखा। धन्य है तू , हे प्रभु ; मुझे अपनी आज्ञाओं से ज्ञान दे। धन्य है तू , हे पवित्र ; मुझे अपनी आज्ञाओं से ज्ञान दे। हे प्रभु , आपकी दया युगानुयुग बनी रहे ; अपने हाथों के कामों को तुच्छ न समझिए। स्तुति आपकी है , गीत आपकी है , महिमा आपकी है , पिता की, पुत्र की, और पवित्र आत्मा की, अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

संत यूस्ट्राटियस की प्रार्थना

हे प्रभु , मैं तेरा महिमामंडन और स्तुति करता हूँ , क्योंकि तूने मेरी दीनता पर दृष्टि डाली है और मुझे मेरे शत्रुओं के हाथ में नहीं सौंपा है , बल्कि मेरी आत्मा को विपत्ति से बचा लिया है। और अब, हे प्रभु , तेरा हाथ मुझ पर छाया रहे और तेरा दयालुता मुझ पर हो, क्योंकि मेरी आत्मा इस घृणित और भ्रष्ट शरीर से अलग होते समय क्लेश में है और पीड़ित है , यह डरते हुए कि कहीं शत्रु की दुष्ट योजना किसी तरह इसे न मिल जाए और इस जीवन में मेरे द्वारा जानबूझकर या अनजाने में किए गए पापों के कारण इसे अंधकार में न डाल दे। हे प्रभु , मुझ पर दया करें , और मेरी आत्मा दुष्ट राक्षसों की उदास और अंधेरी दृष्टि को न देखे , बल्कि आपके तेजस्वी और प्रकाशमान स्वर्गदूत इसे स्वीकार करें। अपने पवित्र नाम को महिमा दें , और अपनी शक्ति से मुझे अपनी दिव्य न्याय - सिंहासन तक उठाएँ। जब मेरा न्याय हो, तो इस संसार के अधिपति का हाथ मुझे पकड़कर , एक पापी के रूप में , नरक की गहराइयों में न खींचे , बल्कि मेरे सामने खड़ा हो और मेरा उद्धारकर्ता और रक्षक बने। क्योंकि आपके सेवकों के लिए तो ये शारीरिक यातनाएँ भी एक आनंद हैं। हे प्रभु , इस जीवन के वासनाओं से कलंकित मेरी आत्मा पर दया करें , और उसे पश्चाताप और स्वीकारोक्ति से शुद्ध होकर स्वीकार करें , क्योंकि आप युगानुयुग धन्य हैं। आमीन।

तब: पवित्र त्रिमूर्ति महिमा हो, और अब: अति पवित्र त्रिमूर्ति : हे प्रभु , दया करो। (3) महिमा हो, और अब: प्रभु की प्रार्थना :

ट्रोपारिया , स्वर 8

हे प्रभु , कृपादृष्टि से मेरी दीनता पर दृष्टि डालिए, / क्योंकि मेरा जीवन धीरे -धीरे समाप्त हो रहा है , / और मेरे कर्मों में मेरे लिए कोई उद्धार नहीं है। / अतः मैं प्रार्थना

करता हूँ : / 'हे प्रभु , कृपादृष्टि से मेरी दीनता पर दृष्टि डालिए / और मुझे बचा लीजिए!'

महिमा: मेरा जीवन समाप्त हो रहा है , / और आपका भयानक सिंहासन तैयार हो रहा है ; / मेरा जीवन बीत रहा है , / न्याय मेरी प्रतीक्षा कर रहा है , जो मुझे अग्नि की यातना / और एक अविनाशी ज्वाला से धमकाता है। / मुझे आँसुओं की धाराएँ प्रदान करें और उसकी शक्ति को बुझा दें , / हे आप जो सभी लोगों के उद्धार के इच्छुक हैं।

और अब: हे तू , जो हमारे लिए कुँवारी से जन्म लिया / और क्रूस का भार उठाया, / जिसने मृत्यु से मृत्यु को पराजित किया / और परमेश्वर के रूप में पुनरुत्थान को प्रकट किया, / हे दयालु , अपने हाथ से बनाए गए प्राणियों को तिरिस्कार न कर ; / हे दयालु , मानवजाति के प्रति अपना प्रेम प्रकट करो, / ईश्वर की माता को स्वीकार करो, जिन्होंने तुम्हें जन्म दिया, जब वह हमारे लिए मध्यस्थता करती हैं , / और हे हमारे उद्धारकर्ता , निराश हो चुके लोगों को बचाओ।

फिर: हे प्रभु , दया करें , **(30)। और समापन।**

विषय-सूची पर वापस।

जब कोई स्वप्न में शैतान के काम से प्रलोभित हो, तो वह अपने बिस्तर से उठकर प्रणाम करे , और कहे :

हे ईश्वर , एक पापी पर दया करें।

फिर सामान्य प्रारंभ।

आओ, हम अपने राजा, ईश्वर की आराधना करें।

आओ, हम मसीह, हमारे राजा और ईश्वर के सामने , पूजा करें और प्रणाम करें।

आओ, हम अपने राजा और ईश्वर , मसीह स्वयं के सामने आराधना करें और साष्टांग दण्डवत करें।

भजन संहिता 50

हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें ; और अपनी अनगनित करूणा के अनुसार मेरी अधर्म को मिटा दें ; मुझे मेरी अधर्म से पूरी तरह धो डालें , और मुझे मेरे पाप से शुद्ध करें। क्योंकि मैं अपनी अधर्म को जानता हूँ , और मेरा पाप सदा मेरे सामने रहता है। मैंने केवल आप ही के विरुद्ध पाप किया है और आपके सामने बुराई की है ; ताकि आप अपने वचनों में धर्मी ठहरें और जब आप न्याय में आएँ तो विजयी रहें। क्योंकि देखिए , मैं अधर्म में गर्भ में लिया गया था, और मेरी माता ने मुझे पाप में जन्म दिया। क्योंकि देखो , तू सत्य से प्रेम करता है ; तूने मुझे अपनी बुद्धि की गूढ़ और गुप्त बातें प्रकट की हैं। तू मुझे सोठ से छिड़कना , और मैं शुद्ध हो जाऊँगा ; तू मुझे धोना, और मैं हिम से भी अधिक श्वेत हो जाऊँगा ; तू मुझे आनन्द और प्रसन्नता का अनुभव कराना, और मेरी नम्र हड्डियाँ आनंदित होंगी। अपने मुख को मेरे पापों से फेर लीजिए और मेरी सारी अधर्म को मिटा दीजिए। हे

परमेश्वर , मुझ में एक नष्किलंक हृदय रचिए, और मुझ में एक नया और सही आत्मा नया कीजिए। मुझे अपनी उपस्थति से दूर न कीजिए, और अपनी पवत्रि आत्मा मुझ में से न लीजिए। मुझे अपने उद्धार का आनंद फरि से दे , और मुझे अपनी सामर्थी आत्मा से स्थरि कर। मैं दुष्टों को तेरे मार्ग सखिाऊँगा , और अधर्मी तेरी ओर फरिेंगे। हे परमेश्वर , हे मेरे उद्धार के परमेश्वर , मुझे रक्त -दोष से छुड़ा ; तब मेरी जीभ तेरी सच्चाई पर आनन्दति होगी । हे प्रभु , तू मेरे होठ खोल देगा , और मेरे होठ तेरी स्तुति करेंगे। क्योंकि यदि तू बलदिान चाहता, तो मैं उन्हें चढ़ा देता —परन्तु तू होमबलि में कोई आनंद नहीं लेता। परमेश्वर के लिए बलदिान एक टूटी हुई आत्मा है ; हे परमेश्वर , एक टूटा और कुचला हुआ हृदय , तू तुच्छ नहीं जानेगा। हे प्रभु , अपनी प्रसन्नता में सियिोन पर अपना अनुग्रह करें , और यरूशलेम की दीवारें फरि से बनाई जाएँ ; तब आप अनुग्रहपूर्वक धार्मकिता की बलि, भेंट और होमबलि ग्रहण करेंगे ; तब वे आपके वेदी पर जवान सांड चढ़ाएंगे।

और ट्रॉपारयिा , स्वर 7

हे भले चरवाहे , जन्हिोंने हमारे लिए अपनी आत्मा का बलदिान दयिा! / आप मेरे हृदय के रहस्यों और मेरे सभी कर्मों को जानते हैं : / हे एकमात्र भले , मेरा मार्गदर्शन करें , जो भटक गया है , / और मुझे भेड़यि से बचाएं , हे परमेश्वर के मेम्ने , / और मुझ पर दया करें।

नरिाशा की नींद से दबे हुए , / मैं पाप के मोह में डूबा हुआ हूँ : / परन्तु मुझे पश्चाताप का प्रभात प्रदान कर, / हे मसीह हमारे परमेश्वर , मेरी आत्मकि आँखों को प्रबुद्ध कर, / मेरी आत्मा के प्रकाश , और मुझे बचा।

पाप के कुहासे और इस जीवन के सुखों में उलझा, / मेरी दीन आत्मा का मन वभिन्नि वासनाओं को जन्म देता है / और पश्चाताप के वचिारों की ओर नहीं मुड़ता। / पर हे उद्धारकर्ता , मेरी दीनता पर दया करें , / और मुझे पश्चाताप की आत्मा प्रदान

करें , / ताकि मैं भी, उद्धार पाकर, अंत से पहले आपकी दया के प्रति पुकार सकूँ : / 'हे प्रभु , मेरे उद्धारकर्ता मसीह! / मुझे बचाओ, जो निराश और अयोग्य हूँ !'

जैसे कोई डाकुओं के हाथों में पड़कर घायल हो गया हो, / वैसे ही मैं भी अनेक पापों में गिर गया हूँ , / और मेरी आत्मा घायल है। / हे पापी, मैं किसकी ओर मुड़ूँ ? / – केवल आपकी ओर, हे आत्माओं के दयालु चिकित्सक : / हे ईश्वर , मुझ पर अपनी महान दया लुटाइए।

महिमा: व्यर्थ -व्ययी पुत्र के समान, मैं भी आ गया हूँ , हे दयालु ! / मुझे स्वीकार कर, हे पिता, जब मैं लौट रहा हूँ , / हे ईश्वर , अपने सेवकों में से एक के रूप में , और मुझ पर दया कर।

और अब, ईश्वर की माता को: हमें बचाओ, हे ईश्वर की माता, / उन पापों से जिन्होंने हमें दास बना रखा है : / क्योंकि हम, विश्वासियों के पास, आप के सिवाय और कोई आशा नहीं है , / और आप से जन्मे प्रभु के सिवाय।

फिर: हे प्रभु , दया करें **(40)।**

और 50 प्रणाम , इस प्रार्थना के साथ:

हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, और मुझे , एक पापी को, अपने पवित्र नाम के लिए क्षमा करो।

फिर संत बेसिल द ग्रेट की प्रार्थना

एक बार फिर मैं , जो इतना दीन-हीन हूँ , अपने ही मन और पाप की सेवा करने की दुष्ट आदत के वश में हो गया हूँ। एक बार फिर, अँधेरे का राजकुमार और कामुक सुखों का बीजारोपण करने वाले ने मुझे अपना कैदी बना लिया है , और एक आज्ञाकारी दास की तरह, मुझे अपनी इच्छा और शरीर की कामनाओं की सेवा करने के लिए मजबूर कर रहा है। और हे मेरे प्रभु , मेरे उद्धारकर्ता , और उन विश्वासियों के लिए मेरे वकील, जो आप पर भरोसा करते हैं , मैं क्या करूँ , सिवाय इसके कि एक बार फिर आपके पास लौटूँ , विलाप करूँ , और अपने किए के लिए दया की भीख माँगूँ ?

परन्तु मुझे डर और काँप लगती है कि कहीं ऐसा न हो कि मैं अपने पापों का नरिन्तर अंगीकार करता रहूँ और बुराई से दूर होने का वचन देता रहूँ , परन्तु हर घड़ी पाप करता रहूँ और अपने परमेश्वर , तुझसे कएि अपने वचन को पूरा करने में असफल रहूँ , और तेरी दीर्घ -सहष्णिुता क्रोध के लएि उकसा दी जाए। और हे प्रभु , तेरे क्रोध को कौन सहन कर सकता है ! तथापि, आपकी महान करुणा और मानवजाति के प्रति आपके प्रेम की गहराई को जानते हुए , मैं एक बार फरि स्वयं को आपकी दया पर सौंपता हूँ और आपसे पुकारता हूँ : 'जसि कसिी भी पाप के लएि मैंने पाप कयिा है , उसके लएि मुझे क्षमा करें ! मुझ पर, जो गरि गया हूँ , दया करें ; मेरी ओर सहायता का हाथ बढ़ाएँ , जो इंद्रयि सुखों की कीचड़ में फँसा हुआ हूँ। ' हे प्रभु , अपनी सृष्टि को मेरी अधर्म और पापों से भ्रष्ट न होने दें ; बल्कि , अपनी प्रथागत दया और भलाई से प्रेरति होकर, मुझे देह की गंदगी और कलंक से तथा उन कामुक वचिारों से बचाएँ जो मेरी दीन आत्मा को सदैव कलंकति करते हैं। हे प्रभु , देखो , जैसा कि आप देखते हैं , इसमें एक भी स्वच्छ स्थान नहीं है , बल्कि यह सब कोढ़ से ग्रस्त है , और पूरा शरीर फोड़ों से ढका हुआ है। इसलएि, हे मानव जाति के प्रेमी , आत्माओं और शरीरों के चकित्सिक और दया के स्रोत , आप स्वयं इसे मेरे आँसुओं की धारा से शुद्ध करें , जन्हिें मैं अपनी आँखों से प्रचुर मात्रा में बहाता हूँ ; मेरे ऊपर मानवता के प्रति अपना प्रेम उंडेलें , और मुझे चंगाई और शुद्धकिरण प्रदान करें , और मेरे घाव को भर दें , और मुझसे अपना मुख न मोड़ें , कहीं ऐसा न हो कि निराशा की आग मुझे सूखी टहनयिों की तरह भस्म कर दे। लेकनि जैसे आपने , हे सत्यवादी परमेश्वर , कहा है कि एक पश्चाताप करने वाले पापी के लएि स्वर्ग में बहुत आनंद होता है , वैसे ही मेरे साथ, एक पापी के साथ, व्यवहार करें , और मेरे पश्चाताप की प्रार्थना के लएि अपनी दया के कान बंद न करें , बल्कि उन्हें खोलें , और धूप की तरह, इसे अपने मुख के सामने ले जाएँ। क्योंकि हे सृष्टकिर्ता , आप जानते हैं कि

मनुष्य की प्रकृति कितनी दुर्बल है , जवानी में कितनी आसानी से कोई ठोकर खा जाता है , और शरीर कितना भारी है ; और आप पापों को नहीं देखते , बल्कि उन लोगों के पश्चाताप को स्वीकार करते हैं जो सच्चाई से आपको पुकारते हैं। क्योंकि धन्य और महिमामय है तेरा अति सम्मानित और राजसी नाम, पिता का, और पुत्र का, और पवित्र आत्मा का, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

दूसरी प्रार्थना , संत बेसिल की भी

अत्यंत दयालु , अविनाशी, निर्मल , पापरहित प्रभु , मुझे , अपने अयोग्य सेवक को, शरीर और आत्मा की हर अशुद्धि से , और मेरी लापरवाही और निराशा के कारण मुझ पर आई अशुद्धि से , साथ ही मेरी अन्य सभी अपराधों से शुद्ध करें , और मुझे अशुद्धि से परे बना दें , हे प्रभु , अपने मसीह की भलाई के द्वारा , और अपने परम पवित्र आत्मा की प्रेरणा से मुझे पवित्र कीजिए; ताकि, शैतान के अशुद्ध भ्रमों और सभी अशुद्धियों के कुहासे से जागकर, मैं एक निर्मल अंतरात्मा के साथ, अपने कलंकित और अशुद्ध होठों को खोलने , और आपके परम पवित्र नाम का गायन करने के लिए योग्य समझा जाऊँ , पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा के नाम, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

तीसरी प्रार्थना

हे प्रभु , हमारे परमेश्वर , मुझे क्षमा करें , क्योंकि आप भले और मानवता से प्रेम करने वाले हैं , उन सभी बातों के लिए जिनमें मैंने आज वचन, कर्म और विचार में पाप किया है। मुझे एक शांतिपूर्ण और सुकून भरी नींद प्रदान करें। अपने रक्षक स्वर्गदूत को भेजें जो मेरी रक्षा करें और मुझे सभी बुराइयों से बचाएं। क्योंकि आप हमारी आत्माओं और शरीरों के रक्षक हैं , और हम आपको महिमा अर्पित करते हैं ,

पति को, और पुत्र को, और पवत्रि आत्मा को, अब और हमेशा और युगों -युगों तक। आमीन।

चौथी प्रार्थना ,
संत जॉन क्रसिोस्टोम

1. हे प्रभु , मुझे अपनी स्वर्गीय आशीर्वादों से वंचति न करें।

2. हे प्रभु , मुझे अनंत यातना से बचाओ।

3. हे प्रभु , चाहे मैंने वचिार या मन में , वचन या कर्म में पाप कयिा हो – मुझे क्षमा करें।

4. हे प्रभु , मुझे सभी अज्ञानता , भूल , लापरवाही और कठोर उदासीनता से मुक्ति दें।

5. हे प्रभु , मुझे हर परीक्षा से बचाओ।

6. हे प्रभु , मेरे हृदय को प्रबुद्ध कर, जो दुष्ट इच्छाओं से ढका हुआ है।

7. हे प्रभु , मैंने एक मनुष्य के रूप में पाप कयिा है , लेकनि आप, एक दयालु ईश्वर के रूप में , मेरी आत्मा की कमजोरी को देखकर मुझ पर दया करें।

8. हे प्रभु , मेरी सहायता के लिए अपनी कृपा भेजो , ताकि मैं आपके पवत्रि नाम का महमिामंडन कर सकूँ।

९. हे प्रभु यीशु मसीह, मुझे , अपने दास को, जीवन की पुस्तक में अंकति करें और मुझे एक धन्य अंत प्रदान करें।

10. हे प्रभु , मेरे परमेश्वर , यद्यपि मैंने तेरी दृष्टि में कुछ भी भला नहीं कयिा है , परन्तु अपनी कृपा से मुझे एक अच्छी शुरुआत करने का अवसर प्रदान कर।

11. हे प्रभु , अपने अनुग्रह की ओस मेरे हृदय पर छड़िकें।

अपमान के वरिुद्ध नयिम

12. हे स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु , मुझे , अपने पापी, दीन और अशुद्ध सेवक को, अपने राज्य में स्मरण करना। आमीन।

1. हे प्रभु , पश्चाताप में मुझे स्वीकार करें और मुझे न छोड़ें।

2. प्रभु , मुझे परीक्षा में न डालिए।

3. हे प्रभु , मुझे अच्छे वचिार प्रदान करें।

4. हे प्रभु , मुझे आँसू , मृत्यु का स्मरण और पश्चाताप प्रदान करें।

5. हे प्रभु , मुझे अपने वचिारों का इक़रार करने का वचिार प्रदान करें।

6. हे प्रभु , मुझे नम्रता , अपनी इच्छा को वश में रखने और आज्ञाकारतिा प्रदान करें।

7. हे प्रभु , मुझे दृढ़ता , धैर्य और नम्रता प्रदान करें।

8. हे प्रभु , मुझमें भलाई की जड़ - आपका भय - स्थापति करें।

9. हे प्रभु , यह अनुग्रह कर कि मैं आपसे अपनी पूरी आत्मा , मन और हृदय से प्रेम करूँ , और हर बात में आपकी इच्छा का पालन करूँ।

10. हे प्रभु , मुझे दुष्ट लोगों , राक्षसों , वासनाओं और हर अश्लील कर्म से बचाओ।

11. हे प्रभु , जैसा आप आज्ञा देते हैं , हे प्रभु , जैसा आप जानते हैं , हे प्रभु , जैसा आप चाहते हैं – आपकी इच्छा मुझ में पूरी हो।

12. हे प्रभु , आपकी इच्छा पूरी हो, न कि मेरी , परमेश्वर की परम पवत्रि माता और आपके सभी संतों के मध्यस्थता और वनिती के द्वारा , क्योंकि आप सदा के लिए धन्य हैं। आमीन।

पाँचवाँ प्रार्थना ,
ईश्वर की परम पवत्रि माता को

हे परम पवत्रि माता, ईश्वर की माता, अपनी पवत्रि और सर्वशक्तमिान मध्यस्थता से , मुझसे , अपनी इस वनिम्र और दीन दासी से , नरिाशा को दूर भगाएँ , भूल , मूर्खता , सुस्ती , और मेरे दीन हृदय तथा मुरझाए मन से सभी दुष्ट , कपटी और ईश्वर - नन्दिा करने वाले वचिारों को दूर कर दो, और मेरे वासनाओं की ज्वाला को बुझा दो, क्योंकि मैं दीन और दुखी हूँ। और मुझे अनेक और हानकिारक स्मृतयिों और इरादों से बचाओ, और मुझे सभी दुष्ट कर्मों से मुक्त करो, क्योंकि सभी पीढ़यिाँ आपको धन्य कहती हैं , और आपका अतसिम्मानति नाम युगों -युगों तक महमिामय होता रहे। आमीन।

तब: हम आपको महमिा देते हैं , हे परम पवत्रि थओिटोकोस, जन्होंने चेरुबमि के उच्चतम सम्मान और सेराफमि की अतुलनीय महमिा के साथ, कुँवारीपन में परमेश्वर वचन को जन्म दयिा।

पति को, पुत्र को, और पवत्रि आत्मा को महमिा हो, अब और सदा, युगानुयुग। आमीन।

हे प्रभु , दया करें। (3)

हे प्रभु , हमें आशीर्वाद दें।

और समापन

हे प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र , अपनी अतपिवत्रि माता और सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , मुझे एक पापी को बचाओ।

अपवत्रिता से रक्षा के लिए प्रार्थना

हे प्रभु हमारे ईश्वर , एकमात्र शुभ और दयालु , एकमात्र पवत्रि जो संतों के बीच वश्रिाम करते हैं ! आपने अपने परम प्रेरति पतरस को एक दर्शन में यह प्रकट कयिा कि मानव पोषण

और आनंद के लिए आपने जो कुछ भी सृजति कयिा है , उसे अशुद्ध या अपवत्रि नहीं माना जाना चाहिए, और अपने चुने हुए पात्र , प्ररेरति पौलुस के माध्यम से , आपने आज्ञा दी कि जो शुद्ध हैं उनके लिए सभी वस्तुएँ शुद्ध हैं : हे परम पवत्रि प्रभु , आप स्वयं , अपने भयानक और परम पवत्रि नाम के आह्वान से , और पवत्रि तथा जीवन-दायक क्रूस के चह्नि से , मुझे , अपने दास (नाम) को, जो हर दुष्ट आत्मा द्वारा अपवत्रि कयिा गया हूँ , आशीर्वाद दें और शुद्ध करें , हर वषैली कल्पना और भवषि्यवाणी से , हर अधर्म और हर धोखे से , हर जादू -टोने और हर व्यर्थता से , और हर दुर्बलता और हर बीमारी से , और शैतान की हर शत्रुतापूर्ण दुष्टता से। और अब, हे सर्वशक्तमिान प्रभु , अपनी दया से मुझे , अपने अयोग्य सेवक (नाम) को, अपने परम पवत्रि रहस्यों की सेवा करने का वरदान दें। और सबसे पहले , मेरी आत्मा और शरीर को हर अशुद्धि से शुद्ध कर, और हर पाप को क्षमा कर, चाहे जानबूझकर कयिा हो या अनजाने में , जसिमें मैंने अपने जीवन के सभी दनिों में , कर्म , वचन और वचिार में , दनि और रात, और इस घड़ी तक पाप कयिा है। और हे प्रभु , मुझे यह अनुग्रह प्रदान करें कि मैं स्वर्गकि सेनाओं की उपस्थति में इस भयानक सेवा का नरि्वहन करूँ , और तेरे परम पवत्रि रहस्यों में भाग लूँ , न तो न्याय के लिए, न ही नन्दिा के लिए, बल्कि पापों की क्षमा , पवत्रि आत्मा के आगमन, और उस अनंत आनंदपूर्ण जीवन के लिए, जो तूने अपने सच्चे सेवकों के लिए तैयार कयिा है। हे सर्वशक्तमिान प्रभु , मुझे हर पाप और कपट से बचाओ; मुझे कलंक और दुराचार से , और शत्रु शैतान की हर चालाकी से दूर रखो; और हे प्रभु , मुझे यह अनुग्रह दो कि मैं अपने अंतमि दनि, घड़ी और मृत्यु के क्षण तक पवत्रिता और धार्मकिता में आपकी सेवा करूँ।

क्योंकि हे मसीह हमारे परमेश्वर , आप सभी चीज़ों को आशीष देते और पवत्रि करते हैं , और हम आपको महमिा देते हैं , आपके आदहिीन पति और आपके परम पवत्रि , शुभ और जीवन-

प्रदायक आत्मा के साथ, अब और सदा के लिए और युगानुयुग। आमीन।

वषिय-सूची पर वापस जाएँ ।